



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 62]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 30, 1988/चैत्र 10, 1910

No. 62]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 30, 1988/CHAITRA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

(निर्यात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 11-ई. टी. सी. (पी एन)/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

विषय :— अप्रैल 1988 से मार्च 1991 तक की अवधि के लिए  
आयात-निर्यात नीति (खंड - 2)

सं. 19 (1)/87-ई-II :—भारत के असाधारण राजपत्र में प्रका-  
शित निर्यात (नियंत्रण) आदेश 1988 दिनांक 30 मार्च, 1988 की ओर  
ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. निर्यात लाइसेंसिंग नीति 1 अप्रैल 1988 से तीन वर्ष की अवधि  
के लिए 31 मार्च, 1991 तक प्रभावी रहेगी। उपर्युक्त अवधि के दौरान  
लागू नीति इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न खंड-I, III, IV, V एवं  
VI में उल्लिखित है। तथापि, सरकार को यह अधिकार है कि वह इस  
नीति में ऐसे संशोधन/परिवर्तन कर सकती है जो उक्त अवधि के दौरान

समय-समय पर लोकहित में करने आवश्यक हों। संशोधन आदि, यदि कोई  
किए जाएंगे तो उन्हें पहले की भांति ही समय-समय पर मुख्य नियंत्रक  
आयात एवं निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं/संशोधन  
आदेशों के माध्यम से अधिसूचित किया जाएगा। ऐसे संशोधन एवं परि-  
वर्तन जब भी अधिसूचित किए जाएंगे नीति पुस्तक के प्रावधान उनके  
अधीन होंगे।

3. जिन मर्चों का निर्यात-नियंत्रण आधार पर या खुले सामान्य  
लाइसेंस-3 के अंतर्गत अनुमति या उनके संबंध में निबंध-पूर्व (नियंत्रण  
पूर्व सहित) वचनबद्धता के आधार पर निर्यात के लिए आवेदन-पत्र उक्त  
नीति के संबंध प्रावधानों के अनुसार विचार के लिए मुख्य नियंत्रक आयात  
एवं निर्यात के कार्यालय, अद्योग भवन, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

4. "गुणावगुण" के आधार पर निर्यात के लिए अनुमति मर्चों के संबंध  
में निर्यात की आवश्यक अनुमति प्राप्त कर लेने से पहले किसी भी व्यक्ति  
को वचनबद्धता नहीं करनी चाहिए। ऐसी मर्चों के मामले में आवेदन पत्र  
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में प्रस्तुत किए जाने  
चाहिए।

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## भाग I

## निर्यात नियंत्रण

1. नीति और प्रक्रियाओं को सरल बनाने और युक्तिसंगत करने का सरकार की लाइसेंस नीति के उद्देश्य के अनुरूप ही इस बार निर्यात लाइसेंसिंग नीति की पूर्ण रूप से समीक्षा की गई है, पुनर्संकलित तथा इसकी पुनर्संरचना की गई है। इस बार भी निर्यात नीति की निरन्तरता एवं स्थिरता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह नीति तीन वर्षों अर्थात् प्रथम अप्रैल, 1988 से 31 मार्च, 1991 तक वैध रहेगी। तथापि सरकार को यह अधिकार होगा कि वह नीति में ऐसे संशोधन/परिवर्तन कर सके जो उपर्युक्त अवधि के दौरान समय-समय पर लोक हित में आवश्यक हो जाएं। यदि कोई संशोधन आदि किया जाएगा तो वह मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं/संशोधन आदेशों के माध्यम से अधिसूचित किया जाएगा। इस नीति पुस्तक के प्रावधान उन ऐसे अधिसूचित किए गए संशोधनों अथवा परिवर्तनों की शर्त के अधीन होंगे।

2. उद्देश्य: सरकार का मूल उद्देश्य निर्यात को अधिकतम सीमा तक बढ़ाना है परन्तु यह इस प्रकार किया जाना है कि अपने देश में अनिवार्यतः अपेक्षित मर्दों के अनियंत्रित निर्यात से अपने देश की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अतः निर्यात नियंत्रण उन सीमित मर्दों की संख्या पर लागू किया जाता है जिनकी आपूर्ति स्थिति की यह मांग रहे कि देश के वृहत हित में उनके निर्यात को विनियमित किया जाना चाहिए।

3. क्षेत्र: निर्यात पर नियंत्रण, निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है। यह अधिनियम वर्तमान प्रक्रिया पुस्तक में पुनः उद्धृत किया गया है।

4. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 में सम्मिलित की गई मर्दें ही नियंत्रण के अधीन हैं। ऐसी किसी भी मर्द का निर्यात तब तक नहीं किया जा सकता है जब तक कि सक्षम लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए वैध निर्यात लाइसेंस में उस मर्द को सम्मिलित न कर दिया गया हो। इस अनुसूची में किसी माल के सम्मिलित न होने पर उसका पोतलदान किसी निर्यात लाइसेंस के बिना तब तक किया जा सकता है जब तक कि उसका निर्यात किसी समय लागू अन्य कानून के अन्तर्गत निर्यातित न कर दिया गया हो। उदाहरणार्थ पुरावशेषों का निर्यात पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 के अधीन नियंत्रित किया जाता है, जबकि कहवा और चाय का निर्यात कहवा बोर्ड, बंगलौर और चाय बोर्ड, कलकत्ता द्वारा क्रमशः भारतीय कहवा अधिनियम, 1942 और चाय अधिनियम, 1953 के अधीन नियंत्रित है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सोने, करेन्सी नोट्स और सिक्कों का निर्यात विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अन्तर्गत नियन्त्रित है। इसी प्रकार, कुछ अन्य पण्यवस्तुओं का निर्यात या तो निषेध कर दिया जाता है या विभिन्न अधिनियमों के अधीन नियंत्रित किया जाता है। ऐसे कुछ अधिनियमों की सूची भाग-6 में दी गई है।

5. निर्यात (नियंत्रण) आदेश की व्याप्ति के अन्तर्गत आने वाली किसी मर्द का निर्यात तब तक नहीं किया जा सकता है जब तक कि उम मर्द के लिए लाइसेंस देने के लिए सक्षम लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए वैध लाइसेंस में वह मर्द शामिल न की गई हो परन्तु इसके होते हुए भी आदेश में व्यवस्था है कि कतिपय अपवादों और रियायतों

के अनुसार कुछ परिस्थितियों में एवम् सीमित मात्रा में, लाइसेंस के बिना निर्यात किया जा सकता है। इन अपवादों और रियायतों का विवरण इस पुस्तक के निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं के अध्याय में दिए गए हैं।

6. निर्यात विश्व के किसी भी गन्तव्य स्थान को किया जा सकता है। लाइसेंस जारी करने के मामले में एक देश से दूसरे देश के बीच कोई भेद-भाव नहीं किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि विदेशी क्रेता जिस देश के वे रहने वाले हैं उसको ध्यान में रखे बिना किसी निर्यात लाइसेंस के धारक व्यक्तियों से या खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत निर्यात करने के लिए पात्र व्यक्तियों से, बशर्ते कि खुले सामान्य लाइसेंस की शर्तें पूरी की जा रही हों, पण्यवस्तुओं की अपनी आवश्यकताएं पूरी कर सकता है। केवल दक्षिणी अफ्रीका संघ तथा दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका और फिजी इस सामान्य नियम के अपवाद हैं, क्योंकि इन देशों से व्यापार पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। अतः इन देशों को निर्यात करने की कोई अनुमति नहीं है तथापि, भारत और चीन के तिब्बत क्षेत्र के बीच बार्डर ट्रेड (अर्थात् सीमान्त व्यापार) की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. नीति और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के एक भाग के रूप में निर्यात लाइसेंसिंग नीति को छ. परिशिष्टों में विभाजित किया गया है।

## लाइसेंस नीति

परिशिष्ट-1 में निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 और तद्धीन अनुसूचियां अन्तर्विष्ट हैं। इसे भाग-2 में उद्धृत किया गया है।

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की प्रथम अनुसूची 1 में उन पण्यवस्तुओं की सूचीबद्ध किया गया है जो निर्यात नियंत्रण के अधीन हैं। इन मर्दों को दो सूचियों में विभाजित किया गया है। भाग-"क" नाम की प्रथम सूची में वे मर्द हैं जिनके निर्यात की अनुमति नहीं है। इन मर्दों को परिशिष्ट-2 में पुनः उद्धृत किया गया है। भाग-"ख" नाम की द्वितीय अनुसूची में वे मर्द हैं जिनका निर्यात कतिपय निर्दिष्ट शर्तों के अधीन है। भाग-"ख" की इन मर्दों को इनके लिए प्रयोज्य अलग-अलग नीति पर निर्भर रहते हुए परिशिष्ट-3, 4, 5 और 6 में समूहबद्ध किया गया है।

अनुसूची-2 में निर्यात लाइसेंस देने के लिए सक्षम अधिकारियों की सूची दी गई है।

अनुसूची-3 में चार खुले सामान्य लाइसेंस और उन से सम्बद्ध शर्तें अन्तर्विष्ट हैं।

8. परिशिष्ट-3 में उन मर्दों की सूची दी गई है जिनके निर्यात की अनुमति "गुण दोष" के आधार पर दी जाएगी। ऐसे निर्यातों के सम्बन्ध में अलग-अलग निर्यातकों से प्राप्त आवेदन पत्रों पर केवल मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा ही विचार किया जाएगा। ऐसे आवेदनपत्रों को निर्यात लाइसेंस समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया जाएगा जो कि मुख्यालय में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की अध्यक्षता में गठित की गयी है। इस समिति में वाणिज्य मंत्रालय और अन्य सम्बद्ध विभागों/मंत्रालयों के प्रतिनिधि होंगे। निर्यात का निर्णय गुणदोष के आधार पर और प्रत्येक मामले के आधार पर किया जाएगा और इस निर्यात लाइसेंस समिति की सिफारिशों के आधार पर ही श्रेणीय लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी किए जाएंगे।

9. परिशिष्ट-4 में उन मदों की सूची दी गई है जिनका निर्यात सीमित सीलिंग के अन्तर्गत अनुमित है। सीलिंग में रखी गई मदें व हैं जिनके निर्यात के लिए अनुमति सीमा या तो उत्पादन की कठिनाइयों अथवा संसाधित क्षमताओं की तंगी के कारण प्रत्येक वर्ष में भिन्न-भिन्न होगी। सम्पूर्ण वर्ष की सीलिंग को छमाही आधार पर दो किस्तों में रिलीज किया जाएगा। इस परिशिष्ट के दो भाग हैं:— सूची-1 की मदों के सम्बन्ध में सीलिंग क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों के अधिकार में होगी जबकि सूची-2 की मदों के सम्बन्ध में यह सीलिंग मुख्यालय के अधिकार में रहेगी। इस परिशिष्ट के अन्तर्गत आने वाली मदों के लिए आवेदनपत्र देने की प्रक्रिया निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया सम्बन्धी अध्याय में अलग से दी गई है।

10. परिशिष्ट-5 में उन मदों की सूची दी गई है जिनका निर्यात विनष्टि एजेंसियों के माध्यम से सारणीबद्ध है। इन मदों के लिए निर्यातों की अनुमति केवल संबद्ध सारणीबद्ध एजेंसी द्वारा ही दी जाएगी। जिस मात्रा तक इन मदों के सम्बन्ध में निर्यात की अनुमति दी जा सकती है और उनसे सम्बन्धित अन्य व्यौरों का निर्णय सरकार द्वारा समय-समय पर किया जाता है। अतः इस सम्बन्ध में सारणीबद्ध एजेंसियों का संचालन ऐसे निदेशों के अधीन रहेगा जो कि सरकार द्वारा उनको दिए जाएंगे।

11. परिशिष्ट-6 में उन मदों की सूची दी गई है जिनका निर्यात खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत उससे संलग्न कतिपय अन्य शर्तों के अधीन है। जो निर्यात संगत खुले सामान्य लाइसेंस की शर्तों के अनुसार किए जाते हैं। उनके सम्बन्ध में निर्यातकों की कोई निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए लाइसेंस प्राधिकारियों से सम्पर्क करने की आवश्यकता नहीं होगी। फिलहाल चार खुले सामान्य लाइसेंस प्रचलन में हैं जैसे जो कि निर्यात (निर्यंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-3 में है, और इस पुस्तक के भाग 2, परिशिष्ट-1 में पुनः उद्धृत किए गए हैं।

12. (1) यद्यपि प्रस्तुत नीति तीन वर्षों की अवधि के लिए है, परन्तु लाइसेंस देना वार्षिक आधार पर ही जारी रहेगा।

(2) इस नीति में जहां कहीं “वर्ष” अथवा “लाइसेंसिंग वर्ष” आया है, उनका अर्थ 1 अप्रैल से आरम्भ और 31 मार्च को समाप्त होने वाले “वित्तीय वर्ष” से माना जाएगा।

(3) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात सार्वजनिक सूचना जारी करके किसी भी लाइसेंस अवधि या पण्यवस्तु के सम्बन्ध में निर्यात लाइसेंस जारी करने के लिए एक विशेष प्रक्रिया तैयार कर सकते हैं। ऐसे मामलों में नीति और प्रक्रिया के प्रावधान, जो भी निर्धारित किए जाएंगे केवल उसी सीमा तक लागू होंगे जो सीमा ऐसी सार्वजनिक सूचना में निश्चित की जाएगी।

### 13. मुक्त व्यापार नमूने

मुक्त व्यापार नमूनों के निर्यात के बारे में निर्यात (निर्यंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-3 में खुले सामान्य लाइसेंस में दिया गया है। यह परिशिष्ट-1 में पुनः उद्धृत किया गया है। मुक्त व्यापार नमूनों के निर्यात के क्षेत्र को व्यापक और युक्तिसंगत बनाया गया है।

### 14. परियोजना निर्यात

किसी भारतीय संविदाकार/उप-संविदाकार/परामर्शदात्री संगठन द्वारा विदेश में ली गयी परियोजना के सम्बन्ध में अपेक्षित निर्यात (निर्यंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 के भाग “क” या भाग “ख” में शामिल की गई किसी मद के निर्यात की अनुमति निर्यात के समय लागत निर्यात नीति को ध्यान में न रखते हुए वाणिज्य मंत्रालय की परियोजना समिति द्वारा जारी किए गए अनुमोदन/स्वीकृति पत्र के आधार पर दी जाएगी।

ऐसे अनुमोदन/स्वीकृति पत्र में परियोजना समिति द्वारा निर्यात के लिए अनुमोदित अलग-अलग मदों की मात्रा, विशिष्टीकरणों और मूल्य के सम्बन्ध में ब्यौरे दिए जाएंगे। उक्त समिति से अनुमोदन/स्वीकृति पत्र प्रस्तुत करने पर क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा परियोजना लेने वाले ऐसे विदाकार/उपसंविदाकार/ परामर्शदात्री संगठन के नाम में निर्यात लाइसेंस जारी किए जाएंगे। निर्यात (निर्यंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची-1 के भाग “क” या भाग “ख” में न दी गई विदेश में परियोजना के लिए अपेक्षित मदों के निर्यात की अनुमति उक्त समिति से कोई प्रतिबन्ध अथवा अनुमति प्राप्त किए बिना विनियमित आधार पर दी जाएगी।

15. पोतलदान-पूर्व निरीक्षण और गुण नियंत्रण-निर्यातक (कों) को पोतलदान के समय उन मदों के लिए निर्यात निरीक्षण एजेंसी से पोतलदान-पूर्व निरीक्षण/गुण नियंत्रण प्रमाणपत्र सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा जो मदें निर्यात (गुण नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत आते हैं चाहे ऐसी शर्त निर्यात नीति में निर्धारित की गई हो अथवा नहीं।

16. निर्यात लाइसेंस पर उन अन्य कानूनों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके अन्तर्गत माल या आवेदन/लाइसेंस जारी करने पर वे लागू हो सकते हैं। यह खुले सामान्य लाइसेंस पर निर्यात के लिए अनुमति माल पर भी लागू होता है। सम्बन्धित प्रत्येक व्यक्ति, सभी अवसरों पर उस पर लागू मामले में, सभी अन्य कानूनों आदि का अनुपालन करने और करते रहने के आभार के अधीन है।

17. आयात और व्यापार (निर्यंत्रण) अधिनियम, 1947 को प्रक्रिया पुस्तक 1988-89, में दोहराया गया है।

लागू निर्यात (निर्यंत्रण) आदेश, 1968 इस पुस्तक के भाग-2 परिशिष्ट-1 में दोहराया गया है।

निर्यातकों और सम्बन्धित व्यक्तियों को अधिनियम और संबंधित आदेशों में दिए गए प्रावधानों को सावधानी पूर्वक पढ़ा जाना चाहिए, कोई भी उल्लंघन कानून के अधीन दण्डनीय है।

केन्द्रीय सरकार अधिनियम के खण्ड-6 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम के खण्ड-5 के अन्तर्गत किसी भी दण्डनीय अपराध के सम्बन्ध में निम्नलिखित अधिकारियों को न्यायालय में लिखित शिफारस करने के लिए प्राधिकृत करती है:—

- (1) संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
- (2) उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
- (3) सीमाशुल्क, अधिनियम, 1962 (1962 के 52) के अधीन सीमाशुल्क समाहर्ता और सीमाशुल्क अधिकारी,
- (4) नियन्त्रक, लौह-हस्तात और उप-नियन्त्रक, लौह-हस्तात, और
- (5) केन्द्रीय जांच ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक।

इसके अतिरिक्त, यथा संशोधित आयात-निर्यात (निर्यंत्रण) अधिनियम; तथा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत दण्ड दिया जा सकता है, निर्यात लाइसेंसों को निरस्त किया जा सकता है तथा अन्यथा यथा संशोधित निर्यात नियंत्रण आदेश, 1988 में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों के अन्तर्गत अन्यथा निष्प्रभावी किया जा सकता है।

18. जब तक अन्यथा रूप से इसमें न दिया गया हो, निर्यात के लिए लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस सहित दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका और फिजी को छोड़कर विश्व के किसी भी देश को निर्यात के लिए वैध होंगे।

19. निर्यात लाइसेंस/परमिट प्राप्त करने के लिए कोई शुल्क प्रभाव नहीं है।

20. वास्तविक निजी असबाब का निर्यात, निर्यात असबाब नियमों द्वारा नियंत्रित किया जाता है जिसको इस पुस्तक में पुनः उद्धृत किए गए हैं।

21. डाक द्वारा निर्यात पोस्टल नोटिस सं. 13, दिनांक 3-12-1973 के अनुसार नियमित किए जाते हैं जिसको इस पुस्तक में पुनः उद्धृत किया गया है।

22. जहाँ वर्तमान नीति और प्रक्रियाएं वास्तविक कठिनाई उत्पन्न करती हों अथवा जहाँ वर्तमान नीति को कड़ाई से लागू करने से निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहाँ पर वर्तमान नीति और

प्रक्रियाओं में ढील देने के मामलों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा विचार किया जा सकता है।

23. निर्यात में सम्बन्धित मामलों और निर्यात नीति तथा प्रक्रिया सम्बन्धी व्याख्या के मामलों में सम्बद्ध व्यक्ति मनाई के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात, नई दिल्ली को लिख सकते हैं। किन्तु अन्य तरीके से या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा की गयी निर्यात नीति की व्याख्या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के लिए या कानूनन बाध्यकारी नहीं होगी।

24. निर्यात नियंत्रण के अन्तर्गत मर्चों के सुलभ मंदन और पहचान को सुविधाजनक बनाने के लिए एक उत्पाद-वार सूचक भी उद्धृत किया गया है।

25. निर्यात से सम्बन्धित स्वयं में प्रक्रियाएं इस पुस्तक के भाग-5 में अलग से दी गई हैं।

## परिशिष्ट-1

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

निर्यात व्यापार नियंत्रण (सं. 1/88 ई टी सी)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश की रचना करती है; अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ — (1) इस आदेश को निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की संज्ञा दी जाए।

(2) यह 30 मार्च, 1988 से लागू होगा।

2. परिभाषा—इस आदेश में जब तक अन्यथा रूप में संदर्भ की आवश्यकता न हो:—

(क) “अधिनियम” का अर्थ है आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18);

(ख) “सीमा शुल्क समाहर्ता” का वही अर्थ है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) में नियत है;

(ग) एक प्राधिकृत अधिकारी का अर्थ है कि वह अधिकारी जो मुख्य मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, द्वारा प्राधिकृत उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात से कम पद पर न हो;

(घ) लाइसेंस का अर्थ है कि एक निर्यात लाइसेंस इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किया गया है;

(ङ) “लाइसेंसधारी” का मतलब वह व्यक्ति है, जिसको इस आदेश के अन्तर्गत लाइसेंस प्रदान किया जाता है;

(च) “लाइसेंस अधिकारी” का मतलब है वह समर्थ प्राधिकारी जो इस आदेश के अन्तर्गत लाइसेंस प्रदान करता है;

(छ) “अनुसूची” का मतलब है इस आदेश की अनुसूची;

(ज) “मूल्य” का मतलब वही है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की उप-धारा (1) में है;

(झ) इस आदेश में प्रयुक्त शब्द और परिभाषा जिसे इस अधिनियम में परिभाषित नहीं किया गया है उनका वही अर्थ होगा जो क्रमशः उनके लिए अधिनियम में निर्वाचित किए गए ह।

3. कुछ मदों के निर्यात पर प्रतिबंध—(1) इस आदेश में अन्यथा, रूप से जो दिया गया है, उसे छोड़कर कोई भी व्यक्ति अनुसूची-1 में उल्लिखित विवरणों के किसी भी माल का निर्यात नहीं करेगा, किन्तु उस माल को छोड़कर जो केन्द्रीय सरकार या अनुसूची 2 में उल्लिखित

अधिकारी द्वारा प्रदान किए गए लाइसेंस के अन्तर्गत और उनके अनुसार हो।

(2) उप-अनुच्छेद (1) में किसी बात के होते हुए भी अनुसूची-3 में विशिष्टीकृत माल का निर्यात, उनमें उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर किया जा सकता है।

(3) यदि किसी भी मामले में यह पाया गया कि निर्यात किए जाने वाले माल का मूल्य, प्रकार, विशिष्टीकरण, किस्म और विवरण निर्यातक की घोषणा के अनुसार नहीं है या ऐसे माल की किस्म और विशिष्टीकरण निर्यात संविदा की शर्तों के अनुसार नहीं है तो ऐसे माल का निर्यात निषेध समझा जाएगा।

4. लाइसेंस की शर्तें (1)—इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में इस तरह की शर्तें हो सकती हैं जो इस अधिनियम या इस आदेश के अनुरूप न हों, परन्तु जिन्हें लाइसेंस अधिकार उपयुक्त समझे।

(2) इसे प्रत्येक लाइसेंस के लिए एक शर्त के रूप में समझा जाएगा कि:—

(क) लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को कोई व्यक्ति हस्तांतरित नहीं करेगा और न कोई व्यक्ति हस्तांतरण द्वारा प्राप्त करेगा, किन्तु उन मामलों को छोड़कर जिनमें उस प्राधिकारी की लिखित अनुमति मिल जाती है जिसने लाइसेंस प्रदान किया गया है।

(ख) जिस माल के निर्यात के लिए लाइसेंस प्रदान किया जाता है वह माल निर्यात के समय लाइसेंसधारी की सम्पत्ति होगी।

(3) इस अनुच्छेद के अन्तर्गत रखी गई या रखी जाने वाली शर्तों का सभी लाइसेंसधारी पालन करेंगे।

5. लाइसेंस अस्वीकार करना:—लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस देने से इन्कार कर सकता है:—

(क) यदि लाइसेंस के लिए दिया गया आवेदन-पत्र इस आदेश किसी उपबन्ध के अनुसार नहीं है;

(ख) यदि इस प्रकार के आवेदन पत्र में किसी प्रकार का झूठा या जालसाजी करते या गुमराह करने वाला विवरण पाया जाता है;

- (ग) यदि आवेदक अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में कोई ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत करता है जो झूठा है या जाली है या जिसमें हेर-फेर किया गया है;
- (घ) यदि लाइसेंस प्राधिकारी यह समझता है कि लाइसेंस प्रदान करना देश के हित में नहीं होगा;
- (ङ) यदि आवेदक के कार्य-कलाप राज्य के हित के प्रतिकूल है;
- (च) यदि आवेदक ने किसी सीमाशुल्क या विदेशी मुद्रा से सम्बन्धित किसी कानून (जिसमें कोई नियम, आदेश या अधिनियम शामिल है) का उल्लंघन किया है;
- (छ) यदि आवेदक ने किसी समय निर्यात लाइसेंस में कोई फेर-बदल की है या बिना लाइसेंस के माल निर्यात किया है या अपने वाणिज्यिक कार्यों में या किसी प्रकार से लाइसेंस प्राप्त करने में किसी भ्रष्ट या धोखेबाजी के कामों में भाग लिया है या यह पाया जाता है कि उसने लाइसेंसधारी को किसी प्रकार का प्रलोभन देकर या अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना की है;
- (ज) यदि आवेदक के लिए लाइसेंस प्राप्त करने में आवेदक के किसी अधिकर्ता या कर्मचारी ने किसी भ्रष्ट या जालसाजी के कामों में भाग लिया है;
- (झ) यदि निर्यात लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र दोषपूर्ण पाया जाता है और निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं पाया जाता है;
- (ञ) यदि आवेदक अधिनियम के अन्तर्गत बनाए गये या बनाए गए समझे जाने वाले किसी आदेश का या इस प्रकार के किसी आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस की किसी शर्त का उल्लंघन करता है या उल्लंघन करने का प्रयास करता है या उल्लंघन करने के लिए उकसाता है या निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों को भंग करता है;
- (ट) यदि आवेदक निर्यात नियंत्रण विनियमों के अनुसार लाइसेंस के लिए पात्र नहीं है;
- (ठ) यदि लाइसेंस प्राधिकारी निर्यात को विशेष या विशिष्ट अधिकारों से या सूत्रों के माध्यम से सरणीबद्ध करने का निश्चय करता है।
- (ड) यदि आवेदक एक साझोदार फर्म में साझोदार है या उस प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक है जो कुछ समय के लिये अनुच्छेद 7 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 9 के अन्तर्गत कार्रवाई के अधीन है;
- (डू) यदि आवेदक अनुच्छेद 7 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 9 के अन्तर्गत थोड़े समय के लिए किसी कार्रवाई के अधीन है;
- (ण) यदि आवेदक एक साझोदार फर्म में या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी में कोई साझोदार या पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक हो या, जैसा भी मामला हो, थोड़े समय के लिए अनुच्छेद 7 या 8 या 9 के अन्तर्गत किसी कार्रवाई के अधीन है;
- (त) यदि सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत आवेदक से किसी प्रकार की धनराशि की मांग की जाती है या उक्त अधिनियम के अन्तर्गत किसी प्रकार का लगाया गया दण्ड 3 महीने की अवधि तक चुकाया नहीं गया है;

(य) यदि आवेदक किसी प्रकार के उस दस्तावेज को प्रस्तुत करने में असमर्थ है जिसकी मांग मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात या लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा की जाती है और

(द) यदि आवेदक, अधिनियम के अन्तर्गत उस पर अन्तिम रूप से लगाए गए जुर्माने को चुकाने में असफल रहता है।

6. लाइसेंस का संशोधन :—लाइसेंस प्राधिकारी अपने स्वयं के प्रस्ताव पर या लाइसेंसधारी के आवेदन पर, इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में ऐसा संशोधन कर सकता है जो कि अधिनियम की या इस आदेश की या थोड़े समय के लिए लागू किसी अन्य कानून की व्यवस्थाओं के अनुरूप आवश्यक समझे या लाइसेंस में किसी प्रकार की गलती या भूल का सुधार कर सकता है;

बर्तते कि लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंसधारी के अनुरोध पर लाइसेंस में निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों के अनुसार किसी संगत तरीके से संशोधन करे।

7. लाइसेंस प्राप्त करने या माल निर्यात करने में वंचित करने का अधिकार :—(1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी लाइसेंसधारी को या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को निम्नलिखित सभी के लिए या इनमें से किसी के लिए वंचित कर सकते हैं; अर्थात् लाइसेंस प्राप्त करने से या किसी माल का निर्यात करने से वंचित कर सकते हैं और अन्य कोई कार्यवाही जो इस सम्बन्ध में की जाए उसे ध्यान में रखे बिना यह निदेश दे सकते हैं कि उसे कोई लाइसेंस प्रदान नहीं किया जाएगा या इस आदेश के अन्तर्गत एक विशिष्टीकृत अवधि के लिए किसी माल के निर्यात के लिए उसे कोई अनुमति नहीं दी जाएगी:

(क) यदि लाइसेंस के लिए उसका आवेदन-पत्र किसी समय इस आदेश की किसी व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाया जाता है; या

(ख) यदि इस प्रकार के आवेदन-पत्र में किसी प्रकार का झूठा, जाली या गुमराह करने वाला विवरण शामिल होता है; या

(ग) यदि यह पाया जाता है कि उसने अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में जो प्रलेख दिया है, वह झूठा है या जाली है या उनमें हेर-फेर किया हुआ है; या

(घ) यदि उसने किसी समय निर्यात लाइसेंस में हेर-फेर किया है या लाइसेंस के बिना माल निर्यात किया है या वाणिज्यिक व्यवहार करने में या लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का निर्यात करने में भ्रष्ट या धोखेबाजी के काम में भाग लिया है, या यह पाया जाता है कि लाइसेंसधारी ने किसी प्रकार का प्रलोभन देकर या किसी अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना की है; या

(ङ) यदि उसके अधिकर्ता या कर्मचारी ने किसी भ्रष्ट या धोखेबाजी के काम में किसी लाइसेंस प्राप्त करने या उसकी ओर से किसी माल का निर्यात करने में किसी धोखेबाजी के काम में भाग लिया है; या

(च) यदि वह लाइसेंस में दी गई शर्तों या लाइसेंस में संलग्न किए गए आवेदन-पत्र में दो गई शर्तों में किसी शर्त का अनुपालन करने में असफल रहता है या उल्लंघन करता है या उल्लंघन करने का प्रयत्न करता है या उल्लंघन करने में सहायता देता है; या

(छ) यदि वह सीमाशुल्क या माल के आयात और निर्यात या विदेशी मुद्रा से सम्बन्धित किसी कानून (इनमें कोई भी आदेश या विनियम शामिल है) को भंग करता है; या

यदि वह मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या किसी अन्य लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है; या

(अ) यदि वह अपने और अन्य पार्टी के बीच में हुई निर्यात संविदा का जानबूझकर उल्लंघन करता है।

**टिप्पणी:—**इस अनुच्छेद में, “लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र” में निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमनों के अन्तर्गत दिया गया कोई भी आवेदन पत्र शामिल है।

(2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी लिखित रूप में विशेष आदेश द्वारा,—

(क) विवाजित कर सकते हैं—

(1) उस व्यक्ति को जिसके सम्बन्ध में विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी कार्यकलाप निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) (जिसे इसके बाद अधिनियम 1974 कहा गया है) के अधीन कारावास का आदेश दिया गया है; अथवा

(2) एक साझेदार फर्म या प्राइवेट कम्पनी के ऐसे व्यक्ति को जो भागीदार हो या पूरे समय के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक जैसा भी मामला हो, लाइसेंस प्राप्त करने से या माल का निर्यात करने से; और

(ख) ऐसे व्यक्ति, साझेदारी की फर्म या कम्पनी के विरुद्ध जो अन्य कार्रवाई की जा सकती है, उसको ध्यान में रखे बिना यह आदेश दे सकते हैं कि ऐसे विशेष आदेश में जो अवधि निर्धारित की जाए उसके लिए ऐसे व्यक्ति, साझेदारी की फर्म या कम्पनी की कोई माल निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं दी जाएगी; बशर्ते कि ऐसा विशेष आदेश ऐसे व्यक्ति/साझेदारी की फर्म या कम्पनी जिसका वह व्यक्ति पूरे समय के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक जो भी हो, के विरुद्ध तब लागू नहीं होगा जबकि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया कारावास का आदेश—

(1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 या खण्ड 12-क के प्रावधान लागू न होते हों और वह उस अधिनियम के खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले रद्द कर दिया गया हो या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

(2) वह आदेश कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के प्रावधान लागू होते हों, परन्तु वह उस अधिनियम के खण्ड 9, उप खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर या खण्ड 9 के उप खण्ड (3) के अन्तर्गत जांच के आधार पर समय की समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

(3) वह कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खंड 12-क के प्रावधान लागू हों और या उस खंड के उप खण्ड (3) के अन्तर्गत प्रथम जांच के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 12-क के उप खण्ड (6) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड (8) के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर समय की समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

(4) समर्थ क्षेत्राधिकार के न्यायालय द्वारा वह रद्द कर दिया गया हो।

(3) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी लाइसेंस धारी या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस प्राप्त करने या किसी माल का निर्यात करने से रोक सकते हैं और जो इस सम्बन्ध में उनके विरुद्ध कोई भी कार्रवाई की जा सकती है उसको ध्यान में रखे बिना यह निर्देश दे सकते हैं कि ऐसे व्यक्ति को इस आदेश के अन्तर्गत एक विशिष्ट अवधि के लिए माल का निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस प्रदान नहीं किया जायेगा या अनुमति नहीं दी जाएगी, यदि केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी के विचार में—

(क) ऐसा लाइसेंसधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति; या

(ख) जहां ऐसा लाइसेंसधारी निर्यातक या अन्य व्यक्ति एक साझेदारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी में कोई साझेदार या पूर्ण समय के लिए जैसा भी मामला हो, संचालक या प्रबन्ध संचालक हो; या

(ग) जहां ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक या अन्य व्यक्ति एक साझेदारी फर्म में साझेदार या लिमिटेड कम्पनी ऐसी साझेदारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी का पूर्ण समय के लिए जैसा भी मामला हो, संचालक या प्रबन्ध संचालक हो, और

(1) ऐसा लाइसेंसधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति या साझेदार या जैसा भी मामला हो, ऐसी साझेदारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी का पूर्ण समय के लिए संचालक या प्रबन्ध संचालक को प्रदान किए गए किसी निर्यात लाइसेंस का उपयोग करने या पूर्णतया उपयोग करने में बिना यथेष्ट कारण के असफल रहा हो; या

(2) उसने आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के उप अनुच्छेद (3) के पैरा (1) में उल्लिखित कोई गलत कार्य किया हो।

8. लाइसेंसों की मंजूरी या माल निर्यात करने की अनुमति को निलम्बित करने के लिए आधार:—यदि धारा-7 में उल्लिखित एक या अधिक अभियोगों की जांच चल रही हो तो केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस संबंध में की जाने वाली अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना उस लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस देने की मंजूरी या माल निर्यात करने से निलम्बित कर सकते हैं;

बशर्ते कि लाइसेंस मंजूर करना या माल के निर्यात के लिए अनुमति देना साधारणतः 12 महीनों की अवधि से अधिक के लिए इस धारा के अन्तर्गत निलम्बित नहीं किया जायेगा;

आगे यह भी शर्त होगी कि निलम्बन हटाने पर उसको ऐसी शर्तों और नियंत्रण के प्रतिबन्धों के अधीन निलम्बन की अवधि के लिए ही लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है जो कि पूर्वोक्त प्राधिकारी द्वारा संबंधित अधिक तथ्यों को ध्यान में रखकर तय की जाए।

9. निर्यात किए जाने वाले माल के लिए आवेदन पत्रों को आस्थापन में रखना:—उन मामलों में जहां लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी भी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध परिच्छेद 7 में उल्लिखित आरोपों में किसी भी आरोप के लिए जांच पड़ताल करना बाकी है और जहां केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस प्रकार के आरोपों के सम्बन्ध में और विस्तृत जानकारी का पता लगाए बिना ही संतुष्ट हो

जाता है कि लाइसेंस प्रदान करना या माल का निर्यात करने के लिए स्वीकृति प्रदान करना सार्वजनिक हित में नहीं है तो इस आदेश में निहित किसी भी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी ऐसे व्यक्ति को लाइसेंस प्रदान करने के लिए या माल का निर्यात करने के लिए उसके किसी भी आवेदन पत्र को, कोई भी कारण बताए बिना ही इस संबंध में की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना ही, आरक्षण में रख सकते हैं ;

बशर्ते कि इस परिच्छेद के अन्तर्गत ऐसे लाइसेंस के लिए मंजूरी देने या माल के निर्यात के लिए अनुमति देने की निलम्बन अवधि साधारणतः 6 महीने से अधिक नहीं होगी ।

10. परिच्छेद 7 अथवा 8 के अन्तर्गत की गई कार्रवाई का प्रचार—

(1) यदि केन्द्रीय सरकार के विचार में यह आवश्यक है या सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए यह उचित है कि परिच्छेद 7 या 8 के अन्तर्गत किसी व्यक्ति या व्यक्तियों जिनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है, के नामों या अन्य व्यौरों को प्रकाशित किया जाए तो जैसा भी उचित समझे ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के नाम को और ऐसे व्यौरों को प्रकाशित करा सकती है या प्रकाशित कराने का कारण बना सकती है ।

(2) उप-परिच्छेद (1) के अन्तर्गत ऐसी किसी कार्रवाई के संबंध में कोई भी प्रकाशन तब तक नहीं किया जायगा जब तक कि अपील सुनने वाले प्राधिकारी को अपील प्रस्तुत किए बिना, अपील प्रस्तुत करने का समय बीत न गया हो या अपील निपटा दी गई हो ।

व्याख्या :—फर्म, कम्पनी या व्यक्तियों की अन्य संस्था के मामले में फर्म के साझेदारी, संचालकों, प्रबन्ध एजेंटों, सचिवों और कोषाध्यक्षों या कम्पनी के प्रबन्धकों या संस्था के सदस्यों जैसा भी मामला हो, के नाम भी प्रकाशित किए जा सकते हैं; बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार के विचार में मामले की परिस्थितियां इसे न्यायसंगत ठहराएं ।

11. लाइसेंसों को रद्द करना : (1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को रद्द कर सकता है या अन्यथा रूप से उससे अप्रभावी कर सकता है ;

(क) यदि लाइसेंस भूल या गलती से प्रदान किया गया है या जाल-साजी या मिथ्या निरूपण से प्राप्त किया गया है ;

(ख) यदि लाइसेंस, नियमों या इस आदेश की शर्तों के प्रतिकूल प्रदान किया गया है ;

(ग) यदि लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की शर्तों में से किसी भी शर्त का उल्लंघन किया है ;

(घ) यदि केन्द्रीय सरकार या ऐसा अधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि लाइसेंस उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिए वह प्रदान किया है ;

(ङ) यदि लाइसेंसधारी ने सीमाशुल्क से संबंधित किसी कानून या माल के निर्यात आयात से संबंधित किन्हीं नियमों या विनियमों या विदेशी मुद्रा के विनियमों से संबंधित किसी कानून का उल्लंघन किया हो ।

इसकी शर्त यह भी है कि इस आदेश में कोई बात निहित होते हुए भी केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी यदि इस बात से संतुष्ट है कि लाइसेंस को रद्द करना या उसे अप्रभावी करना सार्वजनिक हित में है तो वह कोई भी कारण बताए बिना ही ऐसा कर सकता है ।

(2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस आदेश के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को लिखित रूप में विशेष आदेश द्वारा अप्रभावी कर सकता है :—

(क) ऐसा व्यक्ति जिस के संबंध में अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत कारावास का आदेश दिया गया हो; या

(ख) एक साझेदारी की फर्म या प्राइवेट लि० कम्पनी जिसका ऐसा व्यक्ति साझेदार या पूर्ण मन्त्र के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक हो ;

शर्त यह है कि ऐसे व्यक्ति के संबंध में या साझेदारी फर्म या कम्पनी जो भी हो, जिसका ऐसा व्यक्ति साझेदार या संचालक हो, के संबंध में ऐसा विशेष आदेश, उस समय आना कोई प्रभाव नहीं रखेगा जब कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया कारावास का आदेश—

(1) कारावास का ऐसा आदेश हो जो उस अधिनियम के अनुच्छेद 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के खण्ड 9 या खंड 12क की व्यवस्थाओं के अनुसार हो या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट की प्राप्ति से पहले का हो या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले का हो; या

(2) कारावास का ऐसा आदेश हो जिस के लिए अधिनियम, 1974 की धारा 9 की शर्त लागू होती हो, और वह धारा 9 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रथम पुनर्विचार के लिए दिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनर्विचार के आधार पर या इन अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (2) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; या

(3) कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 की धारा 12क की शर्त लागू होती हैं और वह इस धारा की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रथम पुनर्विचार के लिए दिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनर्विचार के आधार पर या इस अधिनियम की धारा 12क की उपधारा (6) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; या

(4) कारावास का ऐसा आदेश हो जो सक्षम न्याय अधिकारी के न्यायालय द्वारा रद्द कर दिया गया हो ।

12. लाइसेंसधारी आदि को सुनवाई के लिए अवसर प्रदान करना :

(1) अनुच्छेद 6 या उपधारा (1) या अनुच्छेद 7 की उपधारा 3 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत लाइसेंसधारक या नियतक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि उसे सुनवाई का उचित अवसर प्रदान न कर दिया गया हो ।

(2) यदि किसी मामले में अनुच्छेद 7 या 8 या अनुच्छेद 11 की उपधारा (1) (उस मामले को छोड़कर जिसमें उसके परन्तुक के अन्तर्गत रद्द करने का आदेश दिया गया हो) के अन्तर्गत की गई कार्रवाई से कोई व्यक्ति संतुष्ट नहीं है तो वह कार्रवाई के पत्र की तिथि से 30 दिनों के भीतर ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध ऐसे प्राधिकारी से अपील कर सकता है जिसे केन्द्रीय सरकार, सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा अपील सुनने के लिए नियुक्त करे ।

13. निर्यात किए गए माल के मूल्य किस्म, गुण आदि की घोषणा :— किसी सीमाशुल्क पत्तन से किसी भी माल का निर्यात करने पर चा वह माल सीमाशुल्क के अधीन हो या नहीं उस माल का मालिक या निर्यातक अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार पोत लदान बिल में या अन्य संगत दस्तावेज में उस माल के मूल्य, किस्म, विशिष्टिकरण गुण और विवरण का उल्लेख करेगा और वह प्रमाणित करेगा कि इन दस्तावेजों

में उल्लिखित माल की किस्म और विशिष्टीकरण उसी निर्यात संबिदा के अनुसार हैं जो केना और माल के प्रेषक के बीच की गई है और जिसके अनुसरण में माल का निर्यात किया जा रहा है और ऐसे उल्लेख की घोषणा की सच्चाई में ऐसे पोन परिवहन बिल या अन्य दस्तावेजों पर सब से नीचे हस्ताक्षर करेगा।

14. किसी घोषणा, विवरण-पत्र या दस्तावेजों को तैयार करने उन पर हस्ताक्षर आदि करने के संबंध में निषेध:—

(1) लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का निर्यात करने में कोई भी व्यक्ति किसी घोषणा-पत्र, विवरण-पत्र या दस्तावेज पर यह जानते हुए या विश्वास रखते हुए न तो हस्ताक्षर करेगा और न हस्ताक्षर करने का कारण उत्पन्न करेगा कि ऐसे घोषणा पत्र, विवरण-पत्र या दस्तावेज में कोई विशेष बात झूठी है।

(2) कोई भी व्यक्ति किसी भी लाइसेंस को प्राप्त करने या किसी भी माल का निर्यात करने में छुट या कपटपूर्ण तरीकों का प्रयोग नहीं करेगा।

14-क मुख्य नियंत्रक या अपर मुख्य नियंत्रक को संशोधन करने का अधिकार—

मुख्य नियंत्रक या अपर मुख्य नियंत्रक अपनी मर्जी से या किसी अन्य प्रकार से किसी भी ऐसी कार्रवाई का रिकार्ड मंगा कर जिसमें अधीनस्थ अधिकारी द्वारा धारा 7 की उपधारा (1) या उपधारा (3) अथवा धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत विवक्षित करने की कार्रवाई की गई हो और जिसके खिलाफ कोई भी अपील नहीं की गई हो, वे ऐसी कार्रवाई के सहित, कानूनी वेधता या औचित्य का अपनी संतुष्टि के लिए परीक्षण कर सकते हैं और उसपर जैसा भी उचित समझें, आदेश दे सकते हैं :

बशर्त कि इस उपधारा के अन्तर्गत की गई कार्रवाई में ऐसी विविधता नहीं होगी जिससे किसी व्यक्ति पर उमका प्रतिकूल असर पड़े जब तक कि ऐसे व्यक्ति को:—

(क) ऐसी कार्रवाई करने की तिथि से दो वर्षों के भीतर यह पूछते हुए कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुआ हो कि ऐसी कार्रवाई में परिवर्तन क्यों न कर दिया जाए; और

(ख) यदि उसने अपने बचाव की इच्छा व्यक्त की है और बचाव के लिए समय चाहता है तो उसे अभ्यावेदन करने का और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए अवसर प्रदान किया गया हो।

15. अपवाद: निम्नलिखित के लिए आदेश में से कुछ भी हलाक नहीं होगा:—

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा या उम के प्राधिकार के अधीन निर्यात किया गया कोई भी माल;

(ख) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी किए गए निष्पादन अनुदेशों में शामिल कोई भी माल;

(ग) बाहर जाने वाले किसी जलयान या अन्य वाहन के भंडार या उपस्कर के रूप कोई भी माल, किंतु भोजन सामग्री से भिन्न;

(घ) भारत से बाहर जाने वाले किसी भी व्यक्ति (बाहर जाने वाले किसी जलयान या वाहन में यात्री या दल के सदस्य को छोड़ कर) के वास्तविक निजी नाविक असबाब में शामिल कोई भी माल;

शर्त यह है कि अनुसूची 1 के भाग 'क' में विशिष्टीकृत जंगली जीव (मृत या जीवित या उनके अंग या उनके उत्पाद) ऐसे निजी असबाब में शामिल नहीं किए जायेंगे:—

(ङ) डाक प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए पोस्टल नोटिस में विशिष्टीकृत शर्तों के अन्तर्गत डाक द्वारा या वायुयान द्वारा निर्यात किया गया कोई भी माल;

(च) भारत के पत्तन पर वाहनांतरित कोई भी माल जबकि यह भारत से बाहर के पत्तन से प्रेषण के समय ऐसे वाहनांतरण के लिए माल सूची में लिख दिया गया हो;

(छ) भारत पहुंचने पर नेपाल और भूटान के अतिरिक्त भारत से बाहर किसी भी देश को पुनः निर्यात के लिए आयात किया हुआ आबद्ध कोई भी माल;

(ज) यात्रा में डाक द्वारा भारत से होकर कोई भी माल या नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत से बाहर किसी भी गन्तव्य स्थान को डाक द्वारा भेजा गया कोई भी माल माल बशर्त कि भारत में रहते समय ऐसा माल मदैव डाक प्राधिकारियों के संरक्षण में रहा हो;

(झ) वैद्य आयात लाइसेंस के बिना आयात किया गया और प्राधिकृत सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा निर्यात के लिए दिए गए आदेश के अनुसार निर्यात किया गया कोई भी माल;

(ब) संबंधित मुक्त व्यापार क्षेत्र में और अनुमोदित शन-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिटों में द्विपक्षीय समझौतों के अन्तर्गत आने वाली वस्तु मदों को छोड़कर विनिर्माण और वहां से निर्यात किए गए उत्पाद।

(ट) निदेशक, राष्ट्रीय रक्त ग्रुप संवर्धन प्रयोगशाला, बम्बई द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान या आपातकालीन रोगों के उपचार के लिए मानवना के आधार पर जीवन रक्षा के उपयोग के रूप में रक्त ग्रुप ओ. एच. (बम्बई फोनोटाइप) का निर्यात उन के द्वारा इस विषय में प्रत्येक मामले में जारी कि गए विशिष्ट प्रमाण-पत्र के आधार पर।

(1) मूल्यंकन/परीक्षण के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन में लुबरिजोल की प्रयोगशालाओं को लुबरिजोल इंडिया लि. बम्बई और इंडियन आयल कार्पोरेशन लि. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. द्वारा भारत में उनके प्रस्थापन के ल्यूब एंडिटिब्ज के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाने के लिए स्नेहक तेल एडिटिब्ज ल्यूब, तेल, अपरिष्कृत तेल और अन्य संबंधित पेट्रोलियम उत्पाद और कच्चे माल के नमूनों का निर्यात।

16. निरसन:—समय-समय पर यथासंशोधित एम. ओ. 254(अ) दिनांक 24 मार्च, 1977 के अंतर्गत भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आदेश में प्रकाशित किया गया निर्यात (नियंत्रण) आदेश 1977 एतद्द्वारा रद्द किया जाता है:—

शर्त यह है कि उपर्युक्त आदेश या अधिसूचना की शर्तों में किसी एक शर्त के अंतर्गत किए गए किसी भी फैसले या जारी किए गए किसी भी लाइसेंस सहित कोई भी बात या कार्रवाई इस आदेश की तदनुकूपी शर्तों के अन्तर्गत ही की गई समझी जाएगी।

## अनुसूची-1

## निर्यात नियंत्रण शर्तों के अधीन वस्तु

## भाग-क

## वे मद्द जिनका निर्यात अनुमोद नहीं है

0019 भाग 'ख' में उल्लिखित को छोड़कर सभी प्रकार के जंगली जन्तु (मृत या जीवित या उनके अंग या उनके उत्पाद) जिनमें साबुत या भागों में स्टैपड एनिमल भी शामिल है का निर्यात निषेध है—उन विशेष परिस्थितियों में जहां निर्यात विशिष्ट वैज्ञानिक या प्राणी विज्ञान प्रयोजनों लिए है तो वहां पर्यावरण वन, एवं जंगली विभाग की पूर्व निकासी की आवश्यकता होगी जो निर्यात लाइसेंस जारी करने से पूर्व प्रत्येक मामले पर गुण-दोष के आधार पर विचार करेगा।

0027 निम्नलिखित से विनिर्मित मर्दें

- (1) पोस्त्रयपाइन विक्टस
- (2) चिनल और सांभर के शोड एन्टलर्न
- (3) रेंगने वाले जंतुओं सांपों की खाल
- (4) नेवले के बाल

0035 0035 घरेलू जानवरों के फर

0043 गो मांस

0051(i) दूध, दूध का पाउडर (क्रीम निकाला हुआ या क्रीम युक्त) शिशु दूध और विसंक्रमित तरल दूध।

(ii) शुद्ध देशी घी।

006(1) केला सर्कस (सीडिंग पौधा)।

(2) काजू पौधा।

0078 निम्नलिखित तेल के बीज

- (1) अरुण्डी
- (2) बिनोला
- (3) अलसी
- (4) सूर्यमुखी फूल
- (5) सोयाबीन
- (6) कदी
- (7) मरसों/तोरिया

0086 छिलका रहित साबुत नारियल, नारियल प्रोटीन, नारियल शहद, नारियल का आटा और सुखाए हुए नारियल को छोड़कर नारियल और खोपरा।

0094 निम्नलिखित बीज:

- (1) कजू बीज
- (2) धनिया और बरसम बीजों से भिन्न स्थरी खाद के बीज
- (3) गुआर बीज (संपूर्ण)
- (4) पटसन बीज

- (5) नींबू घास बीज और जड़
- (6) मेस्ता बीज
- (7) पेपर कर्टिस या पेपर की र्टिड कर्टिस
- (8) पेटरोकारपस सेण्टालिनस (लाल सेंडर्स) बीज
- (9) रबड़ बीज
- (10) रसा घास बीज और टपट्स
- (11) सेंटालम एल्बम (चन्दन की लकड़ी के बीज)
- (12) (क) पौधे और व्यत्यस

1. एकोनीटम इनोर्हीजम (स्टेरेनकुलेसी)
2. एट्रोपा एक्युमिनाटा (रायले एक्सलिडल सोलेनेसी)
3. एरिस्टोलोचिया सप्स, (एरिसटोलोचियासी)
4. एंजियोप्टिस सप्स. (फर्न)
5. बालनोफोरा सप्स. (बालनोफोरासी)
6. कोलविसम ल्युटियुम (बेकर वी वी ए सी)
7. कोम्मीहोरा विघटी (आर्न बंडारी कुसेरेसी)
8. कोप्टिस टीटा (बाल-रेनुकुलेसी)
9. साईणथिया गिगनेटिया (बाल एक्स हक-साएएथि सी)
10. डाईयसकोरिया डलटोडिया (बलि एक्स कुन्थ डाईओस-सोरीएसी)
11. ड्रोसेरा बबीमानी (बहल-ड्रोसेरासी)
- (12) ड्रोसेरा इंडिका (लिनन-ड्रोसेरासी)
- (13) ड्रोसेरा कुरु बायल (जेन्टिऐनेसी)
- (14) ग्लोरिओसा सुपरबा (लीलीऐसी) खेतों में उगाए गए ग्लोरिओसा सुपरबा (लिलिऐसी) बीजों से भिन्न
- (15) ग्नेटम सप्स. (ग्नेटसी)
- (16) हफीजिनिया कुन्थ (लीलीऐसी)
- (17) मेकोनोर्पिस बेटोनिस्फोलिया (फ्रेंचट-पेपावेरासी)
- (18) मारदोस्चेचिस ग्रान्डीफलोरा (डी. सी. वेलीनियोनेसी)
- (19) नेपथिस खासीसाना (हक एफ-नेफथेसी)
- (20) असमुन्डा कलटोनिया (असमुन्डानेसी)
- (21) असमुन्डा रेगलिस (असमुन्डेसी)
- (22) पोडो फाईलम हेक्सट्रुम (रायल-पोटो पोलेलेसी)
- (23) रडवोलफिया स्पनटीना (लिवा बेंथ एक्स कुर्ज-एपोसाईनेसी)

- (24) रोडोडेन्ड्रोन सप्प. (एरिकेसिया)
- (25) रियुमएमोडी (बाल एक्स मिसन-पालिगोनेसिया)
- (ख) भाग-ख द्वारा सम्मिलित पौधों के भागों को छोड़कर पौधों के हिस्से।
- (ग) निम्नलिखित आर्जंड
- 1 जंगली आर्च
  - 2 एकोनितस हेटरोफीलम
  - 3 बर्बेटस एरिस्टेट
  - 4 कोपदिस टीटा
  - 5 डियोसकोरिया डलटोयडिया
  - 6 जेनेटियाना कुरिया
  - 7 नारदोसटाछिस जातामांसी
  - 8 फिसछाइमा प्रेलटा
  - 9 पोडोफिलम हेक्सोड्रम
  - 10 प्लावालिटिया सेरपुमलिया
  - (13) मित्र को वनमेयी (वर्सीम) ट्रिकोलम एलाक्सतम बीज
  - (14) लूकीन (अल्फाल्फा) मेडिकेगो सतिवा बीज
  - (15) फारस की वनमेयी (शफताल ट्रिकोलम रिस्पीनेटम बीज)
  - (16) केसर के बीज या दाने (केसर के पौधे लगाने के लिए सामग्री)
  - (17) नक्स वोमिका बीज, छालें, पत्ते, जड़ें व उनका चर्ण
  - (18) सभी तेल बीज और दालों के बीज
  - (19) गेहूं बीज और चावल बीज (जंगली किस्म)
  - (20) सजावटी पौधों के बीज (जंगली किस्म)
  - (21) जंगली से प्राप्त कुथ (कोस्टस, लप्पा, सिम सोसारिया लप्पा सी. बी. सी. एल. एस्ट्रेसिया)
  - 0108 सभी किस्म श्रेणियों के वन खण्ड के बीज, मल और प्रजनन बीज
  - 0116 डायसजिनिन और डायसकोरिया जड़ें
  - 0124 सिनकोना बीज और छाल
  - 0027 निम्नलिखित गोंद और रेजिन्स:  
ओलियो-रेजिन्स सक्सपीनस लांगीफोलिया
  - 0140 पेसवा, बूडलाख और कोई भी लाख जिसमें जीवित कीड़े हों
  - 0159 किसी भी पशु मूल की पिघलाई हुई या बिना पिघलाई हुई या अन्यथा रूप से निकसी हुई चर्बी, बसा और या तेल
  - 0167 निम्नलिखित वनस्पति तेल :
    - (1) नारियल का तेल
    - (2) बिनोले का तेल
    - (3) मूंगफली का तेल
    - (4) अलसी का तेल
    - (5) सलाद का तेल
    - (6) सूर्य मुखी फल के बीज का तेल
    - (7) कर्दी का तेल
    - (8) तिल के बीज का तेल
    - (9) सरसों का तेल/तोरिया का तेल
    - (10) सीसम के बीज का तेल
    - (11) कर्न आर्यल
    - (12) चावल की भूसी का तेल
  - 0175 (1) मँडक और उसके भाग संसाधित मँडक सहित)
  - (2) 300 ग्राम से कम भार वाली मछली और पामफेट्म
  - 0183 (1) 3 इंच से कम साइज के बीज-डी-मेयर
  - (2) 50% से कम प्रोटीन वाली फिशमील
  - 0191 (1) चावल की भसी कच्ची, और उबली हुई।
  - (2) धान (बर में चावल)
  - 0205 (1) मूंगफली की खली (निष्कासक किस्म की)
  - (2) तेल रहित मूंगफली की खली जिसमें 1 प्रतिशत से अधिक तेल हो।
  - 0217 सभी किस्म की एक्सपेलर खली, बिनोले की एक्सपेलर खली को छोड़कर।
  - 0221 निम्नलिखित खनिज, अयस्क और सान्द्रण :
    - (1) रेडियम अयस्क और सार
    - (2) यूरेनियम अयस्क और सार
    - (3) ताम्बा या सोना निकालने के बाद अयस्क से बचे हुए टेलिंग वाले यूरेनियम
    - (4) जस्ता अयस्क
    - (5) भाग "ख" में उल्लिखित से भिन्न क्रोम अयस्क और सार
    - (6) जस्ता सार
    - (7) बेनेडियम अयस्क और सार
    - (8) बेनेडियम वाले लोह अयस्क जिनमें 0.2% से अधिक बी 2 ओ 5 शामिल है।
    - (9) टंगस्टन (बुलफार्म) अयस्क और सान्द्रण।
    - (10) ऐन्डालूसाइट
    - (11) सभी श्रेणियों के कॅनाइट
    - (12) सभी प्रकार के सिलिमेनाइट (ग्रेन्युलर सिलिमेनाइट को छोड़कर)
    - (13) 4.5% से नीचे सिलिका तत्व सहित कैलोनेट मगनी-साइट तथा अति दुग्ध मैगनीसाइट
    - (14) सभी आकारों और वर्गों में एक्स्टेडोज की क्रिसोटाइल क्रोसिडोलाइट और एमोसाइट
    - (15) कैल्साइन्ड बाक्साइट
  - 023 सक्रिय कोयले/असक्रियत कार्बन से भिन्न सभी प्रकार के कोयले
  - 0248 क्रिओसोट तेल (हल्का और भारी) कोलतार और ऐसे मिश्रण जिसमें कोलतार हो।

0256 निम्नलिखित धातु उसके मिश्रण।

- (1) वैरिलियम और इसके मिश्रण।
- (2) विथियम और इसके मिश्रण।
- (3) नेप्ट्यूनियम और इसके मिश्रण
- (4) प्लूटोनियम और इसके मिश्रण
- (5) रेडियम और इसके मिश्रण
- (6) थोरियम और इसके मिश्रण
- (7) यूरेनियम और इसके मिश्रण
- (8) जिरकोनियम और इसके मिश्रण
- (9) इरिडियम इरिडोसमाइन और अस्मिरिडियम
- (10) सेलेनियम
- (11) इयोटोरियम मिश्रण
- (12) पारा

0264 (1) कच्चा प्लेसेन्टा, प्लेसेन्टल ब्लड/प्लास्मा

- (2) सम्पूर्ण मनुष्य रक्त प्लास्मा और सभी उत्पाद जो मनुष्य रक्त से निकाले गये हों, किन्तु मनुष्य गामा ग्लोबुलिन और मनुष्य सीरम अल्बुमिन जो मानव प्लेसेन्टा और मानव प्लेसेन्टा रक्त से विनिर्मित हों, को छोड़कर।

0272 निम्न लिखित रसायन :--

- (1) एमिटिक एनहाइड्राइड
- (2) पोलिथेनीन (एज डी)
- (3) सायन्यूरिक क्लोराइड
- (4) एथिलीन ब्राससाइड
- (5) आइसोप्रोपिडाइल अल्कोहल
- (6) सिम्थेटिक रबड़
- (7) नैप्थालीन
- (8) एथिलीनग्लाइकोल
- (9) डि-एथिलीन ग्लाइकोल
- (10) पॉलिथलीन ग्लाइकोल
- (11) मिथिल आइसोब्यटिल कोटोन
- (12) 2-इथिल हेक्सानोन
- (13) पी. बी. सी. रेजिन
- (14) पैराफिन मोम

0280 सभी प्रकार के उर्वरक जिनमें सुपरफास्फेट भी शामिल है परन्तु माइक्रोन्यूट्रियन्ट उर्वरक शामिल नहीं है।

0299 राक फास्फेट

0302 जीरेनियम तेल

0310 सभी प्रकार के कच्चे चर्म तथा खाल

0329 (1) लट्ठे के आकार में और चिरी हुई साइज में सभी प्रकार की लकड़ी और इमारती लकड़ी

- (2) बेंत
- (3) बांस

0337 कागज वर्ग की लुगदी जिसमें बांस की लुगदी शामिल है किन्तु सन की लुगदी को छोड़कर

0345 कागज की रद्दी, अखबार की रद्दी को छोड़कर

0353 ग्रेम के कीड़े

0366 हाथ से बने हुए रेशम के धागे

027X-अंग्रेज बकरी के बाल या मुहेयर

0388 36 एम उत्तमता (क्वालिटी) स्वदेशी से अधिक कच्ची ऊन

0396 शक्ति चालित करणों पर बने हुए असनी मद्रासी हमाल (ग्रार एम एच)

040X-ऊन रद्दी

0418 गैर-गहलूत के रेशम की रद्दी अर्थात् तमर, एरी भूंगा जिसमें छेदित गहलूत कोकून भी शामिल है

0426 निम्नलिखित धातु :--

(1) तांबा

इलेक्ट्रानिक, अग्नि से शुद्ध किया हुआ एवं बलिस्टर तांबा जो इंगोट, तार, बार्म, ब्लम, स्लैब्स, केबल टाइपस ब्रिक्स बिल्लरम, स्क्रीप एवं केथोड के रूप में हो

(2) निकल, अपरिष्कृत और निकल पेलेट्स

(3) मैंगनीशियम

(4) पिग लेड अपरिष्कृत

(5) जस्ता या स्पेटर अपरिष्कृत

(6) टिन, अपरिष्कृत और परिष्कृत

(7) बिस्मथ

(8) कोबाल्ट अपरिष्कृत और परिष्कृत

(9) मोलिब्डेनम

(10) प्लेटिनम, अपरिष्कृत और शुद्ध बिना गढ़ा हुआ

(11) टंगस्टन

(12) बेनेडियम

(13) तांबा अयस्क और सांद्रण

(14) शीशा अयस्क और सांद्रण

(15) कच्चा लोहा

0434 सिल्वर व्युलियन, सिल्वर शॉट्स और प्लेटें जिन पर रॉलिंग के बाद कोई भी विनिर्माण कार्य नहीं किया गया हो।

0442 एनिमल ग्लू जिलेटाइन के विनिर्माण के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त खालों और चमड़ी की कटिप्स और एनेथिंग।

0445 किलकर

0469 स्टीरिन मोनोमर

0477 प्राकृतिक, रबड़

0485 सिल्वर साल्ट्स, सिल्वर कैमिकल्स और कम्पाऊंड निम्नलिखित को छोड़कर सिल्वर तत्व की प्रतिशतता भी क्यों न हो :--

चांदी की मात्रा  
100% वाली

औषध/फोटो रसायन के लिए सिल्वर नाइट्रेट 63.5%

सिल्वर प्रोमाइड-एटीसेप्टिक फोटो रसायन : 57.45%

दवाओं के लिए सिल्वर ऑक्साइड :	93.1%
इलैक्ट्रोप्लेटिंग के लिए :	80.57%
सिल्वर आयोडोडाइड रेन मेकिंग :	45.95%
सिल्वर सब आक्साइड ए जी-4 ओ	96.4%
इलैक्ट्रोप्लेटिंग के लिए सिल्वर क्लोराइड :	75.26%
दवाओं के लिए सिल्वर फ्लूराइड :	85.03%
सिल्वर एसिटेर :	64.60%
तथा गाइड सिल्वर प्रोटीन के ड्रम फार्मूलेशन तथा सिल्वर सल्फेटोइपाइप मान्यता प्राप्त फार्माकोपीया/सरकारी स्तर में निर्धारित।	

0493 (1) बेरिल की जेम बेरिएटो सहित बैरिज

(2) अपरिष्कृत (बिना तराशे और बिना सेट किए हुए) बहुमूल्य नग और राक क्रिस्टल क्वार्ट्ज।

0507 वाटल बार्क

0515 फेरस स्क्रैप

0523 धातु सम्बंधी अवशेष अर्थात् ड्रेसिंग, सिकिमिंग, स्लेम्स, एशिस; स्लाइन्स और फ्ल्यू डस्ट (मोता और चांदी को छोड़कर) जिसमें युक्त धातु की मात्रा 15 या इससे अधिक हो।

0531 कूड़ रम अर्थात् "रम नाट मच्युर्ड इन वुड।"

054X घुलनशील सल्फर को छोड़कर।

0558 मक्खन

0568 गन्ना

0574 हड्डी चूर्ण

0582 मछली की हड्डियों के अलावा बिना पिशी हुई हड्डियाँ

0590 (1) दाले, सभी प्रकार की और उससे निर्मित आटा।

(2) ऊंट

0604 (1) सभी किस्म की दाले जिसमें लेन्टिस, ग्राम्स और बीन्स भी शामिल हैं और उनसे निर्मित आटा

(2) संसाधित दालें, उन्हें छोड़कर जो अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम/पासबुक के अन्तर्गत या अनुमोदित 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख यन्त्र द्वारा आयातित दालों से तैयार की गई हैं।

0612 इरिडिएंट के रूप में सिल्वर वाले विनिर्माण से भिन्न जो भाग-ख क्रम सं. 2569 के मद्दे उल्लिखित हैं और इसमें इन्जियरी हस्तशिल्प और इलैक्ट्रिकल सामान, कस्टम आभूषण और सिल्वर फिलिग्री भी शामिल नहीं हैं।

0620 मानव खोपड़ी और उसके अंग।

## भाग-ख

वे मर्दे जिनका निर्यात गुण दोष या उच्चतम सीमा के अधीन या समय-समय पर विशिष्टकृत की जाने वाली अन्य शर्तों के अधीन अनुमेष है

2011 (1) घोड़े (काठियावाड़ी, मालवाड़ी और मनीपुरी जातियां अनुमित नहीं है)

(2) गधे

(3) खच्चर

202X जीवित भेड़ें और बकरी (व्यस्क)

2038 निम्नलिखित जंगली जन्तु :—

(क) जीवित जन्तु  
गाडुर

(ख) पशु उत्पाद (विनिर्मित रूप में) :—

(1) सर्प विष

(2) अग्रिम/अग्रदाय, आर ई पी लाइसेंस/बुल सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित अफ्रीकी मूल के अविनिर्मित हाथी दांत के बने हुए हाथी दांत के उत्पाद

(ग) जीवित पक्षी :—

(1) बीवर्स (बया और स्ट्रेटिड)

(2) बंटिंग्स (लाल सिर वाली और काले सिर वाली)

(3) कौवे (घरेलू और जंगली)

(4) मैना (सामान्य, बैक, काले सिर वाली, भूरे सिर वाली और रोजी पेस्टर)

(5) मुनियास (जिल्लदार, लाल, काले सिर वाली, सफेद सिर वाली और सफेद गले वाली)

(6) पाराकीट (लाल छाती वाली रोज रिगड, एलक्सजेड्राइन बुलासम हैडिड एवं साल्टी हैडिड)

(7) गोरैया (पालतू और पीले गले वाली)

(8) कबूतर (ब्ल्यू रांक और उसकी पालतू किस्में)

(घ) भोर की पूंछ के पंख और उनसे विनिर्मित वस्तुएं/हस्तशिल्प की वस्तुएं

(ङ) कैथराइडीन बीटल्स

2046 (क) भैंस का मांस (नर एवं मादा दोनों) जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग भी शामिल हैं।

(ख) भारतीय भेड़ का मांस जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग भी शामिल हैं।

(ग) भारतीय बकरी का मांस जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग भी शामिल हैं

2054 (1) समुद्री शैल

(2) 50 प्रतिशत या इससे अधिक प्रोटीन की मात्रा वाली फिशमील

2062 हड्डियां

(1) मानव अस्थिपंजरी और उनके भागों से प्राप्त अस्थिपंजर

(2) पीसी हुई हड्डियां

2070 प्याज

2089 निम्नलिखित अनाज और आटा

(1) चावल (बासमती और गैर-बासमती)

(2) गेहूं

(3) गेहूं उत्पाद अर्थात्, रवा, परिणामी आटा और गेहूं की भूसी

(4) मैदा, सूजी और होल मील आटा अर्थात् 95 प्रतिशत निस्सारण तक का गेहूं का आटा

(5) जौ

(6) मक्का

(7) बाजरा

(8) ज्वार

(9) मोटा अनाज (रागी)

2097 पेड़, हैज, सजावटी पौधों, वनस्पतियों, फूलों और ग्लोरिया सुपवा (लिलियासिया) के सभी प्रकार के बीज

2100 फोर्डर क्रोप बीज

2119 जंगली किस्म को छोड़कर कुंथ (कोस्टस लप्पा सिइन सौगुरिया लप्पा सी बी सी एल एस्ट्रेसिया निजी भूमि में उत्पादित तथा इससे व्युत्पन्न)

2127 आर्चडिस (भाग-क में आने वाली श्रेणियों को छोड़कर)

2135 निम्नलिखित पौधों का प्रोटीन :—

(ख) पौधे

टिप्पणी में दर्शाए गए प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर पौधों के भाग के निर्यात के लिए अनुमति दी जाती है।

1. अरुनचिनारिया ज्यूनासरनेसिया गेम्बल संपूर्ण पौधा

2. बैटिकिया कोडापन्ना बेरी संपूर्ण पौधा

3. डलबरजिन लटिटोलिया रोकम बीज

4. डिओसकोरिया प्राजेरी प्रइनेट दूधर

5. ग्याथासा गगनटी (बाल एकस हुक) हांस्क मंगूर पौधा

6. लावाटेरा कश्मीरियन गम्ब फल बीज

7. मंगोलिया पेद्रोकार्पा रोकस बीज

8. पैराक्मलीजिया ग्रेडिफोरा ओ आर और समूह जड़/बीज  
ड्रम और हटचिसन
9. पिनागा ग्रेसिलिस बी एल —वही—
10. पितस जिरारदियाना वाल बीज
11. पोपूलस गैम्बली डोड कटिंग/बीज
12. पेट्रोकार्पम डलवरगियोडिम राक्स बीज
13. रीबोलफिया केनेमैस जड़ और बीज
14. सन्तालम एलबम बीज
- (ग) वनस्पति पौधे :— बीज
- (1) साइकस बडोमी डायर पौधे
- (2) डिसविडिया राफ संपूर्ण  
लिसियाना  
आर बी आर
- टिप्पणी:—लेकिन उपर्युक्त विनियमों में डील दे दी गई है और निर्यात की अनुमति फर्मों द्वारा मुख्य वनपाल या मुख्य जंगली जीव अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी से यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर स्वीकृत किया जाएगा कि ये मात्र वृक्षारोपण अथवा नर्सरी मूल के हैं।
- 2143 (1) हाइड्रोजनीकृत तेल (वनस्पति घी)
- (2) काम्टर तेल
- 2151 स्टिकलाक और ब्राडलाक
- 216X (1) चीनी
- (2) खांडसारी शुगर
- 2178 (1) सीरा
- (2) खण्डमारी सीरा
- 2186 पालमाइराह चीनी कैडी
- 2194 जैगरी (गुड़)
- 2208 इथिल एल्कोहल या रेक्टिफाइड स्प्रिट किसी भी प्रूफ डिग्री के चाहे डिनेचर्ड हो या न हो
- 2216 तेल रहित चावल की भूसी
- 2224 तेल रहित मूंगफली की खली (अर्क)
- 2232 (1) विलायक निकाले हुए बिनौले की खली (डिकार्टिकेटिड और अनडिकार्टिकेटिड)
- (2) बिनौले की एक्सपेलर खली
- (3) गेहूं का भूसा (सूखा तिनका)
- 2240 ताप अभिसाधित वर्जीनिया तम्बाकू, धूप अभिसाधित वर्जीनिया तम्बाकू, धूप अभिसाधित नाटू (देशी) तम्बाकू और धूप अभिसाधित जुटी तम्बाकू
- 2259 सीमेण्ट
- 2267 निम्नलिखित खनिज अयस्क और सामान्य:—
- (1) कैल्साइड बाक्साइड को छोड़कर, सभी वर्गों के बाक्साइड
- (2) लोह अयस्क
- (3) कच्चा मैंगनीसाइट
- (4) 4.5 % से 7.5 % के बीच भस्वर तत्व वाले मैंगनीसाइट
- (5) मैंगनीज अयस्क (रासायनिक दृष्टि में संबंधित मैंगनीज आयोक्साइड को छोड़कर)
- (6) ग्रेन्युलर सिलिमेनाइट
- (7) कोरुण्डम, सेफाइअर्स और रूबीस में भिन्न
- (8) निम्नलिखित क्रोम अयस्क और सामान्य:—
- (1) पिण्डित क्रोम अयस्क जिसमें सी आर2 आर3 41.99 प्रतिशत से अधिक न हो
- (2) उत्तम क्रोमाइट एवं भुरभरा अयस्क
- (9) रूटाइल, सिन्थेटिक रूटाइल
- (10) थोरियस ओर्स तथा कन्सेन्ट्रेट्स
- (11) जिरकोन ओर्स तथा कन्सेन्ट्रेट्स जिसमें जिरकोन पट्टों की सेमी बहुमूल्य वाली किस्म शामिल है।
- (12) कुछ अन्य खनिज निम्नलिखित आवश्यक भाग के हूँ में तत्व वाले जिसमें (क) कोलमबाइट, (ख) मोनाजाइट, (ग) सेमरसकाईट, (घ) यूरेनीफेरस अजामाइट सम्मिलित है:—
1. रेडियम ओर्स तथा कन्सेन्ट्रेट्स
2. थोरियम ओर्स तथा कन्सेन्ट्रेट्स
3. यूरेनियम ओर्स तथा कन्सेन्ट्रेट्स
4. कापर अथवा गोल्ड के निस्सरण के पश्चात् ओर्स से शेष बचे यूरेनियम वीयरिंग टेलिंग्स
5. जिरकोन स्टोनों की सेमी बहुमूल्य किस्म सहित जिरकोन ओर्स तथा कन्सेन्ट्रेट्स
- (13) लेड्राइट
- 2275 (1) संसाधित अन्नक जिसमें सभी वर्गों और किस्मों के अन्नक ब्लाक्स अन्नक फिल्म और स्पिलिटिंग्स शामिल हैं, किन्तु निर्मित और गढ़े हुए अन्नक को छोड़कर
- (2) अन्नक वेस्ट (फैक्टरी कटिंग्स सहित) और स्क्रेप जो संसाधित अन्नक द्वारा प्राप्त की जाती है और जो आकार और रंग के कारण संसाधित अन्नक के विशिष्टिकरण से कम समझी गई है।
- 2283 (1) कोयला एवं कोक
- (2) कार्बोनाइज्ड लिगनाइट ब्रिक्केट्स (एल ई सी ओ)
- 2291 स्नेहक, ग्रीज और अपरिष्कृत तेल सहित सभी पेट्रोलियम उत्पाद
- 2305 निम्नलिखित रसायन:—
- (1) व्यूटिल अल्कोहल
- (2) मोनो क्लोरो एसिटिक एसिड
- (3) कैल्सियम कार्बाइड
- (4) फिनोल
- (5) पी बी सी मिश्रण (कंपाऊंड)
- (6) एसिटिक एसिड
- (7) टोल्युइन

- (8) क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट से निर्मित पोस्मूल्गोन सहित क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट ।
- (9) पोलिथील (एल डी)
- (10) पोलिथीन (एल एल डी पी)
- (11) वेन्जीन
- (12) अष्टमशीत गन्धक
- 2313 ग्राइकोन्थूटीवेन्ट पेक्टोलाइज
- 2321 (1) कुर्न और विवनीडाइन तथा उनके लवण से निकालने के बाद सिनकोना मिथिन एल्कलाइड और सिनकोना लवण
- (2) विवनीडाइन सल्फेट
- (3) कुर्न और कुर्न उत्पाद
- 233X मिथेटिक कस्तूरी
- 2348 (1) एक्सपोज्ड सिनेमाटोग्राफी फिल्म (फीचर) जिसमें भारतीय फीचर फिल्म के विडियो किन्तु 20 लाख रुपए से अधिक की लागत से न बने वाली कम बजट की फीचर फिल्मों को छोड़कर राइट्स की विक्री शामिल है।
- (2) (केसेट्स सहित) वीडियो टेपड सिनेमा फिल्में
- 2356 सभी किस्म के अर्द्ध संसाधित चर्म तथा खाल जिनमें पूर्वी भारत के समाए हुए वेट धू चर्म तथा खाल और पाड़ीशर चमड़ा शामिल है।
- 2364 भाग "क" मद सं 0329 में उल्लिखित से भिन्न लकड़ी और इमारती लकड़ी
- 2372 (1) कच्चे रेशम
- (2) नायल रेशम के रेशों सहित शुद्ध रेशम के रेशे
- (3) निम्नलिखित रेशम के वेस्टः—
- (क) पोस्टर और हार्ड रेशम वेस्ट
- (ख) शहतूत के रेशम वेस्ट जिनमें साफ किए हुए और गोल्ड रहित रेशम के वेस्ट शामिल हैं।
- (ग) नायल और नायल ड्रापिंग
- (घ) रेशम वेस्ट की अन्य किस्में, अर्थात्ः—
- (1) उबाले हुए कोकून
- (2) बेसिन रिफ्यूज
- (3) फलप/पलास
- (4) फिल्मजी कोकून
- 2380 रीलिंग कोकून सहित रेशम-कीड़ा बीज और रेशम कीड़ा, काकून
- 2399 हाथ से तैयार किए गए निम्नलिखित फाइबर तथा यार्नः—
- (1) नाइलान टायर यार्न/कार्ड/फैब्रिक
- (2) (क) रेयन टायर यार्न 600 और इससे अधिक डेनियर के
- (ख) सभी डेनियर के रेयन टायर कार्ड
- (ग) रेयन टायर फैब्रिक
- (3) संश्लिष्ट मिश्रित धागे जिसमें 50 प्रतिशत या इसमें अधिक संश्लिष्ट रेशे हैं।
- (4) नाइलान फिलामेंट यार्न
- (5) पोलियस्टर स्टेपल फाइबर यार्न (सभी प्रकार के)
- (6) रेयन फिलामेंट यार्न
- (7) विस्कोस स्टेपल फाइबर
- (8) विस्कोस स्टेपल फाइबर स्पन यार्न
- (9) हाथ से बुनने के लिए एंक्रिलिक धागा
- (10) एंक्रिलिक यार्न/एंक्रिलिक फाइबर
- 2402 अंगोरा बकरी के बाल या मोहरर का छोड़कर 36 एम "क्वालिटी" तक कच्चा ऊन (देशी)
- 2410 शाडी ऊनी/सिमिक्स्टड यार्न
- 2429 निटबीयर (एंक्रिलिक तथा मिक्स्ट)
- 2439 कच्ची कपास
- (1) बंगाल देशी
- (2) असम कोमीयाम
- (3) स्टेपल कोटन
- (4) आग/पानी के कारण क्षतिग्रस्त धड़की कोटन
- (5) जोडा तथा स्वीपिंग
- (6) यलो पिकिंगम
- (7) अन्य
- 2445 नरम कपास वेस्ट मखन कपास/वेस्ट
- 2453 टायर कार्ड यार्न सहित कोटन यार्न
- 2461 निम्नलिखित कपड़ाः
- (1) जैतूनी हरी धागी का टेक्सटाइल कपड़ा और उसकी सामग्री, असली और तकनी रेशम के वस्त्र और उनकी सामग्री (होजरी सहित) को छोड़कर
- (2) टेन्ट/सक्रियात्मक ग्रीन जेड के टेन्ट का कपड़ा
- (3) सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशों (पटसन, रेशम और फ्लैक्स को छोड़कर) से निर्मित वस्त्र और सूती वस्त्र उत्पादों का भारत-यूरोपीय आर्थिक समुदाय के वस्त्र समझौते के अन्तर्गत यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों को निर्यात।
- (4) सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशों (पटसन, रेशम और फ्लैक्स को छोड़कर) से निर्मित वस्त्रों का भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका वस्त्र समझौते के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात।
- (5) कुछ सूती वस्त्रों और वस्त्र उत्पादों का भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आपसी सहमति के ज्ञापन के अन्तर्गत आस्ट्रेलिया को निर्यात।
- (6) भारत-स्वीडन वस्त्र करार के अन्तर्गत स्वीडन को सूत, ऊन या उनके मिश्रण के कुछ वस्त्र उत्पादों का निर्यात।
- (7) भारत और फिनलैंड के बीच हुए सहमति ज्ञापन के अन्तर्गत फिनलैंड को सूती और मानव निर्मित रेशों के वस्त्र उत्पादों का निर्यात।
- (8) हैण्डलूम से बने असली मद्रासी रुमाल (धार. एम. एच. के.) का निर्यात

- (9) भारत और कनाडा के बीच हुए सहमति ज्ञापन के अन्तर्गत कनाडा को सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशे और उनके मिश्रण के बने हुए वस्त्र कुछ उत्पादों का निर्यात।
- (10) भारत और नार्वे के बीच समझौते के अधीन कुछ वस्त्र और वस्त्र उत्पादों का नार्वे को निर्यात।
- 247X (1) कच्चा पटसन, मेस्ता और पटसन के टुकड़े जिनमें कैडीज शामिल नहीं हैं।
- (2) पटसन की दरियों की बैक का कपड़ा जब उत्तरी अमेरिका के देशों को निर्यात किया जाए।
- 2488 (1) लोहा और इस्पात से ढले हुए लोहे की पाइप और जुड़नार को छोड़कर।
- (2) आयातित बुल्लेट से बने राइस तथा वास।
- (3) लाइट रेल (20 कि० ग्रा० था इससे कम)
- 2496 निम्नलिखित को छोड़कर लोह मिश्र धातुएं
- (1) फेरस मैगनीज स्लैक
- (2) फेरस मैगनीज (0.05% से कम मात्रा वाले फेरस मैगनीज के सिवाए) सिलिसिया मैगनीज
- (3) फेरो च्रो में (0.03% कार्बन से कम मात्रा वाले फेरो च्रोमे के सिवाए) और निलरोजन बिर्यॉंग/सिलिका च्रोमे।
- 250X फेरो टिटैनिम
- 2518 अलोह धातुएं और मिश्र धातुएं बिना गढ़ी हुई जो इस अनुसूची में और कहीं प्रदर्शित नहीं हैं।
- 2526 धातु कतरन, लोह कतरन से भिन्न जिसमें 0.50 % से अधिक निकल गया या 0.20 से अधिक मोलिब्डिनम या 1.00 प्रतिशत से अधिक टंगस्टन या 0.20 प्रतिशत से अधिक बनेडियम या 1.00 प्रतिशत से अधिक कोबाल्ट की मात्रा हो और मिल स्केल कतरन।
- (1) निकल केडिलम बेटरी कतरन
- (2) प्लेटिनम कतरन
- (3) निकल पेलेट्स को छोड़कर निकल कतरन
- (4) नाइक्रोम कतरन
- (5) अन्य धातुओं के कतरन
- 2534 धातु संबंधी अवशेष अर्थात् ड्रोसिज, स्किमिंग स्लेक्स, राख सलाइम्स और फ्लू डस्ट (जो सोने और चांदी से भिन्न हों)।
- 2542 रेलों के डिब्बों, यात्रियों के कोच और लोकोमोटिव।
- 2550 (1) विन्टेक मोटर कार, मोटर साईकिल तथा उनके हिस्से पुर्जे और मंचटक अर्थात् 1940 और उससे पूर्व के माडलों की मोटर कारें और मोटर साईकिलें।
- (2) पुराने ओटोमोबाइल्स, अतिरिक्त पुर्जे, संघटक तथा अनुषंगिक।
- 2569 आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-22 के उपाबन्ध-6 और 7 में उल्लिखित चांदी के आभूषण और चांदी की वस्तुएं।
- 2577 चांदी के सिक्के (चांदी की किसी भी मात्रा वाले)
- नोट:—समय-समय पर जारी किए गए (अप्रचलित क्वालिटी) संस्मारक प्रूफ सेट सिक्कों के निर्यात केवल भारत सरकार के टंकसाल, बम्बई द्वारा दी जाएगी तथा सीमाशुल्क प्राधिकारी ऐसे निर्यात के लिए सीधे ही अनुमति देंगे।
- 2585 स्वर्ण आभूषण तथा वस्तुएं।
- 2593 वायुयान के पुर्जे संघटक तथा उनके उपसाधक वापस करने के आधार जो भारतीय और विदेशी दोनों हवाई कंपनियों द्वारा मरम्मत/जांच के काम में लाए जाते हों के सिवाए।
- 2607 (1) वस्त्र तथा गोलाबारूद अर्थात् मज्जिल लोडिंग हथियार तथा ब्रीच लोडिंग या बोल्ट एक्शन हथियार जैसे शाट गन, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल तथा उनका गोला बारूद।
- (2) उपरोक्त (1) में निर्दिष्ट से भिन्न आग्नेयास्त्र तथा गोलाबारूद तथा तेज धार वाले हथियारों को भी छोड़कर जैसे बुखरी, कृपाण, करी, शिकार के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले चाक तथा तलवारें।
- (3) सैन्य भंडार
- (4) अंटिक हथियारों से रेप्लिकस।
- 2615 पाइरोफिलाइट
- 2623 गम रेजिन
- 2631 आयोडाइज्ड नमक (मानव उपभोग के लिए प्रयुक्त)
- 264X फ्रीजन पशु।
- 2658 सभी प्रकार के समुद्री शैवाल
- 2666 गम कराया।
- 2674 अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम/पासबुक अथवा किसी अनुमोदित शत प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के अधीन आयात की गई दालों से केवल संसाधित दालें।

## अनुसूची-2

## साइसस देने के लिए सक्षम अधिकारी

- |   |  |
|---|--|
| 1. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात             | 10. उप-विकास आयुक्त (आयात तथा निर्यात) सान्ताक्रुज इलेक्ट्रॉनिक्स निर्मित संसाधन क्षेत्र, बम्बई।                                   |
| 2. अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात         | 11. सहायक विकास आयुक्त (आयात-निर्यात), सान्ताक्रुज, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात संसाधन, क्षेत्र, बम्बई।                                 |
| 3. निर्यात आयुक्त                           | 12. उप-विकास आयुक्त, फालटा निर्यात संसाधन क्षेत्र, फालटा, वं. बंगाल।   |
| 4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात     | 13. उप विकास आयुक्त, मद्रास निर्यात संसाधन क्षेत्र, मद्रास।  |
| 5. उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात          | 14. संयुक्त विकास आयुक्त/उप विकास आयुक्त, नोएडा निर्मित संसाधन क्षेत्र, नोएडा, (न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एरिया) उत्तर प्रदेश |
| 6. सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात       | 15. उप विकास आयुक्त, कोबीन निर्मित संसाधन क्षेत्र, कोबीन, केरल   |
| 7. नियंत्रक, आयात-निर्यात                   |  |
| 8. डीमायुल्क समाहर्ता                       |  |
| 9. अधीक्षक/सहायक समाहर्ता केन्द्रीय अधिकारी |  |

**अनुसूची-3****खुला सामान्य लाईसेंस****खुला सामान्य लाईसेंस सं-1**

कोई भी व्यक्ति भारत के निकटवर्ती किसी भी देश को जिसका स्वयं का कोई भी समुद्री मार्ग नहीं है सड़क द्वारा निम्नलिखित मदों का निर्यात कर सकता है बशर्ते कि वे वस्तुएं उस देश में उपयोग के लिए प्रयोग में लाई जाएं--

अनुसूची-1 में शामिल किया गया कोई भी माल जो कि पारम्परिक यातायात को नियमित करने के लिए निर्धारित क्रियाविधि के अन्तर्गत भेजा गया है ।

## खुला सामान्य लाइसेंस-2

1. कोई भी व्यक्ति किसी भी देश को निम्नलिखित वास्तविक नमूने निर्यात कर सकता है, इसमें वह देश शामिल नहीं है जिसको थोड़े समय के लिए किसी भी लागू कानून द्वारा निर्यात प्रतिबन्धित है, अर्थात्:—

क्रम सं.	मद	अनुसूची 1 की मद संख्या
1	2	3

निम्नलिखित वास्तविक नमूने—

2. लोहा अयस्क के नमूने जो एक समय में 30 मीट्रिक टन से अधिक न हो बशर्ते कि भाल परेषण निम्नलिखित सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में जारी किए गए एक प्रमाण पत्र में शामिल हो कि लोहा अयस्क की मात्रा (जुमाने के साथ) प्रयोगात्मक प्रयोजन के लिए आवश्यक है और यह कि वह मात्रा उस विशेष प्रयोजन के लिए अपेक्षित न्यूनतम मात्रा है:—

- (1) प्रभागीय प्रबन्धक (विक्रय), खनिज तथा धातु व्यापार निगम, नई दिल्ली, केवल गोवा के अतिरिक्त किसी भी अन्य क्षेत्र के लिए।
- (2) लोहा अयस्क सलाहकार, गोवा, गोवा के लोहा अयस्क के लिए।
- (3) उप-सचिव, खनिज विभाग, नई दिल्ली पूर्वोक्त मद सं. (1) तथा (2) के अन्तर्गत न आने वाले परेषणों के लिए।

ख-2267(2)

कुद्रेमुख आयरन और कं. लि. द्वारा उत्पादित 40 प्रतिशत या इससे कम एफ.ई. की मात्रा वाले निम्न श्रेणी के अयस्क के परिष्करण और/या धनीकरण द्वारा तैयार किए गए लोहा अयस्क सान्द्रण के सेम्पल्स जो एक समय में 30 मी. टन से अधिक न हो, का निर्यात खनिज तथा धातु व्यापार निगम से प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना ही कुद्रेमुख आयरन और कम्पनी लि. द्वारा स्वयं किया जा सकता है।

2. लकड़ी के फर्नीचर का प्रत्येक पंजीकृत निर्यातक 25000 रु. की वार्षिक सीमा के भीतर लकड़ी के फर्नीचर के नमूने निर्यात कर सकता है, परन्तु एक परेषण के संबंध में यह सीमा प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि में 10,000 रु. से अधिक न हो।

3. प्रति निर्यातक 10,000 रु. की वार्षिक सीमा के भीतर पाठ्य पुस्तकों तथा अन्य पुस्तकों के नमूने, लेकिन यह एक परेषण के संबंध में प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि में 3000 रु. से अधिक नहीं होगा।

4. निर्यात परेषण के जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 10% तक औषध सूचीकरण के नमूने जब वे स्वयं परेषण के साथ ही निर्यात किए जाते हैं। ऐसे नमूनों की पैकिंग पर स्थायी तौर पर "चिकित्सक का नमूना है—बिक्री के लिए नहीं है।" मार्किंग का स्पष्ट रूप से संकेत होना चाहिए।

औषध सूचीकरण के नमूने जो कि चिकित्सक के "नमूने" हो तथा बिक्री के लिए नहीं तथा प्रत्येक निर्यातक से एक लाख रुपये का वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर निर्यात परेषण प्राप्त न होता हो, परन्तु एक परेषण के संबंध में प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि में 25,000/- रु. से अधिक न हो।

5. प्रति निर्यातक 2 लाख रुपये की वार्षिक सीमा के भीतर एगो कैमिकल्स के नमूने, लेकिन वह प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि में प्रत्येक परेषण के लिए 50,000 रु. से अधिक नहीं होगा।

6. इस आदेश की अनुसूची-1 के भाग "क" की मदों के नमूने तथा गुणदोष के आधार पर निर्यात के लिए अनुमति मर्दे तथा आयात एवं निर्यात नीति-1988-91 (खण्ड-2) के परिशिष्ट-4 की सूची-2 में आने वाली मदों का निर्यात अनुमति नहीं होगा।

केवल सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा निर्यात के लिए अनुमति सरणीबद्ध मदों के नमूने 25000/- रु. की वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर, लेकिन प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि में प्रत्येक परेषण 5000/- रु. से अधिक नहीं होगा।

7. प्रति निर्यातक 25000/- रु. की वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर अन्य निर्यातक मदों के नमूने के संबंध में, लेकिन प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि में प्रत्येक परेषण 5000/- रु. की राशि से अधिक नहीं होगा।

8. प्रति निर्यातक 50,000/- रु. तक की वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर विनियमित मदों के नमूने; लेकिन प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि में प्रत्येक परेषण 10,000/- रु. से अधिक नहीं होगा।

9. यदि कोई निर्यातक ऊपर निर्धारित अनुमति सीमा से अधिक निर्यात करना चाहता है तो उसे मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात नई दिल्ली के कार्यालय में निर्यात लाइसेंसिंग समिति से संपर्क स्थापित करना चाहिए।

संबद्ध निर्यात संवर्धन परिषद्/पण्यबोर्ड ही ऐसी अभिकरण होगी जो निर्यात किये जाने वाले नमूनों के बारे में वार्षिक सीमा/मूल्य सीमा मानिटर करेगा। तथापि, निर्यात सदनों/व्यापार सदनों के सम्बन्ध में नमूनों के निर्यात को मानिटर करने के लिए अभिकरण भारतीय निर्यात संगठन का महासचिव होगा।

10. ऐसे निर्यातक जो मुक्त में हो यथार्थ नमूने निर्यात करना चाहते हैं उन्हें संबंधित कौंसिल/पण्यबोर्ड को आवेदन करना चाहिए जो मामले की वास्तविकता को पड़ताल करके निर्यातक को नमूना निर्यात कार्ड जारी करेंगे जिसमें निर्यातक का विवरण, निर्यात किए जाने वाले नमूने (नों) का नाम, वार्षिक मूल्य सीमा तथा स्थान का नाम जहां पर नमूने निर्यात किये जाने हैं, का ब्यौरा होगा। यह निर्यात नमूने कार्ड/निर्यातक(कों) द्वारा सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किए जाएंगे और निर्यात विशिष्टिकृत पत्तन(नों) के माध्यम से अनुमति किया जाएगा। सीमाशुल्क प्राधिकारी विशिष्टिकृत पत्तन पर निर्यात की अनुमति प्रदान करते समय नमूना निर्यात कार्ड पर एक पृष्ठांकन करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि वार्षिक सीमा/मूल्य सीमा को तो पार नहीं किया गया है।

लाइसेंसिंग अवधि के अन्त में नमूने की शेष मात्राओं/मूल्य सीमा को आगामी लाइसेंसिंग अवधि में ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

नमूना निर्यात कार्ड की वैधता अवधि केवल एक लाइसेंसिंग वर्ष की होगी।

## खुला सामान्य लाइसेंस-3

क्र.सं.	मद	अनुसूची 1 भाग-ख में दी गई क्र.सं.	पूर्ण की जाने वाली शर्तें/प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज
1	2	3	4
1. गादुर		ख-2038(क)	कानूनी अधिप्राप्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
2. अभ्रिम/अप्रदाय/आर ई पी लाइसेंस खुला सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित अफ्रीका मूल के अविनिमित्त हाथी दांत के बने हुए हाथी दांत के उत्पाद।		ख-2038(ख) 2	फोना एवं फलोरसंकटापन्न जातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते (सी आई टी ई एस) के अन्तर्गत प्रबंध प्राधिकारी (निदेशक जंगली जीव संरक्षण) वन एवं जंगली जीव विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए पुनः निर्यात प्रमाण पत्र के आधार पर, निर्यातकों द्वारा कानूनी अधिप्राप्ति संबंधी प्रमाणपत्र प्राप्त करने पर निर्यात की अनुमति चार मुख्य पत्तनों अर्थात् बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और दिल्ली से दी जाएगी।
3. फिश मील		ख-2054(2)	केवल 50% या इससे अधिक की प्रोटीन वाला माल अनुमति है
4. चावल बासमती		ख-2089(1)	केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर घोषित किए गए न्यूनतम निर्यात मूल्य के आधार पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
5. पेड़ों, हेजिस, सजावटी पौधों, वनस्पतियों, फूलों और ग्लोरिसा सुपर्वा (लिलियासिया) सभी के बीज।		ख-2097	निर्यात की अनुमति राज्य सरकार के बीज प्रमाणन अधिकरण/संबद्ध विभाग से इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि निर्यात किए जाने वाले बीज जंगली किस्म के नहीं हैं और बीज मूल तथा प्रजनक भी नहीं हैं।
6. आचिड (भाग "क" में क्रम सं. 0094(ग) के सामने आने वाली श्रेणियों को छोड़कर)		ख-2127	पोतलदान-पूर्व निरीक्षण और सी आई टी ई एस प्रमाण पत्र के आधार पर केवल कल्चर तकनीक के माध्यम से बढ़ाई गई और फ्लास्क में रखी हुई आचिड ही अनुमेय हैं।
7. निम्नलिखित पौधों के भाग (क) पौधा	यथासंकेतिक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर पौधों के भाग के निर्यात की अनुमति दी जानी है संपूर्ण पौधा	ख-2135	निर्यात की अनुमति निम्नलिखित प्रस्तुत करने पर दी जाएगी—
1. अरुनचिनारिया	जौनसारनसिया गेंबल		(1) मुख्य वन संरक्षक या मुख्य वन्य जीव वार्डन या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए इस आशय का प्रमाणपत्र कि सामग्री कल्चर तकनीकी के माध्यम से बढ़ाई गई बागान या नर्सरी मूल की है।
2. बेंडिकिया कोडापभा देरी	संपूर्ण पौधा बीज		(2) पोत लदान पूर्व निरीक्षण प्रमाणपत्र और
3. डलबरजिन लालिटोलिया रोकस	बीज		(3) सी आई टी ई एस (जंगली फोना एवं फलोरस संकटापन्न जातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) प्रमाणपत्र।
4. डिओसकोरिया प्राजेरी प्रइनेट	ट्यूबर		
5. म्याथासा गगनटी (बाल प्राइवेट एक्स ड्रुक)	संपूर्ण पौधा		
6. लावटेरा क्रुशमोरियन गेम्ब	फल/बीज		
7. मंगोलिया पेट्रोकार्पा रोकस	बीज		
8. पैराक्मूलिजिया ग्रेडिफोरा ओ आर और ड्रम और हटचिसन	समूह जड़/बीज		
9. पिनांगा प्रेसिलिस बी एल	संपूर्ण पौधा		
10. पिनस जिरारदियाना बाल	बीज		
11. पोपुलस गैम्बली डोड	कटिंग/बीज		
12. पेट्रोकार्पेट डलबरगियोडिस राक्स	बीज		
13. रोबोल्फिया केनेसेंस	जड़ और बीज		
14. सन्तलम एलबम	बीज		
(ख) वनस्पतिक पौधे—			
(1) साइकस बडडॉमी डायर	पौधे		
(2) डिस्चिडिया राफ	संपूर्ण		
लिसियाना आर बी आर			
8. अरण्डी का तेल		ख-2143(2)	निर्यात केवल सामान्य मुद्रा क्षेत्र के लिए ही अनुमेय है।

1	2	3	4
9. ताप अभिसाधित वर्जिनिया तम्बाकू, धूप अभिसाधित वर्जिनिया तम्बाकू धूप अभिसाधित (नाटू देशी) तम्बाकू और धूप अभिसाधित जुटी तम्बाकू।	ख-2240		(1) जिस तम्बाकू के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर घोषित किया गया है उसके संबंध में तम्बाकू बोर्ड से इस संबंध में एक प्रमाण पत्र के मूल्य, न्यूनतम निर्यात मूल्य से कम नहीं है। (2) उस तम्बाकू के संबंध में जिसके लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य विशिष्टीकृत नहीं किया गया है तम्बाकू बोर्ड से इस संबंध में एक प्रमाणपत्र कि निर्यात किया जा रहा तम्बाकू न्यूनतम निर्यात मूल्य प्रतिबंध के अधीन नहीं है। निर्यात लोक विशेषक से एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर अनुमित किया जाएगा कि निर्यात माल में निम्नलिखित शामिल हैं :— (क) अल्यूमीना 40% से अधिक नहीं (ख) निकरील 0.7% से अधिक नहीं (ग) कोबाल्ट 300 टीपीएम से अधिक नहीं (घ) वेनेडियम 2215 पीपीएम से अधिक नहीं (ङ) मैंगनीस 1319 पीपीएम से अधिक नहीं (च) टिटैनिम 7.4% से अधिक नहीं
10. लैट्राइट	ख-2267(13)		
11. कार्बनीकृत लिग्नाइट ब्रिक्केटस (एल ई सी ओ)	ख-2283(2)		कोयला निर्यातक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता द्वारा किए गए आर्बंटन के मद्दे निर्यात केवल कलकत्ता, मद्रास एवं बिलांग से ही अनुमेष होगा।
12. आयातित बल्कडा में से विनिर्मित क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट से फार्मूलेशन क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट।	ख-(2305(8)		निर्यात की अनुमति लाइसेंस में सांकेतिक जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की सीमा तक के लिए अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत थोक में क्लोरोक्विन फास्फेट के आयात के मद्दे दी जाएगी।
13. माइक्रो न्यूट्रिएण्ट फर्टिलाइजर्स	ख-2313		कैमिक्सल (रसायन एवं सम्बद्ध उत्पाद निर्यात संबंधित परिषद) के पास पंजीकरण के आधार पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
14. (1) सिनकोना निदेशालय तमिलनाडु/पश्चिम बंगाल द्वारा यथाप्रमाणित कुनैन और क्विनीडाइन तथा उनके साल्ट निकाले हुए सिनकोना मिश्रित एल्कलाइड और सिनकोना साल्ट।	ख-2321(1)		सिनकोना निदेशालय, तमिलनाडु/पश्चिम बंगाल, जैसा भी मामला हो, से प्राप्त प्रमाणपत्र के मद्दे निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
(2) क्विनीडाइन सल्फेट	ख-2321(2)		औषध निर्यातक (भारत), नई दिल्ली से अनापति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
(3) कुनैन और कुनैन उत्पाद	ख-2321(3)		सिनकोना निदेशालय, तमिलनाडु/पश्चिम बंगाल, जैसा भी मामला हो, से प्राप्त प्रमाणपत्र से मद्दे निर्यात की अनुमति दी जाएगी
15. लकड़ी एवं इमारती लकड़ी अर्थात् निम्नलिखित :— (1) डस्ट, चिप्स, फ्लेक्स और पाउडर के रूप में चन्दन की लकड़ी (2) चिप्स के रूप में लाल चन्दन की लकड़ी	ख-2364		इमारती लकड़ी की अभिप्राप्ति के संबंध में निर्यात की अनुमति जैसा भी मामला हो केवल मुख्य वन संरक्षक, आन्ध्र प्रदेश मुख्य वन संरक्षक, तमिलनाडु द्वारा जारी किए गए मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही दी जाएगी। लाल चन्दन की लकड़ी को छोड़कर सभी अनुमेष गन्तव्य स्थानों को सभी प्रकार की संसाधित इमारती लकड़ी के निर्यात की अनुमति है। लाल चन्दन की लकड़ी से बनी संसाधित इमारती लकड़ी की अनुमति/लकड़ी की अभिप्राप्ति के संबंध में केवल मुख्य वन संरक्षक, आन्ध्र प्रदेश या मुख्य वन संरक्षक, तमिलनाडु, जैसा भी मामला हो, द्वारा जारी किए गए मूल उत्पत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर ही दी जाएगी।
16. आयात निर्यात नीति (खंड-2) में यथा परिभाषित संसाधित इमारती लकड़ी।			
17. निम्नलिखित मानव-निर्मित रेश और यार्न :— 1. (क) 800 डेनियर और उससे अधिक के रेयन टायर यार्न (ख) सभी डेनियरों के रेयन टायर कोर्ड (ग) रेयन टायर फेब्रिक 2. 50% या इससे अधिक संश्लिष्ट फाईबर वाले संश्लिष्ट मिश्रित यार्न	ख-2399(2)क ख-2399(2)ख ख-2399(2)ग ख-39(3)		पोतलवान होने के बाद 15 दिनों के भीतर निर्यातकों को प्रभावी निर्यातों की सूचना संबंध परिषद को भेजनी चाहिए।

1	2	3	4
2. 50% या इससे अधिक संश्लिष्ट फाइबर वाले संश्लिष्ट मिश्रित यार्न	ख-2399(3)	निर्यात की अनुमति न्यूनतम 19 रुपए प्रति किलोग्राम जहाज पर्यन्त निःशुल्क निर्यात मूल्य के अधीन दी जाएगी। निर्यात प्रभावी कर देने की सूचना निर्यातकों द्वारा पोतलदान के 15 दिनों के भीतर ही संबद्ध परिषद को भेजी जाएगी।	
3. एकलिक द्वेष/मशीन निर्दिष्ट यार्न	ख-2399(9)	पोतलदान होने के बाद 15 दिन के भीतर निर्यातकों द्वारा प्रभावी निर्यातों की सूचना संबद्ध परिषद को भेजी जाएगी।	
18. हाथ से बुने हुए वस्त्र (एकलिक और मिश्रित)	ख-2429	पोतलदान होने के बाद 15 दिन के भीतर निर्यातकों द्वारा प्रभावी निर्यातों की सूचना संबद्ध परिषद को भेजी जाएगी।	
19. कच्ची कपास— (1) बंगाली देशी (2) आसाम कोमोलास  (3) स्टेपल कपास  (4) अग्नि/जल के कारण जो कपास विवर्ण हो गई हो (5) जोड़ो और स्वीपिंग (6) येलो पिक्किंग (7) अन्य	ख-2437(1)   ख-2437(2) से (3) तक	निर्यात के लिए वांछित मर्दों के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण और आबंटन प्रमाणपत्र के मद्दे निर्यात अनुमेष होगा।  निर्यात के लिए वांछित मर्दों के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण और आबंटन प्रमाणीकरण के मद्दे निर्यात अनुमेष होंगे।	
20. नरम कपास बैस्ट/सबत कपास बैस्ट	ख-2445	-वही-	
21. कपास का यार्न जिसमें टायर कोर्ड यार्न शामिल है।	ख-2453	60 एस तक के काउन्ट के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, बम्बई के पास पंजीकृत संविदाओं के संबंध में उनके द्वारा किए गए प्रमाणपत्र के मद्दे। 60 एस से अधिक काउन्ट के लिए निर्यात संवर्धन परिषद बम्बई द्वारा जारी की गई व्यापार सूचना के अनुसार स्वतंत्र रूप से अनुमेष होंगे और निर्यातक पोतलदान की तारीख से 15 दिनों के भीतर निर्यातों के आंकड़े परिषद को भेजेंगे।	
22. भारत-यूरोपीय आर्थिक समुदाय वस्त्र समझौते के अन्तर्गत सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशों (जिसमें पटसन, रेजम और फ्लेक्स शामिल नहीं हैं) से बने वस्त्रों और वस्त्र सामग्री का यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों को निर्यात।	ख-2461(3)	(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारों के आबंटन के मद्दे :— (क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद। (ख) पोशाकों और बने हुए वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी बुने हुए वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संवर्धन परिषद। (ग) ऊनी वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं हैं) ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद सभी प्रकार के कपड़ों और तैयार कपड़ों (जिसमें ऊनी कपड़े और तैयार कपड़े भी शामिल हैं) एक के लिए पोतलदान बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा बनाए जाएंगे और सभी पोशाकों और बुने हुए वस्त्र (जिसमें ऊनी पोशाक और बुने हुए वस्त्र शामिल हैं) के लिए ऐसे प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद बनाए जाएंगे। (2) निर्यात हकदारी के आबंटन के मामले में, निर्यात संवर्धन परिषदों द्वारा वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्ग दर्शी सिद्धान्तों का पालन किया जायेगा और न्यूनतम मूल्य प्रक्रिया के माध्यम से उचित वसूली करने का सुनिश्चय कर के प्रयास किए जाएंगे। (3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों, हथकरघा वस्त्रों से बने हस्तनिर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (पोशाकों से भिन्न) और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र सामग्री (भारतीय मर्दों) मात्रिक प्रतिबन्ध के अधीन नहीं हैं। सभी हथकरघा तैयार वस्त्रों के निर्यात के मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा एक 'निरीक्षण पृष्ठांकन' अपेक्षित होगा।	

(1)

(2)

(3)

(4)

“भारतीय मदों” के संबंध में, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र अपेक्षित होगा।

(4) भारतीय मदों से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात, द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टिकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इंगित नमूनों के अनुसार होंगे।

23. भारत-संयुक्त राज्य अमरीका वस्त्र समझौते के अधीन सूत, ऊन और मानव-निर्मित रेशों से बने (जिसमें पटसन, रेशम और फ्लेक्स शामिल नहीं हैं) वस्त्रों का संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात।

ख. 2461 (4)

(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंटन के मद्दे:—

(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद।

(ख) पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों के लिए (जिसमें सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संवर्धन परिषद।

ग) ऊनी वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए (लेकिन जिसमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं है) ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद लेकिन ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए पोतलदान बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा किया जाएगा और सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के मामले में इस प्रकार का प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा किया जाएगा।

(2) निर्यात हकदारी के आबंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषदें वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्ग-दर्शी सिद्धान्तों का पालन करेगी और न्यूनतम मूल्य प्रक्रिया के माध्यम से उचित बसूली सुनिश्चन करने के लिए प्रयास करेगी।

(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों, ऐसे वस्त्रों से बने हस्त-निर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (पोशाकों से भिन्न) और कुटीर उद्योग के परम्परागत लोकहस्तीशिल्प वस्त्रों की सामग्री (भारतीय मदें) मासिक प्रतिबन्धों के अधीन नहीं है। सभी हथकरघा तैयार वस्त्रों के निर्यात के मामले में संयोजन “प्रपत्र” के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा एक “निरीक्षण पृष्ठानक” अपेक्षित होगा। “भारतीय मदों” संयोजन के भाग-2 में समिति के संबंध में, विकास आयुक्त (हस्त-शिल्प) द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र अपेक्षित होगा।

(4) “भारतीय मदों” से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टिकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इंगित नमूनों के अनुसार होंगे।

24. भारत और आस्ट्रिया के बीच सहमति ज्ञापन के अधीन कुछ सूती वस्त्रों और वस्त्र सामग्री का आस्ट्रिया को निर्यात

ख. 2461 (5)

(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंटन के मद्दे:—

(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद; और

(ख) पोशाक और सलाई से बुने हुए वस्त्रों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद।

पोतपरिवहन बिलों पर प्रमाणपत्र द्वारा—

(2) निर्यात हकदारी के आबंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त बसूली के लिए प्रयास करेगी।

(1)	(2)	(3)	(4)
		<p>(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्र, ऐसे हथकरघा वस्त्रों से बने हस्त-निर्मित सूती वस्त्र उत्पाद और परम्परागत लोक हस्त-शिल्प वस्त्र उत्पाद "भारतीय मदों" के रूप में कहे जाने वाले मात्रिक-प्रतिबंधों के अधीन नहीं हैं सूती हथकरघा उत्पादों के लिए संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा "निरीक्षण पृष्ठांकन" आवश्यक होगा। "भारतीय मदों" के मामले में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय या वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र अपेक्षित होगा।</p> <p>(4) "भारतीय मदों" से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात, द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टीकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इंगित नमूनों के अनुसार होंगे।</p>	
<p>25. भारत-स्वीडन वस्त्र समझौते के अधीन सूती, ऊनी मानवनिर्मित रेशे या उनके मिश्रण के कुछ वस्त्र उत्पादों का स्वीडन को निर्यात।</p>	ख. 2641 (6)	<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंधन के मद्दे:—</p> <p>(क) तैयार (तैयार ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) वस्त्रों के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् ;</p> <p>(ख) पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों (सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् ; और</p> <p>(ग) तैयार ऊनी वस्त्रों और सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्।</p> <p>लेकिन, पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सभी तैयार वस्त्रों (तैयार ऊनी वस्त्रों सहित) के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा और सभी पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों (ऊनी पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों सहित) के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा।</p> <p>(2) निर्यात हकदारी के आबंधन के मामले में, निर्यात संवर्धन परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त वसूली के लिए प्रयास करेगी।</p> <p>(3) "भारतीय मदों" के निर्यात के लिए विकास आयुक्त (हस्त-शिल्प) के कार्यालय द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा।</p> <p>(4) "भारतीय मदों" से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टीकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इंगित नमूनों के अनुसार होंगे।</p>	
<p>26. भारत और फिनलैण्ड के बीच समझौता ज्ञापन के अधीन सूती और तैयार रेशों के वस्त्र उत्पादों का फिनलैण्ड को निर्यात।</p>	ख. 2461 (7)	<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंधन के मद्दे:—</p> <p>(क) पोशाकों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्।</p> <p>(ख) ऊनी जुराबों के लिए ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्।</p> <p>लेकिन, पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सभी पोशाकों अथवा सलाई से बुने हुए उत्पादों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा।</p>	

1	2	3	4
			<p>(2) निर्यात हकदारी के आवंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त वसूली के लिए प्रयास करेगी।</p> <p>(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों ऐसे हथकरघा वस्त्रों से बने हस्त-निर्मित कुटीर उद्योग उत्पादन (ब्लाउज और कमीजों से भिन्न) और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र भारतीय मर्दों) मात्विक प्रतिबंधों के अधीन नहीं है। हथकरघा ब्लाउज और कमीजों के मामले में वस्त्र समिति द्वारा इस सम्बन्ध में जारी किया गया प्रमाण-पत्र भी आवश्यक होगा कि वस्त्र मूल रूप से हथकरघा द्वारा तैयार किए गए हैं, "भारतीय मर्दों" के अन्तर्गत वस्त्र उत्पादों के मामले में, वस्त्र समिति या वस्त्र प्रायुक्त (हस्तशिल्प) से एक प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा।</p> <p>(4) भारतीय मर्दों से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टीकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक संस्थागत पोशाकों वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथाईगित नमूनों के अनुसार होंगे।</p>
27. हथकरघा पर निर्मित असली मद्रासी रुमाँन (आर.एम.एच. के) का निर्यात।	ख. 2461(8)	हथकरघा पर निर्मित असली मद्रासी सूती रुमाल (आर.एम.एच. के.) का कोटोनू, लोमा एवं एसिरा (घाना) को दोनों अपरिवर्तनीय साखपत्र की शर्तों एवं सी.ए.डी. (दस्तावेजों के मुद्दे रोकड़) शर्तों के अन्तर्गत निर्यात किया जाएगा वशर्त कि निर्यातक यह घोषणा-पत्र प्रस्तुत करे कि निर्यात किए जा रहे असली मद्रासी रुमाल हथकरघा पर निर्मित हैं। दस्तावेजों के मुद्दे रोकड़ शर्तों पर आर.एम.एच. के का निर्यात केवल निर्यात ऋण एवं गारन्टी परिषद् लि. (इ.सी.जी.सी.) द्वारा जारी कवर प्रस्तुत करने पर ही एक सीमा तक अनुमित किया जाएगा।	
28. भारत और कनाडा के बीच सहमति ज्ञापन के अधीन सूती, ऊनी और मानवनिर्मित रेशों या उनके मिश्रण के कुछ उत्पादों का कनाडा को निर्यात।	ख. 2461(9)	<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आवंटन के मुद्दे :-</p> <p>(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद ;</p> <p>(ख) पोशाकों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों (जिसमें सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्र शामिल नहीं हैं) के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद; और</p> <p>(ग) ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों (लेकिन जिसमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं है) के लिए ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद।</p> <p>लेकिन, पोत परिवहन विलों पर आवश्यक प्रमाणन सभी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल हैं) के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा किया जाएगा और पोशाकों एवं सलाई से बुने हुए वस्त्रों के मामले में ऐसा प्रमाणन परिवहन निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा किया जाएगा।</p> <p>(2) निर्यात हकदारी के आवंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त वसूली के लिए प्रयास करेगी।</p>	

1	2	3	4
			<p>(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा के वस्त्र, ऐसे हथकरघा वस्त्रों से निर्मित हस्तनिर्मित कपड़ा और वस्त्र उत्पाद और परम्परागत लोक प्रचलित हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद (जो भारतीय मदों के नाम से जाने जाते हैं) मात्रिक प्रतिबन्धों के अधीन नहीं है। सभी हथकरघा वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और प्रातिबंधित मदों के समरूप तैयार पोशाकों के निर्यात के मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा "निरीक्षण पृष्ठांकन" आवश्यक होगा। भारतीय मदों के संबंध में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय या वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा।</p> <p>(4) "भारतीय मदों" से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टिकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक संस्थान पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथावधिगत नमूनों के अनुसार होंगे।</p>
29. भारत और नावों के बीच समझौते के अधीन कुछ वस्त्र और वस्त्र उत्पादों का नावों को निर्यात।	ख. 2461 (10)	(1)	<p>निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आर्बटन के मद्दे :-</p> <p>(क) तैयार वस्तुओं के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद।</p> <p>(ख) ऊनी सलाई से बुने हुए पहनावों को छोड़कर पोशाकों और सलाई से बुनी हुई पोशाकों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद।</p> <p>(ग) ऊनी तैयार वस्त्र और सलाई से बुनी हुई ऊनी पोशाकों (किन्तु ऊनी पोशाकों को छोड़कर) के लिए ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद।</p> <p>पोत परिवहन बिलों पर अपेक्षित प्रमाणन मेड अप्स के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा किया जाएगा और पोशाकों व सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के संबंध में ऐसा प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा दिया जाएगा।</p> <p>(2) निर्यात हकदारी निर्धारण के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद, वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्त बिन्दुओं का पालन करेगी और निम्नतर (पलोर) मूल्य पद्धति के माध्यम से उचित वसूली का सुनिश्चय करने के लिए प्रयत्न करेगी।</p> <p>(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा के वस्त्र, कुटीर उद्योग में हाथ से बनाए गए ऐसे वस्त्रों के उत्पाद (विशेष सीमा की शर्त के अधीन पोशाकों की मदों से भिन्न) और कुटीर उद्योग के लोक परम्परागत हस्तशिल्प के वस्त्र (भारतीय मदों) मात्रा प्रतिबंधों के अधीन नहीं है। जहां तक हथकरघों के मेड-अप्स और निगरानी के अधीन हथकरघा की पोशाकों के निर्यातों का संबंध है इनके मामले में कम्बिनेशन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा निरीक्षण पृष्ठांकन की आवश्यकता होगी। भारतीय मदों के संबंध में विकास आयुक्त, हस्तशिल्प के कार्यालय द्वारा जारी किए गए उपयुक्त प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी।</p> <p>(4) "भारतीय मदों" से भिन्न पोशाकों का निर्यात द्विपक्षीय करार के अंतर्गत वर्गीकरण के अनुसार हथकरघा वस्त्र के उद्गम, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों के नमूनों पर यथानिर्दिष्ट औद्योगिक/संस्थानीय पोशाकों के समरूप होगा।</p>
30. (1) आयातित बिलेट से बने राइस तथा बांस	ख. 2488 (2)		<p>अग्रिम लाइसेंस के मद्दे कर छूट स्कीम के अधीन लाइसेंस में निर्दिष्ट जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य सीमा तक आयातित बिलेट्स से निर्मित बांस और राइस का निर्यात।</p>

1	2	3	4
	(2) साइट रेल (20 कि. ग्रा. या इससे कम)	ख. 2488 (3)	निर्यात केवल सम्पूर्ण रेल के वास्तविक कार्य के लिए संयुक्त निर्यात संविदा के भाग के रूप में अनुमित है।
31.	धातु स्क्रैप (लोहा कतरन से भिन्न) जिसमें 0.50% से अधिक निकल या 0.20 से अधिक मोलिब्डेनम अथवा 1.00 प्रतिशत से अधिक टंगस्टन या 0.20 प्रतिशत से अधिक वनेडियम या 1.00 प्रतिशत से अधिक कोबाल्ट की मात्रा हो और मिल स्केल स्क्रैप।	ख. 2526	
	(1) निकल केडमियम बैटरी स्क्रैप	ख. 2526 (1)	मान्यताप्राप्त लोक विशेषक से इस बारे में यह प्रमाणपत्र की स्क्रैप इस मद के अधीन दिए गए विशिष्टीकरण के अनुरूप है।
	(2) प्लेटिनम स्क्रैप	ख. 2526 (2)	निर्यात इस शर्त के अधीन अनुमित है कि 100% पूर्ण परिष्कृत और पुनः आकार में करने के बाद कम परिष्कृत किए हुए स्क्रैप तुकड़ी माल को भारत में पुनः आयात किया जाएगा।
	(3) निकल पेलेट्स का छोड़कर निकल स्क्रैप	ख. 2526 (3)	निर्यात इस शर्त के अधीन अनुमित है कि 100% पूर्ण परिष्कृत और पुनः आकार में करने के बाद कम परिष्कृत किए हुए स्क्रैप के तुकड़ों माल को निकल प्लेट एनोडस के रूप में भारत में वापस आयात किया जाएगा।
32.	धातु संबंधी अवशेष अर्थात् ड्रांसिज, स्क्रिमिंग स्लेग्म, राख, सिलम और फल्यु डस्ट (जो सोने और चांदी से भिन्न हो जिसमें 15% से कम मुक्त धातु मात्रा हो।)	ख. 2534	निर्यात सीधे बिक्री/विदेश में अभिक्रिया के लिए अनुमित है और परिष्कृत धातु का पुनः आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :— (क) धातु संबंधी अवशेष में मुक्त धातु की मात्रा भार में 15% से कम है और वह अतिमत्तः तितर-बितर स्थिति में हो; (ख) किसी भी मान्यताप्राप्त विश्लेषक से यह प्रमाणित करने हुए कि धातु संबंधी अवशेष में मुक्त धातु मात्रा भार में 15% से कम है और वह अतिमत्तः तितर-बितर स्थिति में है और अवशेष का 100% रासायनिक मिश्रण है एक सम्पूर्ण विश्लेषक रिपोर्ट निर्यातक द्वारा अन्य पोत परिवहन दस्तावेजों के साथ भेजी गई है। विश्लेषक द्वारा 1/6" जाली को छलनों का उपयोग में लाया जाना है और इस तथ्य का उल्लेख रिपोर्ट में किया जाना है। (ग) परिष्कृत मान के पुनः आयात के लिए और/अथवा परिष्करण के पुनः आयात के लिए और अन्य खर्चों आदि के लिए कोई भी विदेशी मुद्रा अनुमित नहीं की जाएगी और निर्यातक द्वारा ऐसे खर्च धातु संबंधी अवशेष परिष्कृत धातु के आकार में अदा किए जाएंगे। परिष्कृत धातु का आयात संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी सीमाशुल्क निकासी परमिट की शर्त के अधीन होगा। (घ) विदेश में धातु संबंधी अवशेष/परिष्कृत धातु की बिक्री से अर्जित विदेशी मुद्रा को भारत में वापस लाया जाएगा। (ङ) निर्यातक भारतीय रिजर्व बैंक के जो आर प्रपत्र की प्रक्रिया का अनुपालन करेगा और जो आर प्रपत्र की तीसरी प्रति के साथ परिष्कारक से लेख के अंतिम समशीत के साथ प्राथमिक अंतिम भार और परख की अंतिम रिपोर्ट भी निर्यातक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को भेजी जानी चाहिए।
33.	आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-22 के उपाबंध 6 और 7 में उल्लिखित चांदी के आभूषण और चांदी की वस्तुएं।	ख. 2569	निर्यात आयात एवं निर्यात नीति 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-22 के उपाबंध 6 और 7 में दी गई गाइड अनुसार अनुमित है।
34.	स्वर्ण आभूषण तथा वस्तुएं।	ख. 2585	इस योजना के अन्तर्गत आयात-निर्यात नीति 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-22 के उपाबंध-1 तथा उपाबंध-3 में की गई व्यवस्था के अनुसार विदेशी क्रेता तथा स्वर्ण आभूषण निर्यात संबंधी तथा

1	2	3	4
			प्रतिपूर्ति स्कीम के मद्दे स्वर्ण आभूषणों तथा वस्तुओं का निर्यात अनुमित किया जाएगा। कर मुक्त स्कीम के मद्दे निर्यात आर्थिक-निर्यात नीति खण्ड-1 के परिशिष्ट-19 के प्रावधानों द्वारा संचालित होगा।
35.	घस्त्र तथा गोलाबारूद अर्थात् मण्डल लोडिंग हथियार तथा ब्रीच लोडिंग या बोल्ट एक्शन हथियार जैसे शॉट, गन, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल तथा उनका गोला-बारूद।	ख.2607(1)	<p>प्रस्तुति पर निर्यात अनुमित किया जाएगा:—</p> <p>(क) अग्नेयस्त्र अतिरिक्त तथा निर्यात के अनर्गत उपयुक्त लाइसेंस;</p> <p>(ख) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से इस आशय का प्रमाण-पत्र की निर्यात किए जाने वाले अग्नेयस्त्र पुरावशेष और/या दुर्लभ नमूनों के नहीं हैं :</p> <p>ये प्रमाण-पत्र भारत में 1956 के बाद विनिर्मित बारूद तथा अग्नेयस्त्रों के लिए जहरी नहीं होगा। इन मामलों में निर्यातक द्वारा स्थानीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने पर कि अग्नेयस्त्रों का निर्यात भारत में ही 1956 के बाद किया गया है, अनुमित किया जाएगा।</p> <p>(ग) निर्यात किए जाने वाले अग्नेयस्त्र पर उपयुक्त शिनाख्त निशान तथा ग्रूफ टेस्ट निदिष्ट होना चाहिए।</p>
36.	अंटिक हथियारों के रेण्वीकस	ख.2607(4)	निर्यात जिला मैजिस्ट्रेट, जिलाधीश या पुलिस आयुक्त जिसके क्षेत्राधिकार में रिपलीकाम का उत्पादन इस आशय से किया गया कि रिपलीकाम अग्नेयस्त्र के रूप में हानिरहित तथा निदेशक निरीक्षण, रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा नमूने के रूप में निरीक्षित से निर्वहित प्रपत्र में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए जाने पर अनुमित किया जाएगा।
37.	अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम/पास बुक अथवा किसी अनुमोदित शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के अधीन आयात की गई दालों से संसाधित दालें।	ख.2674	<p>निर्यात लाइसेंस में विनिर्दिष्ट लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के समुल्य अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम/पासबुक या अनुमोदित शतप्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के अनर्गत निर्यात अनुमित है।</p> <p>नोट :— स्वदेशी दालों में से संसाधित दालों का निर्यात अनुमित नहीं किया जाएगा।</p>

## खुला सामान्य लाइसेंस सं-4

कातम 4 में उल्लिखित सारणीबद्ध अभिकरण, उन देशों को छोड़कर जिनको इस समय लागू किसी भी कानून द्वारा निर्यात प्रतिबंधित है, किसी भी देश को नीचे लिखे माल का निर्यात कर सकते हैं :—

क्रम सं.	मद	अनुसूची-1 के भाग-ख के अनुसार क्रम संख्या	सारणीबद्ध अभिकरण का नाम तथा पता
1	2	3	4
1. प्याज		ख-2070	भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन फेडरेशन लि. (नेफेड), मपना बिल्डिंग, 54, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली।
2. गम कराया		ख-2666	
3. चीनी		ख-216 (1)	भारतीय राज्य व्यापार निगम लि०, चन्द्रलोक, 36, जन्मपथ, नई दिल्ली।
4. कस्टर तेल (रूपये भुगतान क्षेत्र में केवल) (जब रूपया भुगतान क्षेत्र को निर्यात किया जाए)		ख-213 X (2)	
5. 1. सीरा		ख-2178 (1)	
2. खांडसारी सीरा		ख-2178 (2)	
6. इथाईल एल्कोहल या किसी भी शुद्ध डिग्री तक विशुद्धिकृत स्प्रिट, चाहे विकृत किए गये हों या नहीं।		ख-2208 (1)	
7. बेन्जिन		ख-2305 (11)	
8. पटसन कार्पेट बेकिंग क्लाय जब वह उत्तरी अमेरिका के देशों को निर्यात किया गया हो।		ख-247-X (2)	
टिप्पणी :—अन्य देशों को निर्यात विनियमित आधार पर अनुमित है।			
9. सिमेन्ट		ख-2259	1. राज्य व्यापार निगम 2. इंजिनियरिंग प्रोजेक्ट्स इंडिया लि. (उनके द्वारा विदेशों में ली गई केवल विनिर्माण परियोजनाओं में प्रयोग के लिए) 'कैलाश' 26, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।
10. पोलिथिलीन (एन डी)		ख-2305 (9)	भारतीय पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० या. या. पेट्रोकेमिकल्स लि० बड़ौदा (गुजरात)।
11. स्नेहक ग्रीज और अपरिकुष्ट (क्रूड) तेल सहित सभी पेट्रो-लियम उत्पाद।		ख-2291	भारतीय तेल निगम, लि० भारतीय तेल भवन, जन्मपथ, नई दिल्ली।
12. लोहा तथा इस्पात, निम्नलिखित कास्ट लौह पाइप एवं फिटिंग को छोड़कर :—  संघटित इस्पात संयंत्रों द्वारा उत्पादित इस्पात, अलॉय इस्पात, ख-2488 (1) संयंत्र, लघु इस्पात संयंत्र, अनुबंधी उत्पादनकर्ता तथा री-रोलर्स।			स्टील प्रोपर्टी, इस्पात भवन, मोघो रोड, नई दिल्ली।
13. रेलवे बैगन, सवारी डिब्बे तथा लॉकमोटिव		ख-2542	भारतीय परियोजना एवं उपस्कर निगम लि., हुंवाजरा, 15, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(1)	(2)	(3)	(4)
14. निम्न खनिज ओर्स तथा कन्सन्ट्रेट्स			
(1) रयुटाइल, सिन्थेटिक रयुटाइल	ख-2267	}	इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड, पिनकोड, फ्री ज़ोन-III महिषा काँच रोड बम्बई-20।
(2) थोरियम अयस्क तथा कन्सन्ट्रेट			
(3) आवश्यक इन्ड्रिडियन्ट के रूप में निम्नलिखित तत्वों वाले अनुषंगी कुछ अन्य खनिज इनके सहित :— (क) कालमबाइट, (ख) मोनोजाइट, (ग) स्मेरस्काइट, (घ) यूरेनिफेरस अलामाइट :— (1) रेडियम अयस्क एवं कन्सन्ट्रेट्स (2) थोरियम अयस्क एवं कन्सन्ट्रेट्स (3) यूरेनियम अयस्क एवं कन्सन्ट्रेट्स (4) तांबे या सोने के परिष्करण के बाद अयस्क से बचे हुए टेलिंग वाले यूरेनियम। (5) जिरकान स्टाक की सेमी प्रोसियस किम्म सहित जिरकान अयस्क एवं कन्सन्ट्रेट्स।		}	केरल खनिज एवं धातु लि.। पो.बो.नं. 30, क्वीनो-691001 (केरल)
(4) भारतीय रेयर अर्थ खनिज एवं धातु लि. एवं केरल खनिज एवं धातु लि. द्वारा उत्पादित ग्रेनूलर सिलिमेनाइट			
(5) जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, एवं पश्चिमी यूरोप को निर्यात करते समय गोवा मूल के लौह अयस्क से भिन्न लौह अयस्क।			खनिज एवं धातु व्यापार निगम, एम्प्रेम भवन, बहादुर शाह जकार मार्ग, नई दिल्ली।
(6) गोवा मूल की 3% से 10% तक की मंगनीज तत्वों सहित द्विधातु अयस्क (बाइमेटल ओर) (काला लौह अयस्क)			--तदेव--
(7) क्रोमे अयस्क एवं निम्नलिखित कन्सन्ट्रेट्स :— (1) सी आर <sub>2</sub> ओ <sub>3</sub> सहित क्रोमे अयस्क 41.99% से अधिक नहीं (2) क्रोमाइट फाइन्स एवं फाइएबल अयस्क			--तदेव--
(8) रासायनिक संसाधित मैंगनीज डाई आक्साइड को छोड़कर मैंगनीज अयस्क।			--तदेव--
(9) कैलिसिड बाक्साइट रहित सभी श्रेणी के बाक्साइट।			--तदेव--
15. कोयला एवं कोक	ख-2283		
16. (1) 40% या कम के फ़ैस वाले निम्न श्रेणी के परिष्करण और/या घनीकरण द्वारा तैयार लौह अयस्क कन्सन्ट्रेट्स जिनका उत्पादन कुद्रेमुख लौह अयस्क कं. लि. द्वारा किया गया है।		}	कुद्रेमुख लौह अयस्क कं. लि. (के आई ओ सी एल), कोरा मंगल रोड, बंगलौर
(2) कुद्रेमुख लौह अयस्क कं. लि. (के आई ओ सी एल) द्वारा उत्पादित कन्सन्ट्रेटों से विनिर्मित लौह अयस्क पैलेट्स	ख-2267		
17. (1) निर्मित और गढ़े हुए अश्रक को छोड़कर संसाधित अश्रक जिसमें सभी बगी और किस्मों के अश्रक ब्लाक्स, अश्रक फिल्म एवं स्पलिटिंग्स शामिल हैं।	ख-2275	}	भारतीय अश्रक व्यापार निगम लिमिटेड, 137, पाटिलीपुत्र कालोनी, पटना।
(2) अश्रक वेस्ट (फैक्टरी कटिंग्स सहित) और स्क्रेप जो अश्रक संसाधित करते हुए प्राप्त की जाती है और आकार एवं रंग के कारण संसाधित अश्रक के विशिष्ट-करण से कम समझी गई हो।	ख-2275		

(1)	(2)	(3)	(4)
18. (1) भारतीय फीचर फिल्म के वीडियो राइट्स की बिक्री ख-2348 (1) सहित एक्सपोज्ड सिनेमाटोग्राफिक फिल्मस (फीचर फिल्मस), किन्तु कम बजट की फीचर फिल्म जो 20 लाख रुपए तक की लागत पर निर्मित होती हैं) को छोड़कर।		ख-2348 (1)	राष्ट्रीय फिल्म बिकास निगम, प्रथम तल, 13-16, रिजेंट चैम्बर, नारीमन प्वाइंट, बम्बई-400021
(2) वीडियो टेप सिनेमा फिल्में केसेट्स सहित		ख-2348 (2)	
19. कच्चा पटसन शेम्सा और वेशोअ को छोड़कर पटसन की ख-247X (1) कतरनों।		ख-247X (1)	भारतीय पटसन निगम 1, शेम्सरोडर मारुनी, कनकना।

## परिशिष्ट-2.

## उन मदों की सूची जिनका निर्यात अनुमये नहीं है

1. गो मांस
2. 1. दूध, दूध का पाउडर (क्रीम निकाला हुआ या क्रीम युक्त) शुद्ध दूध और विसंक्रमित तरल दूध।  
2. शुद्ध देशी घी
3. काजू पौधा
4. निम्नलिखित तेल के बीज:—  
(1) आरण्डी  
(2) बिनौला  
(3) अलसी  
(4) सूरजमुखी फूल  
(5) मोयाबीन  
(6) कर्दी  
(7) सरसों/तोरिया
5. छिलका रहित साबुत नारियल, नारियल प्रोटीन, नारियल शहद, नारियल का आटा और सुखाए हुए नारियल को छोड़कर नारियल और खोपरा।
6. निम्नलिखित बीज:—  
(1) काजू बीज  
(2) वेंचा और बरमीन बीजों से भिन्न हरी खाद के बीज  
(3) गुआर बीज (साबुत)  
(4) पटसन बीज  
(5) नींबू घास के बीज और जड़  
(6) मेस्ता बीज  
(7) पीपर कटिंग या पीपर की कटिड कटिंग्स  
(8) पेटरोकार्यस नेफ्रानिन्स (लाल मेंडम) बीज  
(9) रबड़ बीज  
(10) रुसा धाम बीज और टफटस  
(11) सेल्टालम एलबम (कन्दन की लकड़ी के बीज)  
(12) सभी तेजीय पौधों एवं दालों के बीज
7. पमेबा, तथा जीवित कीटों वाली कोई नैक।
8. किसी भी पशु मूल की पिघाई हुई या बिना पिघाई हुई या अन्यथा रूप में निकसी हुई चर्बी, बसा और/या तेल।
9. निम्नलिखित वनस्पति तेल:—  
(1) नारियल का तेल  
(2) बिनौले का तेल
- (3) मूंगफली का तेल  
(4) अलसी का तेल  
(5) सलाद का तेल  
(6) सूरजमुखी फूल के बीज का तेल  
(7) करदी का तेल  
(8) निल के बीज का तेल  
(9) सरसों का तेल/तोरिया का तेल  
(10) शीमम के बीज का तेल  
(11) कान का तेल  
(12) चावल की भूसी का तेल
10. (1) मेंडक तथा उनके भाग (संगोधि मेंडक सहित)  
(2) 300 ग्राम में कम भार वाली गिन्बर (गैम्फलेट मछली/नाजी और जमी हुई।
11. (1) 3 इंच से कम आकार के बीच-डी-मेयर  
(2) 50% प्रोटीन मात्रा से कम वाली फिशमील
12. (1) चावल की भूसी, कच्ची और उबली हुई।  
(2) धान बरस चावल
13. मूंगफली की खली (निष्कासक किस्म की)
14. तेल रहित मूंगफली की खली जिसमें 1 प्रतिशत से अधिक तेल हो।
15. सभी किस्म की एक्सपेलर खली, बिनौले की एक्सपेलर खली को छोड़कर।
16. (1) सभी किस्म की लकड़ी एवं इमारती लकड़ी लट्टों में तथा आरे के लिए तैयार साइज में।  
(2) वेंत  
(3) बांग
17. बटर
18. गन्ना
19. (1) पशु  
(2) ऊंट
20. (1) सभी किस्म की दालें जिसमें लेन्टिस, ग्राम और बीनम भी शामिल हैं और उनके तैयार किया हुआ आटा  
2. दालें (संगोधि) दाल अग्रिम लाइसेंसिंग योजना/पास बुक या किसी स्वीकृत जनप्रतिष्ठान निर्धारित अभिमुख यूनिट द्वारा आयातित दालों में निर्मित दालों में भिन्न इन्हें तैयार या भागों में स्टण्ड एनिमल भी शामिल हैं।
21. सभी प्रकार के जंगली जीवों (मरे हुए या जीवित या उनके अंग या उनसे बनाया हुआ उत्पाद) का निर्यात, भान-ख में उल्लिखित जीवों को छोड़कर, पूर्णतया बन्द रहेगा। अपरिहार्य परिस्थितियों में जहाँ पर नियति, विशिष्ट, वैज्ञानिक या वन्यप्राणी, उद्योग के उद्देश्य के लिए है तथा इसमें नियति लाइसेंस जारी करने से पूर्व वन एवं वन्यप्राणी विभाग की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी, जो कि प्रत्येक मामले में गुणावगुण के आधार पर विचार करेगा।

22. बनाता शुकरम, मीडलिंग प्लांट्स ।

23. (क) पौधे और व्युत्पन्न:—

- (1) एकोनितम डिडोनोरहीजम (स्टेप्ट रेनुकुलेसी)
- (2) एट्रोपा एक्जुमिनाटा (रायले एक्सलियल सोलेनेसी)
- (3) एरिस्टोलोचिया सप्स (एरिस्टोलोचियामी)
- (4) एंजियोपिट्स सप्स (फर्न)
- (5) बल्लनोफोश सप्स (बालनोफोगामी)
- (6) कोलचीकम लूटियम (बेकर—लीलीगमी)
- (7) कोमीहोरा विषटी (यर्न—भंडारी बुरसेरेमी)
- (8) कोप्टीस टीटा (बाल—बरेनुकुलेसी)
- (9) सीआधीया गिगनेटिया (बाल एवम हूरु मियानथेगिया)
- (10) डाइयमकोरिया उलटोडिया (बाल एवम इथर्डार्ड ओ सिएमिस)
- (11) ड्रोसेसग बबीमानी (वेटल—ड्रोसेरामी)
- (12) ड्रोसेग इन्डिका (लीन—ड्रोमेरवाकाई)
- (13) जेनटिआना कुरन (व्याइली जेन्टीआनेमी)
- (14) गलोरोओसा मुपरबा (लिलिएमिआई) ग्लोरिया मुपरबा (लिलिएमिआई) खेतों में उगे बीजों में भिन्न ।
- (15) ग्लेटम सप्स (ग्लेटेमी)
- (16) इफिजिनिया मुन्थ (लिलिएमिआई)
- (17) मैकोनोपमिस बेटोनोसिफिलिया (फरेन्वेट पेपावेरासी)
- (18) माडॉस्टेचिट ग्रान्डीफ्लोरा (डी. सी. वेलितियनेमी)
- (19) निपनथेग खासियाना (हूक-एफ-नेपनथियासी)
- (20) अममुंडा कलेटोनिया (असमुन्डेमी)
- (21) असमुन्डा रेगालिस (असमुन्डेमी)
- (22) पोडोफाइलम हेक्सान्ड्रम (रायल—पोडोफिलसी)
- (23) राइबोर्फिया स्पेन्टीना (लीन, बैथ एवम मुर्ज एपो-माइनेसी)
- (24) रेडोडोन्ड्रात सप्स (एरिकेमिया)
- (25) रियुमएमोडी (बाल एवम निसन पालिगोनेसिया)

(ख) भाग-(ख) में दर्शाए गए पौधों के भाग से अलग

(ग) निम्नलिखित आर्किड:—

- (1) जंगली आर्किड
- (2) अक्रोनितम हीटरोफिलिय
- (3) बेरबेरटम अरिस्टारा
- (4) कोपटिस टीटा
- (5) डायोमकोरिया डेल्टोआइडिया
- (6) जेन्टीआना कुरिया
- (7) नाडॉस्टाचीम जनामांसी
- (8) फीसोबायमा परेमिलटा
- (9) मोडोफिल्म हैकगानडूम
- (10) प्लावलिटिया सरयुमलिया

(घ) निम्नलिखित बीज:—

- (1) इजिप्शियन क्लोवर (बरसीम) (ट्रीफोलुम एल्कमटूम सीड)
- (2) ल्यूसर्नी (अल्फाअल्फा), मेडीकागो सादीवा सीड
- (3) पर्सियन क्लोवर (शापटल ट्रीफोलुम सी-सुपिनेटम सीड)

(4) मेफरन सीय या कर्म (मेफरन के लिए प्लोटिंग सामग्री)

(5) नूकम बोमिका सीय, बाड, गने, जइं तथा उनका पाउडर

24. सभी किस्म/श्रेणियों के वनखण्ड के बीज, मूल और प्रजनन बीज
25. डायसजिनिन और डायसकोरिया की जड़ें
26. सिनकोना बीज और छाल
27. निम्नलिखित गोंद और रेजिन्स
28. ओलियो रेजिन्स एक्सपीनम लॉगोफोलिया डैटल बार्क
29. गेहूं के बीज तथा पीसी के बीज (जंगली जाति)
30. आनगिरल प्लोटिंग के बीज (जंगली जाति)
31. जंगल से प्राप्त कृष (कोस्टिंग लप्पा सिन मोमुगिया लप्पा सी. बी. सीएल-ग्रास्टरकेई)
32. निम्नलिखित से विनिर्मित मर्दे
  - (1) पोरक्यूपाइन क्वील
  - (2) शेड एंटलर्ग (चीनल तथा शांभर के)
  - (3) रेपटाइन/सांघ की छाल
  - (4) मोनगुज टेंयर
33. पाननु जानवरों के फर
34. निम्नलिखित रसायन:—
  1. एसिटिक एनहाइड्राइड
  2. पोलिथिलोन (एच डी)
  3. सीयान्यूरिक क्लोराइड
  4. एथिलीन आक्साइड
  5. इसोपरोफिल एलकोहल
  6. सिन्थेटिक रबर
  7. नेपथालीन
  8. एथिलीन ग्लाइकोल
  9. डाई-एथिलीन ग्लाइकोल
  10. पोलिथिनीन ग्लाइकोल
  11. 2इ-थाइल हेक्सानोल
  12. पी.वी.सी. रेसिक
  13. पेरॉक्सिड वैक्स

35. सुपरफास्फेट सहित सभी प्रकार के उर्वरक, माइक्रोन्यूट्रिट उर्वरक को छोड़कर ।

36. रॉक फास्फेट ।

37. क्रिथोसोट तेल (हल्का और भारी) कोलतार और ऐसे मिश्रण जिनमें कोलतार हो ।

38. (1) कच्चा प्लेस्टीक, प्लेस्टीक ब्लड/प्लास्मा ।

(2) सम्पूर्ण मनुष्य रक्त प्लास्मा और सभी उत्पाद जो मनुष्य रक्त से निकाले गए हों, परन्तु मनुष्य गामा ग्लोबुलिन और मनुष्य अन्तुमिन जो मानव प्लेमेन्टा और मानव प्लेसेन्टा रक्त से विनिर्मित हो, को छोड़कर ।

39. जेरानियम ऑयल ।

40. कागज बर्ग की लुगदी जिसमें बांस की लुगदी शामिल है, किन्तु मन की लुगदी को छोड़कर ।

41. कागज की रद्दी, अखबार की रद्दी को छोड़कर ।

42. करपूड रस अर्थात् वह रस जो लकड़ी बनने के लिए नहीं पकी है ।

जिसमें 50 प्रतिशत (बी/बी) से अधिक अल्कोहल शामिल हो।

43. गंधक, इंसोलुबल गंधक को छोड़कर।
44. बोन मील
45. बिना पीसी हड्डियां, मछली की हड्डियों को छोड़कर।
46. मानव अस्थि पंजर तथा उसके भाग
47. क्लींकर
48. स्टीरीन मोनोमर
59. प्राकृतिक रबड़
50. मिथाइन इसोब्यूटाइल किटोन
51. सभी प्रकार के चारकोल, एकटिवेटिड चारकोल/एकटिवेटिड कार्बन को छोड़कर।
52. निम्नलिखित खनिज, अयस्क तथा मुद्रण :—
  1. रेडियम अयस्क और सार
  2. यूरेनियम अयस्क और सार
  3. तांबा या सोना निकालने के बाद अयस्क से बचे हुए टेलिंग वाले यूरेनियम।
  4. जिक अयस्क
  5. करोम अयस्क तथा सार, भाग-ख में दिए गए से भिन्न
  6. जिक सार
  7. बेनेडियम अयस्क तथा सार
  8. बेनेडियम वाले लोह अयस्क जिनमें 0.2% से अधिक बी 2 ओ 5 शामिल हैं।
  9. टंगस्टन (बुलफार्म) अयस्क और सांद्रण
10. एन्डालूसाइट
11. सभी श्रेणियों के क्रियानाइट
12. सभी प्रकार के सिलिमेनाइट (ग्रेन्युलर सिलिमेनाइट को छोड़कर)
13. 4.5% से नीचे सोलिका तत्व सहित कैलीनेड मेगनीसाइट तथा अति दग्ध मैगनीसाइट।
14. सभी आकारों तथा वर्गों में एस्बेस्टोज की क्रिसोटाइल, क्रिसोडोलाइट तथा एमोसाइट।
15. कैलसाइट बाक्साइट
53. फेरस स्क्रैप
54. निम्नलिखित धातु और उसके मिश्रण :—
  1. बेरिलियम और उसके मिश्रण
  2. लिथियम और इसके मिश्रण
  3. नेप्ट्यूनियम और इसके मिश्रण
  4. प्लूटोनियम और इसके मिश्रण
  5. रेडियम और इसके मिश्रण
  6. थोरियम और इसके मिश्रण
  7. यूरेनियम और इसके मिश्रण
  8. जिरकोनियम और इसके मिश्रण
  9. इरिडियम और इसके मिश्रण
  10. सिलिनियम
  11. ड्यूटोरियम मिश्रण
  12. पारा
55. निम्नलिखित धातु :—
  1. इलेक्ट्रोलाइटिक, अग्नि से परिष्कृत एवं बलिस्टर तांबा जो इन्वीट, तार, बार, ब्रूम, स्लैब, कैक, टायल्स, ब्रिक्, बिल्लेट, स्क्रैप एवं कैथोड्स के रूप में हो।

2. अपरिष्कृत निकल तथा निकल फिलेट्स।
3. मेगनेसियम
4. पिग लीड अपरिष्कृत
5. जस्ता या स्पेल्डर अपरिष्कृत
6. बिस्मथ
7. कोबाल्ट अपरिष्कृत और परिष्कृत
8. मॉलिब्डेनम
9. प्लेटिनम अपरिष्कृत और शुद्ध बिना गढ़ा हुआ
10. टंगस्टन
11. बेनाडियम
12. तांबा अयस्क और सार
13. सोना अयस्क और सार
14. कच्चा लोहा
15. टोन अपरिष्कृत और परिष्कृत
56. मेटालर्जिकल रिजिड्यूस अर्थात् क्रोसिस, स्कीमिंग स्लैग आसिस, स्लिम और फ्ल्यू डस्ट (सोना तथा चांदी से भिन्न) जिसमें 15 प्रतिशत या अधिक फ्री मेटल कन्टेंट हों।
57. रेशम के कीड़े
58. हाथ से बुने हुए रेशम के धागे
59. अंगोरा वकरी के बाल या मोहेयर
60. ऊन की रद्दी
61. गैर-शहतूत के रेशम की रद्दी अर्थात् तसर, एरी तथा यूगा तथा शहतूत छेदित कोकून।
62. 36 कोटि से ऊपर की कच्ची ऊन (देशीय)
63. विद्युत कचरे पर बने असली मद्रास रुमास (आर.एम.एच. के.)
64. रजत बुलियन, रजघे शीट्स और प्लेट्स जिन पर रोल्मि के बाव कोई विनिर्माण प्रक्रिया न की गई हो।
65.
 

चांदी की माछा	100%
नाकी	
औषध/फोटा रसायन के लिए सिल्वर नाइट्रेट :	63.5%
सिल्वर प्रोमाइड-एटोसेप्टिक फोटो रसायन :	57.45%
दवाओं के लिए सिल्वर ऑक्साइड :	93.1%
इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए :	80.57%
सिल्वर आयोडाइड रेन मेकिंग :	45.95%
सिल्वर सब आक्साइड ए जी-4 ओ :	96.4%
इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए सिल्वर क्लोराइड :	75.26%
दवाओं के लिए सिल्वर फ्लूराइड :	85.03%
सिल्वर एसिडेट	64.60%

तथा गाइड्ड सिल्वर प्रोटीन के ड्रम फार्मिलेशन तथा सिल्वर सल्फेटाइड्स मात्रता प्राप्त फार्माकोपीआ/सरकारी स्तर में निर्धारित।
66. (1) बेरिल जिसमें बेरिल की रत्न किस्म भी शामिल है।  
(2) अपरिष्कृत (बिना कटा हुआ तथा बिना सेट किया हुआ) बहुमूल्य पत्थर और पथरोला क्रिस्टल क्वाटर्स।
67. एक ग्रंथ के रूप में चांदी की माछा वाली वस्तुएं और उत्पाद भाग-दो के क्र.सं. 2569 में शामिल हैं, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, हैंडीक्राफ्ट्स गुड्स जिसमें सिल्वर एक तत्व, कोस्ट्यूम ज्वेलरी तथा सिल्वर फनीगरी को छोड़कर।
68. सभी प्रकार के चर्म और खालें।
69. पशु ग्लूजिलेटिन के विनिर्माण के लिए कच्चे भाल के रूप में उपयोग किये जाने वाले चर्म और खालों की कटिंग और फर्निशिंग।

## परिशिष्ट 3

गुण-दीप के आधार पर निम्न के लिए अनुमति पत्रों की सूची।

1. (1) धाँड़े (काठवाड़ी, मारवाड़ी तथा मणिपुर (गल अनुमति नहीं है))  
(2) गधे  
(3) खच्चर
2. जीवित पक्षी
  1. बीबस (बग आर स्प्रिट)
  2. बीटिंग (मल गिर वाली और कान गिर वाली)
  3. कौबे (पालतू और जंगली)
  4. मैना (सामान्य बैंग, काले गिर वाली, बैंग गिर वाली और रो-रो-रो-रो)
  5. मुनियास (रंगटिड, लाल, काले गिर वाली, गफेर गिर वाली और गफेर गल वाली)
  6. पाराकोट (लाल छाता वाली रोज रिड, एलेक्जेंड्राइन बगम हेडिडे एवं स्लेटी हेडिड)
  7. गौरैया पालतू और पीले गले वाली
  8. कबूतर (ब्लू राक और उमकी पालतू अरमे)
3. समुद्री शैल
4. फोडर क्रॉप सीड
5. जानवरों के जमाए हुए सामान
6. सभी प्रकार की समुद्री प्राण
7. सामों का विष (विनिर्मित रूप में)
8. कैन्सरडन बोटल्स
9. जंगली किस्मों को छोड़कर कुश् (कार्टन तथा गिडन सौगुस्था लप्पा सी.बी. वि-एस्टरेमिया) जिन्हे भूमि में उत्पादित तथा इसके व्युत्पन्न।
10. स्ट्रिक लाक और ब्रांड लाक
11. निम्नलिखित स्थापन :-
  - (1) क्लोरोविडन फास्फेट और क्लोरोविडन सल्फेट जिनमें देशीय क्लोरोविडन फास्फेट और क्लोरोविडन सल्फेट से विनिर्मित फार्मूलेयन्स शामिल हैं।
  - (2) पी.वी.पी. कपाउन्ड
  - (3) पॉलिथीलीन (एन एन डी पी)
  - (4) टोल्यूइन
  - (5) फिनोल
  - (6) एमिडिक एमिड
  - (7) मॉली क्लोरो एंथ्रासिक एमिड
12. सिंथेटिक मरक
13. गम रोजिन
14. मानव अस्थि पिजरा और उनके भागों से मिलन अस्थि पिजरा।
15. रां मैग्नेसाइट
16. जिरकोन अयस्क एवं सादण जिनमें जिरकोन पत्थरों की अयस्क-बहुमूल्य किस्में शामिल हैं।
17. निम्नलिखित को छोड़कर, फॅरो-मैगनीज :-
  - (1) फॅरो-मैगनीज स्लेब
  - (2) फॅरो-मैगनीज (फॅरो-मैगनीज जिनमें 0.05 प्रतिशत से कम कार्बन हों, से भिन्न) मिलिन मैगनीज।
- (3) फॅरो-मैग (0.3% से कम कार्बन और लाइड्रोजन वाले फॅरो-मैग से भिन्न) मिलिन मैग।
18. फॅरो-मिटेनियम
19. (1) पुराना गाइड गाइड, गाइड गाइड नया उनके भाग और संघटक अर्थात् 1940 या इसके पूर्व का मोटर कारों और मोटर साइकलों के मोडल।  
(2) पुराने आइसोलाइन पुनः संघटक और उप-सामान।
20. सूची में और नहीं अन्तर्गत किए गए प्रयोगात्मक और अन्तर्गत।
21. फॅरो-मैग जिनमें 0.50 प्रतिशत से अधिक निकल या 0.20 प्रतिशत मॉलिब्डेनम या 1.00 प्रतिशत टंगस्टन या 0.20 प्रतिशत बेरिलियम या 1.00 प्रतिशत कार्बन हों से भिन्न मैगन स्क्रैप और मिल स्क्रैप स्क्रैप।  
(1) गाइडोम  
(2) अन्य खनिजों का स्क्रैप
22. प्रविष्टि नं. घ 2607 (1) में उल्लिखित तथा तेजदार हथियार अर्थात् खुशबू, कुण्डल, जिहारी आकू योग नक्काशों से भिन्न प्रविष्टि एवं गोला आकू।
23. मॉलट्री स्टोमें वायुयान और पुर्जे
24. भारतीय और विदेशी एयर लाइन्स देशों द्वारा वाणिजी आधार पर मरम्मत/प्रोबस्ट्रान के लिए गए को छोड़कर वायुयान, के पुर्जे और उनके उप-सामान।
25. चांदी के निनक (चांदी को मात्रा को ध्यान में रखते हुए टिप्पणी :- समान समय पर जारी किए गए रमूनि प्रूफ गेट (संप्रचालन कालिटी) के नियमों की स्वीकृति केवल-भारत के टंकना, मर्बई द्वारा दी जाएगी और सीमा शुल्क प्राधिकारी ऐसे नियमों के लिए सीजे ही अनुमति देगे।
26. (1) कच्चा रेशम :-  
(2) नायल रेशम के रेशो सहित शुद्ध रेशम के रेशे  
(3) निम्नलिखित रेशम के बरत :-  
(क) थ्रैडर और ट्राई रेशमबरत  
(ख) शहूत के रेशम बरत जिनमें साफ किए हुए और रेशम के वेस्ट शामिल हैं।  
(ग) नायल और नायल ड्रा पिपल।  
(घ) रेशम वेस्ट की अन्य किस्में अर्थात् :-  
(1) उबाले हुए कोकून  
(2) प्रेसि रिज्यूव  
(3) फ्लाक/पलास  
(4) फ्लोपी कोकून
27. रोलिंग कोकून गहिर रेशम कोड़ा और रेशम कोड़ा कोकून
28. निम्नलिखित मानव निर्मित फाइबर एवं यार्न :-  
(1) नास्कोन टायर यार्न/कोर्ट/कोब्रक  
(2) बिस्कोन स्टेचन फाइबर  
(3) एंकेलिक यार्न/एंकेलिक फाइबर
29. ग्रा.जी. शेड का टैट और टैट अन्तर्गत।
30. शोडी/ऊनी/सैमी वॉस्टड यार्न

परिशिष्ट 4

सीमित सीमा के सहे निर्यात के लिए अनुमित भदों की सूची

भाग-क

1. खाण्डसारी चीनी

2. पैलमाइरा शुगरकेण्डी

3. जैगरी (गुड)

4. जोजित भेड़ और बकरी (व्यस्क)

5. (1) भैंस का मांस (नर और मादा दोनों) जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, मगस, जीभ, गुदे और अन्य अंग भी शामिल हैं।  
(2) भारतीय भेड़ का मांस जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, दिमाग, जीभ और अन्य अंग मार्ग शामिल हैं।  
(3) भारतीय बकरी का मांस जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, दिमाग, जीभ, गुदे और अन्य अंग भी शामिल हैं।

6. निम्नलिखित अनाज और आटा

1. चावल और बासमती

2. गेहूँ

3. गेहूँ के उत्पाद नामक, रवा, परिणामी आटा, गेहूँ का चोकर

4. मैदा, सूजी और होल मोल आटा (95% निस्सारण तक का गेहूँ का आटा)

5. जौ

6. मक्का

7. बाजरा

8. ज्वार

9. रागी

7. हाइड्रोजेनेटिड आयल (बनस्पति घी)

9. डॉम्राइल्ड राइम ब्रान

(तेल रहित चावल की भूसी)

9 तेल रहित मूंगफली की खनी (निस्सारण)

10. (1) पित्राग निकाले हुए जिनोले की खली  
(डिकार्डिकेटिड और अनडिकार्डिकेटिड)

(2) बिनाले की एम्बोपेजर खली

(3) गेहूँ का भूसा (सूखा तिनका)

11. निम्नलिखित रसायन :-

(1) कैल्शियम कार्बाइड

(2) बीटाइन अम्लोहा

(3) अप्रुलनरीता गंधक

12. पिसी हुई हड्डियाँ

13. आर्याडाईज्ड नमक (मानव खपत के लिए प्रयुक्त)

14. निम्नलिखित खनिज, व्यस्क और सामान्य

(1) 4.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत के बीच, रेत की मात्रा वाले मैग्नेसाइट

(2) स्फेरस और स्वीसे से भिन्न कोरुन्डम

15. पाइरोडोइलाइट वस्त्र भदें

16. (1) पोलिएस्टर स्टेपल फाईबर

(2) रयान फिलामेंट यार्न

(3) विस्कोस स्टेपल फाईबर स्वन यार्न

(4) नाइलान फिलामेंटयार्न

17. अंगोरा बकरी के बालों या मोहेयर को छोड़कर

36 एस क्वालिटी (देशीय) तक की कच्ची ऊन

18. होजरी सहित शुद्ध रेशम और कृत्रिम रेशम फेब्रिक्स को छोड़कर जो जो श्रेड का टेक्सटाईन कटाय और उनके बनने विभिन्न वस्तुएं।

सूची-2

1. मोर की पुछ के पंख और उससे निर्मित वस्तुएं/इस्तारिल का वस्तुएं।

2. कमाया हुए चमड़े और बेट बू खाल एवं चमड़ा और करट लेदर सहित खालों की अर्थ संसाधित सभी प्रकार की किस्में

3 सभी प्रकार का (पोलिस्टर यार्न)

## परिशिष्ट—5

विशिष्टीकृत एजेन्सियों के माध्यम से निर्यात किए जाने वाली सरणीबद्ध मदों की सूची।

मदों का विवरण	सरणीबद्ध एजेन्सी	मदों का विवरण	सरणीबद्ध एजेन्सी
1. प्याज 2. गोंद कराया 3. चीनी 4. 1 सीरा 2. खण्डसारी सीरा 5. एथिल एल्कोहल या किसी प्रमाणित डिग्री की रेक्टिफाईड स्पिरिट चाहे वह डिस्टिल्ड हो या नहीं 6. वैनिजिन 7. पटझ के कालीनों की बैक का कपड़ा जबकि उत्तरी अमरीका के देशों को निर्यात किया गया हो	भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन मंडल लि. (नेफड)       भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड	(3) कुछ अन्य खनिज, जितने निम्नलिखित संघटक उपसाधन के रूप में मिश्रित हो:- (क) कालमवाइट (ख) मेनाजाइट (ग) सेमरसकाइट (घ) यूरानी-फेरस एलमाइट 1. रेडोयम अयस्क तथा सान्द्रण 2. थोरियम अयस्क तथा सान्द्रण 3. यूरेनियम अयस्क तथा सान्द्रण 4. तांबा या सोना निकाले जाने के पश्चात् अयस्क के जोत रहे यूरेनियम धारित अवशेष 5. जिरकार अयस्क तथा सान्द्रण (जिरकोन पत्थर की अन्य बहुमुख्य किस्म सहित) 4. आई आई ई एल, इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड तथा केरल खनिज एवं धातु लिमिटेड द्वारा उत्पादित ग्रेन्यूलर मिलिमेनाइट	इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड
नोट : अन्य गन्तव्य स्थानों को निर्यात अनिवार्य आधार पर अनुमित है		(5) लोह अयस्क गोवा मूल के लोह अयस्क को छोड़कर जब उनका निर्यात जापान, दक्षिण कोरिया, ताईवान तथा पश्चिमी यूरोप को किया जाए। (6) द्विधातु अयस्क ब्लैक लोह अयस्क गोवा मूल के जिनमें मैंगनीस की 3% से 10% हो	खनिज एवं धातु व्यापार निगम
8. जब कस्टर आयब रुपये के भुगतान क्षेत्र को निर्यात किया जाता है। 9. सीमेंट	1. भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड 2. इजिनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि. केवल विदेशों में उनके द्वारा ली गई निर्माण परियोजनाओं में उपयोग के लिए।	(7) क्रोम अयस्क तथा सान्द्रण निम्नानुसार:- क. क्रोम अयस्क लम्बस सी आर 2.3 सहित 41.99% से अधिक नहीं ख. क्रोमाइट फाइन तथा ब्रूण अयस्क (8) मैंगनीस अयस्क रसायनिक रूप से संसाधित मैंगनीस डाईआक्साइड को छोड़कर (9) सभा ग्रेड के बाडासाईड केनसाईन्ड बाडासाईड को छोड़कर 15. कोल तथा कोक 16(i). कुदरेमुख लोह अयस्कर कम्पनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित 40%	खनिज एवं धातु व्यापार निगम
10. पोलियेलोन (एल डी) 11. स्नेको, ग्रीस और कच्चे तेल सहित पेट्रोलियम के सभी उत्पाद 12. कुलवा लोहे की पाईपों और जुड़नारा से भिन्न निम्नलिखित लोहा और इस्पात:- सम्पूर्ण इस्पात संयंत्रों मिश्रधातु इस्पात संयंत्रों मिली इस्पात संयंत्रों मध्यम उत्पादकों और रिगोवर्स द्वारा उत्पादित इस्पात	इंडियन पेट्रोकेमिकल कॉर्पोरेशन लि. भारतीय तेल निगम  भारत का इस्पात प्राधिकरण लि.		
13. रेल के डिब्बे यात्री डिब्बे और लोकोमोटिव	भारतीय परियोजना तथा उपस्कर निगम लिमिटेड		
14. निम्न लिखित खनिज अयस्क और सान्द्रण:- (1) स्टाईल सिलेटिक स्टाईल (2) थोरियम और लव या उसके सांद्रण	इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड, केरल	या उससे कम एकई, मावा कुदरेमुख लोह अयस्क कम्पनी लिमिटेड निम्न श्रेणी के अयस्क के परिष्करण (के आई ओ सी एल) और/या सान्द्रण द्वारा तैयार किए गए लोह अयस्क सान्द्रण	

- (2) लुइरेमुख लोह अयस्क कम्पनी लिमिटेड (के आई सी सी एल) द्वारा उत्पादित मांद्रण से निर्मित लोह अयस्क गुटिकाओं का निर्यात

- 17(1) संसाधित अन्नक जिसमें अन्नक ग्लान्स, अन्नक फिल्में और सभी श्रेणियों और किस्मों के विखण्ड शामिल हैं, निर्मित और गढ़े हुए अन्नक को छोड़कर  
(2) अन्नक की रद्दी (कैप्टी कटिंग्स) सहित और कतरन जो अन्नक के संसाधन द्वारा प्राप्त की जाती है और जो आकार और रंग के कारण संसाधित अन्नक

भारत का अन्नक व्यापार निगम लिमिटेड

के विशिष्टिकरण से लोबी समझी जाती है।

- 18 (1) अभिलेखित मिनेमाटोग्राफिक फिल्म (रूपक फिल्मों) भारतीय रूपक फिल्मों के विडियो की त्रिको के अधिकार सहित निम्न बजट वाली फिल्मों को छोड़कर (अधिकतम 20 लाख रुपये की लागत पर उत्पादित)  
(2) बीडियों टेप वाली सिनेमा फिल्में (कैमट सहित)

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

- 19 कच्चा पटसन मेस्ता और पटसन की कटिंग कैडीज को छोड़कर

भारत का पटसन निगम

## परिशिष्ट--6

वे सब जिनका निर्यात निर्धारित शर्तों के अधीन छुने सामान्य लाइसेंस के अधीन  
अनुचित हैं

1. चावल बागमती
  2. केटर तेल (केवल सामान्य मुद्रा खेल के लिए)
  3. सभी वृक्षों के बीज, सजावटी झाड़ियों के पौधे, सजावटी, फूल और ग्लोरीसा स्पर्बा (सी सी एसिए)
  4. ताप अभिसाधित वर्जिनिया तम्बाकू, धूप अभिसाधित तम्बाकू वाटू (देशी) तम्बाकू और धूप अभिसाधित जूटी तम्बाकू।
  5. भाग "क" की तम सं 0121 में उल्लिखित को छोड़कर लकड़ों और इमारती लकड़ी।
  6. अभिस लाइसेंसिंग स्कीम/पास बुक के अधीन या अनुमोदित 100% निर्यात अभिसमय मुनिट द्वारा आयातित वानों में नैपार की हुई संसाधित वानों।
  7. 50 प्रतिशत या इससे अधिक पोतीन मात्रा वाली फिशमील
  8. माईकेन्यूटिस्ट उपरंत।
  9. गादूर
  10. अभिस/प्रयदाय/आर ई पी लाइसेंसों/छुने सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित अभिसमय मुनिट के अतिरिक्त वानों वान के बने हुए हाथी दांत के उत्पाद।
  11. आकिड (परिशिष्ट 2 के अनुबंध आने वाली श्रेणियों में बिना)
  12. निम्नलिखित पौधों के भाग :-
- क शोध निर्यात के लिए अनुचित किए जाने वाले पौधों के भाग
1. अरुन्धिनारिया ज्युनासरनेलिया सम्पूर्ण पौधा गेम्बाल
  2. बैरिकिया कोडगुला बेरी सम्पूर्ण पौधा
  3. इयरजिन लट्टिलोविया रोक्म बीज
  4. डिओसकोरिया प्रोडोसो पर्विड टाउवर
  5. ग्याबासा गगनतं (वाला) एक्म सम्पूर्ण पौधा हुक)हालफ
  6. लावाटेरा कश्मीरियन गम्ब फल/बीज
  7. मंगोलिया पेट्रोकार्पा रोक्म बीज
  8. पैराक्वलीजिया गैडिफोरा बी. समूह जड़/बीज आर ड्रम और ह्यूचिगन
  9. पिनाया रेगिलियम धी गुन --वही--
  10. पित्तमजिभान दिव्याना वाल बीज
  11. पोपुलस आगवर्गीय बीज
  12. पेट्रोकार्पाट डबलरगियोडिस राक्म बीज
  13. रीनोफिलिया केमेयंस जड़ और बीज
  14. सन्तालम गलवाम बीज
  - (ग्र) वनस्पति पौधे बांध
  - (1) सार्बस बण्डोमी टावर पौधे
  - (2) रिस्त्रिडिया राप लियारा सम्पूर्ण आर बी आर.
13. तमिलनाडु/पश्चिमी बंगाल के शिनकोना निर्यात द्वारा यथा प्रमाणित क्यूनेन गोर क्यूनेडाईन और इगल उपरंतों में निम्नलिखित शिनकोना निम्न प्रमाणित और शिनकोना वन।
  14. (1) क्यूनेडाईन सर्फेड।  
(2) क्यूनेन और क्यूनेन उत्पाद
  15. प्रमाणित वन द्वारा में विनिर्मित क्लोरोक्वीन फास्फेट और क्लोरोक्वीन फास्फेट निम्नलिखित निम्न क्लोरोक्वीन फास्फेट और क्लोरोक्वीन सर्फेड
  16. कार्बोडाईड निम्नलिखित निम्नलिखित (एन ई सी प्रो)
  17. प्रायणिक क्रिस्टल में निर्मित राइ और छड़े।
  18. धातुवाकृत प्रयोग अर्थात् डोमिम सिगिम स्वेग, राख निम्न और फ्लू डस्क (मोने और लावा राखों को छोड़कर) निम्न 15% से कम मुक्त धातु मात्रा हो।
  19. निकल कैंडनियम कैदरी स्वेग।
  20. प्लेटिनियम स्वेग।
  21. निकल निकल को छोड़कर निकल स्वेग।
  22. एक्विड डेड/वर्जिन निम्न वान।
  23. टावर काई वान सहित काटन वान।
  24. निम्नलिखित मात्रा निम्न फाईवर और वान।  
(1) (क) 600 डेनिम और इनसे अधिक के रेत टावर वान।  
(ख) वनी डेनिम के रेत टावर जड़।  
(ग) रेत टावर डेनिम।  
(2) निम्नलिखित वान निम्न 50%। जहाँ अधिक निम्नलिखित फाईवर हो।
  25. कछी कपास  
(1) बंगाल देशी  
(2) ग्राम कोपिलास  
(3) स्टेपल कपास  
(4) प्राग/पानी के बागण हुई क्षति द्वारा निर्मित कपास  
(5) जोड़ो और स्वेपिंग  
(6) बेली पिक्किम  
(7) ग्राम

## 26. नर्म कपास की रई/सख्त कपास की रई

27. (1) इन्डो-ई. ई. सी. कपड़ा समझौते के अधीन ई. ई. सी. सबस्य राष्ट्रों को कपड़े और कपास, ऊन तथा मानव निर्मित रेशों से बने (जूट सिल्क और फ्लैक्स को छोड़कर) कपड़े उत्पाद का निर्यात।

(2) हथकरघे पर बने असली महाराष्ट्र हथकरघीय (आर. एम. एच.) के निर्यात।

(3) इन्डो-यूएस कपड़ा समझौते के अधीन यू. एस. ए. को कपास और मानव निर्मित रेशों से बने कपड़े (जूट सिल्क, और फ्लैक्स को छोड़कर) का निर्यात।

(4) भारत और आस्ट्रिया के बीच पारस्परिक समझौते के अधीन आस्ट्रिया को कुछ कपास के कपड़े और कपड़ा उत्पादों का निर्यात।

(5) इन्डो-स्वीडिश कपड़ा समझौते के अधीन कपास, ऊन तथा मानवनिर्मित रेशों से बने कुछ कपड़ा उत्पादों या उनके मिश्रणों का निर्यात :

(6) भारत और फिनलैंड के बीच पारस्परिक समझौते के अधीन फिनलैंड को कपास और मानव निर्मित रेशों से बने कपड़ा उत्पादों का निर्यात।

(7) भारत और कनाडा के बीच पारस्परिक समझौते के अधीन सूती, ऊन और मानव निर्मित फाईबर और उनके मिश्रण के कुछ कपड़े के उत्पादों का निर्यात।

(8) भारत और नार्वे के बीच समझौते के अधीन कुछ कपड़ों और कपड़े के उत्पादों का नार्वे को निर्यात।

## 28. सलाई से तैयार पहनावे (एकलिक और मिश्रित)

29. आयात एवं निर्यात नीति 1988-91. (खण्ड-I) के परिशिष्ट-22 के अनुबन्ध 6 और 7 में उल्लिखित चांदी के आभूषण और चांदी की वस्तुएं।

30. सोने के आभूषण और वस्तुएं।

31. हथियार और गोलाबारूद उदाहरणार्थ मगल लोडिंग हथियार, और ब्रीज लोडिंग या बोल्ट एक्शन हथियार जैसे शाटगन, रिवल्वर पिस्तौल और उनके गोला बारूद।

32. पुराने हथियारों की प्रतिकृति।

33. लेट्राइट।

## भाग—4

लकड़ी, इमारती लकड़ी, चन्दन की लकड़ी और लाल चन्दन की लकड़ी का निर्यात नीति

1. सभी प्रकार की लकड़ी और इमारती लकड़ी, लट्टों और चिरे हुए परिमाण में, बेंत और बांस का निर्यात अनुमित नहीं है।

2. “डस्ट, चिप्स, फ्लेक्स और पाउडर के रूप में चन्दन की लकड़ी की स्वीकृति खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत स्वतंत्र रूप से दी जाएगी। तथापि, चिप्स विषम माप और आकार और विभिन्न माप के होंगे और प्रत्येक का वजन 200 ग्राम से अधिक नहीं होगा।”

3. लाल चन्दन की लकड़ी का उपार्जन करने के लिए और निर्यात के समय चैली के विनिर्माण में खपत की गई मात्रा का लेखा रखने के लिए चेलियों के आकार में लाल चन्दन की लकड़ी मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अधीन इस प्रकार अनुमेष होगी—

(क) आन्ध्र प्रदेश से उत्पन्न लाल चन्दन की लकड़ी के संबंध में मुख्य वन संरक्षक, आन्ध्र प्रदेश द्वारा जारी किया गया मूल प्रमाण-पत्र। किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ख) तमिलनाडु राज्य से उत्पन्न लाल चन्दन की लकड़ी के संबंध में मुख्य वन संरक्षक, तमिलनाडु द्वारा जारी किया गया मूल प्रमाण पत्र। किसी भी अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किया जायगा।

4 लाल चन्दन की लकड़ी को छोड़कर सभी प्रकार की संसाधित इमारती लकड़ी का निर्यात सभी अनुमेष गन्तव्य स्थानों पर खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत अनुमेष होगा। किन्तु लाल चन्दन की लकड़ी से तैयार की गई संसाधित इमारती लकड़ी भी संसाधित इमारती लकड़ी के विनिर्माण के लिए लाल चन्दन की लकड़ी का उपार्जन करने के लिए मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अधीन इस प्रकार अनुमेष होगा :—

(क) आन्ध्र प्रदेश से उत्पन्न लाल चन्दन की लकड़ी के संबंध में मुख्य वन संरक्षक, आन्ध्र प्रदेश द्वारा जारी किया गया मूल प्रमाण-पत्र। किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा दिया गया प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ख) तमिलनाडु राज्य से उत्पन्न लाल चन्दन की लकड़ी के संबंध में मूल प्रमाणपत्र मुख्य वन संरक्षक, तमिलनाडु द्वारा जारी

किया जायेगा। किसी भी अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

5. “चन्दन की लकड़ी से निमित्त हस्तशिल्प के निर्यात के मामले में, निर्यातकों को अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड क्षेत्रीय अधिकारी से इस बारे में एक यह प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा कि चन्दन की लकड़ी से निमित्त हस्तशिल्प का मुख्य संयोजन समय-समय पर विकास आशुदन (हस्तशिल्प) द्वारा घोषित प्रति मी. टन चन्दन की लकड़ी के औसत आधार मूल्य से 300 प्र. से कम नहीं है। ऐसे चन्दन की लकड़ी के हस्तशिल्पों का निर्यात अनुमित किया जायेगा जो सम्पूर्ण हो और जिनमें उसे आगे कच्चा माल विकृत करने का गुंहाइश नहीं हो। यह वस्तुएं अर्ध परिष्कृत, उसमें उत्कीर्ण की हुई या सरसरी तौर पर बाह्य रूप दी हुई/निराकरण की हुई नहीं होगी।”

6. लकड़ी और इमारती लकड़ी के निर्यात नीति के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित परिभाषाएं अपनाई जायेंगी—

(1) “इमारती लकड़ी” का अर्थ है टूट सहित कुन्दे, अपरिष्कृत वर्गाकार या गोलाकार लकड़ी;

(2) “टूट” का अर्थ है पेड़ का आधार और गिरने के पश्चात भूमि में दबी हुई जड़ें;

(3) “चिरी हुई इमारती लकड़ी” का अर्थ है, शहवीर लकड़े, रोपर्स, काड़ियां बाड़-खूने या मन्थियां, ब्लैकम, इमारती लकड़ी से तैयार किए गए स्लोपर और कड़ियां, चाहे सिझायी हुई हो या नहीं, गोलाकार या चौरस दणाओं में, भारतीय मानक विशिष्टकरण सं. 1707—1776 में यथा निर्धारित किसी भी तरीके में चिरी हुई हों।

(4) “परिष्कृत इमारती लकड़ी” का अर्थ उन इमारती लकड़ी से है जो कुन्दों में और बिगे हुई साइजों से भिन्न हों और उसमें (क) विनोर (अधिकतम मोटाई 5 मि.मी. प्लाईवुड काउंटेर्बोर्ड, पाटिकल बोर्ड और फ़ैक्टरी में बने हुए इसी प्रकार के अन्य उत्पाद (ख) फर्नीचर की मड़े दरवाजों और खिड़कियों के चौखटें, दरवाजों के हैंडल, संगीत के यन्त्रों के लकड़ी के भाग और मज्जिन या टोकी हुई दशा में और 3 इंच की लम्बाई और 1 इंच के व्यास तक के माइज के चन्दन की लकड़ी के चाकुओं के हैंडल और अन्य उपभोक्ता या औद्योगिक पदें शामिल हैं। (टिप्पणी—तांबे/वशीरा के निर्यात को अनुमति नहीं दी जाएगी।)

## भाग 5

## निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया

निर्यात (निर्यात) आदेश, 1988 की अनुसूची एक के भाग "क" अन्तर्गत रखी गई मर्दे निर्यात के लिए अनुमित नहीं हैं।

निर्यात (निर्यात) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 के भाग "ख" में दी गई मर्दों के विभिन्न श्रेणियों के समूहों में विभाजित किया गया है और ये परिशिष्ट 3 से परिशिष्ट 6 में सूचीबद्ध हैं।

## "गुण-दोष" के आधार पर निर्यात के लिए मर्दे-परिशिष्ट-3

2. परिशिष्ट 3 अर्थात् "गुण दोष" के आधार पर रखी गई मर्दों की [ची में आने वाली मर्दों के लिए सभी प्रकार पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन त्रों को निर्धारित परिपत्र "ए-एक्स" में मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात, खोद्य भवन, नई दिल्ली-11 को भेजे जाने चाहिए। ऐसे आवेदनों पर गुण दोष" के आधार पर और एक मामले से दूसरे मामले के अनुसार मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात की अध्यक्षता में गठित निर्यात लाइसेंसिंग मिति द्वारा विचार किया जायेगा। इस समिति में विभिन्न संबंधित [रकारी] विभागों से लिए गए प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ऐसे मर्दों का नर्यात उक्त समिति की सिफारिशों पर संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा जारी किये जाने वाले विशिष्ट लाइसेंसों के मर्दे अनुमित हया जायेगा। इन लाइसेंसों की वैधता इनके जारी करने की तिथि से महीने होगी और पुनर्वैधीकरण के लिए किमो अनुरोध पर विचार हीं किया जायेगा।

## सीमित सीलिंग के अन्तर्गत रखी गई मर्द-परिशिष्ट-4

3 सीमित सीलिंग के अन्तर्गत रखी गई मर्दे वे होंगी जिनके निर्यात : लिए अनुमेय सीमाएं एक वर्ष से दूसरे वर्ष में उनके उत्पादन को कठि- [हयों अथवा संसाधित क्षमताओं में कमियों के कारण भिन्न भिन्न होंगी। न मर्दों को दो सूचियों नामशः सूची-1 और सूची-2 में विभाजित हया गया है। सूची-1 के अधीन रखी गई मर्दे क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा प्रचलित की जायेंगी। सूची-2 के अधीन रखी गई दो पर मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा गरवाई की जायेगी। इस सीलिंग के अन्तर्गत रखी गई इन मर्दों के निर्यात : लिए लाइसेंस प्राप्त करने हेतु प्रक्रिया नोचे दी गई है। समस्त एक र्ष की सीलिंग को अर्द्ध वार्षिक आधार पर दो किस्तों में विमुक्त किया जायेगा।

## सी-1 के मर्दों को प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया.

4. क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी यह सूचित करने के लिए एक व्यापार [चना जारी करेंगे कि कुछ सीलिंग प्रत्याशित निर्यातकों के आबंधन के लिए उपलब्ध है। निर्यातकों को व्यापार सूचना जारी करने की तिथि 15 दिनों का समय अपने आवेदन पत्र देने के लिए दिया जायेगा क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा जारी की जाने वाली व्यापार [चनाओं में निर्यातकों को यह सलाह दी जाएगी कि वे अपने आवेदन पत्रों : आवेदित मात्रा और जिस मूल्य पर वह निर्यात करना चाहते हैं उसको निर्दिष्ट करते हुए आवेदन सील लिफाफे में भेजें। प्रत्येक निर्यातक को तबल एक आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति होगी। निर्यात आवेदन ल के साथ निर्यातक को यह घोषणा प्रस्तुत करने चाहिए कि उसने इसी लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान किसी अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को उसी

वस्तु के लिए कोई निर्यात आवेदन पत्र नहीं दिया है। क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी व्यापार सूचना में यह स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करेंगे कि परिमाण की यूनिट जैसे, कि.ग्रा. टन, मीटर आदि क्या है ताकि निर्यातक एक सामान्य परिमाण यूनिट का मूल्य देने में एक कृता बनाए रख सकें। निर्यातक को निर्यात आवेदन पत्र के साथ, आवेदित सीलिंग की मर्दों के अहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के 1 प्रतिशत के समतुल्य बैंक गारंटी देनी अपेक्षित होगी। यथा निर्दिष्ट बैंक गारंटी के बिना किसी आवेदन पत्र को स्वीकार नहीं किया जायगा। निर्यातक द्वारा यह साध्य देने के तुरन्त बाद इस बैंक गारंटी को विमोचित कर दिया जायगा कि उसने अपनी निर्यात को आबंधित सीलिंग को पूरा कर लिया है और/या उसने आवेदन में दी गई विदेशी मुद्रा को प्राप्त कर लिया है। ऐसी स्थिति में जबकि आवेदक निर्यातक को कोई सीलिंग नहीं दी जा रही है तो भी बैंक गारंटी वापस कर दी जायगी। निर्यात आवेदनपत्र भेजने की अन्तिम तिथि की समाप्ति पर, ये सभी आवेदनपत्र कार्यालय अध्यक्ष की उपस्थिति में खोले जाएंगे और सभी आवेदनों पर एक लाट के रूप में विचार किया जायगा और इस सीलिंग का आबंधन यथानुगत आधार पर किया जायेगा। ऐसी स्थिति में कि यदि आवेदन पत्र काफ़े संख्या में आए हैं तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी मूल्य घटक का अपनाएंगे अर्थात् सीलिंग को आवेदन पत्र में दी गई सबसे अधिक यूनिट मूल्य के आधार पर आबंधित किया जायेगा। यदि किसी कारण से या अन्यथा रूप से यह सीलिंग कम संख्या में आवेदन पत्र प्राप्त होने पर या इसकी मांग में कमी के कारण, आबंधन करने की तिथि को समाप्त नहीं होती है तो लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा एक और व्यापार सूचना जारी की जाएगी और इस संबंध में उसी प्रक्रिया को तब तक दोहराया जाता रहेगा जब तक कि यह सीलिंग समाप्त नहीं हो जाती।

5. इस प्रकार से भाग-क की मर्दों के निर्यात हेतु दिये गए निर्यात लाइसेंस जारी करने की तिथि से छः मास तक या लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च तक इन में जो भी पहले हो तक, वैध होंगे। इससे आगे किसी भी प्रकार से पुनर्वैधीकरण नहीं किया जायेगा। तथापि, जहां अग्रिम लाइसेंस पास बुक देने के लिए यह सीलिंग जुड़ो हुई है तो निर्यात लाइसेंस में निर्दिष्ट की जाने वाली वैधता, निर्यात आधार अवधि के लिए अग्रिम पास बुक लाइसेंस में यथानिर्धारित शर्तों के अनुसार होगी। ऐसे मामलों में अर्थात् जहां पर अग्रिम लाइसेंस पास बुक में निर्धारित शर्तों के अनुसार निर्यात लाइसेंस का वैधता जुड़ो है तो क्षेत्रीय अग्रिम लाइसेंसिंग समिति या मुख्यालय की अग्रिम लाइसेंसिंग समिति को संस्तुति पर पुनर्वैधीकरण कर दिया जाए।

6. यदि निर्यातक निर्यात न किये जाने की स्थिति में निर्यात लाइसेंस को उसकी अवधि समाप्त होने के एक मास से पूर्व उसे समर्पित कर देती है तो निर्यातक द्वारा प्रस्तुत बैंक गारंटी जस्त कर ला जाएगी। यदि निर्यातक उसका आबंधित सीमा को 50 प्रतिशत या उससे अधिक निर्यात कर लेता है तथा किसी कारणवश बकाया निर्यात को करने में असमर्थ है तथा निर्यात लाइसेंस की अवधि के समाप्त होने के एक महीने के अन्दर उसे समर्पित कर देता है तो लाइसेंस प्राधिकारी बैंक गारंटी के 50 प्रतिशत को जस्त करेगा। यदि निर्यातक ने 50 प्रतिशत से कम निर्यात किया है तथा निर्यात लाइसेंस का अवधि समाप्त होने से एक महीने पूर्व निर्यात लाइसेंस समर्पित कर देता है तो लाइसेंस प्राधिकारी पूरी बैंक गारंटी की राशि को जस्त कर लेगा। तथापि, यदि निर्यातक निर्यात करने

में असमर्थ रहता है और वैधता अवधि की समाप्ति के बाद निर्यात लाइसेंस समर्पित करता है या समर्पित नहीं करता है, बल्कि लाइसेंस प्राधिकारियों को ज्ञात हो जाता है कि उसने निर्यात नहीं किया है या प्रतिशत यूनिट मूल्य को उगाहने में असफल रहता है तो निर्यातक की सम्पूर्ण बैंक गारण्टी को जब्त कर ला जायेगी।

7. मुख्य निर्यातक आयात निर्यात के कार्यालय में सूची-2 की मदों को केन्द्रीकृत कर दिया जायेगा। भावी निर्यातकों से आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु मुख्य निर्यातक आयात निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली द्वारा एक व्यापार सूचना जारी की जाएगी, जिसमें उनको निर्यात आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिए 30 दिन का समय दिया जायेगा। व्यापार सूचना में मूल्य को ध्यान में रखते हुए माप प्रणाली का वर्णन भी किया जाएगा, ताकि निर्यातक के समय समान मूल्य उद्धृत कर सकें। यह इसलिए है क्योंकि सूची-2 की मदों के लिए निर्यात लाइसेंस जारी करना पूर्णतया आवेदन में उद्धृत उच्चतम यूनिट मूल्य प्राप्त से जुड़ा हुआ होगा। निर्यातकों को निर्यात आवेदन दो प्रतिथियों में बन्द सोल कवर में भिजवाने की सलाह दी जाएगी। अन्तिम तिथि की समाप्ति पर, ऐसे सभी आवेदन पत्र निर्यात आयुक्त की उपस्थिति में खोले जाएंगे तथा आवेदन पत्र में दिए गए यूनिट मूल्य प्राप्त के आधार पर, सीमा का आबंटन किया जायेगा। तथापि, किसी भी निर्यातक को कुल उपलब्ध सीलिंग के 10 % से अधिक मूल्य का निर्यात लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। आवेदकों में यथानुपात वितरण के बाद भी शेष सीलिंग उपलब्ध रहती है तो इस 10% की सीमा को समाप्त किया जा सकता है। निर्यातकों को जारी की गई सीलिंग की जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 10% तक बैंक गारंटी प्रस्तुत करनी होगी। जिस निर्यातक को सीलिंग आबंटित की गई है, उसे मुख्य निर्यातक आयात निर्यात का कार्यालय यह सूचित करेगा कि उसे सीलिंग के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 10 % की बैंक गारंटी प्रस्तुत करनी होगी तथा अपने आवेदन पत्र में निर्यातक यथा निर्दिष्ट क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को निर्यातक के बैंक गारण्टी प्रस्तुत करने पर ही निर्यातक को क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सीलिंग जारी की जाएगी। निर्यातक द्वारा अपने आवेदन पत्र में यथा निर्दिष्ट क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सीलिंग के लिए निर्यात लाइसेंस जारी किया जायेगा। निर्यात लाइसेंस को वैधता इसके जारी करने की तिथि से छः महीने तक या लाइसेंस वर्ष की 31 मार्च तक इनमें जो भी पहले होगी तक ही होगी। ऐसे लाइसेंसों का पुनर्विधिकरण नहीं किया जाएगा। सूची-1 की मदों के निर्यात न करने पर जो दण्ड का प्रावधान है, वही सूची-2 की मदों के मामले में भी समान रूप से लागू रहेगा। उपरोक्त कारणों से समाप्त पूर्ववर्ती लाइसेंसों के मद्दे आबंटित मात्रा उपरोक्त निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पुनः आबंटन हेतु संबंधित लाइसेंस कार्यालय में उपलब्ध रहेगी। निर्यातक द्वारा निष्पादित किए जाने वाले विमुक्ति एम गारंटी बांड का नमूना भाग-6 में दिया गया है।

#### सरणी बद्ध निर्यात

8. निर्यात की विभिन्न मदों को केवल मनोनीत सरणीबद्ध अभिकरणों के माध्यम से ही निर्यात हेतु सरणीबद्ध किया गया है। ऐसी मदों एवं एतत्संबंधी अभिकरणों की सूची परिशिष्ट 5 एवं खुले सामान्य लाइसेंस-4 में दी गई है। इन मदों का निर्यात केवल संबंधित सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा ही अनुमित किया जायेगा। इन मदों के मामले में प्रमात्रा जहां तक निर्यात अनुमित होगा तथा इससे संबंधित अन्य विवरण समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जायेगा। अतः इस संबंध में सरणीबद्ध अभिकरणों का प्रचालन सरकार द्वारा जारी आदेशों के अन्तर्गत ही होगा।

#### खुला सामान्य लाइसेंस

9. खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत जाने वाली मदें इनकी वैधता तक उनमें निर्धारित सभी स्थानों तक किसी लाइसेंसिंग औपचारिकता को पुरा किये बिना स्वतंत्र रूप से निर्यात की जा सकती है।

इस समय निम्नलिखित चार खुले सामान्य लाइसेंस प्रचलन में हैं :—

- (क) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 1 भारत से जुड़े कितने ऐसे देश को भूतल से निर्यात करने के लिए लागू होता है तथा जो निर्यात (निर्यात) आदेश, 1977 की अनुसूची-1 में शामिल है तब जिसका अपना कोई समुद्री तट नहीं है तथा जो कि पारगमन यातायात को निर्यात के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत आते हैं।
- (ख) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 2 मुक्त व्यापार मूल नमूने निर्यात करने के लिए लागू होता है।
- (ग) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 3 में निर्यात की जाने वाली मदों की सूची दी गई है जिन्हें प्रत्येक मद के सामने दी गई सभी शर्तों के पूरा करने पर निर्यात किया जा सकता है।
- (घ) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 4 में निर्यात की जा सकने वाली मदों की सूची दी गई है जिन्हें प्रत्येक मद के सामने दी गई सरणीबद्ध एजेंसी द्वारा ही निर्यात किया जा सकता है।

#### निषेध-पूर्व किए गए सोदे

10. (1) जब तक अन्यथा रूप से व्यवस्था नहीं की जाती, निषेध पूर्व (निर्यात पूर्व सहित) निम्नलिखित सौदों के लिए साधारणतः निर्यात निर्यात के उद्देश्य के लिए मान्यता दी जाएगी :—

- (क) जहां निर्यात/निर्यात करने वाली फर्म के पक्ष में एक विशिष्ट निर्यात आदेश के मद्दे विदेशी खरीददार द्वारा परेषण के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल के 100 प्रतिशत के बराबर एक अपरिवर्तनीय साख पत्र खोला गया हो और निषेध/निर्यात की तिथि से पूर्व भारत में किसी अनुसूचित बैंक द्वारा स्वीकृत किया गया हो ;
- (ख) जहां पर अग्रिम धन प्राप्त कर लिया गया हो, बशर्ते कि—
  - (1) एक विशिष्ट निर्यात आदेश के मद्दे अग्रिम धन प्राप्त किया गया हो और जो परेषण के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 100 प्रतिशत के बराबर हो ; और
  - (2) ऐसा अग्रिम भुगतान निषेध की तिथि को अथवा इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से प्राप्त कर लिया गया हो।

उपर्युक्त बातों के होते हुए भी सरकार उपर्युक्त प्रावधानों के अन्तर्गत न आने वाले किसी अन्य बाव को भी समुचित कारणों के आधार पर निषेध-पूर्व सौदों के रूप में मान सकती है।

11. संबंधित व्यक्ति द्वारा निषेध पूर्व/निर्यात पूर्व सौदों/निर्यात संविदाओं आदि की प्राप्तियां सार्वजनिक सुचना जारी होने की तिथि से 30 दिनों की अवधि के भीतर निषेध पूर्व सौदों को पूर्ण करने के लिए सीधे ही मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली को भेजी जानी चाहिए।

12. लेकिन साक्ष्य प्रस्तुत कर देने से सम्बद्ध व्यक्ति को यह अधिकार नहीं मिल जाएगा कि वह निर्यात लाइसेंस या निर्यात को अनुमित अवश्य प्राप्त करेगा।

टिप्पणी :—प्रस्ताव किए जाने के बाद और दूसरी पार्टी द्वारा स्वीकृत हो जाने पर संविदा निर्णीत समझी जाएगी। आपस में स्वीकृत शर्तों के सम्बंध में यह स्पष्ट होने चाहिए अर्थात् यह निर्दिष्ट होता चाहिए कि इसके बाध्यकरण के संदर्भ में यह दोनों के लिए बाध्यकारी है।

13. जहाँ ऐसे साक्ष्य जैसा कि अपेक्षित हैं, तार/टेलिक्स सन्देश की प्रकृति के हैं जिसमें प्रस्ताव या संविदा की स्वीकृति के व्योरे हो, तो निवेद्य-पूर्व वचनबद्धता/निर्यात संविदा (या निर्यात से पूर्व की वचनबद्धता संविदा) को प्रमाणित करने वाले विश्वसनीय साक्ष्य के साथ, उचित संदेश भेजने के तत्काल बाद सम्बद्ध लिफाफा जिस पर डाकबाने की मोहर लगी हो, के साथ संदेश की (पुष्टि करने वाली) डाक प्रति भी होनी चाहिए।

14. मुख्य निर्यात-आयात-निर्यात के कार्यालय में निवेद्य पूर्व सीमा के लिए आवेदन पत्रों पर निर्यात लाइसेंस समिति के द्वारा विचार किया जाएगा। निर्यात लाइसेंस समिति के निर्णय पर निर्भर रहते हुए निवेद्य-पूर्व/निर्यात-पूर्व सीमा को मात्रा तक या उक्त समिति द्वारा जो मात्रा निश्चित की जाए उस सीमा तक सम्बंधित क्षेत्रों लाइसेंस प्राधिकारी 90 दिनों की या इस से कम जो निश्चय की जाए उस वैधता अवधि के साथ निर्यात लाइसेंस जारी करेगा। ऐसा निर्यातक निर्यात लाइसेंस में यथा निर्दिष्ट वैधता अवधि के भीतर निर्यात पूर्ण करेगा। ऐसे मामलों में किसी भी परिस्थिति में पुनर्विचार पर विचार नहीं किया जाएगा।

#### आवेदन पत्र का प्रपत्र

15. निर्यात लाइसेंसों के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत पुस्तक के भाग 6 में दिए गए अनुसार संबन्धित दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रपत्रों में भेजे जाने हैं। आवेदन टाइप किए हुए: साइज 10:15 या मुद्रित अपने निजी प्रपत्र प्रयोग कर सकते हैं।

आवेदनपत्र पर हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकृत व्यक्ति:—

16. निर्यात लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र स्वयं आवेदक द्वारा या उसके द्वारा विधिवत/कानूनी तौर पर प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। आवेदन प्रपत्र/दस्तावेज/प्रपत्र हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति द्वारा गृहीत स्थिति या ऐसे कानूनी प्राधिकार की प्रकृति उसमें स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए और इसके साथ उससे सम्बद्ध हैसियत के कार्यालय की मोहर भी होनी चाहिए। अन्यथा, लाइसेंस प्राधिकारी ऐसे आवेदनपत्रों दस्तावेजों या प्रपत्रों पर कोई ध्यान नहीं देंगे।

#### अपूर्ण आवेदन-पत्र

17. जो आवेदनपत्र (1) निर्धारित प्रपत्र में नहीं है;
- (2) जिनके साथ आवश्यक निर्यात दस्तावेज संलग्न नहीं है;
- (3) हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी का व्योरा नहीं है; या
- (4) जो निर्धारित अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त होते हैं, उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। आवेदकों से आशा की जाती है कि वे आवेदन पत्र के सभी कालम ठीक-ठीक एवं उचित तरीकों से भरेंगे। यह निश्चय करने के लिए कि सभी जरूरतें पूर्ण हो गई हैं, वे खिड़की पर प्रदान की जाने वाली सहायता प्रक्रिया से सहायता ले सकते हैं।

लाइसेंसों में संशोधन एवं परिवर्तन

18. लाइसेंसधारी द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा माल के व्योरों में या प्रेषक या परेषता के नाम में और लाइसेंस की शर्तों एवं अधिनियमों में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। कोई भी प्राधिकृत परिवर्तन लाइसेंस को अप्रभावी कर देगा और इसके अलावा अपराधी को दंडनीय भी घोषित करेगा। संशोधन या परिवर्तन के लिए आवेदन पत्र, लाइसेंस जारी करने वाले अधिकारी को भेजे जाने चाहिए।

#### अधिकार क्षेत्र

19. परिशिष्ट-3 और परिशिष्ट-4 सूची-2 में दी गई मर्दों के निर्यात के लिए आवेदन पत्र मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात नई दिल्ली

को भेजे जाने चाहिए। परिशिष्ट-4 सूची-1 में दी गई मर्दों के लिए आवेदन पत्र जिस पत्तन से निर्यात करना है उसको ध्यान में रखते हुए भाग-4 में उल्लिखित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जाने चाहिए। उन पण्य वस्तुओं के सम्बन्ध में जिनके लिए निर्यात सीलिंग एक या अधिक विनिर्दिष्ट लाइसेंसिंग प्राधिकारियों के निपटान के लिए रखी गई हैं वहाँ इच्छुक निर्यातक ऐसे किसी भी लाइसेंसिंग प्राधिकारी के पास निर्यात के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऐसे मामलों में प्रत्येक निर्यात आवेदन-पत्र के साथ निर्यातक को इस आशय का एक घोषणा-पत्र देना चाहिए कि उसने लाइसेंसिंग अवधि में किसी अन्य लाइसेंसिंग प्राधिकारी को उसी पण्य वस्तु के लिए निर्यात आवेदन प्रपत्र नहीं दिया है।

#### मुफ्त व्यापार नमूनों का निर्यात

20. मुफ्त व्यापार मूल नमूनों की निर्यात खुले सामान्य लाइसेंस-2 में दी गई है। नमूनों के निर्यात करने के इच्छुक निर्यातकों को सलाह दी जाती है कि वे नमूनों के रूप में अनुमेष और उनके मूल्य/मात्रा सीमा के साथ-साथ उनकी नीति की जानकारी के लिए उक्त खुले सामान्य लाइसेंस को ध्यानपूर्वक देखें इन नमूनों के निर्यात के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

21. इन नमूनों के निर्यात के लिए वार्षिक सीलिंग मूल्य सीमा का प्रबोधन करने के लिए सरकार के निर्धारित संवर्धन परिषदों और पण्य वस्तु बोर्डों को मनोनीत किया है। निर्यात संवर्धन परिषदों/पण्य वस्तु बोर्डों की पतों सहित सूची इस पुस्तक के भाग-6 में दी गई है इच्छुक निर्यातक जो बिना लागत के मूल नमूनों को निर्यात करना चाहते हैं, उन्हें जिनके क्षेत्राधिकार में मर्द/पण्य वस्तु आती है, उनके संबंधित परिषदों/पण्य वस्तु बोर्डों को आवेदन करना होगा इस उद्देश्य के लिए यह आवश्यक है कि निर्यातक को संबंधित परिषद/बोर्ड का सदस्य बनना होगा इस उद्देश्य के लिए निर्यातक के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह परिषद/बोर्ड से पंजीकरण-व-सदस्यता प्रमाण प्राप्त करे। यदि वह परिषद/बोर्ड का साधारण सदस्य है तो इतना ही पर्याप्त है व्यापार नमूनों के निर्यात के लिए अनुमति हेतु परिषद/बोर्ड का कोई सदस्य हो सम्बंधित परिषद/बोर्ड को आवेदन कर सकता है। निर्यातक को जिस प्रपत्र में परिषद को आवेदन करना होगा वह इस पुस्तक के भाग-6 में दिया गया है। इन नमूनों के निर्यात के लिए आवश्यक अनुमति देने हेतु परिषद/बोर्ड द्वारा कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा।

22. इन नमूनों के निर्यात के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त होनेपर निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य वस्तु बोर्ड मामले की वास्तविकता सत्यापित करेंगे और निर्यातक का व्योरा निर्यातित नमूनों का नाम, वार्षिक सीमा का मूल्य और निर्यातित नमूनों का गन्तव्य स्थान निर्धारित करते हुए निर्यातक के लिए नमूना निर्यात कार्ड जारी करेंगे। इस पुस्तक के भाग-6 निर्यात कार्ड का नमूना दिया गया है।

23. निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य बोर्ड केवल उन्हीं मर्दों/पण्यों के लिए नमूने निर्यात कार्ड जारी करेंगे जिनके ऊपर वे विचार कर रहे हैं। तथापि, निर्यात सदन और व्यापार सदनों के मामले में, मुक्त व्यापार नमूनों, का निर्यात मानीटर करने के लिए अधिकरण भारतीय निर्यातक संगठन का महासंघ होगा। भारतीय निर्यातक संगठन का महासंघ वहीं कार्य करेगा जो निर्यात संवर्धन परिषद या पण्य बोर्ड करता है। निर्यात सदन और व्यापार सदन निर्यात संवर्धन परिषद या पण्य बोर्ड से सम्पर्क करने के लिए पात्र हैं। खुले सामान्य लाइसेंस में यथा निर्दिष्ट स्तर तक की उनकी आवश्यकताएं केवल भारतीय निर्यातक संगठन के महासंघ द्वारा पूरी की जाएगी।

निर्यातक द्वारा नमूने निर्यात बोर्ड केवल दिल्ली, कलकत्ता मद्रास, बम्बई, कांडवा, विशाखापत्तनम, गोवा, कोचीन, बंगलौर और हैदराबाद के किसी भी पत्तन पर सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किए जाएंगे। जब

निर्यातक द्वारा नमूने निर्यात कार्ड सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किए जाएं उसी समय सीमाशुल्क प्राधिकारी नमूने निर्यात कार्ड में यथा निहित नमूनों के निर्यात को अनुमति देंगे और निर्यात को अनुमति देते समय नमूने निर्यात कार्ड में पृष्ठांकन करेंगे। सीमाशुल्क प्राधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि नमूने निर्यात कार्ड में यथा आवंटित वार्षिक सीमा/मूल्य सीमा में वृद्धि नहीं की गई है। लाइसेंसिंग अवधि की समाप्ति पर बचे हुए नमूनों का बकाया मात्रा/मूल्य की अगली लाइसेंसिंग अवधि के लिए आगे ले जाने के लिए अनुमति नहीं दिया जाएगा। नमूने निर्यात कार्ड को वैधानिक अन्तिम के रूप में लाइसेंसिंग वर्ष के लिए होगा।

24. यदि कोई इच्छुक निर्यातक नमूना निर्यात कार्ड में उल्लिखित मर्दानों से भिन्न के नमूने निर्यात करना चाहता है तो उसे उन मर्दानों का कार्य करने वाले अन्य उचित निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य वस्तु बोर्ड से सम्पर्क करना लाजिमी होगा। उदाहरणार्थ इंजिनियरी मर्दानों के संबंध में निर्यातक को इंजिनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद से सम्पर्क करना होगा। इरी प्रकार, प्लास्टिक मर्दानों के निर्यात के संबंध में निर्यातक को प्लास्टिक और लिनेोलियन निर्यात संवर्धन परिषद से सम्पर्क करना होगा। यह एक बार फिर दोहराया जाना है कि नमूनों के निर्यात के लिए निर्यातक को परिषद/बोर्ड से पंजीकरण-वसदस्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है। परिषद/बोर्ड की केवल सदस्यता ही निर्यातक को परिषद पण्य वस्तु बोर्ड से नमूना निर्यात कार्ड प्राप्त कराने के लिए काफी होगी।

25. नमूना निर्यात कार्ड जारी करने के लिए उचित निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य वस्तु बोर्ड से सम्पर्क करने के लिए कोई अंतिम तिथि निर्धारित नहीं की गई है। तथापि नमूना निर्यात कार्ड उनके जारी करने की तिथि से उस लाइसेंसिंग वर्ष की अवधि के अन्त तक वैध रहेगा।

26. यदि कोई निर्यातक खुले सामान्य लाइसेंस-2 में यथा निर्धारित अनुमेय सीमा से अधिक नमूने निर्यात करने का इच्छुक हो तो उसे मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली (मुख्यालय) में निर्यात लाइसेंसिंग समिति से सम्पर्क करना चाहिए। लेकिन, किसी भी निर्यातक को निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य वस्तु बोर्ड द्वारा यथा उल्लिखित सीमा को समाप्त कर लेने पर ही मुख्यालय की निर्यात लाइसेंसिंग समिति से सम्पर्क करने की अनुमति दी जाएगी। मुख्यालय की निर्यात लाइसेंसिंग समिति से सम्पर्क करने के लिए ऐसा कोई आवेदन प्रपत्र नहीं निर्धारित किया गया है। पूर्ण व्योरा देते हुए एक औपचारिक पत्र ही पर्याप्त होगा। निर्यात लाइसेंसिंग समिति की इच्छा पर यह है कि वह खुला सामान्य लाइसेंस-2 में उल्लिखित सीमा से अधिक के लिए और प्रत्येक मामले के आधार पर आवश्यक अनुमति दें। इस सम्बन्ध में निर्यात लाइसेंसिंग समिति का निर्णय अंतिम होगा और समिति के उक्त निर्णय के विरुद्ध किसी भी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

27. निर्यातकों को पोतलदान के समय उन मर्दानों के लिए निर्यात निरोक्षण अधिकरण से पूर्व पोतलदान निरोक्षण/किस्म निर्यात प्रमाण पत्र सीमाशुल्क प्राधिकारियों को देना अवशिष्ट होगा जो निर्यात (किस्म निर्यात और निरोक्षण) अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत आती है।

**आदेश प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ भारतीय मूल के नमूनों का निर्यात और उनका पुनः आयात**

28. आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962, क्रेताओं के अनुमोदन प्राप्त करने के उद्देश्य से भारतीय व्यापारियों द्वारा विदेशों में भेजे गए या ले लिए गए नमूनों के पुनः आयात की अनुमति, कुछ शर्तों एवं औपचारिकताओं की अनुपालना के अधीन होती है। पुनः आयात के समय भारतीय व्यापारियों द्वारा लेनी जाने वाली

कठिनाइयों को दूर करने की दृष्टि से प्रत्याशित निर्यातकों को, विदेशों में नमूनों निर्यात करने से पूर्व सीमा शुल्क/आयात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से सम्पर्क करना चाहिए और यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उल्लिखित विभिन्न शर्तें पूरी कर ली गई हैं।

#### पोतलदान की अवधि

29. जब तक कि प्रत्याशित निर्यात न किया गया हो, एक निर्यात लाइसेंस उसमें उल्लिखित माल के पोतलदान के लिए लाइसेंस के जारी होने की तिथि से छ महीने की अवधि के लिए वैध होगा। उच्चतम सीमा व्यवस्था के अधीन जारी किया गया निर्यात लाइसेंस 6 मास या उस लाइसेंस में निर्दिष्ट अवधि के लिए वैध होगा। लाइसेंस के मद्दे पोतलदान भारत में किसी भी पतन से किया जा सकता है, लेकिन प्रवेक्षण आदि के लिए निर्यातक को उस लाइसेंस प्राधिकारी को रिपोर्ट करना होगा जिसने निर्यात लाइसेंस जारी किया है।

30. जब कोई माल परेषण पोतलदान विनों के जरिए बुक किया गया हो तो माल के पोतलदान के लिए वैधानिक की प्रवृत्ति जब तक कि अवधि निर्दिष्ट न की जाए एक महीना होगी।

**जिन पड़ोसी देशों के साथ भारत रेलों द्वारा जुड़ा हुआ है उनके किसी स्थान की रेल द्वारा बुक किए गए माल परेषण के निर्यात का निर्गलक विधि।**

31. जिन पड़ोसी देशों के साथ भारत रेल द्वारा जुड़ा हुआ है उनके किसी स्थान को रेलवे के माध्यम से जब कोई माल भेजा जाए तो निर्यात व्यापार नियंत्रण के उद्देश्य के लिए रेलवे रसीद की तिथि निर्यात की तिथि समझी जाएगी बशर्ते कि निर्यात लाइसेंस और साखान्न रेलवे रसीद के जारी होने की तिथि को बराबर हो। यदि माल रेलवे की यात्रा के दौरान आर्डर पर अंतिम भारतीय सीमा शुल्क नैकपोस्ट पर सीमाशुल्क विभाग द्वारा निकासी कर देने तक निर्यात लाइसेंस और साखान्न को वैधानिक समाप्त हो जाती है तो उसके पश्चात् इन की वैधानिक समाप्त होने के कारण से माल परेषण को मना नहीं किया जाएगा रेलवे रसीद जारी होने के बाद ऐसे माल के निर्यात पर लगाया गया कोई प्रतिबंध भी ऐसा माल परेषण पर लागू नहीं होगा।

#### पुनर्वधिकरण :—

32. निर्यात लाइसेंसों के मामलों में पोतलदान की वैधानिक की अवधि में किसी भी वृद्धि की अनुमति नहीं दी जाएगी। तथापि, जिन मामलों में समिति सीमा के अन्तर्गत निर्यात लाइसेंसों में 6 महीना से अधिक प्रारम्भिक अवधि की अवधि दी गई हो, उनमें ऐसे निर्यात लाइसेंसों के लिए पुनर्वधिकरण के आवेदनों पर क्षेत्रीय अग्रिम लाइसेंस समिति या मुख्यालय अग्रिम लाइसेंस समिति की सिफारिश पर क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा मामले के गुणदोष के आधार पर जो अवधि वह उचित समझे उस तक बढ़ाने के लिए विचार किया जाएगा।

33. अन्य निर्यात लाइसेंसों के सम्बन्ध में जहां निर्यातक वास्तविक कठिनाई से या अनिवार्य बाध्यता शर्तों के कारण 6 महीनों की प्रारम्भिक अवधि के भीतर निर्यात न कर सका हो, वहां एक लघु अवधि के लिए पुनर्वधिकरण के आवेदनों पर मुख्यालय की निर्यात लाइसेंस समिति द्वारा विचार किया जा सकता है। ऐसे मामलों में यदि समय वृद्धि की जाएगी तो वह किसी भी परिस्थिति में एक मास से अधिक नहीं होगी। ऐसे पुनर्वधिकरण के लिए आवेदन उस लाइसेंस प्राधिकारी की एक प्रति भेजते हुए मुख्यालय को भेजने चाहिए जिसने निर्यात लाइसेंस जारी किया था। मुख्यालय को निर्यात लाइसेंस समिति ऐसे आवेदन पर गुणदोषों के आधार पर विचार करेगी। लेकिन, यह परन्तु ऐसे मामलों में लागू नहीं होगा जिसमें निर्यात नीति में सम्बन्धित लाइसेंस अवधि के लिए बाद में परिवर्तन कर दिया गया हो।

### निर्यात प्रतिबंधों से छूट

34. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 के खण्ड-13 की व्याप्ति के भीतर आने वाले माल के लिए किसी निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है। इसी प्रकार से निर्यात नीति, 1988-91 में प्रदर्शित खुले सामान्य लाइसेंस(सी) में शामिल माल के लिए किसी निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है।

### वास्तविक निजी असबाब

35. तिन मर्दों के निर्यात के लिए सामान्यतः निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता होती है और जिन्हें यात्री अपने निजी उपयोग के लिए या यादगार के रूप में भारत से बाहर ले जाना चाहते हैं, उनके लिए निर्यात लाइसेंसों के लिए आवेदन करने की कठिनाई से यात्रियों को सुरक्षा के लिए कुछ रियायतें दी गई हैं।

36. बाहर जाने वाले यात्रियों के निजी वास्तविक असबाब, चाहे उनका निर्यात यात्रियों के साथ किया गया हो या उनके द्वारा भारत छोड़ने के 4 महीने पहले या बाद में निर्यात किया गया हो, निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबंधों से मुक्त है। उपर्युक्त मामलों में सीमाशुल्क समाहर्ता द्वारा उसके निजी विवेक से समय सीमा एक माल तक बढ़ाई जा सकती है।

37. यह रियायत निर्यात असबाब नियमावली में सूचीबद्ध उपयोग की गई वस्तुओं के लिए सूची में निर्धारित सीमा तक प्रतिव्यक्ति है बशर्ते कि वे वस्तुएं यात्री के निजी उपयोग के लिए या उनके साथ यात्रा करने वाले उसके परिवार के सदस्यों के लिए हों और अन्य पार्टियों को विक्री या हस्तांतरण के लिये न हों। यदि कोई यात्री ऐसी कोई वस्तु अपने साथ ले जाना चाहता हो जो निर्यात असबाब नियमावली की सूची के क्षेत्र से बाहर है उसे पोत आरोहण के पत्तन या स्थल सीमाशुल्क चुंगी के सीमाशुल्क प्राधिकारियों से या साथ में न जाने वाले असबाब के मामले में निर्यात के पत्तन के सीमाशुल्क प्राधिकारियों से आवेदन करना चाहिए। सीमाशुल्क समाहर्ता अपने विवेक से निर्यात की अनुमति देने के लिए प्राधिकृत है। यदि निर्यात असबाब नियमावली में निर्धारित मात्रा से अधिक मात्रा होगी तो इस सम्बन्ध में निर्यात लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा किसी निर्यात खाद्य वस्तु जैसे अनाज, दाल आदि वस्तुओं के अतिरिक्त वस्तुओं पर विचार नहीं किया जायेगा। ऐसे आवेदन-पत्र क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जाएंगे जो ऐसे आवेदनों पर प्रधान कार्यालय के स्तर पर विचार करेंगे।

### पोत भण्डार

38. अपनी यात्रा के दौरान भारतीय पत्तनों से होकर विदेश में जाने वाले भारतीय जलयान और विदेशी जलयान जिनमें भारतीय शिपिंग एजेंट हों, वे कर्मियों और यात्री दोनों के वास्तविक उपयोग के लिए गेहूँ, आटा, चावल, दालें, सब्जियाँ, तेल आदि जैसे निर्यात खाद्य पदार्थ और रसद पोत भण्डार के रूप में जहाजरानी तथा परिवहन मंत्रालय (परिवहन स्कंध) द्वारा भारत के राजपत्र दिनांक 2-8-1975 में प्रकाशित अधिसूचना एसओ सं. 2473 के अनुसार निर्धारित अनुपात (भाग 8 में दर्शाया गया) ले सकते हैं। उपर्युक्त अनुपात के आधार पर मर्दों का निर्यात सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा सीधे ही अनुमेय होगा।

### डाक द्वारा निर्यात

39. उपहार के रूप में या वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए डाक पार्सल द्वारा माल का निर्यात पोस्टल नोटिस सं. 13, दिनांक 3-12-1973 की शर्तों के अनुसार निर्यात किया गया है। पोस्टल नोटिस भाग 6 में उद्धृत किया गया है।

40. पोस्टल नोटिस की व्याप्ति के भीतर आने वाली मर्दों को छोड़कर अन्य सभी मर्दों के निर्यात की अनुमति (दक्षिणी अफ्रीका संघ, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और फिजी को छोड़कर) चाहे उपहार के रूप

में या वाणिज्यिक माल परंपण के रूप में निर्यात लाइसेंस के बिना

41. पोस्टल नोटिस में शामिल वस्तुओं वाले पार्सलों की नीति जब तक अनुमेय नहीं है जब तक उपर्युक्त लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए निर्यात लाइसेंसों में वे मर्द शामिल न हों। लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र भाग-6 में उद्धृत प्रत्यक्ष बी-एक्स में देने चाहिए।

42. डाक पार्सल द्वारा या जलमार्ग या वायु मार्ग द्वारा भेज गए वाणिज्यिक नमूने भाग-2 में उद्धृत खुले सामान्य लाइसेंस-2 में शामिल हैं।

43. माल भेजने वाले का यह उत्तरदायित्व है कि वह यह सुनिश्चित करे कि जिस मामले में ऐसे लाइसेंस की आवश्यकता हो, तो उस मामले में पार्सल उचित निर्यात लाइसेंस में शामिल है, ऐसा न होने पर पार्सल वापस किया जा सकता है। पार्सल पहली बार में ही डाकखाने द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है, तो इस बात की गारण्टी नहीं मिल जाती है कि निर्यात नियंत्रण की आवश्यकताएं पूरी कर ली गई हैं और डाक से भेजने की वजह से प्रतिवृत्ति या वापस के लिए कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

अनुज्ञप्ति/निष्पादन गारण्टी अवधि के दौरान मुफ्त बदलाई के रूप में गारण्टी (-) अतिरिक्त पुर्जों का निर्यात

44. (1) मशीनरी और उपस्कर के निर्यातकों को मशीनरी/उपस्कर के अतिरिक्त पुर्जों को बदलाई के रूप में मुफ्त निर्यात करने की अनुमति तभी दी जाएगी जब कि वे निम्नलिखित शर्तों को पूर्ण करते हों :-

(1) विषयाधीन अतिरिक्त पुर्जों, मशीनरी और उपस्कर के विदेशी खरीददार को अनुज्ञप्ति/निष्पादन गारण्टी की अवधि के दौरान संभारित किए जा रहे हों।

(2) मुफ्त में संभरण किए जाने वाले अतिरिक्त पुर्जों के कुल मूल्य निर्यातित मशीनरी/उपस्कर के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 2.5% से अधिक हो।

(3) इस व्यवस्था के अधीन अतिरिक्त पुर्जों का संभरण मुख्य उपस्कर के साथ या बाद में किया जा सकता है।

(4) यदि मुख्य उपस्कर के साथ अतिरिक्त पुर्जों का संभरण किया जाता है तो ऐसे अतिरिक्त पुर्जों को निर्यात के बीजक लदान बिल और जी आर आई प्रपत्र में दर्शाया जाना चाहिए। ऐसे अतिरिक्त पुर्जों के भेजे जाने वाले बैंक प्रमाणपत्र में ऐसे अतिरिक्त पुर्जों के भेजे जाने विवरण को दर्शाना आवश्यक नहीं होगा।

(2) उन मामलों में जहां इस व्यवस्था के अधीन मुख्य उपस्कर/मशीनरी के निर्यात के बाद अतिरिक्त पुर्जों का संभरण किया जाता है, वहां निर्यातक इस संबंध में सीमाशुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि अतिरिक्त पुर्जों का संभरण अनुज्ञप्ति/गारण्टी अवधि के दौरान किया जा रहा है। निर्यातक अतिरिक्त पुर्जों का निर्यात करते समय सीमाशुल्क प्राधिकारी को एक घोषणापत्र भी प्रस्तुत करेगा कि उसी मशीनरी/उपस्कर के संबंध में मुफ्त बदलाई में पहले से ही संभरण पुर्जों का और इस समय संभरण किए जा रहे अतिरिक्त पुर्जों का कुल मूल्य संबंधित मशीनरी/उपस्कर के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 2.5% से अधिक नहीं है।

(3) जहां मुफ्त में संभरण किए गए अतिरिक्त पुर्जों का मुख्य मुख्य उपस्कर के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 2.5% से अधिक हो जाए वहां निर्यातक को भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक से ऐसी अनुमति प्राप्त करते समय निर्यातक को यह

भी चाहिए कि वह उसी उपस्कर/मशीनरी के संबंध में पहले से ही मुफ्त में संभरण किए गए अतिरिक्त पुर्जों के मूल्य और निर्यात किए गए उपस्कर/मशीनरी के कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के बारे में भी भारतीय रिजर्व बैंक को बताए।

(4) निर्यातक के लिए ऐसे अतिरिक्त पुर्जों के निर्यात के लिए लाइसेंस प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करनी तब तक अपेक्षित नहीं, जब तक कि ऐसे अतिरिक्त पुर्जों के लिए निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 के अधीन एक निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता न हो।

(5) उपर्युक्त व्यवस्थाओं के अंतर्गत न आने वाले पुर्जों के निर्यात के लिए आवेदनपत्रों पर भी गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा ताकि निर्यातक बिक्री के बाद सेवा/वारंटी आधार या विदेश में ली गई परियोजनाओं के निष्पादन के संबंध में अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। ऐसे मामलों में निर्यात के लिए दी गई अनुमति या उल्लिखित शर्तों के अधीन होगी।

#### 45. निर्यात लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां

जिस मामले में निर्यात लाइसेंस खो जाए अथवा अस्थानस्थ हो जाए तो, उसके लिए अनुलिपि प्रति जारी करने के आवेदन पर विचार केवल तभी किया जाएगा यदि संबंध लाइसेंसिंग प्राधिकारी इस प्रार्थना की सत्यता के विषय में संतुष्ट होगा। ऐसे आवेदन-पत्र उस लाइसेंसिंग प्राधिकारी को दिए जाने चाहिए, जिसने मूल निर्यात लाइसेंस जारी किया था। ऐसे आवेदन-पत्र के साथ आवेदन शुल्क के 50/- रु. की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट और न्यायिक प्राधिकारी या नोटरी पब्लिक या शपथ-आयुक्त के सम्मुख विधिवत शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दिया जाना चाहिए।

निर्यात लाइसेंस की अनुलिपि प्रति पर "अनुलिपि" चिह्नित कर दिया जाएगा और जारी करने वाले प्राधिकारों द्वारा स्वच्छ अक्षरों में निम्नप्रकार से पृष्ठांकित किया जाएगा

"पूरे मूल्य अथवा आंशिक रूप से . . . . . रुपये के मूल्य तक प्रयोग करने के बाद लाइसेंस को रद्द करने पर निर्यात आदेश सं. . . . . दिनांक . . . . . के बदले में यह निर्यात लाइसेंस जारी किया गया है।"

लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने के बारे में लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा एवं उस सीमाशुल्क प्राधिकारी को सूचना दी जाएगी जिसके पास मूल लाइसेंस पंजीकृत किया गया था। ऐसे मामलों में जहां पर निर्यात लाइसेंस सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत करने से पूर्व खो गया हो उस स्थिति में सभी सीमाशुल्क प्राधिकारियों को सूचित किया जाएगा। मूल लाइसेंस के निरसन के आदेश भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे।

#### 46. निर्यात लाइसेंस देने से इंकार करना

कोई भी लाइसेंस प्राधिकारी निर्यात लाइसेंस देने से इंकार कर सकता है:—

- (क) यदि कोई आवेदन यथार्थशोधित निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 के किसी प्रावधान की पुष्टि न करता हो।
- (ख) यदि ऐसे आवेदन में कोई असत्य अथवा धोखाधड़ी या गलत विवरण दिया गया हो।
- (ग) यदि कोई आवेदक अपने आवेदन के समर्थन में किसी ऐसे दस्तावेज का उपयोग करता है जो असत्य, बनावटी या जिसे टैम पर किया गया हो।
- (घ) यदि निर्यात लाइसेंस के लिए कोई आवेदन पत्र में कमी अथवा अपूर्ण हो और निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया के साथ पुष्टि न करता हो।

(ङ) यदि कोई आवेदक संबंध लागू निर्यात-नीति एवं प्रक्रिया के अनुसार निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं है।

(च) यदि कोई आवेदक लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा मांगे गये किसी दस्तावेज को प्रस्तुत करने में असफल रहता हो।

(छ) यदि कोई आवेदक लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा आवेदन में बताई गई किसी त्रुटि को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत पूरा करने में असफल रहता हो।

(ज) यदि कोई आवेदक किसी निर्यात लाइसेंस को प्राप्त करने में गलत तरीके अपनाता है और,

(झ) अन्य कोई कारण जो लिखित रूप में अभिलेख किया जाना है, कोई भी लाइसेंसिंग प्राधिकारी निर्यात-व्यापार नियंत्रण, आदेश, दिनांक 30 मार्च, 1988 तथा समय-समय पर यथासंशोधित आदेश की धारा—5 के प्रावधानों के अंतर्गत कोई निर्यात लाइसेंस देने से इंकार भी कर सकता है।

#### 47. पड़ोसी देशों के साथ व्यापार

पड़ोसी देशों के साथ व्यापार के मामले में आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक द्वारा समय-समय पर विशेष अनुदेश जारी किए जाएंगे।

#### अपील संशोधन एवं पुनरीक्षण

48. निर्यात (नियंत्रण) आदेश की धारा 12(2) में यह सुविधा उपलब्ध है कि जब कोई व्यक्ति धारा 7 या 8 या 11(1) के अधीन किए गए निर्णय से सहमत नहीं है तो ऐसी कार्रवाई की सूचना की तारीख से 30 दिन के दौरान ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध अपील सुनने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकारी राजपत्र में अधिसूचित ऐसे प्राधिकारी के समक्ष अपील कर सकता है।

49. निर्यात नियंत्रण आदेश, 1988 की धारा 12 के उपधारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निर्यात (नियंत्रण) आदेश, की धारा 7, 8 एवं 11(1) के अन्तर्गत वैधानिक आदेशों के मद्दे अपील की सुनवाई और निपटान के लिए निम्नलिखित प्राधिकारी नियुक्त करती है:—

(क) जहां पर मूल आदेश उप मुख्य नियंत्रक/संयुक्त मुख्य नियंत्रक द्वारा पारित किए गए हैं तो प्रथम अपील मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली के कार्यालय में अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात/निर्यात आयुक्त को की जा सकती है।

(ख) जहां पर आदेश अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात/निर्यात आयुक्त द्वारा पारित किए गए हैं तो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में निर्यात लाइसेंसिंग मभिति को अपील की जाएगी।

50. इस आदेश के प्रावधानों के अन्तर्गत की गई अपील निम्नलिखित सूचना देते हुए निर्धारित प्रपत्र पर भेजनी चाहिए।

- (क) प्राधिकारी जिसके निर्णय के विरुद्ध अपील की जा रही है;
- (ख) उस आदेश की प्रतिलिपि जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है;
- (ग) क्या अपील लाइसेंस प्राप्त करने से निलम्बन या विवर्जन के विरुद्ध की जा रही है (विवर्जन के मामले में, उस अवधि का भी उल्लेख किया जाना चाहिए, जिसके लिए अपीलकर्ता को विवर्जित किया गया हो), और
- (घ) अपील, का आधार (संक्षेप में)

51. अपीलकर्ता द्वारा अपील की प्रतिलिपि अनिवार्य रूप से उक्त प्राधिकारी की भी भेजी जानी चाहिए, जिसके निर्णय के विरुद्ध अपील की गई है।

52. तथापि, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात, समय समय पर, विशिष्ट प्रकार के मामलों को निर्णीत करने के लिए अपीलीय प्राधिकारियों की नियुक्ति कर सकता है।

#### पूर्ववर्ती पंरों में उल्लिखित से भिन्न आदेशों के खिलाफ अपील

53. (1) जब कोई व्यक्ति लाइसेंस प्राधिकारी/अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो उस निर्णय के विरुद्ध यहाँ निर्दिष्ट प्रावधानों के अन्तर्गत अपील कर सकता है। इन प्रावधानों से बाहर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में प्राप्त होने वाले अनुरोधों/अभ्यावेदनों को सरसरी तौर पर निरस्त कर दिया जाएगा।

(2) निम्नलिखित प्रकार के मामलों में अपील ली जाएगी :—

(क) निर्यात लाइसेंस के आवेदन पत्र पर

(ख) निर्यात लाइसेंस पर लागू शर्तों की पूर्ति के लिए निर्यातकों द्वारा निष्पादित "सतिर्पति-एवं गारंटी बंधपत्र" के प्रवर्तन से संबंधित मामलों में।

#### 54. प्रथम अपील

(क) उपरोक्त मामलों में जहाँ पर मूल निर्णय सहायक मुख्य नियंत्रक या उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात द्वारा लिया गया है तो प्रथम अपील उस लाइसेंसिंग कार्यालय पर प्रशासनिक नियंत्रण रखने वाले संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को की जाएगी।

(ख) जहाँ पर मूल निर्णय संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा लिया गया है तो प्रथम अपील मुख्यमालय में मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा नियुक्त आयात निर्यात के दो संयुक्त मुख्य नियंत्रकों या इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समान पदवासी को।

#### द्वितीय अपील

यदि अपीलकर्ता प्रथम अपील पर अपीलीय प्राधिकारी द्वारा दिए गए निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या मुख्यालय में मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समान पद के किसी अधिकारी को द्वितीय अपील कर सकता है।

#### अपील करने के लिए समय-सीमा

55.1. आदेश/निर्णय जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है, उसकी प्राप्ति की तारीख के 45 दिन के अंतर्गत संबद्ध प्राधिकारी के पास अपील कर देनी चाहिए। तथापि, अपीलीय प्राधिकारी अपील प्रस्तुत करने में देरी में 45 दिन की अवधि को माफ कर सकता है, यदि वह संतुष्ट है कि समुचित कारणों से अपील 45 दिन की निर्धारित अवधि के दौरान प्रस्तुत नहीं की जा सकी।

55.2. निर्णय देर समय लाइसेंस प्राधिकारी/अपीलीय प्राधिकारी को उस प्राधिकारी के बारे में निर्दिष्ट कर देना चाहिए, जिसके पास व्यक्ति को अपील करनी है।

#### व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर

56. यदि कोई अपीलकर्ता या याचिकादाता उसके द्वारा जमा की गई अपील के मामले में स्वयं व्यक्तिगत सुनवाई चाहता है तथा उसने ब्योरा दिया है या अपील में ऐसा उद्देश्य उल्लेख किया है तो उसे व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। तथापि, यदि अपीलकर्ता/याचिकादाता उसको दिए गए अवसर का लाभ नहीं उठा पाता है तो रिकार्ड में उपलब्ध माल के आधार पर गुणात्रगुण के आधार पर अपील पर निर्णय कर दिया जाएगा।

#### अपील के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज

57.1. अपील के साथ निम्नलिखित दस्तावेज एवं विवरण दो प्रतियों में प्रस्तुत किए जाने चाहिए :—

(1) निर्यातक का नाम और पता।

(2) लाइसेंसिंग अवधि जिससे आवेदन संबंधित है।

(3) निर्यात किए जाने वाले मामलों का संक्षिप्त ब्योरा।

(4) मूल आवेदन पत्र को प्रतिलिपि तथा उसके साथ लगाए गए अन्य दस्तावेज ;

(5) उस निर्णय/आदेश प्रतिलिपि जिसके विरुद्ध अपील की गई है;

(6) अपील के आधार ;

(7) अन्य दस्तावेज/प्रमाण जिन पर अपीलकर्ता आधारित है और

(8) विवरण जिसमें अपीलकर्ता स्वयं मिलने का इच्छुक है।

57.2. प्रथम एवं द्वितीय अपील के मामले में शुल्क के भुगतान के लिए क्रमशः 50/- रुपए और 100/- रुपए की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संलग्न किया जाना चाहिए।

57.3. सभी अपीलकर्ताओं को शीर्ष पर प्रथम अपील या द्वितीय अपील इसका स्पष्ट उल्लेख कर देना चाहिए।



5. आवेदक के ऋणदाता का नाम-----
6. यदि आवेदक को आर्बिट्रि सीलिंग के मद निर्यात बाँटित है तो सीलिंग स्विच आर्बिटन पत्र भेजी जाए।
- (1) संख्या/फाइल सं.-----
- (2) सीलिंग स्लिप जारी की तिथि-----
- (3) उस क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी का नाम जिससे आवेदक निर्यात लाइसेंस जारी करवाना चाहता है।
7. (1) क्या आवेदक ने उस मद का पहले निर्यात किया है जिसके लिए अब आवेदन किया है? हाँ नहीं
- (2) क्या उसे निर्यात व्यापार का पहले का अनुभव है? हाँ नहीं  
यदि हाँ तो आवेदक द्वारा पिछले दो मास के दौरान निर्यात की गई मुख्य पण्य-वस्तुओं का नाम लिखा जाना चाहिए। यदि आवेदक पण्यवस्तु के साथ एक विनिर्माता के रूप में सम्बद्ध है या व्यापारी के रूप में संबद्ध है तो उत्पादन या व्यापार का आयतन।

क्रम सं.	निर्यातित मद का नाम	मद का कोड	उत्पादन/व्यापार आयतन	मूल्य रुपयों में

8. क्या आवेदक किसी मान्यता प्राप्त चैम्बर या व्यापार संघ का सदस्य है हाँ नहीं  
यदि हाँ तो चैम्बर/संघ का नाम----- ; ; ; ;

#### 9. संलग्नकों की सूची

घोषणा :-

मैं/हम घोषित करता हूँ/करते हैं कि ऊपर जो कहा गया है, ठीक है।

1. आवेदक के हस्ताक्षर :-
2. बड़े अक्षरों में नाम :-
3. पद :-
4. निवास का पूरा पता :-
5. दिनांक :-

टिप्पणी (1) यदि आवेदक किसी भी कालम का उत्तर देने में असमर्थ रहते हैं तो वे इसका स्पष्ट उतर दें।

(2) आगम या गलत सूचना देने वाले आवेदक भविष्य में लाइसेंस प्राप्त करने से वंचित हो जाएगा।

(3) आवेदन-पत्र स्वामी भागोदार या प्रबन्धक, फर्म के निदेशक या फर्म की ओर से किसी विधिक घोषणा पर हस्ताक्षर करने के लिए विधिवत प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति की स्थिति का स्पष्ट रूप से उद्घाषा दिया जाना चाहिए।

## प्रपत्र—बी—एक्स

नियंत्रित-वस्तु का डाक द्वारा निर्यात करने के लिए लाइसेंस का आवेदन प्रपत्र

(i) आई. ई. सी. संख्या

(1) आवेदक का नाम

(2) डाक पता

अधोहस्ताक्षरी नीचे दिए गए सामान का डाक से निर्यात करने के लिए लाइसेंस लेने के लिए एतद्द्वारा आवेदन करता है जिसके संबंध में भेजी गई सूचना सत्य और गद्दी है।

(3) निर्यात किए जाने वाले माल का विवरण :

क्रम संख्या	मद का नाम	मद कोड	मापक यूनिट		मात्रा	मूल्य (रुपयों में)
			नाम	कोड		

(4) परेषिती का नाम और पता :

(1) नाम

(2) पता

(5) क्या यह माल :

(1) व्यापारिक प्रयोजनार्थ

(2) व्यक्तिगत

(6) उस डाक-घर का नाम, जहाँ से पार्सल भेजे जाएंगे

तिथि ..... (या

(आवेदक को इसके नीचे की प्रविष्टि खाली छोड़ दे

ऊपर दी गई वस्तुओं (संख्या .....

कृते संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात जारी करने

1. यह प्रपत्र दो प्रतियों में पूरे व्यारे भरने के बाद लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए और लाइसेंस मिल जाने पर उसे पार्सल के साथ उस डाक घर को सौंप दिया जाना चाहिए जहाँ से पार्सल भेजा जा रहा है।

2. मद-1 के सामने के माल का विवरण, मात्रा और मूल्य का उल्लेख करते समय पार्सलों की संख्या और प्रत्येक पार्सल में सामान की मात्रा का भी उल्लेख किया जाना चाहिए।

3. एक लाइसेंस में आने वाले सभी पार्सलों का एक ही किश में डाक से भेजा जाना चाहिए।

## क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बन्धपत्र के निष्पादनार्थ नोट

1. यदि नियतकर्ता एकमात्र स्वत्वधारी फर्म है तो यह क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बन्धपत्र, उक्त एकमात्र स्वत्वधारी फर्म के एकमात्र स्वत्वधारी द्वारा अपने माता-पिता के नाम और सम्पूर्ण डाक पते के साथ निष्पादित किया जाएगा।

2. यदि नियतकर्ता एक भागीदारी फर्म है तो यह क्षतिपूर्ति-एवं-प्रत्याभूति बन्धपत्र, भागीदारी विलेख में विनिर्दिष्ट सभी भागीदारों के या प्रबन्धक भागीदारी के, यदि भागीदारों विलेख में ऐसा विनिर्दिष्ट है माध्यम से, भागीदारी फर्म के नाम में, भागीदारों/प्रबन्धक भागीदार के

पते तथा उस स्थान के उल्लेख के साथ निष्पादित किया जाएगा, जहां भागीदारी फर्म का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है।

3. यदि नियतकर्ता एक लिमिटेड कम्पनी है तो यह प्रत्याभूति बन्धपत्र कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक द्वारा कम्पनी की मुद्रा के साथ और कम्पनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय को भी विनिर्दिष्ट करते हुए निष्पादित किया जाएगा।

4. प्रत्याभूति बैंक की ओर से यह बन्धपत्र राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रत्याभूति बैंक की शासकीय मुद्रा के साथ निष्पादित किया जाएगा।

## परिशिष्ट 4 की सूची 1 की मर्कों के लिए

## अतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बचनबंध

(कम से कम 15 रुपए पृथक् के व्यापिक/र स्टाम्प पत्र पर, यदि दिल्ली राज्यक्षेत्र में निष्पादित किया जाता है या उतनी रकम के, जितना उस संबंधित राज्य के स्टाम्प कलक्टर द्वारा जहाँ वंत्रपत्र निष्पादित किया जा रहा है, विहित किया जाए, निर्यातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता बैंक द्वारा निष्पादित किया जाए)

## 2. सेवा में,

भारत का राष्ट्रपति  
मार्फत

आयात और निर्यात संयुक्त मुख्य नियंत्रक/  
आयात और निर्यात उप-मुख्य नियंत्रक,  
(पूरा पता)

यह विनियम आज तारीख..... की

- (1) श्री/मैसर्स .....  
(निर्यातकर्ता/निर्यातकर्ता फर्म का पूरा नाम तथा सम्पूर्ण डाक-पता), जिसे इसमें इसके पश्चात् "निर्यातकर्ता" कहा गया है (जिसके अंतर्गत उसके वारिस, उत्तराधिकारी, प्रशासन, शासकीय परिचालक और अनुज्ञात समुदेशिनी भी समझे जाएंगे) के द्वारा प्रथम पक्षकार के रूप में
- (2) मैसर्स .....  
(प्रत्याभूतिदाता बैंक का पूर्ण विवरण तथा उस कार्यालय अथवा शाखा का सम्पूर्ण डाक-पता जहाँ से यह प्रत्याभूति बंधपत्र निष्पादित किया गया है) जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रत्याभूतिदाता" कहा गया है (जिसके अंतर्गत उसके उत्तराधिकारी, प्रशासन और शासकीय परिचालक भी समझे जाएंगे) के द्वारा दूसरे पक्षकार के रूप में निष्पादित किया गया।

ऊपर नामित पक्षकार, आयात और निर्यात संयुक्त मुख्य/उप-मुख्य नियंत्रक के माध्यम से कार्यरत भारत के राष्ट्रपति के प्रति, जिसे इसमें इसके पश्चात् "सरकार" कहा गया है, संयुक्त और पृथक् बचनबंध हैं और पुत्रपूर्वक प्राबद्ध हैं।

यह कि भारत सरकार ने वाणिज्य मंत्रालय में आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक के माध्यम से माल का निर्यात करने के लिए उक्त नीति (जिसे संक्षेप में आगे "निर्यात नीति" कहा गया है) में विनिर्दिष्ट निबंधनों और शर्तों पर माल का निर्यात करने के लिए एक निर्यात नीति बनाई है। यह निबंधन और शर्तें उक्त निर्यात नीति के अधीन जारी की जाने वाली निर्यात अनुज्ञप्ति में और विस्तार से स्पष्ट किए जाएंगे तथा जो सरकार/आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक द्वारा जारी की गई अन्य अधिसूचनाओं या कार्यकारी अनुदेशों के आधार पर भी होंगी।

यह कि ऊपर नामित निर्यातकर्ता ने पूर्वोक्त निर्यात नीति के अधीन माल के निर्यात के लिए एक निर्यात अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन किया है।

और यह कि पूर्वोक्त निर्यातकर्ता, निर्यात अनुज्ञप्ति के लिए उसके आवेदन पर विचार करने के लिए सरकार के सहमत हो जाने के प्रतिफल-स्वरूप एक अतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र प्रस्तुत करने के लिए सहमत हो गया है।

और यह कि ऊपर नामित प्रत्याभूतिदाता सरकार द्वारा निर्यात नीति के अन्तर्गत एक निर्यात अनुज्ञप्ति की मंजूरी देने पर विचार करने

के लिए सहमत हो जाने के प्रतिफल-स्वरूप प्रत्याभूति बंधपत्र के संदाय को प्रत्याभूति देने के लिए सहमत हो गया है और उक्त बचनबंध किया है।

और यह कि ऊपर नामित निर्यातकर्ता तथा प्रत्याभूति दाता बैंक अभिव्यक्त रूप से और अप्रतिस्पर्धी रूप से, निर्यात अनुज्ञप्ति के लिए किए गए आवेदन में उल्लिखित माल का निर्यात करने के लिए बचनबंध करते हैं और करार करते हैं। उन्होंने सरकार की निर्यात नीति में अधिकृत प्रक्रिया निर्बंधनों और शर्तों का पालन करने का तथा निर्यात अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट किए जाने वाले नियमों और शर्तों का भी पालन करने का बचनबंध किया है।

अब हम उपर्युक्त बचनबंधपत्र की शर्तें विनिरिखित हैं:—

- (1) यह कि निर्यात अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट माल के निर्यात के लिए एक नियमित अनुज्ञप्ति निर्यातकर्ता की मंजूरी कर दिए जाने की दशा में निर्यातकर्ता निर्यात अनुज्ञप्ति में अंतर्विष्ट सभी बाधनाओं, निबंधनों और शर्तों का निष्ठापूर्वक पालन करेगा तथा यह भारत सरकार/आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक के द्वारा भारत निर्यात से संबंधित और/या प्रानुज्ञात, जारी की गई किसी भी प्रतिपूर्ति/कार्यपालक अनुदेशों का तथा निर्यात नीति में विनिर्दिष्ट सभी शर्तों और बाधनाओं का भी पालन करेगा; और निर्यातकर्ता निर्यात अनुज्ञप्ति के जारी किए जाने की तारीख से छह मास के भीतर या अनुज्ञापन वर्ष की 31 मार्च की तारीख तक, इनमें से जो भी पहले हो, निर्यात अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट वस्तु/वस्तुओं का पूर्णरूपेण निर्यात कर देगा।
- (2) यह कि निर्यातकर्ता को एक निर्यात अनुज्ञप्ति मंजूर कर दिए जाने की दशा में, जो कि पालन अनुज्ञप्ति/पत्र वृत्त में क्या/अंतर्विष्ट निर्यात बाधनाओं से संबंधित है, निर्यातकर्ता उक्त निर्यात अनुज्ञप्ति की विधिमाम्यता के दौरान या उक्त अनुज्ञप्ति की विधि साम्यता की विस्तारित अवधि के दौरान, निर्यात अनुज्ञप्ति में अनुबद्ध शर्तों का पालन करने का बचाव करता है।
- (3) यह कि यदि निर्यातकर्ता, निर्यात नीति के अनुसार और निर्यात अनुज्ञप्ति में अंतर्विष्ट निर्बंधनों के अनुसार निर्यात बाधनाओं को सरकार के पूर्ण समाधानप्रद रूप में पूरा नहीं करता है, जो समाधान अंतिम होगा, तो निर्यातकर्ता यह बचनबंध करता है और करार करता है कि.....रुपए की रकम (जो कि उक्त निर्यात के वांछनीय निशुल्क पृथक् के 1 प्रतिशत के बराबर है, जिसे निर्यात बाधना के अनुसार निर्यात करने का बचनबंध किया गया है) सरकार को समपूत हो जाएगी।
- (4) यह कि निर्यातकर्ता यह भी करार करता है कि और बचनबंध करता है कि निर्यात अनुज्ञप्ति में उल्लिखित निर्यात बाधना को पूरा करने में निर्यातकर्ता द्वारा अंतर्गत किए जाने की दशा में निर्यातकर्ता के विशेष व्यक्तियों द्वारा माल के निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1947, या निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1983 के उपबन्धों के अधीन निर्यात कार्यवाही की जा सकेगी।
- (5) यह कि ऊपर नामित प्रत्याभूतिदाता बैंक अभिव्यक्त रूप से और अप्रतिस्पर्धी रूप से सरकार की ओर से लिखित मांग किए जाने पर, पूर्णतः या आंशिक रूप से भी सरकार द्वारा या इसके द्वारा अधिकृत किया गया यातारी द्वारा

जारी किए गए माँगपत्र में संसूचित की जाए, .....  
 बपए (जो उस निर्यात के पोतपर्याप्त निःशुल्क मूल्य के 1 प्रतिशत के बराबर है जिसे निर्यात करने के लिए निर्यातकर्ता ने निर्यात अनुज्ञप्ति के आवेदन में वचनबद्ध किया था) की रकम का तुरन्त संदाय करने की प्रत्याभूति देता है; और प्रत्याभूतिदाता अग्रिम, तथा ऊपर नामित निर्यातकर्ता को यदि निर्देश किए बिना, सरकार द्वारा ऊपर नामित निर्यातकर्ता से मांगी गई किसी रकम का सरकार को संदाय करेगा तथा प्रत्याभूतिदाता अभिव्यक्त रूप से और अप्रतिहरणीय रूप से अधिकतम ..... हुआ तक का, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, संदाय करने की प्रत्याभूति-देता है और क्षतिपूर्ति करने का वचनबद्ध करता है।

(6) यह कि ऐस किसी अधिकार के होते हुए भी जो सरकार को ऊपर नामित निर्यातकर्ता के विरुद्ध सीधा प्राप्त हो, या निर्यातकर्ता द्वारा किसी भी रूप में खड़े किए गए किसी विवाद के होते हुए भी, सरकार की लिखित मांग, प्रत्याभूतिदाता बैंक से आवश्यक व्योरे का यह कथन करेगी कि पूर्वोक्त निबंधनों और शर्तों के अधीन तथा निर्यात नीति और तदनुसार जारी किए जाने वाली निर्यात अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों के अधीन, प्रत्याभूतिदाता से सरकार के द्वारा वह रकम मांगी गई है; और सरकार द्वारा की गई ऐसी मांग प्रत्याभूतिदाता के लिए अग्रिम और बाध्यकर होगी।

(7) यह कि यह क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र और इसमें वर्णित निर्यातकर्ता तथा प्रत्याभूतिदाता की बाध्यताएं निर्यात अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिये पूर्णतः प्रवृत्त रहेंगी; और यदि उक्त अवधि के दौरान सरकार के पूर्ण और अंतिम समाधानप्रद रूप में निर्यातकर्ता की सभी बाध्यतायें सम्यक्तः पूरी और उन्मोचित नहीं की जाती हैं तो प्रत्याभूतिदाता और निर्यातकर्ता इस बात के लिये करार करते हैं और वचनबद्ध करते हैं कि वे इस क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र की विधिमाम्यता की अवधि को उत्तरी और अवधि के लिये बढ़ा देंगे जितनी सरकार द्वारा अपेक्षा की जाये।

(8) यह कि सरकार और निर्यातकर्ता के बीच किसी ठहराव या परिवर्तन से या निर्यातकर्ता को उसकी सहमति या ज्ञान के बिना या ज्ञान से सरकार की ओर से दिखाई गई किसी उदारता से या निर्यातकर्ता की बाध्यता में किसी परिवर्तन से या संदाय, समय पालन या अन्यथा के संबंध में किसी प्रवृत्ति से, प्रत्याभूतिदाता इस वचनबद्ध और इस प्रत्याभूति से उन्मोचित नहीं होगा।

(9) यह क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र तब तक विधिमाम्य और पूर्णतः प्रवृत्त रहेगा जब तक निर्यातकर्ता की सभी बाध्यताएं सरकार के पूर्ण समाधानप्रद रूप में, जो कि अंतिम होगा, सम्यक्तः पूरी नहीं हो जाती और जब तक कि निर्यात नीति आदि के अधीन निर्यातकर्ता द्वारा दिये गये वचन और बाध्यताएं, सरकार के पूर्ण समाधानप्रद रूप में पूरी नहीं हो जाती और जब तक सरकार द्वारा प्रत्याभूतिदाता को लिखित संसूचना नहीं दी जाती।

(10) यह कि ऊपर नामित क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र निरन्तर बनी रहने वाली क्षतिपूर्ति और प्रत्याभूति होगा और

यह निर्यातकर्ता या प्रत्याभूतिदाता के गठन में किसी प्रकार के परिवर्तन से उन्मोचित नहीं होगा। ऊपर नामित पक्षकारों द्वारा इस बारे में भी क्षतिपूर्ति की जाती है कि इस बंधपत्र के अधीन प्रत्याभूतिदाता द्वारा, सरकार को किया जाने वाला संज्ञान सरकार की ओर से या सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी की ओर से लिखित मांग प्राप्त होने के तुरन्त पश्चात्, कर दिया जायेगा।

(11) यह कि यह क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र लोकहित के प्रयोजन के लिये ऊपर नामित पक्षकारों द्वारा निष्पादित किया जाता है।

(12) यह कि उपरोक्त क्षति पूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र निर्यातकर्ता को और प्रत्याभूतिदाता की सभी बाध्यतायें सरकार के पूर्ण और अंतिम समाधानप्रद रूप में सम्यक्तः पूरी हो जाने के पश्चात्, जैसा कि ऊपर विनिर्दिष्ट किया गया है, और सरकार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिखित रूप में प्रत्याभूतिदाता को ऐसा समाधान संसूचित कर दिये जायेंगे के पश्चात् शून्य हो जायेगा।

इसके साथ स्वरूप ऊपर नामित निर्यातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता ने ऊपर लिखित तारीख को यह विलेख सम्यक्तः निष्पादित किया है। इस विलेख पर निम्नलिखित साक्षियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये गये इसे मोहरबंद किया गया और परिवर्तन किया गया।

साक्षी :

1. निर्यातकर्ता का सम्पूर्ण विवरण जो स्टार्डिपेनडियरी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक के समक्ष अधिप्रमाणित किया जायेगा और इसका प्रतिज्ञान किया जायेगा।

2. प्रत्याभूतिदाता का सम्पूर्ण विवरण जो राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक के लिये और उसकी ओर से बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, बैंक की मुद्रा के साथ निष्पादित किया जायेगा।

## परिशिष्ट 4 की सूची 2 की मदों के लिए

## अतिरिक्त एवं प्रत्याभूति बचनबंध

(कम से कम 15 रुपये मूल्य के प्रत्याभूतिदाता शासक पत्र पर, जो कि किसी राज्य क्षेत्र में निष्पादित किया जाता है या उसका एक भाग है, जिसका उस संबंधित राज्य के रजिस्ट्रार क्लर्क द्वारा जहाँ बंधपत्र निष्पादित किया जा रहा है, जस्टिफ किया जाये, निर्यातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता बैंक द्वारा निष्पादित किया जाये)

2 गया में,

भारत का राष्ट्रपति

मान्य

आन्ध्र और निर्यात संयुक्त मुख्य निर्यातक/

आयात और निर्यात उप-मुख्य निर्यातक,

(गुवा गटा)

यह विवेक आज तारीख-----को

(1) श्री/मैसर्स-----को

(निर्यातकर्ता/निर्यातकर्ता कर्म का पूरा नाम तथा सम्पूर्ण डाक पता), जिसे इसमें इसके पश्चात् "निर्यातकर्ता" कहा गया है (जिसके अन्तर्गत उसके कारिरा, उत्तराधिकारी, प्रशासक, शासकीय परिसमापक और अनुज्ञात समनुदेशितों भी समझे जायेंगे) के द्वारा प्रथम पक्षकार के रूप में

(2) मैसर्स-----

(प्रत्याभूतिदाता बैंक का पूर्ण विवरण तथा उस कार्यालय अथवा शाखा का सम्पूर्ण डाक-पता जहाँ से यह प्रत्याभूति बंधपत्र निष्पादित किया गया है) जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रत्याभूतिदाता" कहा गया है (जिसके अन्तर्गत उसके उत्तराधिकारी, प्रशासक और शासकीय परिसमापक भी समझे जायेंगे) के द्वारा दूसरे पक्षकार के रूप में निष्पादित किया गया।

ऊपर नामित पक्षकार, आयात और निर्यात संयुक्त मुख्य/उप-मुख्य निर्यातक के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति के प्रति, जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "सरकार" कहा गया है, संयोजन और पृथक् वक्तव्य दे और दृढतापूर्वक आबद्ध है।

यह कि भारत सरकार ने बाणिज्य मंत्रालय में आयात और निर्यात मुख्य निर्यातक के माध्यम से माल का निर्यात करने के लिये उक्त नीति (जिसे संक्षेप में आगे "निर्यात नीति" कहा गया है) में विनिर्दिष्ट निबंधनों और शर्तों पर माल का निर्यात करने के लिये एक निर्यात नीति बनाई है। ये निबंधन और शर्तें सरकार/आयात और निर्यात मुख्य निर्यातक द्वारा जारी की गई अन्य अधिमूचनाओं या कार्यपालक अनुदेशों के आधार पर भी होंगी।

यह कि ऊपर नामित निर्यातकर्ता ने पूर्वोक्त निर्यात नीति के अधीन -----माल के निर्यात के लिये एक निर्यात अनुज्ञप्ति के लिये आवेदन किया है।

और यह कि पूर्वोक्त निर्यातकर्ता, उसके लिये निर्यात अनुज्ञप्ति मंजूर करने के लिये सरकार के सहमत हो जाने के प्रतिफलस्वरूप एक प्रतिभूति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र प्रस्तुत करने के लिये सहमत हो गया है।

और यह कि ऊपर नामित प्रत्याभूतिदाता सरकार द्वारा निर्यात नीति के अधीन एक निर्यात अनुज्ञप्ति की मजूरी दे देने के प्रतिफलस्वरूप प्रत्याभूत रकम के संदाय की प्रत्याभूति देने के लिये सहमत हो गया है और उसने वचनबंध किया है।

और यह कि ऊपर नामित निर्यातकर्ता तथा प्रत्याभूतिदाता बैंक अभिव्यक्त रूप से और अप्रतिमंहरणीय रूप से निर्यात अनुज्ञप्ति में उपर्युक्त माल का निर्यात करने के लिये वचनबंध करते हैं और करार करते हैं। उन्होंने सरकार की निर्यात नीति में अधिकृत प्रक्रिया, निबंधनों और शर्तों का पालन करने के लिये तथा निर्यात अनुज्ञप्ति में

विनिर्दिष्ट किये जाने वाले निबंधनों और शर्तों का भी पालन करने का वचनबंध किया है।

उपर्युक्त वचनबंधपत्र की शर्तें निम्नांकित हैं :—

(1) यह कि निर्यातकर्ता, निर्यात अनुज्ञप्ति में अन्तर्लिखित सभी बाध्यताओं, निबंधनों और शर्तों का निष्ठापूर्वक पालन करेगा तथा वह भारत सरकार/आयात और निर्यात मुख्य निर्यातक के द्वारा उक्त निर्यात से संबंधित और/या आनुषंगिक जारी की गई किसी भी अधिमूचना/कार्यपालक अनुदेशों का तथा निर्णित नीति में विनिर्दिष्ट सभी शर्तों और बाध्यताओं का भी पालन करेगा; और निर्यातकर्ता निर्यात अनुज्ञप्ति के जारी किये जाने की तारीख से छह मास के भीतर या अनुज्ञापन वर्ष की 31 मार्च की तारीख तक, इनमें से जो भी पहले हो, निर्यात अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट वस्तु/वस्तुओं का पूर्णरूपेण निर्यात कर देगा।

(2) यह कि निर्यातकर्ता को एक निर्यात अनुज्ञप्ति मंजूर कर दिये जाने की दशा में, जो कि अंतिम अनुज्ञप्ति/पास बुक में यथा-अन्तर्लिखित निर्यात बाध्यता से संबद्ध है, निर्यातकर्ता उक्त निर्यात अनुज्ञप्ति की विधिमाय्यता के दौरान या उक्त अनुज्ञप्ति की विधिमाय्यता की विस्तारित अवधि के दौरान, निर्यात अनुज्ञप्ति में अनुबद्ध शर्तों का पालन करने का वचनबंध करता है।

(3) यह कि यदि निर्यातकर्ता निर्यात नीति के अनुसार, और निर्यात अनुज्ञप्ति में अन्तर्लिखित निबंधनों के अनुसार, निर्यात बाध्यताओं को सरकार के पूर्ण समाधानप्रद रूप में पूरा नहीं करता है, जो समाधान अंतिम होगा, तो निर्यातकर्ता यह वचनबंध करता है और करार करता है कि-----रूपये की रकम (जो कि उक्त निर्यात के पोतार्थ्य निःशुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत के बराबर है, जिसे निर्यात बाध्यता के अनुसार निर्यात करने का वचनबंध दिया गया है) सरकार को गमपहत हो जायेगी।

(4) यह कि निर्यातकर्ता यह भी करार करता है और वचनबंध करता है कि निर्यात अनुज्ञप्ति में उल्लिखित निर्यात बाध्यता का पूरा करने में निर्यातकर्ता द्वारा व्यतिक्रम किये जाने की दशा में, निर्यातकर्ता के विरुद्ध सरकार के द्वारा आयात और निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1947 तथा निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1988 के उपबंधों के अधीन, विधिक कार्यवाही की जा सकेगी।

(5) यह कि ऊपर नामित प्रत्याभूतिदाता बैंक अभिव्यक्त रूप से और अप्रतिमंहरणीय रूप से सरकार की ओर से लिखित मांग किये जाने पर, पूर्णतः या भाग्यतः जो भी सरकार द्वारा या इसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा जारी किये गये मांगपत्र में संयुक्त किया जाये-----रूपये (जो उक्त निर्यात के पोतार्थ्य निःशुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत के बराबर है, जिसे निर्यात करने के लिये निर्यातकर्ता ने निर्यात अनुज्ञप्ति के आवेदन में वचनबंध किया था) की रकम का तुरन्त संदाय करने की प्रत्याभूति देता है, और प्रत्याभूतिदाता, अविलम्ब तथा ऊपर नामित निर्यातकर्ता को कोई निर्देश किये बिना, सरकार द्वारा ऊपर नामित निर्यातकर्ता से मांगी गई किसी रकम का सरकार को संदाय करेगा; तथा प्रत्याभूतिदाता अभिव्यक्त रूप से और अप्रतिमंहरणीय रूप से अधिकतम -----रूपये तक का, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, संदाय करने की प्रत्याभूति देता है और क्षतिपूर्ति करने का वचनबंध करता है।

- (6) यह कि ऐसे किसी अधिकार के होते हुए भी जो सरकार को ऊपर नामित निर्यातकर्ता के विरुद्ध प्राप्त हो, या निर्यातकर्ता द्वारा किसी भी रूप में उठाये गये किसी विवाद के होते हुए भी, सरकार की लिखित मांग, प्रत्याभूतिदाता बैंक से आवश्यक व्यौरे का यह कथन करेगी कि पूर्वोक्त निबंधनों और शर्तों के अधीन तथा निर्यात नीति और पहूने ही मंजूर कर दी गई निर्यात अनुज्ञापति के निबंधनों और शर्तों के अधीन, प्रत्याभूतिदाता से सरकार के द्वारा यह रकम मांगी गई है; और सरकार द्वारा की गई ऐसी मांग प्रत्याभूतिदाता के लिये अंतिम और बाध्यकर होगी।
- (7) यह कि यह क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र और इसमें वर्णित निर्यातकर्ता तथा प्रत्याभूतिदाता की बाध्यताएं निर्यात अनुज्ञापति की समाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए पूर्णतः प्रवृत्त रहेंगी; और यदि उक्त अवधि के दौरान सरकार के पूर्ण और अंतिम समाधानप्रद रूप में निर्यातकर्ता की सभी बाध्यताएं सम्यक्तः पूरी और उन्मोचित नहीं की जाती हैं तो प्रत्याभूतिदाता और निर्यातकर्ता इस बात के लिए करार करते हैं और वचनबंध करते हैं कि वे इस क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र की विधिमाल्यता की अवधि को उतनी और अवधि के लिए बढ़ा देंगे जितनी सरकार द्वारा अपेक्षा की जाए।
- (8) यह कि सरकार और निर्यातकर्ता के बीच किसी ठहराव या परिवर्तन से या निर्यातकर्ता को उसकी सहमति या ज्ञान के बिना या ज्ञान से, सरकार की ओर से दिव्वाई गई उदारता से या निर्यातकर्ता की बाध्यता में किसी परिवर्तन से या संदाय समय, पालन या अन्यथा के संबंध में किसी प्रवृत्ति से, प्रत्याभूतिदाता इस वचनबंध और इस प्रत्याभूति उन्मोचित से नहीं होगा।
- (9) यह क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र तब तक विधिमाल्य और पूर्णतः प्रवृत्त रहेगा जब तक निर्यातकर्ता की सभी बाध्यताएं सरकार के पूर्ण समाधानप्रद रूप में, जो कि अंतिम होगा, सम्यक्तः पूरी नहीं हो जाती और जब तक कि निर्यात नीति आदि के अधीन निर्यातकर्ता द्वारा दिए गए वचन और बाध्यताएं सरकार के पूर्ण समाधानप्रद रूप में पूरी नहीं हो जाती और जब तक सरकार द्वारा प्रत्याभूतिदाता को लिखित सूचना नहीं दे दी जाती।
- (10) यह कि ऊपर नामित क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र निरन्तर बनी रहने वाली क्षतिपूर्ति और प्रत्याभूति होगा और यह निर्यातकर्ता या प्रत्याभूतिदाता के गठन में किसी प्रकार के परिवर्तन से उन्मोचित नहीं होगा। ऊपर नामित पक्षकारों द्वारा इस बारे में भी क्षतिपूर्ति की जाती है कि इस बंधपत्र के अधीन प्रत्याभूतिदाता द्वारा, सरकार को किया जाने वाला संदाय, सरकार की ओर से या सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी

की ओर से, लिखित मांग प्राप्त होने के तुरन्त पश्चात् कर दिया जाएगा।

- (11) यह कि यह क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र लौट्टि के प्रयोजन के लिए ऊपर नामित पक्षकारों द्वारा निष्पादित किया जाता है।

- (12) यह कि उपरोक्त क्षतिपूर्ति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र, निर्यातकर्ता की और प्रत्याभूतिदाता की सभी बाध्यताएं सरकार के पूर्ण और अंतिम समाधानप्रद रूप में सम्यक्तः पूरी हो जाने के पश्चात् जैसा कि, ऊपर विनिर्दिष्ट किया गया है, और सरकार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिखित रूप में प्रत्याभूतिदाता को ऐसा समाधान संमूचित कर दिया जाने के पश्चात् शून्य हो जाएगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप ऊपर नामित निर्यातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता ने ऊपर लिखित तारीख को यह विलेख सम्यक्तः निष्पादित किया है। इस विलेख पर निम्नलिखित माक्षियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए, इसे मोहरबंद किया गया और परिदत्त किया गया।

साक्षी :

1.

1. निर्यातकर्ता का सम्पूर्ण विवरण जो स्ट्राइपेनडियरी प्रथम मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक समक्ष अधिप्रमाणित जाएगा और प्रतिज्ञान जाएगा।

2.

2. प्रत्याभूतिदाता का विवरण जो राष्ट्रीय सूचित बैंक के लिए उसकी ओर से बैंक के कृत अधिकारी द्वारा, की मुद्रा के साथ किया जाएगा।

### नमूनों के निर्यात के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

संबन्धित निर्यात संबंधित परिषद/पण्यवस्तु बोर्ड को भेजे जाते हैं।

1. आवेदक का नाम और पता
2. शाखाओं का नाम, यदि कोई हो और उनके पते।
3. उपक्रम का स्वरूप
  - क्या (क) स्वामित्व
  - (ख) साझेदारी
  - (ग) प्रा. लि. कम्पनी
  - (घ) सार्वजनिक लि. कम्पनी
4. स्वामियों/साझेदार/निदेशकों के नाम और पते।
5. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आबंटित निर्यात कोड संख्या।
6. लाईसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा आबंटित आयात-निर्यात कोड संख्या
7. स्थापना वर्ष
8. आवेदक के बैंक (बैंकों) का नाम।
9. निर्यात किए जाने वाले वांछित नमूनों के ब्यौरे
  - (क) मद का विवरण।
  - (ख) आयात व्यापार निर्यात वर्गीकरण यदि लागू हो।
  - (ग) मात्रा।
  - (घ) जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य
10. देश, जिसकी नमूनों का निर्यात किया जाना है।
11. सीमाशुल्क पोर्ट जहां से आवेदक नमूनों का निर्यात करने का इच्छुक है।
12. क्या आवेदक ने अब आवेदित पण्य वस्तुओं का गत वर्षों में निर्यात किया है, यदि नहीं तो अब निर्यात करने के लिए अनुमति प्राप्त करने के कारण बताए।
13. क्या आवेदक ने सदस्य के रूप में निर्यात संबंधित परिषद/पण्यवस्तु बोर्ड के पास नाम लिखाया है, या आवेदक के पास निर्यात संबंधित परिषद/पण्यवस्तु बोर्ड से प्राप्त किया हुआ वैध पंजीकरण एवं सदस्यता प्रमाण-पत्र है। यदि हां, तो कृपया सदस्यता प्रमाण-पत्र या पंजीकरण एवं सदस्यता प्रमाण-पत्र की सं. और जारी करने की तिथि बताएं।

मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जो कुछ भी उपर्युक्त बताया गया है वह सही है।

आवेदक के हस्ताक्षर.....

बड़े अक्षरों में नाम.....

पूरा पता.....

तिथि.....

**निर्यात संबंधन परिषद्/पण्यवस्तु बोर्ड****नमूनों के लिए निर्यात कार्ड**

मूल—निर्यातकों के लिए

द्वितीय प्रति—सीमाशुल्क के लिए

तृतीय प्रति —परिषद् / पण्य वस्तु —————बोर्ड के लिए

जारी करने की तिथि

1. निर्यातक का नाम और पता
2. निर्यातक कोड सं.
3. आयात—निर्यात कोड सं.
4. निर्यात किए जाने वाले अनुमित नमूनों का व्यौरा
  - (क) मद (मदों) का विवरण
  - (ख) आयात व्यापार निर्यात वर्गीकरण, यदि कोई हो
  - (ग) मात्रा
  - (घ) जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य
5. किन देश/देशों को अनुमित किया गया है

टिप्पणी : (क) निर्यात नीति 1988-91 (के खुले सामान्य लाईसेंस-2 में यथा-निहित प्रावधान निर्यात के लिए अनुमित नमूनों के संबंध में लागू होंगे।

(ख) लाईसेंसिंग अवधि के समाप्त होने पर बचे नमूनों की बकाया मात्रा की अगली लाईसेंसिंग अवधि में ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) इस कार्ड की वैधता अवधि केवल एक लाईसेंसिंग वर्ष होगी। यह कार्ड लाईसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को स्वतः समाप्त हो जाता है।

सचिव/कार्यकारी निदेशक के हस्ताक्षर

परिषद्/पण्य वस्तु बोर्ड की सील--

## नियति लाइसेंसिंग के प्रयोजनार्थ क्षेत्राधिकार

1. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात, (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र), इन्द्रप्रस्थ भवन, "ए" विंग, नई दिल्ली-110002  
हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं जम्मू और काश्मीर, उत्तर प्रदेश के छः जिले नामतः मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, मुजफ्फर नगर, सहारनपुर तथा मुरादाबाद और संघ शासित क्षेत्र दिल्ली और चण्डीगढ़।
2. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 4, एस्प्लेनेड ईस्ट, कलकत्ता-700069.  
पश्चिमो बंगाल, बिहार, उड़ीसा एवं सिक्किम तथा संघ शासित क्षेत्र अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह।
3. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, न्यू सेन्ट्रल गवर्नमेंट प्राफिसेज बिल्डिंग, एम. ई. विंग, न्यू मैरीन लाईन्स, चर्च गेट, बम्बई 400020.  
महाराष्ट्र और गोवा राज्य तथा संघ शासित क्षेत्र दमन और दीव, दारार और नगर हवेली।
4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 197, पोस्ट रोड, रॉयपेट, मद्रास-600014.  
तमिलनाडु राज्य (कोयम्बटूर जिले को छोड़कर) और संघ शासित क्षेत्र पाण्डिचेरी।
5. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, "ए" ब्लॉक, बहुमंजली बिल्डिंग, लालदरवाजा, अहमदाबाद।  
गुजरात
6. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बी. डब्ल्यू एस. बी. विंग, सानवी मंजिल, कावेरी भवन, बंगलौर।  
कर्नाटक राज्य (मंगलूर जिले को छोड़कर)
7. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 117/एल/414, काकादेव, कानपुर-208025  
उत्तर प्रदेश, उन क्षेत्रों को छोड़कर जहाँ संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र), नई दिल्ली और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, वाराणसी के क्षेत्राधिकार में हैं।
8. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 5-9-22/1/16, दमयन्ती चैम्बर्स, आदर्श नगर, हैदराबाद-500483  
आन्ध्र प्रदेश
9. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, मकान नं० 36/862 "ए", चित्तूर रोड, एनाकुलम, कोचीन-682011.  
केरल राज्य, कोयम्बटूर जिला (तमिलनाडु राज्य) कर्नाटक राज्य का मंगलूर जिला और संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप।
10. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, तीसरी मंजिल, गुरुतेगबहादुर कम्प्लेक्स, न्यू मार्केट, भोपाल-462003.  
मध्य प्रदेश
11. उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, जी. बी. आर बिल्डिंग, माल रोड, अमृतसर।  
पंजाब
12. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर-302005.  
राजस्थान
13. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, आर. सी. बरुआ रोड, गुवाहाटी-781024  
असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय।
14. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, एस. एन.-15/121, ऋषिपत्तन मार्ग, सारनाथ रोड, सारनाथ, वाराणसी-221007  
उत्तर प्रदेश के वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर, आजमगढ़, बलिया, देवरिया, गोरखपुर और घन्टा जिले।

## निर्यात असबाब नियम

## भारत से बाहर जाने वाले व्यक्तियों का वास्तविक व्यक्तिगत सामान:

निर्यात-व्यापार नियन्त्रण संबंधी प्रतिबंधों से छूट देने के लिए वास्तविक सामान में निम्नलिखित अप्रयुक्त और प्रयुक्त वस्तुएं निम्नीरित सीमा तक शामिल होंगी, बशर्ते कि वे वस्तुएं यात्री या उसके साथ यात्रा करने वाले उसके परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए हों और वे वस्तुएं बेचने के लिए न हों, या दूसरी पार्टियों के नाम स्थानान्तरित करने के लिए न हों।

निर्यात (नियन्त्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची-1 के भाग 'क' में निविष्ट जंगली जीव को (जीवित या मृत या उनका कोई भाग या उनसे बनी वस्तुओं को) व्यक्तिगत सामान का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

**टिप्पणी :—**उन पशुओं की जातियों का निर्यात जो जंगली फोना और फ्लोरा (सी. आई. टी. ई. एस.) की संकटापन्न जातियों के लिए हुए अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार विषयक सम्मेलन के किसी भी परिशिष्ट में शामिल है तो सी. आई. टी. ई. एस. के अन्तर्गत वे विनियमन एवं क्षेत्रीय सहायक निदेशक, जंगली जीव संरक्षण, भारत सरकार द्वारा, विशेष जांच के अधीन होंगे।

## (क) प्रयुक्त वस्तुएँ :—

- (1) पहनने वाले कपड़े
- (2) व्यक्तिगत और घरेलू सामान, जैसे बिस्तर की चादरें, कम्बल, तौलिये, घरेलू चादरें; इस्तेमाल किए हुए सभी प्रकार के जूते, चश्मे और धूप के चश्मे, सिगरेट केस, ऐश ट्रे, कागज की बनी कश्मीर की कलात्मक वस्तुएं, प्रखरोट की लकड़ी से बनी छोटी वस्तुएं, अर्थात् स्टूल, चाय की छोटी मेजें, मेजों की कुर्सियाँ, केप—कोट आदि, पर्दे, भेज-भोश, गद्दियों के गिलाफ, टी-काजियाँ, रसोई में इस्तेमाल किए हुए पीतल, एल्यूमीनियम या ताम्बे के बर्तन, ऐसी भारतीय कलाकृतियाँ, "जो चीते, तेंदुए या बाघ या ऐसे किसी अन्य जंगली जानवर की छाल की न बनी हों और जो निर्यात (नियन्त्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची-1 के भाग "क" में शामिल हों। बटन और कफलिक, चांदी को छोड़कर अन्य धातुओं से बने छुरी-कांटे, चीनी के घरेलू बर्तन, मिट्टी के बर्तन, और कांच के बर्तन, चमड़े के सूट-केस, हैन्ड-बैग, घोंड़ों आदि के जीन और साज, चमड़े के सभी प्रकार के बाइ-यंत्र तथा जूते, सभी प्रकार के ग्रामोफोन और रिकार्ड, फ्रेमयुक्त तथा बिना फ्रेम की पिकचरें और चित्र डाक-टिकट, छपी हुई पुस्तकें, खिलौने, खेलों का आवश्यक सामान, ग्रामीण खेलों के लिए पैराम्बुलेटर, टाइलेंट आवश्यक सामान श्रृंगार प्रसाधन का सामान, ऊनी हूजर, फर्श के ऊनी कार्पेट पॉव-पोश, और पश्मीना के शाल हों।

- (3) कैमरा, बड़ियाँ, फाउन्टेन पेन दो-दो नग प्रति या
- (4) टाइपराइटर एक-एक नग प्रति बयस्क यात्री।

- (5) चलचित्र के घरेलू उपकरण, वायर लेस, रिसप्लान सैट (रेडियो) आदि और सिज़ार्ड की मशीन (विदेशी या भारतीय) — एक-एक प्रति परिवार।
- (6) दीवार-बड़ियाँ या टाइममीन, दूरबीन, साइकिलें, (विदेशी या भारतीय) — एक-एक प्रति बयस्क यात्री।
- (7) बिजली के छोटे-मोटे उपकरण, जैसे टैबल-फैन, लैम्प, केतली, इस्त्री, प्लग, साकेट आदि उचित मात्रा में।
- (8) ऐसे व्यावसायिक औजार, उपकरण और साधन, जिनकी यात्री को अपने इस्तेमाल के लिए जरूरत होती है, जैसे शिल्पकार के औजार, चिकित्सा या शल्य चिकित्सा के ऐसे उपकरण, जिन्हें वे सामान्यतः अपने साथ रखते हैं।
- (9) चांदी के घरेलू बर्तन और फर्नीचर सामान्यतः थोड़े समय के लिए भारत से बाहर छुट्टी पर जाने वाले व्यक्तियों को चांदी के घरेलू बर्तन या फर्नीचर अपने साथ ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अन्य मामलों में इन वस्तुओं का निर्यात करने को अनुमति नीचे दी गई सीमा या मूल्य तक ही दी जाएगी।

(क) जो यात्री बाहर से भारत आये हों और लम्बे समय तक यहाँ रहने के बाद हमेशा के लिए देश छोड़कर जा रहे हों, वे अपने साथ 3,000/- रु. तक के चांदी के बर्तन आदि ले जा सकते हैं। यह सुविधा उन विदेशियों के लिए भी होगी जो भारत में 2 से 3 वर्ष तक या अधिक अवधि से रह रहे हों और उसके बाद अपने देश को चले जाते हों।

(ख) कभी-कभी थोड़े समय के लिए विदेश जाने वाले व्यक्ति प्रति व्यक्ति के हिसाब से 200/- रु. की वस्तु ले जा सकते हैं किन्तु एक परिवार 400/- रु. से अधिक का चांदी का सामान वह तभी ले जा सकता है, जब उस सामान का वह वास्तव में उपयोग करता रहा हो।

(ग) लम्बे समय तक देश में रहने के बाद विदेश जाने वाले व्यक्ति अपने साथ ऐसा फर्नीचर ले जा सकते हैं, जिसका वे इस्तेमाल करते रहे हों।

(घ) अनिश्चित काल के लिए या 6 महीने की अवधि तक विदेश में रहने के लिए जाने वाले व्यक्ति अपने साथ वास्तविक जरूरतों के लिए फर्नीचर ले जा सकते हैं।

## टिप्पणी :—

- (1) विदेश में प्रवास करने वाले भारतीय राष्ट्रिक या असीमित समय के लिए विदेश जाने वाले भारतीय राष्ट्रिक 2000/- रु. मूल्य के चांदी के बर्तन भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से ले जा सकते हैं।

- (2) भारतीय राष्ट्रिक विदेश में रहने वाले अपने सम्बन्धियों को चांदी से बनी वस्तुओं के उपहारों को उनके मूल्य को ध्यान में रखे बिना नहीं भेज सकते हैं।

- (3) प्रति परिवार 200 रुपए की दवा और औषधियां।

(ख) नयी वस्तुयें :—

- (1) सिलाई का धागा—1 किलोग्राम प्रति यात्री  
(2) सभी प्रकार के रंजक और रंग—500 ग्राम प्रति परिवार।  
(3) बिना धुली हुई फिल्में—4 स्पूल प्रति यात्री, बशर्ते कि यात्री अपने साथ कैमरा ले जा रहा हो।  
(4) धुली हुई फिल्में—उचित मात्रा में  
(5) खाद्य पदार्थ।

गेहूँ और गेहूँ का आटा— 9 किलोग्राम प्रति यात्री किन्तु प्रति परिवार 36 किलोग्राम से अधिक नहीं।

चावल —वही—

दालें —वही—

खाद्य-तेल —वही—

चीनी 4.5 किलोग्राम प्रति व्यक्ति किन्तु प्रति परिवार 18 किलो ग्राम से अधिक नहीं।

काली मिर्च और लाल मिर्च ] 1 किलोग्राम प्रति व्यक्ति किन्तु प्रति परिवार 4.5 किलोग्राम से अधिक नहीं।

चाय और काफी] प्रति व्यक्ति 1 किलोग्राम चाय और 2 किलोग्राम काफी।

मक्खन और घी 4.5 किलोग्राम प्रति यात्री किन्तु प्रति परिवार 18 किलोग्राम से अधिक नहीं।

इलायची 500 ग्राम प्रति यात्री किन्तु 5 या इससे अधिक सदस्यों के परिवार के लिए अधिक से अधिक दो किलोग्राम।

- (6) चाकलेट और चाकलेट से बनी मिठाई—उचित मात्रा में।

- (7) फलों की संसाधित वस्तुएं जैसे जैम, मारमलेड, जैली और चीनी में पकाये गये फल, शरबत और फलों के स्कवैश उचित मात्रा में।

- (8) अन्य खाद्य-पदार्थ, जैसे चटनी, मसाले, करी-पाउडर, इमली विविध प्रकार के मसाले (काली मिर्च और लाल मिर्च को, छोड़कर) काजू और अखरोट—उचित मात्रा में।

- (9) भारतीय मिठाइयां और घरकी बनी मिठाइयां—उचित मात्रा में।

- (10) भारतीय सुगंध से बना सामान अर्थात् सुगंध की बर्तों, सुगंध का नमकीन मांस और जैम—उचित मात्रा में।

- (11) केवल भारत में बने कपड़े और सिले-सिलाए वस्त्र आदि :—

(क) सूती कपड़ा या वस्त्र

(ख) रेशम या कृत्रिम रेशम का कपड़ा या वस्त्र

(ग) ऊनी कपड़ा

उपर्युक्त कपड़ों को वास्तविक उपयोग के सामान के रूप में निर्यात करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कि उनका निर्यात, व्यावसायिक प्रयोजनों के लिए या बैचने के लिए न किया गया हो।

(घ) गुनाई की ऊन केवल 2.25 किलोग्राम प्रति महिला।

- (12) जरी :—

(क) प्रति यात्री—2.25 किलोग्राम

(ख) प्रति परिवार—4.5 किलोग्राम

- (13) कश्मीर की कलात्मक वस्तुएं—उचित मात्रा में

- (14) भारत की बनी ऐसी कलात्मक वस्तुएं जो चीते, बाघ या तेंदुए या किसी ऐसे जंगली जानवरों की खाल से बनी हों, जिनके नाम निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग 'क' में शामिल हों ऐसे पर्यटकों के लिए, जिनके पास परमिट न हो 500 रु० तक सामान, किन्तु इसके लिए शर्त यह होगी कि वह सामान, पुरावस्तु (निर्यात-नियंत्रण) अविनियम, 1947 के अधीन न आता हो।

- (15) रमोई के नए बर्तन—जंगारोधी इस्पात और एल्युमीनियम बर्तनों को ले जाने पर कोई रोक नहीं है। यदि कोई यात्री निर्धारित सीमा से अधिक सामान ले जाना चाहता हो, तो उसे अनिवार्य वस्तुओं के लिए जांच निरोधक विभाग के लिए सहायक समाहर्ता से और निर्यात वस्तुओं के लिए निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से परमिट लेना चाहिए।

- (16) बिजली के बल्ब (विदेशी या भारतीय)—एक दर्जन प्रति परिवार

- (17) मोर के पंखों से बनी वस्तुएं—उचित मात्रा में।

(ग) शस्त्र और गोला बारूद :—

- (1) व्यक्तिगत शस्त्र और गोला बारूद साथ ले जाने की अनुमति उसी स्थिति में दी जाएगी जब यात्री के पास उनको रखने का वै लाइसेंस होगा या भारतीय शस्त्र अधिनियम के अधीन उनको ऐसे लाइसेंस रखने की छूट प्राप्त हो।

- (2) वह व्यक्ति, जिम्मे पुराने हथियारों के ऐसे असली प्रतिकृति खरीद रखे हों, जो भारत में नाकारा हो गए हों और वह उन्हें भारत से बाहर जाने समय अपने सामान के एक हिस्से के रूप में केवल 4 नग अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए साथ ले जाना चाहता है तो उसे इसको ले जाने की अनुमति ऐसे सीमा शुल्क प्राधिकारियों की मर्जी से दी जाए जो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता से कम न हों, और उसे बाहर जाने वाले पत्तन पर ऐसा वाउचर/बिक्री सीमा प्रस्तुत करना पड़ेगा जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि प्रतिहरों का निरीक्षण सक्षम प्राधिकारियों द्वारा कर लिया गया है।

2. निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबंध : ऐसी निर्यात वस्तुएं जो ऊपर के पैरा में न दी गई हों, उनके वैध निर्यात के लिए निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से लाइसेंस लेना जरूरी है। किन्तु सीमा शुल्क सहाहर्ता अपने विवेकाधिकार से नीचे दिए गए बातों के यात्रियों को उनके सामने गई सीमा तक निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबंधों से छूट दे सकता है बशर्ते कि उसे इस बात की तसल्ली हो जाए कि (क) सम्बन्धित सामान यात्रियों की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए है और (ख) सामान मुख्यतः भारत में ही उत्पादित है अथवा बनाया गया है :—

1. वास्तविक विदेशी पर्यटक : निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग - क में विशिष्टीकृत से सिद्ध माल को वे अपने

निवास के देश में घन की किसी निर्धारित सीमा के बिना ही ले जा सकते हैं। यदि वे सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को यह दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर देते हैं कि माल विदेशी मुद्रा में भुगतान के मद्दे खरीदा गया है। लेकिन, चांदी के बर्तनों की अनुमति केवल 200 रु० प्रति व्यक्ति होगी जो 400 रु० प्रति परिवार की सीमा के अधीन होगी।

2. विदेशी पर्यटकों से भिन्न यात्री :— विदेशी पर्यटकों से भिन्न यात्रियों द्वारा 2,000 रु. (केवल दो हजार रुपये) मूल्य तक की वस्तुएं, बाहर ले जाई जा सकती हैं। लेकिन, उपर्युक्त सीमा के भीतर, चांदी के बर्तनों की अनुमति केवल 200 रु. व्यक्ति होगी जो 400 रु. प्रति परिवार की अधिकतम सीमा के अधीन होगी।

3. व्यावसायिक नमूने :—व्यवसाय करने वाले यात्री उचित मात्रा में व्यावसायिक नमूने चाहे वे नियंत्रित वस्तुओं के क्यों न हों, ले जा सकेंगे।

#### 4. विदेशी मुद्रा विनियम।

##### (i) भारतीय मुद्रा

भारत से बाहर जाने वाले यात्री अपने साथ भारतीय मुद्रा के नोट और सिक्के निम्नलिखित सीमा तक ही ले जा सकते हैं, उससे अधिक नहीं :—

- (क) उपहार देने के प्रयोजनार्थ अपरिचलित किस्म के विकास अभिमुख डिजाइनों के 50 रुपये और 10 रुपये के प्रत्येक दो सिक्के अपने साथ ले जा सकते हैं।
- (ख) नेपाल जाने वाले व्यक्तियों के लिए भारतीय रुपये या सिक्के ले जाने पर सीमा सम्बन्धी कोई प्रतिबन्ध नहीं है (किन्तु 100/ रुपये या उससे अधिक राशि के नोटों को छोड़कर)।
- (ग) बर्मा, मलेशिया, सिंगापुर, खाड़ी के पत्तनों या पूर्वी अफ्रीका को पानी के जहाज से जाने वाले यात्री प्रति व्यक्ति 20 रुपये तक।
- (घ) बांगला देश, श्रीलंका या पाकिस्तान जाने वाली प्रति व्यक्ति 20 रुपये तक।

##### (ii) विदेशी मुद्रा

- (क) भारत से विदेश जाने वाला कोई व्यक्ति विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत विक्रेता से विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए नोटों, सिक्कों, ड्राफ्टों, यात्री बैंकों या साख पत्तों के रूप में अपने साथ इच्छानुसार विदेशी मुद्रा ले जा सकता है, बशर्ते कि सम्बन्धित प्राधिकृत विक्रेता, द्वारा ऐसी विदेशी मुद्रा जारी करने की पुष्टि के रूप में उस यात्री के पासपोर्ट पर विधिवत आवश्यक पुष्ठांकन किया गया हो।
- (ख) रिजर्व बैंक ने निम्नलिखित के सम्बन्ध में सामान्य अनुमति भी दे दी है :—
- (1) कोई भी व्यक्ति नेपाली मुद्रा के नोट या सिक्के बिना किसी सीमा के नेपाल ले जा सकता है।
- (2) कोई भी व्यक्ति, जो सामान्यतः भारत का निवासी न हो, भारत से बाहर विदेशी मुद्रा की उतनी राशि ले जा सकता है, जो उस राशि से अधिक न हों, जो वह विदेशी मुद्रा में भारत लाया हो, बशर्ते कि उसने भारत पहुँचने पर सीमा-शुल्क प्राधिकारियों के सामने निर्धारित फार्म में उस राशि की घोषणा कर दी हो।
- (3) बांगला देश, भूटान और नेपाल को जाने वाले यात्रियों को छोड़कर भारत से बाहर जाने वाला कोई भी यात्री अपने साथ भारतीय मुद्रा के 200/- रुपये के बराबर

की किसी विदेशी मुद्रा के नोट और सिक्के ले जा सकते हैं। —प्रति व्यक्ति

- (4) बांगला देश को जाने वाला कोई भी यात्री भारतीय मुद्रा के 100 रुपये के बराबर की किसी विदेशी मुद्रा के नोट और सिक्के ले जा सकता है। —प्रति व्यक्ति

##### (iii) आभूषण :

- (क) ऐसे आभूषण, जो सोने के न हों :—कोई व्यक्ति एक बार में भारत से बाहर ऐसे बहुमूल्य रत्न और आभूषण जो पूर्णतः या मुख्यतः सोने के न हों और जिनका मूल्य निम्नलिखित राशि से अधिक न हो ले जा सकता है :—

- (1) अफगानिस्तान, ईरान या मध्यपूर्व के खाड़ी के देशों को जाने वाले यात्री—2,000 रु. मूल्य के आभूषण।
- (2) अन्य देशों को जाने वाले यात्री—10,000 रु. मूल्य के आभूषण।

अपवाद—जो व्यक्ति भारत का अधिवासी हो उसको छोड़कर कोई भी अन्य व्यक्ति अपने साथ ऐसे बहुमूल्य रत्न या आभूषण किसी भी मात्रा में बाहर ले जा सकता है, जो भारत आने पर वह अपने साथ लाया हो और उनके अतिरिक्त वह 10,000 रु. तक के मूल्य के ऐसे बहुमूल्य रत्न और आभूषण भी अपने साथ ले जा सकता है जो उसने भारत में खरीदे हों और पूर्णतया या मुख्यतया सोने के न बने हों।

- (ख) सोने के आभूषण : रिजर्व बैंक ने ऐसे व्यक्ति को, जो सामान्यतः भारत का निवासी हो, किसी अन्य देश की एक बार में मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने 10,000 रु. तक के अपने ऐसे निजी आभूषण ले जाने की सामान्य अनुमति दे दी है जो उसने पहन रखे हों या जो उसके व्यक्तिगत सामान के अंतर्गत आते हों।

अपवाद :—जो व्यक्ति सामान्यतः भारत का निवासी न हो, व भारत से बाहर किसी अन्य देश की मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने अपने निजी आभूषण किसी भी मात्रा में ले जा सकते हैं, बशर्ते कि वह सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की अनुमति से विदेश से वे आभूषण भारत में लाया हो। ऐसा व्यक्ति एकबार में मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने 2,000 रु. तक के मूल्य के ऐसे आभूषण भारत से बाहर ले जा सकता है, जो उसने भारत में खरीदे हों।

##### (IV) आभूषण से भिन्न सोना और सोने से बनी वस्तुयें :

सोने के सिक्कों, ईंटों, सिल्लियों और मुख्यतः सोने की बनी वस्तुओं (आभूषणों को छोड़कर) का तब तक निर्यात नहीं किया जा सकता जब तक कि रिजर्व बैंक ने उनके निर्यात की विशेष रूप से अनुमति न दी हो।

5 प्रतिभूतियों का निर्यात : रिजर्व बैंक आफ इंडिया की विशेष अनुमति प्राप्त किए बिना न तो प्रतिभूतियां ली जा सकती हैं और न ही वे भारत से बाहर किसी स्थान को भेजी जा सकती हैं।

6. निर्यात घोषणा प्रपत्र : सभी यात्रियों को सीमा-शुल्क निर्यात घोषणा फार्म दाखिल करना होगा, जो उन्हें जहाज से उतरने पर उस सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा निःशुल्क दिया जाएगा, जो उस समय इयूटी पर होगा।

7. निर्यात—प्रमाण-पत्र : यात्रियों को यह सलाह दी जाती है कि वे व्यक्तिगत संपत्ति की उन वस्तुओं के लिए निर्यात—प्रमाण-पत्र ले लें जिनका भारत में दुबारा आयात किया जाना हो, ताकि उन्हें उन वस्तुओं को दुबारा भारत लाने के लिए सीमा-शुल्क न देना पड़े।

## पोत भंडार

[भारत के 2-8-1975 के राजपत्र के भाग 2-खण्ड 3]

## उप-खण्ड (II) में प्रकाशित]

भारत सरकार

जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1975

अधिसूचना

(व्यापार पोत)

का. आ. 2473:—व्यापार पोत अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 101 की उपधारा (2) के खण्ड (छ) के अनुसरण में और भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन खण्ड) की अधिसूचना जो दिनांक 21 जून 1967 के सा. आ. सं. 2169 के अन्तर्गत प्रकाशित हुई थी के अधिकरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित रसद का माप नियत करती है जो न्यूनतम माप होगा और जो पहली मार्च, 1975 से भारत सरकार द्वारा स्वीकृत करार नियमावली के आधार पर जहाजों में कार्यरत नाविकों को दिया जाएगा।

## अनुसूची

भारतीय करार नियमावली (विदेश गामी) पर हस्ताक्षर करने वाले नाविकों के लिए रसद का संशोधन माप:

1. चावल (क)	प्रतिदिन	350 ग्राम
2. आटा तथा रोटी (जब व्यवहार्य हो तो रोटी प्रतिदिन उपलब्ध की जाएगी (ख))	प्रतिदिन जिसमें से, 80 ग्राम आटा होगा	160 ग्राम
3. दाल-तोर, मूंग, मसूर अथवा मटर की दाल (क)	प्रतिदिन	80 ग्राम
4. ताजा मछली (साबुत) जहां उपलब्ध हो भिन्न-भिन्न प्रकार की मछली दी जाएगी—सप्ताह में 6 दिन (ग)	प्रतिदिन	110 ग्राम
5. ताजा मांस (हड्डियों तथा साधारण चर्बी सहित) —चर्बी 1/7 वें भाग से अधिक न हो— सप्ताह में 6 दिन (घ)	प्रतिदिन	170 ग्राम
6. सब्जियां (ङ)	प्रतिदिन	345 ग्राम
7. खाद्य तेल (च)	प्रतिदिन	25 ग्राम
8. घी (एगमार्क अथवा अन्य किसी अच्छे किस्म का)	प्रतिदिन	45 ग्राम

9. शोरवा (छ)	प्रतिदिन	25 ग्राम
10. इमली अथवा कोकम	प्रतिदिन	10 ग्राम
11. नमक	प्रतिदिन	25 ग्राम
12. अचार अथवा चटनी	प्रतिदिन	15 ग्राम
13. मक्खन	प्रतिदिन	20 ग्राम
14. जाम	प्रतिदिन	10 ग्राम
15. चाय तथा/अथवा काफी (ज)	प्रतिदिन	10 ग्राम
16. चीनी	प्रतिदिन	40 ग्राम
17. संघटित दूध	प्रतिदिन	35 ग्राम
18. बूजे सब्ज (साफ हुआ)	प्रतिदिन	225 ग्राम
19. अण्डे	प्रतिदिन	1
20. फल (सप्ताह में 6 दिन) (झ)	प्रतिदिन	एक पुरा टुकड़ा अथवा 115 ग्राम
21. आइसक्रीम—सप्ताह में एक बार (इसके न दिए जाने पर फल [दिया जाएगा])	प्रतिदिन	115 ग्राम
22. नीबू रस	प्रतिदिन	15 ग्राम
23. पानी	साप्ताहिक	28 क्वार्टर्स
टेकरों के लिए ताजा दूध (समांगीकृत अथवा अत्याधिक गर्म किया हुआ)		1 पण्ड

## टिप्पणी:—

जब कोई नाविक बीमार हो और लुट्टी पर हो उसे बिस्कुट, चाय अथवा काफी और चीनी, अरारोट अथवा माबुदाने के साथ जैसी आवश्यकता हो, दी जाएगी।

(क) खराब मौसम में जब चावल और दाल न पकाया जा सके तो उसके स्थान पर 185 ग्राम बिस्कुट तथा 60 ग्राम अतिरिक्त चीनी दी जायेगी।

- (ख) जब रोटी न दी जाये तो 160 ग्राम आटा दिया जायेगा।
- (ग) जब ताजा मछली न मिले तो ताजा मछली के स्थान पर डिब्बा बन्द मछली अथवा हैन्रिगज मछली का आचार 1:2 के अनुपात में दिया जायेगा।
- (घ) उन नाविकों को जो गोमांस अथवा सूअर का गोشت न खावें भेड़ बकरे का मांस दिया जाएगा।
- (ङ) 345 ग्राम में से 115 ग्राम आलू, 115 ग्राम धाज, 115 ग्राम सेम, बैंगन, अंकुर गोभी, बन्दगोभी, फूल गोभी, भिण्डी, लाल मिर्च अथवा मटर जैसी ताजी सब्जी अथवा विविधता लाने के लिए अन्य उपर्युक्त वैकल्पिक सब्जियां दी जायेंगी।  
जहां तक हो सके टमाटर सप्ताह में कम से कम एक बार दिया जाए। एक ही सब्जी लगातार दो दिनों से अधिक बार नहीं दी जाएगी। जब ताजी सब्जियां उपलब्ध न हो सूखी सब्जियां 1:4 अनुपात में दी जा सकती हैं।
- (च) बम्बई के नाविकों के लिए तिल अथवा काडीय का तेल, कलकत्ता के नाविकों के लिए जब उपलब्ध फली सरसों का तेल अन्यथा नारियल का अथवा मूंगफली का तेल।
- (छ) 25 ग्राम शोरबा में से 18 ग्राम लाल मिर्च, धनिया, हल्दी, सरसों, सुखा अथवा हरा लहसून, निर्जलीय अथवा सुखी गरी तथा 7 ग्राम गरम मसाला अर्थात् दाल-चीनी, लोंग, इलायची, सफेद जीरा, काली मिर्च, खसखस, जायफल तथा जाबिनी होगी। जब ताजी गिरी उपलब्ध हो तो वह सूखी या निर्जलीय गिरी के स्थान पर दी जाएगी।
- (ज) जब पूर्ण काफी की अपेक्षा तैयार काफी दी जाए, तो इसका अनुपात 1:4 का होना चाहिए।
- (झ) जब पपीता, तरबूज आदि जैसे बड़े फल दिए जायें तो वह 115 ग्राम हों।
- (ञ) जहां ताजा दूध नहीं दिया जाता, वहां सप्ताह में 100 ग्राम सुखाया हुआ दूध दिया जायेगा।

- (ट) ऐसी अवधि के दौरान जब नौवहन, महानिदेशक द्वारा आधात्र की कमी घोषित की जाये, जब अपेक्षित मात्रा में चावल उपलब्ध न हो तो चावल की प्रतिदिन की मात्रा में से 25 ग्राम कम कर दिए जायें और उनकी प्रतिपूर्ति के रूप में प्रति दिन अन्य मवों की मात्रा में यथा निम्नलिखित वृद्धि कर दी जायेगी:

10 ग्राम ताजी मछली, अथवा  
5 ग्राम मांस, अथवा  
50 ग्राम सूखी सब्जी, अथवा  
25 ग्राम ताजी सब्जी।

- (ठ) जब खाद्य सामग्री बन्द डिब्बों में दी जाए तो नाविक उपरोक्त के अनुसार मानक डिब्बों में निकटतम ग्राम वजन स्वीकार करेंगे।

#### शीत मौसम माप

शीत मौसम में अतिरिक्त 10 ग्राम चाम और/या काफी, 10 ग्राम चीनी और 5 ग्राम संघटित दूध प्रतिदिन दिया जाएगा। शीत मौसम में नीबू का रस नहीं दिया जाएगा।

“शीत मौसम में” यह माप

- (1) अक्तूबर से मार्च महीने तक की अवधि में उत्तरी गोलार्ध में तथा एटलांटिक समुद्र में 30° एन के उत्तर तथा अन्य किसी जगह 24° एन के उत्तर में।
- (2) मई से सितम्बर, तक की अवधि में दक्षिणी गोलार्ध में तथा 30° एस के दक्षिण में लागू होगा। (सं. एम. एस. ई. (9)/75 एम. टी.)

ह०/—

दीवान बन्द गृहीर,  
अवर सचिव, भारत सरकार।

### आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 के अधीन विदेशी पार्सलों पर प्रतिबन्ध

डाक-घर के महानिदेशक के समय-समय पर यथा संशोधित तारीख 30-12-1970 के परिपत्र सं. 21 के पैरा-1 में दिये गये अनुदेशों के अधि-क्रमण में निम्नलिखित परिशोधित अनुदेश, जो तत्काल लागू किए जाते हैं, सभी संबंधित व्यक्तियों की सूचना और मार्गदर्शन के लिए संलग्न डाक-नोटिस में प्रकाशित किए गए हैं।

2. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 में उल्लिखित वस्तुओं को छोड़कर अन्य सभी वस्तुओं को डाक से सभी अनुमेय-गंतव्य स्थानों पर लाइसेंस के बिना भेजा जा सकेगा।

टिप्पणी :- "अनुमेय-गंतव्य स्थानों" से अभिप्राय उन देशों से है, जिसके साथ यह प्रशासन डाक सेवा कायम (पत्र और पार्सल) रखना है और उन देशों से भी है, जिनके साथ व्यापार करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

#### डाक नोटिस

सं. 13, दिनांक 3-12-1973

डाक नोटिस सं. 18 दिनांक दिसंबर, 1970 का अधिकमग करते हुए निम्नलिखित परिशोधित अनुदेश सभी संबंधित व्यक्तियों की सूचना और मार्गदर्शन के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची (1) में निहित माल के अतिरिक्त अन्य माल का उपहार के रूप में अथवा डाक पार्सल द्वारा वाणिज्य, प्रबोधन के लिए निर्यात, आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अंतर्गत लाइसेंसों को प्रस्तुत किए बिना सभी अनुमेय गंतव्य स्थानों के लिए अनुमेय होगा।

3. नीचे के उप पैरा (1) से (10) में जो वस्तुएं उल्लिखित हैं, उनको छोड़कर निर्यात (व्यापार) नियंत्रण आदेश, 1968 की अनुसूची 1 में दी गई वस्तुओं की तब तक डाक से नहीं भेजा जा सकेगा जब तक कि वस्तुएं निर्यात व्यापार-नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए लाइसेंसों में शामिल न हों।

(1) ऐसे वाणिज्यिक नमूने जो (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 3 में दिये गये मूल्य तक हों और खुले सामान्य लाइसेंस-2 के अंतर्गत आते हों।

(2) जब निर्यात खुदरा दुकानदारों द्वारा उन पर्यटकों को डाक से किया जाए जो भारत में आए हैं और उन्होंने कोटे की जातियों सहित अंगूठी जीव की अनुमेय जातियों की खाल से बनी दो जैकेट खरीदी हों और वे उन्हें डाक से भेजना चाहते हैं बशर्ते कि पर्यटक ने भुगतान विदेशी मुद्रा में कर दिया हो। लेकिन ऐसी जैकेटों का निर्यात कानूनी अधिप्राप्ति प्रमाण-पत्र और सी.आई.टी.ई. एस. प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही अनुमेय होगा।

(3) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग "ख" की मद सं. 73 के सामने उल्लिखित हाथ के बने हुए ऊनी कालीन और चैन स्टिचड ऊनी कालीन, मूल्य का किसी सीमा के बिना उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(4) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग "ख" की मद सं. 76 में दिये गये 200 रु. तक के मूल्य के सभी प्रकार के जूते उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(5) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग "ख" की मद 21 (2) में दी गई 200/- रु. तक के मूल्य की हाथकरघे की धारीदार चादरें जो "इथावा की धारीदार चादर" के नाम से जानी जाती हैं, प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(6) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 में भाग "ख" की मद सं. 21(2) में उल्लिखित 200 रु. मूल्य तक की लुंगी के डिजाइन का कच्चे रंगों का (जिसमें ब्लोडिंग तस्वीरें बना कपड़ा भी शामिल है) ऐसे हाथकरघे का कपड़ा और उससे बने बस्त्र प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(7) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग "ख" की मद सं. 21 (3), (4), (7), (9), (10), (11) तथा (13) में दी गई 200 रु. मूल्य तक की सूती कपड़े से बनी वस्तुएं प्रत्येक पार्सल में इंग्लैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रिया, पश्चिम जर्मनी, फ्रांस, इटली और बेनेलक्स देशों को उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(8) 200 रु. मूल्य तक के सेल्यूलॉयक कृत्रिम रेणु के कपड़े प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(9) 200 रु. मूल्य तक के नायलॉन के कपड़े प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(10) चांदी के सिक्के यदि (1) उनका निर्यात मूल्य सिक्के में बितनी चांदी है उसके मूल्य से कम न हो; (2) रिजर्व बैंक आफ इण्डिया से अनुमति ले ली गई हो; (3) 100 वर्ष से अधिक पुराने सिक्कों के निर्यात के लिए शिक्षा मंत्रालय के पुरातत्व विभाग से पुरावस्तु संबंधी स्वीकृति ले ली गई हो; और (4) तत्संबंधी नदाल बिलों पर गक्षम सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा वृष्टीकृत किया गया हो।

4. निर्यात के संबंध में ऊपर दी गई शर्तों के बावजूद जिन मामलों में आवश्यक हो, उनमें विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (1947 का 6) के अधीन भारत से बाहर देशों को डाक से निर्यात किए जाने वाले सामान पर लगाए गए प्रतिबंधों के संबंध में समय-समय पर संशोधित तारीख 25-5-1951 के डाक नोटिस सं. 12 में निदिष्ट पी० पी० फार्म और अन्य क्रियाविधि के अधीन डाक द्वारा सामान का निर्यात किया जाता रहेगा।

5. इस डाक नोटिस के उपबंध हवाई डाक पार्सलों द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान पर भी लागू होंगे बशर्ते कि पार्सल का वजन 5 (पांच) किलोग्राम से अधिक न हो।

## निर्यात संवर्धन परिषदों/पण्य वस्तु बोर्ड की उनके पतों सहित सूची।

क्रम सं.	निर्यात उत्पाद	पंजीकरण करने वाला प्राधिकारी
1	2	3

1 इंजीनियरी सामान - जंगम रोधी इस्पात उत्पाद, गढाहुआ अन्नक, अन्नक आधारित इंजी-निर्यात उत्पाद और निर्माण सेवाओं के काम में आने वाला सामान

इंजीनियरी माल निर्यात संवर्धन परिषद, "विश्व व्यापार केन्द्र" 14/6 बी एजरा स्ट्रीट (तीसरी मंजिल), कलकत्ता-700001 और इसके क्षेत्रीय कार्यालय, वाणिज्य केन्द्र (दूसरी मंजिल), तारदेव रोड, बम्बई - 400034, कन्नामई बिल्डिंग (पहली मंजिल) 612-अन्ना सलाई, मद्रास और सूर्य किरण चौथी मंजिल, 19 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110001

1. क. इलैक्ट्रानिकी का सामान कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तथा संबंधित सेवाएं।

इलैक्ट्रानिक्स तथा कम्प्यूटर सॉफ्ट निर्यात, संवर्धन परिषद "बंदना" चतुर्थ मंजिल, 11 टालस्टोय मार्ग, नई दिल्ली - 110001

2. रसायन और संबद्ध उत्पाद जैसे श्वेता और शीशे के बर्तन, पेंट खड़ उत्पाद इसमें टायर और ट्यूब भी शामिल हैं, कागज और कागज के उत्पाद इसमें पुस्तकें, जर्नल्स और अग्र-धिक पत्रिकाएं भी शामिल हैं, दियासलाई, आतिशबाजी का सामान और विस्फोट पदार्थ, ऐस्बेस्टोस और सीमेंट उत्पाद और लकड़ी के उत्पाद मारबल चिप्स, एडहेसिव शीलेक कम्पाउण्ड

रसायन और संबद्ध उत्पाद निर्माण संवर्धन परिषद 14/1 बी एजरा स्ट्रीट दूसरी मंजिल, कलकत्ता 700001 और निम्नलिखित स्थानों पर स्थित इसके कार्यालय, सामेंशन, 103 माउण्ट रोड, मद्रास-600006 और डी-17 कामर्स सेंटर, तारदेव रोड, बम्बई 400034 रसायनिक एक संबंध उत्पाद निर्यात संवर्धन परिषद उत्तरी क्षेत्र, लक्ष्मी निवास 8, शहीद भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली - 110001

3. मूल रसायन अर्थात् औषधियां, औषध और सूक्ष्म रसायन रंग, मध्यवर्ती, अल्कोहल और कोल तार रसायन, कार्बनिक रसायन रसायन एग्री रसायन, गलिसरीन साबुन, अपमार्जक, कान्तीवर्धक एवं प्रसाधन संसाधित सिलखड़ी अग्र-बत्ती सुगन्धित तेल डिहाइ-नेटिड कलबर मिडिया एवं अपरिष्कृत दवाइयां।

मूल रसायन, औषधि और कास्मेरिक निर्यात संवर्धन परिषद, झांसी सर्कसल (चौथी मंजिल), 7, कुपरेज रोड, बम्बई - 400021 और इसके क्षेत्रीय कार्यालय 23/1 एंव 2, छठी मैन रोड तीसरा क्रॉस, गांधी नगर, बंगलौर 560009 और कनकरिया स्टेट, 9वीं मंजिल 6, लिटल रिसेल स्ट्रीट, कलकत्ता-700071

4. प्लास्टिक, खिलौने, पोलिएस्टर फिल्म एवं अनुषंगी उत्पाद मानव बाल और मानव बाल से बनी वस्तुएं।

प्लास्टिक और लिनोलियम निर्यात संवर्धन परिषद, तुलसियानी - बेंगलूर छठी मंजिल, प्लॉट नं. 212, ब्लॉक - 3, 612 और 615 बैकवे रिक्लेमेशन, नारीमन प्वाइंट, बम्बई-400021 और सायरमेशन 123, माउण्ट रोड मद्रास-600006 और 14 आई बी, एजरा स्ट्रीट्स, कलकत्ता 700001 में स्थित इसके क्षेत्रीय कार्यालय।

1	2	3
---	---	---

5. परिष्कृत चमड़ा और चमड़े से चमड़ा निर्यात परिषद, मारबल हाल, बना सामान, क्रोम द्वारा कमाया 318-बैपैरी हाई रोड, मद्रास हुआ नील चमड़ा एवं खाल, 600003 और निम्नलिखित स्थानों पर स्थित इसके क्षेत्रीय कार्यालय, (1) एवं खाल और क्रोम द्वारा 15/46, सिविल लाइन्स, पो. बानस कमाया हुआ पपड़ीदार चमड़ा नं. 198, कानपुर 208001 (2) पूर्वी भारत के कमाए हुए चमड़े 220, निरंजाव दूसरी मंजिल, 99, एवं खाल और पूर्वी भारत के सुभाष रोड, बम्बई - 400002 पपड़ीदार चमड़े। (3) 27 - मिर्जा गालिब स्ट्रीट (पहले वाले फ्री स्कूल स्ट्रीट (पांचवी मंजिल) कलकत्ता 700016 और (4) 904 निर्मल टावर 26 बारखबा रोड, नई दिल्ली-110001

6. खेल का सामान

खेल के सामान निर्यात परिषद आईई/6, झंडेवाल, एक्सटेंशन नई दिल्ली - 110001

7 मत्स्य, मत्स्य चूरा और मत्स्य उत्पाद

'दी मेरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डवलपमेंट अथॉरिटी' कोलिस इस्टेट, एम. जी. रोड, पोस्ट बाक्स नं. 1708 कोचीन-682016 तथा इसके निम्न स्थानों में क्षेत्रीय कार्यालय :-

1. छठा न रिजेंट चैम्बरस जमना लाल बजाज मार्ग, नरीमन प्वाइंट बम्बई - 400021

2. 4 - बी मारुथी बिल्डिंग, चौथी तल, 12 - लंदन स्ट्रीट, कलकत्ता 700001

3. सी फूड एक्सपोर्ट एसोसिएशन, ग्राल इंडिया बिल्डिंग पेरुमानूर जेटी बेलिगडन आई लैंड, कोचीन-682003

4. इंडियन चैम्बर बिल्डिंग एस्पेनेड मद्रास - 600001

निम्नलिखित उप-क्षेत्रीय कार्यालय :-

1. एडनवाला बिल्डिंग, सुभाष रोड, बेरावल 362265 (गुजरात)

2. सेन्ट्रल मार्किट के सामने ब्राइट शाप बिल्डिंग, बंगलौर 575001,

3. मीरा फोलेरस, प्रथम तल, गोमान्तक स्ट्रीट के पास, इनेक्स पण्जी - गोवा - 403001

4. नम्बर 15-13 - 3 कृष्णा नगर, विशाखापटनम - 530002

5. थिरुवावल, 24 चिदम्बरम नगर, दूसरी गली तूतीकोरिन 6288008

6. जुबली बिल्डिंग, प्रथम तल चिन्नाकाडा, बयुइलोन, 691001

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
		7. जयादेव नगर, ल्यूइस रोड, भुवनेश्वर 751002 तथा इसके निम्न व्यापार संवर्धन कार्यालय :-	18. सभी प्राकृतिक रेशम के वस्त्र, तैयार वस्तुएं पोषाक और मशीन से बुनी हुई दरियां	भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद 62-मिस्तल चेम्बर, नारीमन प्वाइंट, बम्बई-400021	
8. संसाधित खाद्यपदार्थ	कृषि एवं संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकारी 105 नई दिल्ली हाउस, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली - 110001	1. 101-निर्मल टावर, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली - 110001	19. रत्न तथा आभूषण	रत्न तथा आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद डी-15, वाणिज्यिक केंद्र चौथी मंजिल, तारदेव रोड, बम्बई 400034 और इसके क्षेत्रीय कार्यालय :- (1) राजस्थान चेम्बर भवन, मिर्जा हस्माइल रोड, जयपुर-302003 (2) हाई टावर, नूगमबाकम हाई रोड, जगन्नाथन स्ट्रीट मद्रास-600004 (3) निर्मल टावर, 10वीं मंजिल, 26 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001	
9. करो पाउडर और पेस्ट स्पाईसिज आयल एवं अलियां रेजिंस, ब्रांड नामों के अंतर्गत एक किलो भोक्ता पैकिटों में साबूत मसाले अथवा पिसे हुए और थोक में साबूत अथवा पिसे हुए मसाले।	मसाला निर्यात संवर्धन परिषद वर्ल्ड, ट्रेड सेंटर, महात्मा गांधी रोड, एनकुलम - 6		20. चलचित्र फिल्म (अनावर्तित) कथाचित्र, नृति चित्र, विज्ञापन फिल्में, समाचार फिल्में और दूरदर्शन फिल्में।	राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम बम्बई।	
10. हथकरघा	हथकरघा उत्पादों के लिए निर्यात संवर्धन परिषद 6 कम्पुनिटी सेंटर बसन्त लोकबसन्त बिहार, नई दिल्ली		21. असली रेश के उत्पाद (नारियल जटा उत्पादों को छोड़कर)	जूट आशुबन, कलकत्ता।	
11. हस्तनिर्मित ऊनी चटाईयां, गलीचे दरिया, डस्ट्रस एवं तमड़े जिसमें हस्तनिर्मित रेशमी कापेट शामिल हैं।	कारपेट एक्सपोर्ट काउंसिल प्रमोशन दुकान सं. बी-115, सैन्टर-18, डाकघर नोएडा, जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश।		22. गैर-सैल्युलॉसिक उत्पाद	रेशम और रेशम वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, रेशम भवन, 78, बीर नारीमन रोड बम्बई 400001-ब्लाक नं. 3-ई, रेशम, लाल दरवाजा, सूरत तथा 33-हुकुम सिंह रोड, अमृतसर।	
12. काजू की गिरी	काजू निर्यात संवर्धन विश्व व्यापार केंद्र, महात्मा गांधी रोड, एनकुलम - 6		23. सैल्युलॉसिक उत्पाद	सिल्वेटिक और रेशम वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, रेशम भवन, 78 बीर नारीमन रोड, बम्बई-400001 ब्लाक नं. 3 ई रेशम भवन, लाल दरवाजा, सूरत, 33-हुकुम सिंह रोड, अमृतसर	
13. तम्बाकू और तम्बाकू उत्पाद	तम्बाकू बांड गन्धूर, आन्ध्र प्रदेश		24. सूती/सैल्युलॉसिक रेशे या सूत/नाइलॉन पोलियस्टर रेशे या सूत के मिश्रण से बने मिश्रित उत्पाद।	रेशम और रेशम कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषद, रेशम भवन, 78, बीर नारीमन रोड, बम्बई-400001 ब्लाक नं. 3 ई रेशम भवन, लाल दरवाजा, सूरत, 33-हुकुम सिंह रोड, अमृतसर।	
14. ऊनी कपड़ा, होजरी निटवियर और मिश्रित रेशों से बना कपड़ा हथकरघा उत्पादों के मामले और मशीन से बने हुए ऊनी कालीन, गलीचे और दरियां	ऊन तथा ऊनी सामान निर्यात संवर्धन परिषद, 714, अशोक स्टेट, 24 - बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में और निम्नलिखित स्थानों पर इसके क्षेत्रीय कार्यालय चर्चंगट, चैम्बर्स 7वीं मंजिल, न्यू मैरिन लाइन बम्बई 400020 और 714/3 गुरुदेव नगर, पञ्जाब रोड, लुधियाना।		25. वनस्पति	चीनी और वनस्पति निदेशक, खाद्य विभाग, खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली।	
15. नारियल जटा	नारियल जटा, बोर्ड, पास्ट बाक्स नं. 1752, एनकुलम केरल।				
16. सूती वस्त्र	सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद इंजीनियरिंग केंद्र, 5वीं मंजिल 9 मैथ्यू रोड, बंबई-400004				
17. बने बनाए वस्त्र (गिलाई से) बूने हुए ऊनी वस्त्र और चमड़ा, जूट, रेशम और सन के वस्त्रों को छोड़कर	परिधान निर्यात संवर्धन परिषद, सहयोग बिल्डिंग चौथी मंजिल, 58-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-19 और टैक्सटाइल सेंटर, पहली मंजिल पूना स्ट्रीट, पी डी मैलो रोड, बम्बई-400009 में इसका क्षेत्रीय कार्यालय।				

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
26. खादी अर्थात् भारत में हथ- कर से पर बनाया हुआ सूती सिल्क से या भारत में हाथ से कटे हुए ऊनी धागे से या किसी दो या ऐसे सभी धागों के मिश्रण से बनाया हुआ कोई भी वस्त्र (तैयार पोशाकों और खादी से बनी हुई अन्य वस्तुओं सहित)।	खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोद्योग, 3 ईली रोड, विले पार्ले, (पश्चिम), बम्बई 400056				रोड, लुडियाना अथवा सिन्धेटिक तथा रेयन वस्त्र निर्यात संव- र्धन परिषद, 78-वीर नारीमन रोड, बम्बई-400001 ब्लाक 3ई, रेशम भवन, लाल दरवाजा सुरत, 33-हकुम सिंह रोड, अमृतसर।
27. फोटो टाइप सेट (फिल्में और माइक्रोफिल्में)	रसायन और संबद्ध उत्पाद निर्यात संवर्धन परिषद, 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, दूसरी मंजिल, कलकत्ता- 700001		30. पैकेट, चाय, चाय के थैले और इन्स्टैंट चाय	चाय बोर्ड, 14, विपलादी लैलोक्य, महाराज सारणी (श्रीबोन रोड), कलकत्ता-700001	
28. विमोचित विरजित शैला क	शैला क निर्यात संवर्धन परिषद, कलकत्ता।		31. इलायची	इलायची बोर्ड, बैनर्जी रोड, कोचीन 682018	
29. ऐत्रिलिक के बूने हुए कपड़े	ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद 714, अशोक एस्टेट, 25-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली और इसके क्षेत्रीय कार्यालय, चचे गेट चैम्बर, 7वीं मंजिल, न्यू मैरीन लाइन्स बम्बई 400020 तथा 714/3, गुरुदेव नगर, पबोवाल		32. ओवरसीज कन्स्ट्रक्शन एण्ड सिविल इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स	ओवरसीज कन्स्ट्रक्शन काउन्सिल ऑफ इंडिया, कार्मर्स सेंटर सातवीं मंजिल, जे दादा जी रोड, तारदेव, बम्बई-400034	
			33. निर्यात उत्पाद जूट काटन स्लै- न्डिड, हैण्डलुम फेब्रिक्स/मेड अपत	हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद 'रक्षीद मेन्शन' 622 अन्ना सलाय पोस्ट बैग 461, मद्रास 600006 और 784-85 देश बन्धू गुप्ता रोड, करोल- बाग नई दिल्ली 110005 में इसके क्षेत्रीय कार्यालय।	

अन्य अधिनियमों एवं अध्यादेशों की विस्तृत सूची (खण्ड-1 का पैरा-4 देखिए)।

क्रम सं.	अधिनियम का नाम	क्रम सं.	अधिनियम का नाम
1.	भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898	8.	औषध एवं सम्मोहन प्रतिकार अधिनियम, (प्रापतिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954
2.	पुरातन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904	9.	हानिकर औषध निर्मित वाहनान्तरण नियमावली 1957
3.	भारतीय काफी अधिनियम, 1942	10.	अस्त्र अधिनियम, 1959 तथा अस्त्र नियमावली 1962
4.	नारियल-जटा उद्योग अधिनियम, 1942	11.	प्राचीन तथा कला मंस्ति अधिनियम, 1972
5.	विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947	12.	मोटर वाहन अन्तर्राष्ट्रीय परिवहन नियमावली
6.	हानिकर औषध अधिनियम, 1953		
7.	चाय अधिनियम, 1953		

## MINISTRY OF COMMERCE

(Export Trade Control)

## PUBLIC NOTICE NO. 11-ETC (PN)|88

New Delhi, the 30th March, 1988

Subject :—Import and Export Policy for the Period April 1988—March 1991 (Vol. II).

F. No. 19 (1) |87|E.II :—Attention is invited to the Exports (Control) Order, 1988, dated 30th March, 1988, published in Gazette of India Extraordinary.

2. The Export Licensing Policy which comes into force with effect from 1st April, 1988 is for a period of three years ending 31st March 1991. The policy to be followed during the above period is indicated in Sections I, III, IV, V and VI enclosed with this Public Notice. However, the Government reserves the right to make amendments/changes in this policy which may become necessary in Public interest from time to time during the above period. Amendments etc., if any, will be notified as usual, by means of Public Notices/Amendment Orders, issued by the Chief Controller of Imports and Exports from time to time. The provisions of the policy book are subject to such amendments or changes as and when notified.

3. Applications for export based on pre-ban (including pre-control) commitments in respect of the items whose export was allowed either on de-controlled basis or under OGL-3 shall be addressed to the Headquarters Office of CCI&E, Udyog Bhawan, New Delhi, for consideration in terms of relevant provisions of the said policy.

4. In respect of items allowed for export "On Merits" no person should enter into commitments before obtaining the necessary permission for export. Applications in respect of such items should be submitted to the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

R. L. MISRA,

Chief Controller of Imports &amp; Exports.

## SECTION 1

## EXPORT CONTROL

1. The Export Licensing Policy this time has been completely reviewed, revamped and restructured to bring it in consonance with the Government's avowed policy of simplification and rationalisation of policy and procedures. In order to ensure continuity and stability the Export Policy this time also will be valid for three years-1st April 1988 to 31st March, 1991. However, the Government reserves the right to make amendments/changes in the policy which may become necessary in public interest from time to time during the above period. Amendments etc. if any, will be notified by means of Public Notices/Amendment Orders etc., issued by the Chief Controller of

Imports and Exports from time to time. The provisions of the Policy Book are subject to such amendments or changes as and when notified.

2. *Object.*—The primary object of the Government is to promote exports to the maximum extent, but in such a manner that the economy of the country is not affected by unregulated exports of items essentially needed within the country. Export Control is, therefore, exercised in respect of a limited number of items whose supply position demands that their exports should be regulated in the larger interest of the country.

3. *Scope.*—Export Control is exercised in accordance with the provisions of the Exports (Control) Order, 1988 issued by the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947. This Act is reproduced in the current Hand Book of Procedures.

4. Only items included in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988 are under control. No such item can be exported unless it is covered by a valid licence issued by a licensing authority competent to grant an export licence for that item. Goods which are not included in this schedule can be shipped without any export licence unless their export is controlled under any other law for the time being in force. For, instance, export of antiquities is regulated under the Antiquities and Art Treasures Act, 1972, whereas the export of Coffee and Tea is regulated by the Coffee Board, Bangalore and the Tea Boards. Calcutta, under the provisions of the Indian Coffee Act, 1942 and the Tea Act, 1953 respectively. Export of Gold, Currency Notes, Bank notes and coins is controlled by the Reserve Bank of India under the Foreign Exchange Regulation Act. Likewise, export of some other commodities is either prohibited or regulated under different enactments. An illustrative list of some such enactments is given in Section VI.

5. Notwithstanding the general rule that an item falling within the scope of the Exports (Control) Order cannot be exported unless covered by a valid licence issued by its licensing authority competent to grant licence for that item, the Order provides certain exceptions and concessions in terms of which exports can be made, in certain circumstances and to a limited extent without a licence. The details of these exceptions and concessions are given in the Chapter on Export Licensing Procedures in this Book.

6. Exports can be made to any destination in the world. No discrimination is made between one country and another in the matter of issue of licences. This means that foreign buyers are free irrespective of the country to which they belong, to procure their requirements of commodities from persons holding export licences or eligible to export under OGL provided that the OGL conditions are satisfied. To this general rule, the only exceptions are the Union of South Africa, South-West Africa and Fiji because of a complete ban on trade with these countries. No export is, therefore, permitted to these countries. Border trade (i.e. frontier trade) between India and Tibet region of China shall not, however, be allowed

## LICENSING POLICY

7. As part of the exercise for simplification of policy and procedures, the Export Licensing Policy has been divided into six appendices.

Appendix-1 contains the Exports (Control) Order, 1988, alongwith the Schedules thereunder. This is reproduced in Section II.

The Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, lists out commodities which are subject to Export Control. These items are split up under two lists. One called Part 'A' contains the items, the export of which is not allowed. These items have been reproduced in Appendix 2. The second, called Part 'B' contains the items, the export of which is subject to certain specified conditions. These items of Part 'B' have been grouped in Appendix-3, 4, 5 and 6 depending upon the individual policy applicable to them.

Schedule II lists out the officers competent to grant export licence.

Schedule III contains the four Open General Licences and the conditions attached thereto.

8. Appendix 3 contains the list of items, the export of which is allowed "On Merits". In respect of such export, applications from individual exporters will be entertained by the Office of CCI&F, New Delhi only. Such applications will be placed before the Export Licensing Committee which has been constituted at Headquarters under the Chairmanship of C.C.I.&E. New Delhi. The Committee will consist of representatives of Ministry of Commerce and other concerned Departments/Ministries. The export will be decided on merits and on case to case basis and based on the recommendations of the Committee export licences will be issued by the Regional Licensing Authorities.

9. Appendix 4 contains the list of items, the export of which is allowed under a limited ceiling. The items which have been put under ceiling are those for which the permissible limit for export will vary from year to year owing to either production constraints or constraints of processing capacities. The whole year's ceiling will be released in two instalments on half yearly basis. This Appendix contains two parts. In respect of List-I items, the ceilings will be operated upon by the Regional Licensing Authorities whereas for List-II items, Headquarters office will operate upon the ceiling. The procedure for making applications for items falling under this Appendix is given separately in the Chapter on Export Licensing Procedures.

10. Appendix 5 contains the list of items, the export of which is canalised through specified agencies. For these items, the exports will be allowed only by the canalising agencies concerned. The quantum up-to which export may be permitted in respect of these items and other details pertaining thereto are decided by the Government from time to time. The operations of the canalising agencies in this regard are, there-

fore, subject to such directions as may be given to them by the Government.

11. Appendix 6 details the list of items, the export of which is under OGL No. 3 subject to certain conditions attached thereto. In respect of such exports as are made in accordance with the relevant OGL conditions, the exporters will not be required to approach the licensing authorities for obtaining any export licence. At present, four Open General Licences are in operation as given in Schedule III to the Exports (Control) Order, 1988 reproduced in Appendix I Section II of this Book.

12. (1) Although this policy is for three years' period, the licensing will continue to be on annual basis.

(2) Wherever the word 'year' or 'licensing year' appears in this policy, they should be construed to mean "financial year" beginning from 1st April and ending on 31st March.

(3) The Chief Controller of Imports & Exports may, by issue of a Public Notice evolve a special procedure for the issue of export licences in respect of any licensing period or commodity. In such cases, the provisions of the policy and procedure as may be laid down shall apply only to the extent specified in such Public Notice.

### 13. Free Trade Samples

Export of free trade samples is set forth in OGL No. 2 in Schedule III of the Exports (Control) Order, 1988. The scope for export for free trade samples has been enlarged and rationalised.

14. Project Exports.—Any item included in Part 'A' or Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, required in connection with a project abroad undertaken by an Indian Contractor/Sub-contractor/Consultancy Organisation, irrespective of the export policy in force at the time of export will be allowed for export on the basis of approval/sanction letter issued by the Projects Committee in the Ministry of Commerce. Such approval/sanction letter will give details regarding quantity, specifications and value of the individual items approved for export by the Projects Committee. Export licences will be issued in the name of such Contractor/Sub-contractor/Consultancy Organisation undertaking the project by the Regional Licensing Authority on production of approval/sanction letter from the said Committee. The items not mentioned in Part 'A' or Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, required for a project abroad will be allowed on de-controlled basis, without any restriction or permission from the Projects Committee referred to above.

15. Pre-shipment Inspection and Quality Control. Exporter(s) shall be required to furnish a pre-shipment Inspection/Quality Control Certificate from the Export Inspection Agency, at the time of shipment, to the Customs Authorities for items which are covered under Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, irrespective of the fact whether such a condition has been prescribed in the export policy or not.

16. An export licence is issued without prejudice to the operation of other laws to which the goods or the applicant/licence holder may be subject. This applies also to goods allowed for exports on Open General Licence. Every person concerned is under obligation to comply and to continue to comply with all other laws, etc., applicable to his case at all times.

17. The Imports and Exports (Control) Act, 1947 is reproduced in the Hand-Book of Procedures 1988-1991.

Exports (Control) Order, 1988 now in force is reproduced in Appendix I. Section II of this Book.

Exporters and other concerned should carefully read the provisions made in the Act and the Orders, read the provisions made in the Act and the respective Orders, any breach of which is punishable under law.

The Central Government, in exercise of the powers conferred on it by Section 6 of the Act, has authorised the following officers to make complaints in writing in Courts in respect of any offence punishable under Section 5 of the Act :—

- (i) Joint Chief Controller of Imports and Exports;
- (ii) Deputy Chief Controller of Imports and Exports;
- (iii) Customs Collectors and the officers of Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (iv) Iron and Steel Controller and the Deputy Iron and Steel Controller; and
- (v) Superintendents of Police of the Central Bureau of Investigation.

Besides, the penalties which can be imposed under Imports and Exports (Control) Act, as amended and

the Customs Act, 1962, export licences issued may be cancelled and/or otherwise made ineffective under one or the other circumstances mentioned in the Exports (Control) Order, 1988, as amended.

18. Unless otherwise provided therein, licences for export including Open General Licence will be valid for export to any country in the world except South Africa, South-West Africa and Fiji.

19. No fee is chargeable for obtaining export licence/permit.

20. Export of bonafide personal baggage is covered by the Exports Baggage Rules which is reproduced in this Book.

21. Exports by post are regulated in accordance with Postal Notice No. 13 dated 3-12-1973 which is reproduced in this Book.

22. Cases for relaxation of existing policy and procedures where it creates genuine hardship or where a strict application of the existing policy is likely to affect exports adversely may be considered by the Chief Controller of Imports and Exports.

23. In matters relating to export, as well as the interpretation of export policy and procedures, the person concerned may address the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for necessary advice. Any interpretation of the export policy given in any other manner or by any other person will not be binding on the Chief Controller of Imports & Exports, or in law.

24. A product-wise index has also been incorporated to facilitate easy reference and identification of items under Export Control.

25. The procedures relating to exports are outlined separately in this Book itself in Section V.

## APPENDIX 1

## EXPORTS (CONTROL) ORDER, 1988

## GOVERNMENT OF INDIA

## MINISTRY OF COMMERCE

## ORDER

## EXPORT TRADE CONTROL (No. 188-ETC)

New Delhi, the 30th March, 1988

In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Exports (Control) Order, 1988.

(2) It shall come into force on 30th March, 1988.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) ;
- (b) "Collector of Customs" has the same meaning as assigned to it in the Customs Act, 1962 (52 of 1962) ;
- (c) "An authorised officer" means an officer not below the rank of Deputy Chief Controller of Imports and Exports authorised by the Chief Controller of Imports and Exports ;
- (d) "Licence" means an export licence granted under this Order ;
- (e) "Licensee" means a person to whom a licence is granted under this Order ;
- (f) "Licensing Authority" means an authority competent to grant a licence under this Order ;
- (g) "Schedule" means a Schedule to this Order ;
- (h) "value" has the same meaning as in sub-section (1) of Section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) ;
- (i) words and expressions used in this order and not defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Restrictions on export of certain goods.—(1) Save as otherwise provided in this Order no person shall export any goods of the description specified in Schedule I, except under and in accordance with a licence granted by the Central Government or by an officer specified in Schedule II.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clause (1) goods specified in Schedule III may be exported on fulfilment of the terms and conditions specified therein.

(3) If in any case, it is found, that the value, sort specification, quality and description of the goods to be exported are not in conformity with the declaration of the exporter in those respects or the quality and specification of such goods are not in accordance with the terms of the export contract, the export of such goods shall be deemed to be prohibited.

4. Conditions of licence.—(1) A licence granted under this Order may contain such conditions, not inconsistent with the Act or this Order, as the licensing authority may deem fit.

(2) It shall be deemed to be a condition of every licence that—

- (a) no person shall transfer and no person shall acquire by transfer any licence issued by the licensing authority except under and in accordance with the written permission of the authority which granted the licence ;
- (b) the goods for the export of which the licence is granted shall be the property of the licensee at the time of the export.

(3) The licensee shall comply with all condition imposed or deemed to be imposed under this clause

5. Refusal of licence.—The licensing authority may refuse to grant a licence—

- (a) if the application for the licence does not conform to any provision of this Order ;
- (b) if such application contains any false, or fraudulent or misleading statement ;
- (c) if the applicant uses in support of the application any document which is false or fabricated or which has been tampered with ;
- (d) if the licensing authority considers that the grant of the licence will not be in the interest of the country ;
- (e) if the activities of the applicant are prejudicial to the interest of the State ;

- (f) if the applicant has, on any occasion committed breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or foreign exchange ;
- (g) if the applicant on any occasion has tampered with an export licence or has exported goods without a licence, or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining any licence or found to have solicited licences by offering an inducement to the holder of licence or otherwise ;
- (h) if any agent or employee of the applicant has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining the licence for the applicant ;
- (i) if the application for an export licence is defective and does not conform to the prescribed rules ;
- (j) if the applicant contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any order made or deemed to have been made under the Act or any condition of a licence granted under any such order or commits a breach of the Export Trade Control Regulations ;
- (k) if the applicant is not eligible for a licence in accordance with the Export Control Regulations ;
- (l) if the licensing authority decides to canalize export through special or specialized agencies or channels ;
- (m) if the applicant is a partner in a partnership firm, or a whole-time director or managing director of a private limited company which is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9 ;
- (n) if the applicant is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9 ;
- (o) if the applicant is a partnership firm or a private limited company, any partner or whole-time director or managing director whereof, as the case may be is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9 ;
- (p) if any amount demanded from the applicant under the Customs Act, 1962, or any penalty imposed on him under the said Act has remained unpaid for a period of three months ;
- (q) if the applicant fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or the Licensing authority ; and

- (r) if the applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act.

*c. Amendment of Licence.*—The licensing authority may, of its own motion or on application by the licensee, amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provisions of the Act or this Order or any other law for the time being in force or to rectify any errors or omissions in the licence :

Provided that the licensing authority may on request by the licensee amend the licence in any manner consonant with the Export Trade Control Regulations.

*7. Power to debar from receiving licences or exporting goods.*—The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorised officer may debar a licensee or exporter or any other person from all or any of the following, i.e. receiving the licences or from exporting any goods and direct without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, that no licence shall be granted to him or no permission shall be granted to him for exporting any goods, for a specified period under this Order—

- (a) if his application for licence is at any time found to be not in conformity with any provisions of this Order, or
- (b) if such application is found to contain any false, fraudulent or misleading statement ; or
- (c) if he is found to have used in support of his application any document which is false or fabricated or which has been tampered with ; or
- (d) if he has, on any occasion, tampered with an export licence or has exported goods without a licence or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining a licence, or in exporting any goods, or is found to have solicited any licence by effecting an inducement to the holder of the licence or otherwise ; or
- (e) if his agent or employee has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods on his behalf ; or
- (f) if he fails to comply with or contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any condition embodied in, or accompanying a licence or an application for licence ; or
- (g) if he commits a breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or the import and export of goods or foreign exchange ; or
- (h) if he fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports & Exports or any other licensing authority ; or

- (i) if he commits a wilful breach of the export contract entered into between him and the other party.

**Note :** In this clause, the expression "Application for licence" includes any application made under the Export Trade Control Regulations.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may, by special order in writing—

(a) debar—

- (i) a person in respect of whom an order of detention has been made under the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) (hereinafter referred to as the 1974-Act); or
- (ii) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, as the case may be, from receiving licence or from exporting any goods; and

- (b) without prejudice to any other action that may be taken against such person, partnership firm or company, direct that no licence or permission for exporting any goods shall be granted to such person, partnership firm or company,

for such period as may be specified in such special order: Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, when the order of detention made against such person—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8 read with sub-section (2) of Section 9 of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974 Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with

sub-section (6) of Section 12A, of that Act, or

- (iv) has been set aside, by a court of competent jurisdiction.

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may debar a licensee or exporter or any other person from receiving licences or from exporting any goods and direct, without prejudice to any other action that may be taken against such person in this behalf, that no licence shall be granted to such person or no permission shall be granted to such person for exporting any goods for a specified period under this order, if in the opinion of the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer :—

- (a) such licensee, exporter or other person; or
- (b) where such licensee, exporter or other person is a partnership firm or a limited company, any partner or whole time director or managing director thereof, as the case may be; or
- (c) where such licensee, importer or other person is a partner in a partnership firm or a whole time director or managing director of a limited company, such partnership firm or limited company, as the case may be,

has—

- (i) failed, without sufficient cause, to utilise or to utilise fully, any export licence granted to such licensee, exporter or other person or such partner or whole time director or managing director or such partnership firm or limited company as the case may be; or
- (ii) committed any act referred to in paragraph (i) of sub-clause (3) of clause 8 of the Imports (Control) Order, 1955.

**8. Power to suspend grant of licences or permission to export goods.**—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may suspend the grant of licences or permission to export goods to a licensee or exporter or any other person, pending investigation into one or more of the allegations mentioned in clause 7 without prejudice to any other action that may be taken in this behalf—

Provided that grant of a licence and permission to export goods shall not ordinarily be suspended under this clause for a period exceeding twelve months :

Provided further that on the withdrawal of such suspension a licence may be granted to him for the period of suspension subject to such conditions, restrictions or limitations as may be decided by the authority aforesaid keeping in view the relevant economic factors.

**9. Power to keep in abeyance, applications for licences for exporting goods.**—Where any investigation into any of the allegations mentioned in clause 7 is pending against a licensee or exporter or any other

person and the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer is satisfied that without ascertaining further details in regard to such allegation the grant of licence or permission to export goods will not be in the public interest then, notwithstanding anything contained in this order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may keep in abeyance any application for grant of licence or permission to export goods of such person without assigning any reason, and without prejudice to any other action that may be taken in this behalf :

Provided that the period for which the grant of such licence or permission to export goods is kept in abeyance under this clause shall not ordinarily exceed six months.

**10. Publicity of action taken under clause 7 or 8.—**

(1) If the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient in the public interest to publish the name of any person or class of persons and other relevant particulars, against whom action under clause 7 or 8 is taken, it may publish or cause to be published, the name of such person or class of persons and such particulars in such manner as it thinks fit.

(2) No publication under sub-clause (1) shall be made in relation to; any such action until the time of presenting an appeal, if any, to the appellate authority has expired without an appeal having been presented or, the appeal, if presented, has been disposed of.

*Explanation.*—In the case of a firm, company or other association of persons, the names of the partners of the firm, directors, managing agents, secretaries and treasurers or manager of the company, or the members of the association, as the case may be, may also be published if, in the opinion of the Central Government, the circumstances of the case justify it.

**11. Cancellation of licences.**—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may cancel any licence granted under this order or otherwise render it ineffective :—

- (a) if the licence has been granted through inadvertence or mistake or has been obtained by fraud or misrepresentation ;
- (b) if the licence has been granted contrary to rules or the provisions of this Order ;
- (c) if the licensee has committed a breach of any of the conditions of a licence ;
- (d) if the Central Government or such officer is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it has been granted ;
- (e) if the licensee has committed a breach of any law relating to customs or the rules and regulations relating to the import or export of goods or any law relating to the regulation of foreign exchange :

Provided that notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government or the Chief

Controller of Imports and Exports or an authorised officer may, if satisfied that it is expedient so to do in the public interest cancel any licence or render it ineffective without assigning any reason.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may by special order in writing render ineffective any licence granted under this order to—

- (a) a person, if an order or detention has been made under the 1974-Act in respect of such person ; or
- (b) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole time director or managing director as the case may be :

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or, as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a director, when the order of detention made against such person,—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board ; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9 of that Act ; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of section 12A, of that Act ; or
- (iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.

**12. Licensee, etc. to be given opportunity of being heard.**—(1) No action shall be taken under clause 6 or sub-clause (i) or sub-clause 3 of clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) of clause 11 against a licensee or exporter or any other person unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where any person is aggrieved by any action taken under clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) of clause 11 (save in case where the cancellation has been ordered under the proviso thereto) he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may, by notification in the Official

Gazette, constitute for the purpose of hearing appeals, within thirty days from the date of the communication of the action taken.

**13. Declaration as to the value, sort, quality, etc. of exported goods.**—On the exportation from any Customs port of any goods, whether liable to duty or not, the owner or exporter of such goods shall, in the shipping bill, or other relevant document state the value, sort, specification quality and description of such goods to the best of his knowledge and belief, and certify that the quality and specification of the goods, as stated in those documents, are in accordance with the terms of the export contract entered into with the buyer or consignee in pursuance of which the goods are being exported and shall subscribe to a declaration to the truth of such statements at the foot of such Shipping Bill or other documents.

**14. Prohibition regarding making, signing etc. of any declaration, statement or documents.**—(1) No person shall make, sign or use or cause to be made, signed or used any declaration, statement or document in obtaining a licence, or in exporting any goods knowing or having reason to believe that such declaration, statement or document is false in any material particular.

(2) No person shall employ any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods.

**14A. Powers of revision of the Chief Controller or Additional Chief Controller.**—The Chief Controller or Additional Chief Controller may, on his own motion or otherwise, call for and examine the records of any proceedings in which an action to debar under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 7 or to cancel a licence under sub-clause (1) of clause 11 has been initiated or completed (whatever the result may be) by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred, for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such action and pass such orders thereon as he may think fit :

Provided that no action shall be varied under this sub-clause so as to prejudicially affect any person unless such person—

- (a) has, within a period of two years from the date of such action, received a notice to show cause why such action shall not be varied; and
- (b) has been given a reasonable opportunity of making representation and, if he so desires, of being heard, in his defence.

**15. Savings.**—Nothing in this Order shall apply to—

- (a) any goods exported by or under the authority of the Central Government;
- (b) any goods covered by executive instructions issued by the Chief Controller of Imports and Exports;
- (c) any goods other than food-stuffs constituting the stores or equipment of any outgoing vessel or conveyance;

- (d) any goods constituting the *bona fide* personal baggage of any person (including a passenger or members of a crew in any outgoing vessel or conveyance) going out of India;

Provided that the wild life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) specified in part 'A' of Schedule I shall not be treated as constituting such personal baggage;

- (e) any goods exported by post or by air under the conditions specified in Postal Notice issued by the Postal authorities;
- (f) any goods transhipped at a port in India after having been manifested for such transshipment at the time of despatch from a port outside India;
- (g) any goods imported and bonded on arrival in India for re-export to any country outside India, except Nepal and Bhutan;
- (h) any goods in transit through India by post or any goods re-directed by post to a destination outside India except Nepal and Bhutan, provided that such goods while in India are always in the custody of the postal authorities;
- (i) any goods imported without a valid import licence and exported in accordance with an order for the export of such goods made by an officer of Customs authorised in this behalf;
- (j) products manufactured in and exported from the respective Free Trade Zones and approved 100 per cent Export Oriented Units except textile items covered by bilateral agreements.
- (k) Export of Blood group Oh (Bombay Phenotype) meant for scientific research or emergency medical treatment, as life saving measure on humanitarian grounds by the Director, National Blood Group Reference Laboratory, Bombay, on the basis of a specific certificate issued by him to this effect in each case;
- (l) Export of samples of lubricating oil, additives lube oil, crude oil and other related petroleum products and raw materials used to manufacture Lube Additives by Lubrizols India Ltd., Bombay and Indian Oil Corporation Ltd., Hindustan Petroleum Corporation Ltd., and Bharat Petroleum Corporation Ltd., from their installation in India to Lubrizol's Laboratories in U.S.A. and U.K. for evaluation/testing purposes.

**16. Repeal.**—The Exports (Control) Order, 1977 published with the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce under S. O. 254(E) dated the 24th March 1977 as amended from time to time is hereby repealed :

Provided that anything or any action taken including any appointment made or licence issued under any of the provisions of the above Order or Notification, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Order.

## SCHEDULE I

## COMMODITIES SUBJECT TO EXPORT CONTROL

## PART 'A'

*Items Export of which is not allowed*

0019. The exports of all forms of Wild Life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) including stuffed animals in whole or part are completely banned except for those mentioned in Part 'B'. In exceptional circumstances where export is for specific, scientific or zoological purposes, the prior clearance of the Department of Environment, Forests & Wild life who will consider each case on merits prior to issue of an export licence, will be necessary.

0027. Manufactured articles made out of :—

- (i) Porcupine Quills.
- (ii) Shed Antlers of Chital and Sambhar.
- (iii) Reptile/Snake Skins.
- (iv) Mongoose Hair.

0035. Fur of domestic animals.

0043. Beef.

0051. (i) Milk, Powder Milk (Skimmed or full cream) Baby Milk and sterilised liquid milk.

(ii) Pure Milk Ghee.

006X (i) Banana Suckers (seedling plants).

(ii) Cashew plants.

0078. Oil Seeds the following :—

- (i) Castor Seed.
- (ii) Cotton Seed.
- (iii) Linseed.
- (iv) Sunflower Seed.
- (v) Soyabean.
- (vi) Kardi Seed.
- (vii) Mustard/rape seeds.

0086. Coconut and Copra excluding Decorticated Coconut Whole, Coconut Protein, Coconut honey, Coconut flour and Dessicated Coconut.

0094. Seeds, the following :—

- (i) Cashewnut seeds.
- (ii) Green manure seeds, other than dhaincha and Barseem seeds.
- (iii) Guar seeds (whole).
- (iv) Jute seeds.
- (v) Lemongrass seeds and roots.
- (vi) Mesta seeds.

(vii) Pepper cuttings or rooted cuttings of pepper.

(viii) *Petrocarpus Santalinus* (Red Sanders) seeds.

(ix) Rubber Seeds.

(x) Russa grass seeds and tufts.

(xi) *Santalum album* (Sandalwood).

(xii) (a) Plants and derivatives :—

1. *Aconitum deinorrhizum* (Stapt—*Ranuncula* ceae).
2. *Atropa acuminata*—(Royle exlindi *Solanaceae*).
3. *Aristolochia* Spp. (*Aristolochiaceae*).
4. *Angiopteris* spp. (Fern).
5. *Balanophora* spp. (*Balanophoraceae*).
6. *Colchicum luteum* (Baker-Liliaceae).
7. *Commihora wightii* (Arn-Bhandari *Bursera* ceae).
8. *Coptis Teea* (Wall-Ranunculacene).
9. *Cyathea gigantea* (Wall ex Hook—*Cyathea* ceae).
10. *Dioscorea deltoidea* (Wall ex Kunth-Diosso-reaces).
11. *Drosera bwemanni* (Vahl-Droseraceae).
12. *Drosera indica* (Linn-Droseraceae).
13. *Gentiana kurroo* (Boyle-Gentianaceae).
14. *Gloriosa superba* (Liliaceae) other than *Gloriosa superba* (Liliaceae) Seeds grown in the farms.
15. *Gnetum* spp (*Gnetaceae*).
16. *Iphigenia kunth* (Liliaceae).
17. *Meconopsis betonicifolia* (Franchet-Papavera-ceae).
18. *Mardostachys grandiflora* (D C-Valenianaceae).
19. *Nepenthes khasiana* (Hook-F-Nepenthaceae).
20. *Osmunda claytoniana* (*Osmundaceae*).
21. *Osmunda regalis* (*Osmundaceae*).

22. *Podophyllum hexandrum* (Royle-Podophyllaceae).
23. *Rauwalfia serpentina* (Linn, Benth ex Kurz Apocynaceae).
24. *Rhododendron* spp (Ericaceae).
25. *Rheum emodi* (Wall ex Meisn Polygonaceae).
- (b) Plant portion other than those covered by Part 'B'.
- (c) Orchids, the following :—
1. Wild Orchids.
  2. *Aconitum Heterophyllum*.
  3. *Berberis aristata*.
  4. *Coptis teeta*.
  5. *Dioscorea deltoidea*.
  6. *Gentiana Kurra*.
  7. *Nardostachys Jatamansi*.
  8. *Physochaima Praelta*.
  9. *Podophyllum hexandrum*.
  10. *Pnaultia Serpulia*.
- (xiii) Egyptian clover (Barseem). *Trifolium alexandrinum* seeds.
- (xiv) Lucerne (Alfalfa) *Medicago Sativa* Seeds.
- (xv) Persian clover (Shaftal *Trifolium repens* seeds).
- (xvi) Saffron seeds or corms (Planting material for Saffron).
- (xvii) *Nux Vomica* Seeds, bark, leaves, root and powder thereof.
- (xviii) Seeds of all oilseeds and pulses.
- (xix) wheat seeds and paddy seeds (wild variety).
- (xx) Seeds of ornamental plants (wild variety).
- (xxi) Kuth (*Costus lappa* syn. *Saussurea lappa* CB CL-Asteraceae) obtained from wild.
0108. Forestry seeds, Foundation and breeder seeds, all varieties/categories.
0116. Diosgenin and *Dioscorea* roots.
0124. *Cinchona* seeds and bark.
0132. Gums and resins the following :—  
Gleo-resins ex-*Pinus longifolia*
0140. Pasewa and any lac containing living insects.
0159. Tallow, fat and oils rendered, unrendered or otherwise, of any animal origin.
0167. Vegetable oils, the following :—
- (i) Coconut oil.
  - (ii) Cottonseed oil.
  - (iii) Groundnut oil.
  - (iv) Linseed oil.
  - (v) Salad oil.
  - (vi) Sunflower oil.
  - (vii) Kardi oil.
  - (viii) Niger seed oil.
  - (ix) Mustard oil/rape seed oil.
  - (x) Sesame Seed Oil.
  - (xi) Corn oil.
  - (xii) Rice bran oil.
0175. (i) Frogs and parts thereof (including processed frogs).
- (ii) Fresh and frozen silver pomfrets of weight less than 300 gms.
0183. (i) Beche-de-mer of sizes below 3 inches.
- (ii) Fish meal with less than 50% protein content.
0191. (i) Rice bran, raw and boiled.
- (ii) Paddy (rice in husk).
0205. (i) Groundnut oil cake (expeller variety).
- (ii) Deoiled groundnut cakes containing more than 1 per cent oil.
- 0213 (i) Expeller cakes, all varieties except Cotton Seed Expeller Cakes.
- C221. Minerals, ores and concentrates, the following :—
- (i) Radium ores and concentrates.
  - (ii) Uranium ores and concentrates.
  - (iii) Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold.
  - (iv) Zinc ores.
  - (v) Chrome ore and concentrates, other than those mentioned in Part 'B'.
  - (vi) Zinc concentrates.
  - (vii) Vanadium ores and concentrates.
  - (viii) Vanadium bearing iron ore containing  $V_2O_5$  exceeding 0.2 per cent.
  - (ix) Tungsten (Wolfram), ores and concentrates.
  - (x) Andalusite.
  - (xi) Kyanite all grades.
  - (xii) All types of Sillimanite (except granular sillimanite).
  - (xiii) Calcined magnesite with silica content below 4.5 per cent and dead burnt magnesite.
  - (xiv) Chrysotile, Crocidolite and Amosite varieties of asbestos of all sizes and grades.
  - (xv) Calcined Bauxite.
- 023X. Charcoal of all types other than Activated Charcoal/Activated Carbon.

0248. Creosote Oil (light and heavy) coal tar and mixture containing coal tar.

0256. Metals and their compounds the following :—

- (i) Beryllium and its compounds.
- (ii) Lithium and its compounds.
- (iii) Neptunium and its compounds.
- (iv) Plutonium and its compounds.
- (v) Radium and its compounds.
- (vi) Thorium and its compounds.
- (vii) Uranium and its compounds.
- (viii) Zirconium and its compounds.
- (ix) Iridium, iridosmine and osmiridium.
- (x) Selenium.
- (xi) Deutorium compounds.
- (xii) Mercury.

0264. (i) Raw placenta, Placental Blood, Plasma.

- (ii) Whole human blood plasma and all products derived from human blood except human Gamma Globulin and Human Serum Albumin manufactured from Human Placenta and Human Placental Blood.

0272. Chemicals the following :—

1. Acetic Anhydride.
2. Polythylene (HD).
3. Cyanuric Chloride.
4. Ethylene Oxide.
5. Isopropyl Alcohol.
6. Synthetic Rubber.
7. Nephthalene.
8. Ethylene Glycol.
9. Di Ethylene Glycol.
10. Polythylene Glycol.
11. Methyl sobutyl Ketone.
12. 2-Ethyl Hexanol.
13. P.V.C. Resin.
14. Paraffin Wax.

0280. Fertilizers, all types, including super-phosphate but excluding Micronutrient Fertilizer.

0299. Rock Phosphate.

0302. Geranium Oil.

0310. Raw hides and skins, all types.

0329. (i) Wood and Timber, all species, in long and sawn sizes.

(ii) Cane.

(iii) Bamboo.

0337. Paper grade plup including bamboo pulp excluding hemp pulp.

0345. Waste paper, excluding waste newspaper.

0353. Silk Worms.

0361. Handspun Silk Yarn.

037X. Angora Goat Hair or Mohair.

0388. Raw Wool above 36s quality (indigenous).

0396. Real Madras handkerchiefs (RMHK) made on Powerloom.

040X. Wool Waste.

0418. Non-mulberry silk waste, viz. Tassar, Eri and Muga and Mulbery) pierced cocoons.

0426. Metals the following :—

(i) Copper—

Electrolytic, fire refined and blister copper in the form of ingots, wire, bars, blooms, slabs, cakes, tiles, bricks, billets, scrap and cathodes.

(ii) Nickel, unwrought and nickel pellets.

(iii) Magnesium.

(iv) Pig lead unwrought.

(v) Zinc or Spelter unwrought.

(vi) Tin, unwrought and wrought.

(vii) Bismuth.

(viii) Cobalt, unwrought and wrought.

(ix) Molybdenum.

(x) Platinum, crude and refined unwrought.

(xi) Tungsten.

(xii) Vanadium.

(xiii) Copper ores and concentrates.

(xiv) Lead ores and concentrates.

(xv) Pig Iron.

0434. Silver bullion silver sheets and plates which have not undergone any process of manufacture subsequent to rolling.

0442. Cuttings and fleshing of hides and skins used as raw materials for manufacture of animal glue gelatine.

0450. Clinker.

0469. Styrene Monomar.

0477. Natural Rubber.

0485. Silver salts, Silver Chemicals and compounds, irrespective of percentage of Silver Content other than the following :—

	Silver content assuming 100% purity
Silver Nitrate for drugs/photo chemicals.	63.5%
Silver Bromide-Antiseptic Photo chemicals.	57.45%
Silver Oxide for drugs	93.1%
Silver for Electroplating	80.57%
Silver Iodide- rain making	45.95%
Silver Suboxide Ag 4°	96.4%
Silver chloride for electroplating	75.26%
Silver Flouride for drugs	85.03%
Silver Acetate	64.63%
and Drug formulations of mild silver proteins and silver sulphadiazine conforming to formulations prescribed in recognised pharmacopoeia/official standards	

0493. (i) Beryl including Gem variety of Beryl.

(ii) Rough (uncut and unset) precious stones and rock crystal quartz.

0507. Wattle Bark.

0515. Ferrous Scrap.

0523. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slags, ashes, slims and flue dust (other than those of

gold and silver) containing 15% or more of free metal content

0531. Crude rum i.e. rum not matured in wood.

054X. Sulphur (excluding insoluble Sulphur).

0558. Butter.

0566. Sugar Cane.

0574. Bone Meal.

0582. Uncrushed bones other than fish bones.

0590. (i) Cattle.

(ii) Camel.

0604. (i) Pulses, all types including Lentins, Grams and Beans and flour made therefrom.

(ii) Processed pulses other than those made out of the pulses imported under the Advance licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Unit.

0612. Manufactures and products having silver as an ingredient, other than those mentioned in Part 'B' against Sl. No. 2569 and also excluding Engineering, Handicrafts and electrical goods, costume Jewellery and Silver filigree.

0620. Human Skeletons and parts thereof.

## PART 'B'

Items export of which is allowed on merits or subject to ceiling or other conditions to be specified from time to time.

2011. (i) Horses (Kathiawari, Marwari and Manipuri breeds are not allowed).

(ii) Donkeys.

(iii) Mules.

202X. Live Sheep and Goat (Adult).

2038. Wild Life, the following :—

(a) Live animals :

1 Fruit Bats.

(b) Animal Products (in manufactured form).

1. Venom of Snakes.

2. Ivory products made out of unmanufactured Ivory of African Origin imported under Advance/Imprest/REP Licences/OGL.

(c) Live Birds :

1. Weavers (Baya and Striated).

2. Buntings (Red headed and black headed).

3. Crows (House and Jungle)

4. Mynas (common, Bank, Black headed, Grey headed and rosy Pastor).

5. Munias (spotted, red, black headed, white headed and white throated).

6. Parakeets (red breasted rose ringed, Alexandrine Blossom headed and slaty headed).

7. Sparrows (House and Yellow throated).

8. Pigeons (Bluerock and its domesticated varieties).

(d) Peacock Tail Feathers and articles|handicrafts manufactured therefrom.

(e) Cantharidine Beetles

2046. (a) Meat of Buffalo (both Male and Female), including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs.

(b) Meat of Indian Sheep—including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs.

(c) Meat of Indian goat—including heart, liver, lungs, brain, tongue, Kidneys and other organs.

2054. (i) Sea Shells.

(ii) Fish meal with protein content 50% or above.

2062. Bones :

(i) Skeletons other than human skeletons and parts thereof.

(ii) Crushed Bones.

2070. Onions.

2089. Grains and flour, the following :—

(i) Rice (Basmati and Non-Basmati).

(ii) Wheat.

(iii) Wheat Products, i.e., Rawa, Resultant Atta and wheat Bran.

(iv) Maida, suji and wholemeal atta, viz., wheat flour of not less than 95 per cent extraction.

(v) Barley.

(vi) Maize.

(vii) Bajra.

(viii) Jowar.

(ix) Ragi.

2097. All seeds of Trees, Hedge, Ornamental Plants, Vegetables, Flowers and Gloriosa Superba (Liliaceae).

2100. Fodder Crop Seeds.

2119. Kuth (Costus lappa Syn. Saussurea lappa- (C.B.Cl. Asteraceae) cultivated in private lands, and its derivatives except wild variety.

2127. Orchids (except the categories covered by Part 'A').

2135. Portion of plants, the following :—

(a) Plants

Portion of plants to be allowed for export on production of certificate as indicated in the note.

1. Arundinaria Jaunsarensia Gamble. Whole Plant.

2. Benthickia coddapanna Berry. Whole Plant.

3. Dalbergin Lalitolia Roxb. Seeds.

4. Dioscorea prazeri prain et. Tuber.

5. Gyathasa gagantea (Wall ex. Hook) Whole Plant. Holif.

6. <i>Lavatera Kashmiriana</i> Gamb	Fruits/Seeds.
7. <i>Mangolia Pterocarpa</i> Roxb	Seeds.
8. <i>Paraquilegia grandiflora</i> O.R. Drum and Hutchison.	Roots stocks/Seeds.
9. <i>Pinanga Gracilis</i> Bl.	Whole Plant.
10. <i>Pinus gerardiana</i> wall	Seeds.
11. <i>Populus gamblei</i> dode	Cuttings seeds.
12. <i>Pterocarpus dalbergioides</i> Roxb.	Seeds.
13. <i>Rauwolfia canescens</i>	Roots and Seeds.
14. <i>Santalum Album</i>	Seeds.
(b) Botanical plants.	
1. <i>Cycas beddomei</i> Dyer	Plants.
2. <i>Dischidia reflexa</i> R. Br.	Whole.

Note:— The above regulations are however relaxed and export permitted by firms on obtaining certificates from the Chief Conservator of Forests or Chief Wild life Warden or the officer authorised by them, that the material is of plantation or nursery origin.

2143. (i) Hydrogenated Oil (Vanaspati ghee).  
(ii) Castor Oil.
2151. Sticklac and Broodlac.
- 216X. (i) Sugar.  
(ii) Khandsari Sugar.
2178. (i) Molasses.  
(ii) Khandsari Molasses.
2186. Palmyrah Sugar Candy.
2194. Jaggery (Gur).
2208. Ethyl Alcohol or rectified spirit of any proof degree, whether denatured or not.
2216. De-oiled Rice Bran (Rice Bran Extraction).
2224. De-oiled groundnut cake (extractions).
2232. (i) Solvent Extracted Cottonseed Cakes (Decorticated and undecorticated).  
(ii) Cottonseed expeller cakes.  
(iii) Wheat Straw (Hay).
2240. Flue-cured Virginia Tobacco, Sun-cured Virginia Tobacco, Suncured Natu (Country) Tobacco and Suncured Jutty Tobacco.
2259. Cement.
2267. Minerals ores and concentrates, the following :—  
(i) All grades of Bauxite, except Calcined Bauxite.  
(ii) Iron Ore.

- (iii) Raw Magnesite.
- (iv) Magnesite with silica content between 4.5 per cent to 7.5 per cent.
- (v) Manganese Ores (excluding Chemically Processed Manganese Dioxide).
- (vi) Granular Sillimanite.
- (vii) Corundum, other than Sapphires and Rubies.
- (viii) Chrome ores and concentrates the following :—  
(i) Chrome ore lumps with  $\text{Cr}_2\text{O}_3$  not exceeding 41.99 per cent.  
(ii) Chromite fines and friable ore.
- (ix) Rutile, synthetic Rutile.
- (x) Thorium Ores and concentrates.
- (xi) Zircon Ores and concentrates including semi-precious variety of Zircon stones.
- (xii) Some other minerals, containing the following substances as accessory ingredients including (a) Columbite (b) Monazite (c) Samerskite (d) Uraniferous allamite :—  
1. Radium Ores and Concentrates.  
2. Thorium Ores and concentrates.  
3. Uranium Ores and concentrates.  
4. Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold.  
5. Zircon ores and concentrates including semi-precious variety of Zircon stones.
- (xiii) Laterite.
2275. (i) Processed mica including mica blocks, mica films and splittings, of all grades and varieties, excluding manufactured and fabricated mica.  
(ii) Mica waste (including factory cuttings) and scrap which is obtained by processing mica and which because of size and colour is considered below the specifications of processed mica.
2283. (i) Coal and Coke.  
(ii) Carbonised lignite briquettes (LECO).
2291. All Petroleum Products including Lubricants, greases and crude oil.
2305. Chemicals, the following :—  
1. Butyl Alcohol.  
2. Mono Chloro Acetic Acid.  
3. Calcium Carbide.  
4. Phenol.  
5. P.V.C. Compound.  
6. Acetic Acid.  
7. Toluene.  
8. Chloroquine phosphate and chloroquine sulphate including formulations manufactured

- from chloroquine Phosphate and chloroquine sulphate.
9. Polythelene (LD).
  10. Polythylene (LLDP).
  11. Benzene.
  12. Insoluble Sulphur.
2313. Micronutrient Fertilizers.
2321. (i) Cinchona mixed alkaloids and cinchona salts after extraction of quinine and quinidine and salts thereof.
- (ii) Quinidine Sulphate.
- (iii) Quinine and Quinine Products.
- 233X. Synthetic Musk.
2348. (i) Exposed cinematographic films (feature film) including sale of Video Rights of Indian Feature films excluding low budget feature films produced at a cost not exceeding Rs. 20 lakhs.
- (ii) Video taped cinema films (including cassettes).
2356. All categories of semiprocessed hides and skins including E.I. tanned and wet blue hides and skins and crust leather.
2364. Wood and Timber other than those mentioned in Sl. No. 0329 of Part 'A'.
2372. (i) Raw Silk.
- (ii) Pure Silk Yarn including Silk Noil Yarn.
- (iii) Silk Waste, the following :—
- (a) Throwster and hard silk waste.
  - (b) Mulberry Silk Waste including cleaned and degummed Silk Waste.
  - (c) Noils and Noil Droppings.
  - (d) Other varieties of Silk Waste viz.
    - (i) Boiled Cocoons.
    - (ii) Basin refuse.
    - (iii) Fluff/Floss.
    - (iv) Flimsy Cocoons.
2380. Silk worm seeds and silk worm cocoons including reeling cocoons.
2399. Man made fibres and yarns, the following :—
- (i) Nylon Tyre Yarn/Cord/Fabric.
  - (ii) (a) Rayon Tyre yarn of 600 deniers and above.
  - (b) Rayon Tyre Cord of all deniers.
  - (c) Rayon Tyre Fabric.
  - (iii) Synthetic blended yarn containing 50 per cent or more of Synthetic fibre.
  - (iv) Nylon filament yarn.
  - (v) Polyester staple Fibre/yarn (all types).
  - (vi) Rayon Filament yarn.
  - (vii) Viscose staple fibre.
  - (viii) Viscose staple fibre spun yarn.
  - (ix) Acrylic Hand/Machine Knitting Yarn.
  - (x) Acrylic Yarn/Acrylic Fibre.
2402. Raw Wool upto 36s quality (indigenous) except Angora goat hair or Mohair.
2410. Shoddy/Woolen/Semi-worsted yarn.
2429. Knitwear (Acrylic and mixed).
2437. Raw cotton :
- (i) Bengal Deshi.
  - (ii) Assam Comillas.
  - (iii) Staple Cotton.
  - (iv) Cotton decoloured by damage due to fire/Water.
  - (v) Zoda and Sweeping.
  - (vi) Yellow Pickings.
  - (vii) Others.
2445. Soft cotton waste/Hard cotton waste.
2453. Cotton yarn including tyre cord yarn.
2461. Textiles, the following :—
- (i) Textile cloth and materials thereof of olive green shade excluding pure silk and artificial silk fabrics and materials thereof (including hosiery).
  - (ii) Tent/tent cloth of Olive Green Shade.
  - (iii) Exports to EEC Member-States of textiles and Textile products made from cotton wool and man-made fibres (excluding jute silk and flax) under the Indo-EEC Textile Agreement.
  - (iv) Exports to USA of Textiles made from cotton, wool & Man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-US Textile Agreement.
  - (v) Export to Austria of certain cotton textile and textile products under Memorandum of Understanding between India and Austria.
  - (vi) Export of certain textile products of cotton, wool and man-made fibres or blends thereof to Sweden under the Indo-Swedish Textile Agreement.

- (vii) Export of textile products of cotton and man-made fibres to Finland under the randum of Understanding between India and Finland.
  - (viii) Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom.
  - (ix) Export of certain textile products of cotton, wool and man-made fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.
  - (x) Exports to Norway of certain textile and textile products under the Agreement between India and Norway.
- 247X. (i) Raw jute, mesta and jute cuttings excluding caddies.
- (ii) Jute Carpet Backing Cloth when exported to countries in North America.
2488. (i) Iron and Steel other than cast iron pipes and fittings.
- (ii) Rods and bars made out of imported billets.
- (iii) Light Rails (20 kgs. or less).

2496. Ferro Alloys, except the following :—

- (i) Ferro Manganese Slag
- (ii) Ferro Manganese (other than ferro manganese containing less than 0.05 per cent carbon) Silica manganese ;
- (iii) Ferro chrome (Other than ferro chrome containing less than 0.03 per cent carbon and nitrogen bearings) silica chrome.

250X. Ferro Titanium.

2518. Non-ferrous metals and alloys, un-wrought, not shown elsewhere in this Schedule.

2526. Metal scrap, other than ferrous scrap, containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent molybdenum or 1.00 per cent tungsten, or 0.20 per cent vanadium or 1.00 per cent cobalt and Mill Scale Scrap :—

- (i) Nickel Cadmium battery scrap.
- (ii) Platinum scrap.
- (iii) Nickel scrap excluding nickel pellets.
- (iv) Nichrome Scrap.
- (v) Scrap of other metals.

2534. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slugs, ashes, slimes and flue dust (other than those of gold and silver).

2542. Railway Wagons, passenger Coaches and Locomotives.

2550. (i) Vintage motor cars and motor cycles and parts and components thereof i.e. motor cars and motor cycles of 1940 and earlier models.

(ii) Second-hand automobile spares, components and accessories.

2569. Silver Jewellery and Silver Articles mentioned in Annexure VI and VII of Appendix 22 of Import and Export Policy 1988-91 (Vol. I).

2577. Silver Coins (irrespective of Silver content).

Note :—Commemorative Proof set coins (uncirculated quality) issued from time to time will be permitted to be exported only by India Government Mint, Bombay and the customs authorities will directly allow such exports.

2585. Gold Jewellery and Articles.

2593. Aircraft spares, components and accessories excluding for repairs/overhauling on returnable basis by the Airlines both Indian and foreign.

2607. (i) Arms and Ammunition viz.

Muzzle loading weapons and Breach loading or bolt action weapon such as shotguns, rifles, revolver, pistols and their ammunition.

(ii) Fire arms and ammunition other than those metioned at (i) above and also excluding sharp edged weapon viz. khukries, kirpans, kris, hunting knives, and swords.

(iii) Military Stores.

(iv) Replicas of Antique weapons.

2615. Pyrophyllite.

2623. Gum Rosin.

2631. Iodised salt (used for human consumption).

264X. Frozen Semen of Animals.

2658. Seaweeds, all types.

2666. Gum Karaya.

2674. Processed pulses made only out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Unit.

**SCHEDULE II****OFFICERS COMPETENT TO GRANT LICENCE**

1. Chief Controller of Imports and Exports.
2. Additional Chief Controller of Imports and Exports.
3. Export Commissioner.
4. A Joint Chief Controller of Imports and Exports.
5. A Deputy Chief Controller of Imports and Exports.
6. An Assistant Chief Controller of Imports and Exports.
7. A Controller of Imports and Exports.
8. A Collector of Customs.
9. A Superintendent/Assistant Collector of Central Excise.
10. Deputy Development Commissioner (Imports and Exports) Santa Cruz Electronic Export Processing Zone, Bombay.
11. Assistant Development Commissioner (Imports & Exports) Santa Cruz Electronic Export Processing Zone, Bombay.
12. The Deputy Development Commissioner, FALTA Export Processing Zone, Falta, W. Bengal.
13. The Dy. Development Commissioner, Madras Export Processing Zone, Madras.
14. The Joint Development Commissioner/Dy. Development Commissioner, New Okhla Industrial Development Area Export Processing Zone, Noida, U.P.
15. The Deputy Development Commissioner, Cochin Export Processing Zone, Cochin, Kerala.

**SCHEDULE III**  
**OPEN GENERAL LICENCE**  
**O.G.L. No. 1**

Any person may export by land to any country adjacent to India and having no seaboard of its own, the following articles provided that they are intended for use of consumption in that country :—

Any goods included in Schedule I which are consigned under a procedure prescribed for regulating transit traffic.

**O. G. L. No. 2**

Any person may export to any country except to a country to which export is prohibited by any law for the time being in force, the following bonafide samples, namely :—

Sl. No.	Item	Item No. in Schedule I
(1)	(2)	(3)
	Bonafide samples, the following:—	
1.	Samples of Iron Ore not exceeding 30 metric tonnes at a time provided the consignments are covered by a certificate by the following competent authority to the effect that the quantity of Iron Ore (including fines) is required for experimental purposes and that the quantity involved is the minimum required for the particular purpose	.....B-2267(ii)
(i)	Divisional Manager (Sales) Minerals and Metals Trading Corporation, New Delhi, for any area other than Goa,	
(ii)	Iron Ore Adviser, Goa, for Goan Iron Ore.	
(iii)	Dy. Secretary Deptt. of Mines New Delhi, for consignments not covered under items (i) and (ii) above.	

Samples of Iron Ore concentrates prepared by beneficiation and/or concentration of low grade ore containing 40 per cent or less Fe, produced by Kudremukh Iron Ore Co. Ltd. not exceeding 30 metric tonnes at a time can be exported by Kudremukh Iron Ore Co. Ltd., itself without obtaining a certificate from Minerals and Metals Trading Corporation.

2. Sample of wooden furniture by a registered exporter of wooden furniture within an annual value limit of Rs. 25,000/- for each exporter but not exceeding Rs. 10,000/- in respect of individual consignment in each licensing period.

3. Samples of Text Books and other books within an annual value limit of Rs. 10,000/- per exporter but not exceeding Rs. 3,000/- in respect of individual consignment in each licensing period.

4. Sample of drug formulations upto 10 per cent of the fob value of the export consignment when exported along with the consignment itself. Such sample packings should prominently bear the marking "Physician's sample—Not for sale".

Samples of drug formulations which are physician's 'sample' and not for sale and not accompanying the export consignment within an annual value limit of Rs. 1 lakh per exporter but not exceeding Rs. 25,000/- in each consignment in each licensing period.

5. Sample of agro-chemicals within an annual value limit of Rs. 2 lakhs per exporter but not ex-

ceeding Rs. 50,000/- in each consignment in each licensing period.

6. Samples of items of Part 'A' of Schedule I to this Order and items allowed for export 'on merits', and ceiling items covered by List II of Appendix 4 of Import and Export Policy 1988—91 (Volume II) shall not be allowed for export.

Samples of canalised items allowed for export by the canalising agencies only within an annual value limit of Rs. 25,000/- but each consignment not exceeding Rs. 5,000/- in each licensing period.

7. In respect of samples of other controlled items allowed within an annual value limit upto Rs. 25,000/- per exporter but not exceeding Rs. 5,000/- in each consignment in each licensing period.

8. Samples of de-controlled items allowed within an annual value upto Rs. 50,000/- per exporter but not exceeding Rs. 10,000/- in each consignment in each licensing period.

9. If any exporter is desirous of exporting beyond the permissible limits as stipulated above, then, he should approach the Export Licensing Committee in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

The respective Export promotion Councils/Commodity Boards shall be the agency to monitor the annual ceilings/value limits for export of samples.

However, in respect of Export Houses and Trading Houses, the agency to monitor the export of samples shall be the Federation of Indian Exporters' Organisation.

10. Intending exporters desirous of exporting bona-fide samples free of cost shall have to apply to the respective Councils/Commodity Boards, who, after verifying the genuineness of the case, shall issue a Samples Export Card to the Exporter(s) prescribing therein the details of the exporter, name of the sample(s) to be exported, value of annual limit and destination where the samples are to be exported. These Samples Export Cards shall be presented by the exporter(s) to the Customs Authorities and export shall be allowed through specified ports. The Customs Authorities at the specified Port shall make an endorsement in the Samples Export Card at the time of permitting export and ensure that the annual ceiling/value limit is not exceeded.

Balance quantities/value limits of samples remaining at the end of the licensing period shall not be permitted to be carried over to the next licensing period.

The validity period of Samples Export Card shall be one year (viz. 1st day of April to 31st day of March, in a year).

## O.G.L. NO. 3

Items export of which is allowed under open General Licence subject to prescribed conditions.

Sl. No.	Item	Sl.No. as in Part 'B' of Schedule I	Condition(s) to be fulfilled/documents to be produced
1	2	3	4
1. Fruit Bats.		B.2038(a)	Export allowed on production of Legal Procurement Certificate.
2. Ivory Products made out of unmanufactured Ivory of African Origin imported under Advance/Imprest/ REP Licences/OGL.		B.2038(b)(2)	Export allowed from four major ports viz. Bombay, Calcutta, Madras and Delhi on the basis of re-export certificate issued by Management Authority (Director, Wild Life Preservation) Department of Forests and Wild Life, Government of India under Convention on International Trade in Endangered species of wild Fauna and Flora after exporters obtain Legal procurement certificate.
3. Fish Meal		B.2054(ii)	Only material with protein content 50 per cent or above is permitted.
4. Basmati Rice		B.2089(i)	Export allowed subject to minimum export price announced from time to time by the Central Government.
5. All Seeds of Trees, Hedge, Ornamental Plants, Vegetables, Flowers and Gloriosa Superba (Liliaceae).		B.2097	Export allowed subject to production of certificate from the Seeds Certification Agency/concerned Deptt. of the State Government that the Seeds to be exported are not of wild variety and are not Foundation and Breeder Seeds.
6. Orchids (except the categories covered) by Part 'A' against S.No. 0094(c).		B.2127	Only Orchids raised through culture technique and contained in Flasks are allowed subject to Pre-shipment inspection, and CITES (Convention on International Trade in Endangered species of wild Fauna and Flora) Certificate.
7. Portion of Plants, the following Portion of Plants to be allowed for export on production of certificate, as indicated.		B.2135	
(a) Plants			
1. Arundinaria Jaunsarensia Gamble	Whole Plant		Export allowed subject to production of :
2. Benthickia coddapanna Berry	Whole Plant		(i) Certificate from the Chief Conservator of Forests or Chief wild Life Warden or the officer authorised by them that the material is of plantation or nursery origin raised through culture technique;
3. Dalbergia Lalitolla Roxb	Seeds		(ii) Pre-shipment Inspection Certificate; and
4. Dioscorea prazeri prain et.	Tuber		(iii) Convention on International Trade in Endangered species of wild (Fauna and Flora) Certificate.
5. Gyathasa gigantea (Wall ex. Hook) Holtt	Whole Plant		
6. Lavatera Kashmiriana Gamb	Fruits/Seeds		
7. Mangolia Pterocarpa Roxb.	Seeds?		
8. Paraquilegia grandiflora O.R. Drum and Hutchison	Roots & Stocks/Seeds		
9. Pinanga Gracilis Bl.	Whole Plant		
10. Pinus gerardiana Wall	Seeds		
11. Populus gamblei dode	Cutting/Seeds		
12. Pterocarpus dalbergioides Roxb.	Seeds		
13. Rauwolfia canescens	Roots and Seeds		
14. Santalum Album	Seeds		
(b) Botanical Plants			
1. Cycas beddomei Dyer	Plants		
2. Dischidia reflexa R.Br.	Whole		
8. Castor Oil		B.2143(ii)	Export allowed to General Currency Areas only.

1	2	3	4
9.	Flue-cured Virginia Tobacco, Sun-cured Virginia Tobacco, Sun-cured (Natu Country) Tobacco and Sun Cured Jutty Tobacco	B.2240	<p>1. In respect of Tobacco for which Minimum Export Prices have been announced by the Central Government from time to time, certificate from Tobacco Board to the effect that the prices are not lower than the minimum export price.</p> <p>2. In respect of tobacco for which no minimum export prices have been specified, certificate from Tobacco Board that Tobacco being exported is not subject to minimum export price restriction.</p>
10.	Laterite	B.2267(xiii)	<p>Export allowed on production of a certificate from the Public Analyst showing that the material for export contains :—</p> <p>(a) Alumina not in excess of 40%.</p> <p>(b) Nickel not in excess of 0.7%.</p> <p>(c) Cobalt not in excess of 300 PPM.</p> <p>(d) Vanadium not in excess of 1215 PPM.</p> <p>(e) Gallium not in excess of 139 PPM.</p> <p>(f) Titanium not in excess of 7.4%.</p>
11.	Carbonised lignite briquettes (LECO)	B.2283(ii)	Export allowed only from Calcutta, Madras and Shillong against allocations made by the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.
12.	Chloroquine phosphate and chloroquine sulphate formulations manufactured out of imported bulk drug (Chloroquine phosphate and Chloroquine Sulphate)	B.2305(8)	Export allowed against import of bulk chloroquine phosphate and Chloroquine Sulphate under Advance Licence to the extent of f.o.b. value indicated in the licence.
13.	Micronutrient Fertilizers	B.2313	Export allowed subject to registration with CAMEXC IL Chemicals and Allied Products Export Promotion Council.
14.	(i) Chinchona mixed alkaloids and chinchona salts after extraction of quinine and quinidine and salts thereof as certified by Directorate of Chinchona of Tamil Nadu/West Bengal	B.2321(i)	Export allowed against the certificate from Directorate of Chinchona of Tamil Nadu/West Bengal as the case may be.
	(ii) Quinidine Sulphate	B.2321(ii)	Export allowed on production of a No Objection Certificate from Drugs Controller (India) New Delhi.
	(iii) Quinine and Quinine products	B.2321(iii)	Export allowed on the recommendation of Directorate of Chinchona of Tamil Nadu/West Bengal as the case may be.
15.	Wood and timber, the following :—		
	(i) Sandal wood in the form of dust, Chips, flakes and powder.	B.2364	Export will be allowed only on production of certificate of Origin issued by the Chief Conservator of Forests, Andhra Pradesh or the Chief Conservator of Forest, Tamil Nadu, as the case may be as regards procurement of timber.
	(ii) Red Sanders Wood in the form of Chips.		
16.	Processed Timber as defined in the Import and Export Policy (Vol. II) Section IV.	B.2364	Export of Processed Timber, all species except Red Sanders Wood will be allowed to all permissible destinations. Processed Timber made out of Red Sanders Wood will be allowed on production of Certificate of Origin issued by the Chief Conservator of Forests, Andhra Pradesh or the Chief Conservator of Forests, Tamil Nadu, as the case may be as regards procurement of the timber.
17.	Man-made fibres and yarns the following :—		
	(i) (a) Rayon tyre yarn of 600 deniers and above.	B.2399(ii)(a)	Information in respect of export effected will be furnished by the exporters within fifteen days after shipment to the concerned Council.
	(b) Rayon tyre cord of all deniers.	B.2399(ii)(b)	
	(c) Rayon tyre fabric.	B.2399(ii)(c)	
	(ii) Synthetic blended yarn containing 50% or more synthetic fibre.	B.2399(iii)	Export will be allowed subject to minimum export price of Rs. 19/- per kg f.o.b. Information in respect of export effected will be furnished by the exporters within fifteen days after shipment to the concerned Council.
	(iii) Acrylic Hand/Machine knitting yarn	B.2399(ix)	Information in respect of export effected will be furnished by the exporters within fifteen days after shipment to the concerned Council.
18.	Knitwear (Acrylic and mixed)	B.2429	Export will be allowed against contracts registered with Wool and Woollen Export Promotion Council or its Regional Offices and subject to the MEP fixed by the Council.

1	2	3	4
19. Raw Cotton :—	B.2437(i)	Export will be allowed against registration and allocation certificate regarding quality/quantity of the item intended for export issued by Textile Commissioner.	
(i) Bengal Deshi			
(ii) Assam Comillas	} B.2437(ii) to (vii)	Export will be allowed against registration and allocation certification regarding quality/quantity of the item intended for export issued by the Textile Commissioner.	
(iii) Staple Cotton			
(iv) Cotton decoloured by damages due to fire/water.			
(v) Zodo and Sweepings			
(vi) Yellow pickings			
(vii) Others			
20. Soft Cotton Waste/Hard Cotton Waste	B.2445	Against registration and allocation certificate regarding quality/quantity of the item intended for export issued by Textile Commissioner.	
21. Cotton Yarn including tyre cord yarn	B.2453	Against certification made by the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay in respect of contracts registered with them for counts upto 60s. For counts above 60s, export will be allowed freely in accordance with the Trade Notice issued by the Cotton Textile Export Promotion Council, Bombay and exporters will furnish statistics of exports to the Council within 15 days from the date of shipment.	
22. Export to EEC Member States of Textiles and Textiles products made from cotton, wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-EEC Textile Agreement.	B.2461(iii)	(i) Against allocation of export entitlement by: (a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups). (b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding Woollen knitwear); (c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen fabrics, made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments). Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for all fabrics and made-ups (including woollen fabrics and made-ups) and in respect of all garments and knitwear (including woollen garments and knitwear), such certification will be made by Apparels Export Promotion Council. (ii) In the matter of allocation of export entitlement, the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism. (iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand-made cottage industry products made of such handloom, fabrics (other than garments) and traditional folklore Handicraft textile products (India Items) are not subject to quantitative restraint. In the case of Export of all handloom fabrics made-ups and an Inspection endorsement by the Textiles Committee in Part-2 of the Combination form will be required. In respect of 'India Items', appropriate certificate by the office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.	

1	2	3	4
			(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial institutional garments as indicated on the sample of garment authenticated by the Textiles Committee.
23.	Export to USA of Textiles made from cotton wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-US Textile Agreement.	B.2461(iv)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups).</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear)–</p> <p>(c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen fabrics, made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments).</p> <p>Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for Woollen fabrics and made-ups and in respect of woollen knitwear such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand made cottage industry products made of such fabrics (other than garments) and traditional folklore handicraft textile products of the cottage industry (India Items) are not subject to quantitative restraints. In so far as exports of all handloom fabrics/made-ups are concerned an "Inspection Endorsement" by the Textiles Committee in Part 2 of Combination Form will be required. In respect of 'India Items' appropriate certificate issued by the Office of the Development Commissioners (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.</p>
24.	Export to Austria of certain cotton textiles and textile products under the Memorandum of Understanding between India and Austria.	B.2461(v)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups; and</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitweaves; by certificate on shipping bills.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom Fabrics of the cottage industry, hand made Textile products made of such handloom fabrics and traditional folklore handicrafts textile</p>

1	2	3	4
			<p>products (known as 'India Item') are not subject to quantitative restraints. For export of handloom products an 'Inspection Endorsement' by the Textiles Committee in Part-2 of the Combination Form will be required in respect of 'India Items' appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional agreements as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.</p>
25. Export of certain Textile Products of cotton, wool and man-made fibre or blends thereof to Sweden under Indo-Swedish Textile Agreement.	B.2461(vi)		<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textile Export Promotion Council, for made-ups excluding woollen made-ups;</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and</p> <p>(c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen, made-ups and woollen knitwear.</p> <p>Necessary Certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for all made-ups (including woollen made-ups) and by the Apparels Export Promotion Council for all garments and knitwear (including woollen garments and knitwear).</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation floor price mechanism.</p> <p>(iii) Export of Handloom Fabrics and made-ups would require by the Textile Committee in Part 2 of the Combination Form. For export of 'India Items' appropriate Certificate issued by the office of Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.</p>
26. Export of Textile Products of cotton and man-made fibre to Finland under the Memorandum of Understanding between India and Finland.	B.2461(vii)		<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwears; and</p> <p>(b) The Wool &amp; Woollen Export Promotion Council for woollen Stocks.</p> <p>Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Apparels Export Promotion Council for all garments or knitwear products.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Council will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p>

1	2	3	4
			<p>(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand-made cottage industry products made of such handloom, fabrics (other than blouses and shirts and traditional folklore handicraft textile product) 'India Items' are not subject to quantitative restraints. Export of Handloom Fabrics, made-ups and garments for which specific level is given would require an Inspection Endorsement by the Textiles Committee in Part 2 of the Combination Form. In the case of textile products falling under 'India Items' a certificate by the Officer of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments, as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.</p>
27.	Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom.	B.2461(viii)	<p>Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom to Cotonou, Lome and Accra (Ghana) will be allowed both under Irrevocable Letter of Credit terms as well as CAD (Cash Against Documents) terms subject to declaration by the exporter that the Real Madras Handkerchief exported are made on Handloom. Export of RMHK on CAD terms will be allowed only to the extent the exporter produces a cover from the Export Credit and Guarantee Corporation Ltd. (ECGC).</p>
28.	Export of certain Textile Products of Cotton, Wool and man-made Fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.	B.2461(ix)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and Made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups);</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and</p> <p>(c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for Woollen fabrics and made-ups, and woollen knitwear (but excluding woollen garments).</p> <p>Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for all fabrics and made-ups (including woollen fabrics and made-ups), and in respect of garments and knitwear such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand-made clothing and textile products made of such handloom, fabrics except category tailored collared shirt and traditional folklore handicraft textile products (known as 'India Items') are not subject to quantitative restraints. In the case of export of all handloom fabrics and tramed items except Category-I, 'Inspection Endorsement' by the Textiles Committee will be required.</p>

1	2	3	4
			<p>tiles Committee on Part 2 of the Combination Form will be required. In respect of the 'India Items' appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, Industrial/Institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textile Committee.</p>
29.	Export to Norway of certain textile and textile products under the Agreement between India and Norway.	B2461.(x)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) Cotton Textiles Export Promotion Council for made-ups.</p> <p>(b) The Apparel Export Promotion Council for garments and knitwear excluding woollen knitwear.</p> <p>(c) Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen fabrics made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments).</p> <p>Necessary certification on the shipping bills will be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for made-ups and in respect of garment and woollen knitwear such certification will be made by the Apparel Export Promotion Council.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, Export Promotion Council will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom fabrics of cottage industry hand made cottage industry products made of such fabrics (other than garments items subject to specific limit) for traditional folklore handicraft textile products of the cottage industry (India Items) are not subject to quantitative restraint. In so far as export of handloom made-ups and handloom garments items which are given an extra level are concerned, an inspection endorsement by the Textile Committee in Part 2 of the Combination Form will be required. In respect of 'India Items' appropriate Certificate issued by the office of Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the samples of garments authenticated by the Textiles Committee.</p>
30.	(i) Rods and bars made out of imported billets	B.2488(ii)	Export of bars and rods made out of billets imported under Duty Exemption Scheme against advance licence to the extent f.o.b. value indicated in the licence.
	(ii) Light Rails (20 kgs or less)	B.2488(iii)	Export allowed only as a part of a composite export Contract for complete rail net work.

1	2	3	4
31.	Metal Scrap, other than ferrous scrap containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent of molybdenum or 1.00 per cent tungsten or 0.20 per cent vanadium or 1.00 per cent cobalt and Mill Scale Scrap.	B.2576	
	(i) Nickel cadmium battery scrap	B.2526(i)	Certificate from a Recognised Public Analyst to the effect that the scrap conforms to the specifications given under this item.
	(ii) Platinum Scrap	B.2526(ii)	Export allowed on the condition that after refining and reshaping full 100% less refining losses of the scrap is imported back into India.
	(iii) Nickel Scrap, excluding nickel pellets.	B.2526(iii)	Export allowed subject to the condition that after refining and re-shaping full 100 per cent less refining losses of the scrap is imported back into India in the form of nickel plate anodes.
32.	Metallurgical residues i.e. drosses, skinning slags, ashes, slims and flue dust (other than those of gold and silver) containing less than 15 per cent of free metal content.	B.2534	Export allowed for out right sale/for treatment abroad and re-import of the refined metal subject to the following conditions :— (a) the free metal content in the metallurgical residues is less than 15 per cent by weight and the same is in a finely dispersed condition; (b) A complete analytical report is furnished by the exporter alongwith other shipping documents from one of the recognised Analyst certifying that the free metal content in the metallurgical residues is less than 15 per cent by weight and the same is a finely dispersed condition and 100 per cent chemical composition of the residue. A sieve of 1/6" mesh is to be used by the Analyst and the fact to be mentioned in the analytical report; (c) No foreign exchange will be allowed for re-import of the refined and/or for re-import of the refining and other charges etc. and that such charges will be paid by the exporters in the shape of metallurgical residues refined metal. Import of the refined metal will be subject to issue of a C.C.P. by the concerned port licensing authority. (d) The foreign exchange earned from the sale of metallurgical residues/refined metal abroad will be brought back into India. (e) The exporters will observe the G.R. Form procedure of the Reserve Bank of India and with the third copy of the G.R. Form, a certificate of final weight preliminary and final report of assay, together with the final settlement of accounts from the refiner should also be forwarded by the exporter to the Reserve Bank of India.
33.	Silver Jewellery and Silver Articles mentioned in Annexure VI and VII of Appendix 22 of Import and Export Policy, 1988-91 (Volume -I).	B.2569	Export allowed as per the guidelines contained in Annexure VI and VII of Appendix 22 of Import and Export Policy 1988-91 (Volume I).
34.	Gold Jewellery and Articles.	B.2585	Export of Gold Jewellery and Articles under the Scheme for export of Gold Jewellery against Gold supplied by the foreign buyer and Gold Jewellery Export Promotion and Replenishment Scheme will be allowed as provided in Annexure I and Annexure III respectively to Appendix 22 of Import and Export Policy

1	2	3	4
			1988-91 (Volume I). Export against Duty Exemption Scheme will be governed by the provisions of Appendix 19 of Vol. I of Import and Export Policy.
35. Arms and ammunitions viz. Muzzle Loading weapons and Breach loading or bolt action weapons such a shot guns, rifles, revolvers, pistol and their ammunition.	B.2607(i)		Export will be allowed on production of :— (a) Appropriate licence under the Arms Act and Rules; (b) A certificate from the Archaeological Survey of India to the effect that fire arms to be exported are not antiques and/or rare specimens. (This certificate will not be necessary for ammunition and for fire arms manufactured in India after 1956. In such cases a certificate to the effect that fire-arms have been manufactured in India after 1956 shall be obtained by the exporters from local licensing authority). (c) The fire arms to be exported bear appropriate marks of identification and proof test.
36. Replicas of Antique Weapons	B.2607(iv)		Export allowed on production of a certificate from the District Magistrate, Collector or Commissioner of Police, in the prescribed form, under whose jurisdiction the Replicas have been manufactured to the effect that Replicas have been rendered innocuous as fire arms and correspond to the sample inspected by the Director of Inspection, Department of Defence Production. A copy of the application will be sent simultaneously to (i) The District Magistrate and The Superintendent of Police in whose jurisdiction the intended place of export is situated.
37. Processed pulses made only out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 %Export Oriented Unit.	B. 2674		Export allowed under the Advance Licensing Scheme/ Pass Book or by an approved 100 % Export Oriented Unit, to the extent of the f.o.b. value indicated in the Licence. Note : Export of Pulses processed out of indigenous pulses shall not be permitted.

## O.G.L. NO. 4

The Canalising Agency mentioned in column 4 may export to any country except to a country to which export is prohibited by any law for the time being in force, the following goods namely :—

S. No.	Item	S. No. as in Part 'B' of Schedule 1	Canalising Agency and address
1	2	3	4
1.	Onions	B.2070	National Agricultural Co-operative Marketing Federation (NAFED) of India Limited, Sapna Building, 54, East of Kailash, New Delhi.
2.	Gum Karaya	B.2666	
3.	Sugar.	B.216X.(i)	State Trading Corporation of India Ltd., Chandralok, 36 Janpath, New Delhi.
4.	Castor Oil (when exported to Rupee Payment Areas)	B.2143(ii)	
5.	(i) Molasses	B.2178(i)	
	(ii) Khandsari Molasses	B.2178(ii)	
6.	Ethyl Alcohol or rectified Spirit of any proof degree, whether denatured or not.	B.2208(i)	
7.	Benzene	B.2305(ii)	
8.	Jute Carpet backing cloth when exported to countries in North America.	B.247X.(ii)	
Note : Export to other destinations allowed on decontrolled basis.			
9.	Cement	B. 2259	(i) State Trading Corpn. (ii) Engineering Projects (India) Ltd. (only for use in construction projects undertaken by them in Foreign countries). Kailash 26 K. G. Marg, New Delhi.
10.	Polythylene (L.D)	B.2305(9)	Indian Petrochemical Corporation Limited. P. O. Petrochemicals, Distt. Baroda (Gujarat)
11.	All Petroleum Products including lubricants greases and crude oil	B.2291	Indian Oil Corporation Ltd. Indian Oil Bhavan, Janpath, New Delhi.
12.	Iron and Steel other than cast iron pipes and fittings, the following :— Steel produced by integrated steel plants, alloy steel plants, Mini steel plants, secondary producers and re-rollers.	B.2488(i)	Steel Authority of India Limited, Ispat Bhavan, Lodhi Road, New Delhi.
13.	Railway Wagons, passenger coaches and locomotives.	B.2342	Projects & Equipments Corporation of India Ltd., Hansalaya 15, Barakhamba Road, New Delhi.
14.	Minerals Ores and Concentrates, the following :— (i) Rutile, Synthetic Rutile (ii) Thorium Ores and Concentrates (iii) Some other minerals, containing the following substances as accessory ingredients including (a) Columbite, (b) Monazite, (c) Samerskite, (d) Uraniferrous allamite :— 1. Radium Ores & concentrates, 2. Thorium ores and concentrates. 3. Uranium Ores and concentrates. 4. Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold. 5. Zircon ores and concentrates including semi-precious variety of Zircon Stones. (iv) Granular, Sillimanite produced by Indian Rare Earths Minerals and Metals Limited and Kerala Minerals and Metals Limited, (v) Iron Ore except iron ore of Goa Origin when exported to Japan, South Korea, Taiwan and West Europe.	B-2267	Indian Rare Earths Limited. Pj Court, 6th Floor 111, Maharishi Karve Road, Bombay-400020.  Kerala Minerals and Metals Limited, Quilon - 691001 (Kerala).  Minerals & Metals Trading Corporation, Express Building, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.

1	2	3	4
(vi) Bimetal Ore (Black Iron Ore) with manganese contents from 3% upto 10% of Goa Origin.			
(vii) Chrome Ores and concentrates, the following			
(i) Chrome ore lumps with Cr <sub>2</sub> O <sub>3</sub> not exceeding 41.99%.			
(ii) Chromite fines and friable ore.			
(viii) Manganese Ores excluding chemically processed Manganese Di-Oxide.			
(ix) All grades of Bauxite except Calcined Bauxite.			
15. Coal and coke. . . . .	B.2283		Minerals & Metals Trading Corporation
16(i) Iron Ore concentrates prepared by Benefication and/or concentration of low grade ore containing 40 % or less of Fe produced by Kudremukh Iron Ore Company Limited.			
(ii) Iron Ore Pellets manufactured by Kudremukh Iron Ore Company Ltd., (KIOCL) out of concentrates produced by it.	B.2267		Kudremukh Iron Ore Company Limited (KIOCL) II, Kora Mangla Road, Bangalore.
17(i) Processed Mica including Mica blocks, mica films and splittings of all grades and varieties excluding manufactured and fabricated mica.	B.2275(i)		
(ii) Mica Waste (including Factory cuttings) and scrap which is obtained by processing mica and which because of size and colour is considered below the specification of processed mica.	B.2275(ii)		Mica Trading Corporation of India Ltd., 137, Patliputra Colony, Patna.
18. (i) Exposed Cinematographic films (feature films) including sale of video rights of Indian feature films excluding low budget feature films (produced at a cost not exceeding Rs. 20 lakhs)	B.2348(i)		
(ii) Video taped cinema films (including Cassettes)	B.2348(ii)		National Film Development Corporation, 1st Floor, 13-16 Regent Chambers, Nariman Point, Bombay-400021.
9. Raw Jute, Mesta and Jute cuttings excluding caddies.	B.247 × (i)		Jute Corporation of India, 1, Shakespears Sarani, Calcutta.

## APPENDIX 2

LIST OF ITEMS NOT ALLOWED FOR  
EXPORT

1. Beef
2. (i) Milk, Powder Milk (Skimmed or full cream)  
Baby Milk and sterilised liquid milk.  
(ii) Pure Milk Ghee.
3. Cashew Plants.
4. Oil Seeds, the following :—
  - (i) Castor Seed.
  - (ii) Cotton Seed.
  - (iii) Linseed.
  - (iv) Sunflower Seed.
  - (v) Soyabean.
  - (vi) Kardi Seed.
  - (vii) Mustard/Rape Seeds.
5. Coconut and Copra, excluding Decorticated  
Coconut Whole, Coconut Protein, Coconut  
Honey, Coconut Flour and Dessicated Coconut.
5. Seeds, the following :—
  - (i) Cashewnut Seeds.
  - (ii) Green Manure Seeds, other than dhaincha  
and Barseem Seeds.
  - (iii) Guar Seeds (Whole).
  - (iv) Jute Seeds.
  - (v) Lemongrass Seeds and roots.
  - (vi) Mesta Seeds.
  - (vii) Pepper cuttings or rooted cuttings of  
pepper.
  - (viii) *Petrocarpus Santalinus* (Red Sanders)  
Seeds.
  - (ix) Rubber Seeds.
  - (x) Russa Grass Seeds and tufts.
  - (xi) *Santalum album* (Sandalwood).
  - (xii) Seeds of all Oil Seeds and pulses.
7. Pasewa and any *Lew* containing living insects.
8. Tallow, fat and/or oils rendered, unrendered  
or otherwise, of any animal origin.
9. Vegetable Oils, the following :—
  - (i) Coconut Oil.
  - (ii) Cottonseed Oil.
  - (iii) Groundnut Oil.
  - (iv) Linseed Oil.
  - (v) Salad Oil.
  - (vi) Sunflower Oil.
  - (vii) Kardi Oil.
  - (viii) Niger Seed Oil.
  - (ix) Mustard oil/Rape Seed oil.
  - (x) Sesame Seed Oil.
  - (xi) Corn Oil.
  - (xii) Rice Bran Oil.
10. (i) Frongs and parts thereof (including proces-  
sed frogs).  
(ii) Fresh and frozen silver pomfrets of weight  
less than 300 gms.
11. (i) Beche-de-mer of sizes belo w3 inches.  
(ii) Fish Meal with less than 50 per cent protein  
content.
12. (i) Rice Bran, raw and boiled.  
(ii) Paddy (Rice in husk).
13. Groundnut Oil Cake (expeller variety).
14. De-oiled Groundnut Cakes containing more than  
1 per cent Oil.
15. Expeller Cakes, all varieties, except cotton seed  
expeller cakes.
16. (i) Wood and Timber, all species, in log and  
sawn sizes.  
(ii) Cane.  
(iii) Bamboo.
17. Butter.
18. Sugar Cane.
19. (i) Cattle.  
(ii) Camel.
20. (i) Pulses, all types including Lentins, Grams  
and Beans and flour made therefrom.  
(ii) Processed pulses, other than those made  
out of the pulses imported under the  
Advance Licensing Scheme/Pass Book or  
by an approved 100% Export Oriented  
Unit.
21. The export of all forms of Wild Life (dead or  
alive or part thereof or produce therefrom, in-  
cluding Stuffed animals (in whole or part) are  
completely banned except for those mentioned  
in Part 'B'. In exceptional circumstances where  
export is for specific, scientific or zoological pur-  
poses the prior clearance of the Department of

Environment Forests & Wild Life who will consider each case on merits prior to issue of an export licence, will be necessary.

22. Banana Suckers, Seedling plants.

23. (a) Plants and Derivatives :—

1. *Aconitum deinocephalum* (Stapt Ranunculaceae).
2. *Atropa acuminata* (Royle ex Lindl Solanaceae).
3. *Aristolochia* Spp. (Aristolochiaceae).
4. *Angiopteris* Spp. (Fern).
5. *Balanophora* Spp. (Balanophoraceae).
6. *Colchicum luteum* (Baker-Liliaceae).
7. *Commiphora wightii* (Arn-Bhandari Burseraceae).
8. *Coptis Teeta* (Wall-Ranunculaceae).
9. *Cyathea gigantea* (Wall ex Hook Cyatheaaceae).
10. *Dioscorea deltoidea* (Wall ex Kunth Dioscoreaceae).
11. *Drosera bawmmani* (Vahl Droseraceae).
12. *Drosera indica* (Linn-Droseraceae).
13. *Gentiana Kurroo* (Boyle Gentianaceae).
14. *Gloriosa superba* (Liliaceae) other than *Gloriosa superba* (Liliaceae) seeds grown in the farms.
15. *Gnetum* Spp. (Gnetaceae).
16. *Iphigenia kunthii* (Liliaceae).
17. *Meconopsis betonicifolia* (Franchet Papaveraceae).
18. *Mardostachys grandiflora* (D C Valerianaceae).
19. *Nepenthes khasiana* (Hook-F-Nepenthaceae).
20. *Osmunda claytoniana* (Osmundaceae).
21. *Osmunda regalis* (Osmundaceae).
22. *Podophyllum hexandrum* (Royle-Podophyllaceae).
23. *Rauvolfia serpentina* (Linn, Benth ex Kurz Apocynaceae).
24. *Rhododendron* Spp. (Ericaceae).
25. *Rheum emodi* (Wall ex Meisn Polygonaceae).

(b) Plant portion other than those covered by Part 'B'.

(c) Orchids, the following :—

1. Wild Orchids.

2. *Aconitum Heterophyllum*.

3. *Berberis aristata*.

4. *Coptis Teeta*.

5. *Dioscorea deltoidea*.

6. *Gentiana Kurroo*.

7. *Nardostachys Jatamansi*.

8. *Physochaima Prachla*.

9. *Podophyllum hexandrum*.

10. *Pnavaatia Serpentina*.

(d) Seeds, the following :—

(i) Egyptian clover (Barseem) (*Trifolium alexandrinum* seeds).

(ii) Lucerne (Alfalfa) *Medicago Sativa* Seeds.

(iii) Persian clover (shaftal *Trifolium resupinatum* seeds).

(iv) Saffron seeds or corms (Planting material for Saffron).

(v) *Nux vomica* Seeds, bark, leaves, roots and powder thereof.

24. Forestry seeds, Foundation and breeder seeds, all varieties/categories.

25. Diosgenin and *Dioscorea* roots.

26. *Cinchona* seeds and bark.

27. Gums and resins the following :—  
Oleo resins *ex-ponus longifolia*.

28. Wattle Bark.

29. Wheat Seeds and Paddy Seeds (Wild Variety).

30. Seeds of Ornamental Plants (Wild Variety).

31. Kuth (*Costus lappa* Syn. *Saussurea Lappa* C.B. Cl-Asteraceae) obtained from the Wild.

32. Manufactured articles made out of :—

(i) Porcupine Quills.

(ii) Shed Antlers (of Chital and Sambhar).

(iii) Reptile/Snake Skins.

(iv) Mongoose Hair.

33. Fur of domestic animals.

34. Chemicals, the following :—

1. Acetic Anhydride

2. Polyethylene (HD)

3. Cyanuric Chloride

4. Ethylene Oxide

5. Isopropyl Alcohol

6. Synthetic Rubber
7. Nephthalene
8. Ethylene Glycol
9. Di Ethylene Glycol
10. Polythylene Glycol
11. 2-Ethyl Hexanol
12. P.V.C. Resin
13. Paraffin Wax
35. Fertilizers, all types, including super-phosphate but excluding Micronutrient Fertilizer.
36. Rock Phosphate.
37. Creosote Oil (light and heavy) coal tar and mixture containing coal tar.
38. (i) Raw Placenta, Placental Blood|Plasma.  
(ii) Whole human blood plasma and all products derived from human blood except human Gamma Globulin and Human Serum-Albumin manufactured from Human Placenta and Human Placental Blood.
39. Geranium Oil.
40. Paper grade pulp including bamboo pulp excluding hemp pulp.
41. Waste Paper, excluding waste newspaper.
42. Crude rum i.e. rum not matured in Wood.
43. Sulphur excluding insoluble Sulphur.
44. Bone Meal.
45. Uncrashed bones other than fish bones.
46. Human Skeltons and parts thereof.
47. Clinker.
48. Styrene Monomer
49. Natural Rubber.
50. Methyl Isobutyl Ketone.
51. Charcoal of all types other than Activated Charcoal|Activated Carbon.
52. Minerals, Ores and Concentrates, the following :—
  - (i) Radium Ores and concentrates.
  - (ii) Uranium Ores and concentrates.
  - (iii) Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold.
  - (iv) Zinc Ores.
  - (v) Chrome ore and concentrates other than those mentioned in Part 'B'.
  - (vi) Zinc Concentrates.
  - (vii) Vanadium ores and concentrates.
  - (viii) Vanadium bearing iron ore containing  $V_2O_5$  exceeding 0.2 per cent.
  - (ix) Tungsten (Wolfram) ores and concentrates.
  - (x) Andalusite.
  - (xi) Kyanite all grades.
  - (xii) All types of sillimanite except granular sillimanite).
  - (xiii) Calcined Magnesite with silica content below 4.5 per cent and dead burnt magnesites.
  - (xiv) Chrysotile, Crocidolite and Amosite varieties of asbestos of all sizes and grades.
  - (xv) Calcined Bauxite.
53. Ferrous Scrap
54. Metals and their compounds, the following :—
  - (i) Beryllium and its compounds.
  - (ii) Lithium and its compounds.
  - (iii) Neptunium and its compounds.
  - (iv) Plutonium and its compounds.
  - (v) Radium and its compounds.
  - (vi) Thorium and its compounds.
  - (vii) Uranium and its compounds.
  - (viii) Zirconium and its compounds.
  - (ix) Iridium and its compounds
  - (x) Selenium.
  - (xi) Deuterium compounds.
  - (xii) Mercury.
55. Metals, the following :—
  - (i) Copper, Electrolytic, fire refined and blister copper in the form of ingots, wire, bars, blooms, Slabs, cakes, tiles, bricks, billets, scrap and cathodes.
  - (ii) Nickel unwrought and nickel pellets.
  - (iii) Magnesium.
  - (iv) Pig Lead Unwrought.
  - (v) Zinc or spelter unwrought.
  - (vi) Bismuth.
  - (vii) Cobalt, unwrought and wrought.
  - (viii) Molybdenum.
  - (ix) Platinum crude and refined unwrought.
  - (x) Tungsten.
  - (xi) Vanadium.
  - (xii) Copper ores and concentrates.
  - (xiii) Lead ore and concentrates.
  - (xiv) Pig Iron.
  - (xv) Tin Unwrought and Wrought.

56. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slags ashes, slims and flue dust (other than those of gold and silver) containing 15 per cent or more of free metal content.
57. Silk Worms.
58. Handspun Silk Yarn.
59. Angora Goat Hair or Mohair.
60. Wool Waste.
61. Non-mulberry silk waste, Vig. Tassar, Eri and Muga and Mulberry pierced cocoons.
62. Raw Wool above 36s quality (indigenous).
63. Real Madras Handkerchiefs (RMHK) made on Powerloom.
64. Silver bullion, silver sheets and plates which have not undergone any process of manufacture subsequent on rolling
65. Silver Salts, Silver Chemicals and compounds irrespective of percentage of Silver Content other than the following :—
- |   |  |
|---|--|
|   | Silver content<br>assuming 100%<br>Purity. |
| Silver Nitrate for drugs/photo chemicals      | 63.5%.                                     |
| Silver Bromide—Antiseptic Photo.<br>Chemicals | 57.45%                                     |
- Silver Oxide for drugs 93.1%.
- Silver for electroplating 80.57%.
- Silver Iodide-rain making 45.95%.
- Silver Suboxide Ag<sub>2</sub>O 96.4%.
- Silver Chloride for electroplating 75.26%.
- Silver fluoride for drugs 85.03%.
- Silver Acetate 64.63 per cent.
- and drug formulations of milk silver proteins and silver sulphadiazine conforming to formulations prescribed in recognised pharmacopoeia official standards.
66. (i) Beryl including Gem variety of Beryl.
- (ii) Rough (uncut and unset) precious stones and rock crystal quartz.
67. Manufactures and products having silver as an ingredient, other than those mentioned in Part 'B' against Sl. No. 2569 and also excluding Engineering, Electrical Handicrafts goods having silver as an ingredient, Costume Jewellery and Silver filigree.
68. Raw hides and skins, all types.
69. Cuttings and fleshing of hides and skins used as raw materials for manufacture of animal glue gelatine.

## APPENDIX—3

LIST OF ITEMS ALLOWED FOR EXPORT  
"ON MERITS"

1. (i) Horses (Kashmir, Arabian and Indian breeds are not allowed).  
(ii) Donkeys.  
(iii) Males.
  2. Live Birds
    1. Weavers (Baya and Striated)
    2. Bunting (Red headed and black headed)
    3. Crows (house and jungle)
    4. Mynas (Common bank, black headed, grey-headed and Rosy Pastor)
    5. Munias (Spotted, Red, Black headed, white headed and white throated)
    6. Paraketes Red breasted rose ringed, Alexandrine Blossom headed and star headed)
    7. Sparrows (Horn and Yellow throated).
    8. Pigeons (Bluerock and its domesticated varieties)
  3. Sea Shells.
  4. Fodder Crop Seeds.
  5. Frozen Semen of Animals.
  6. Sea Weeds, all types.
  7. Venom of Snakes (in manufactured form).
  8. Cantharine Beetles
  9. Kuth (*Costus Lappa* Syn. *Saussurea lappa* C.B. Cl-Asteraceae cultivated in Private lands, and its derivatives except Wild varieties.
  10. Sticklac and Brood lac.
  11. Chemicals, the following :—
    - (i) Chloroquine phosphate and Chloroquine Sulphate including formulations manufactured from indigenous Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate.
    - (ii) P.V.C Compound.
    - (iii) Polythylene (LLDP).
    - (iv) Toluene
    - (v) Phenol.
    - (vi) Acetic Acid.
    - (vii) Mono Chloro Acetic Acid.
  12. Synthetic Musk.
  13. Gum Rosin.
  14. Skeletons, other than human skeletons and parts thereof.
  15. Raw Magnesite.
  16. Zircon ores and concentrates including semi-precious variety of Zircon stones.
  17. Ferro Alloys, except the following :—
    - (i) Ferro Manganese Slag.
    - (ii) Ferro Manganese (other than ferro manganese containing less than 0.05 per cent carbon) Silica manganese.
    - (iii) Ferro chrome (other than ferro chrome containing less than 0.03 per cent carbon and nitrogen bearing) Silica chrome.
  18. Ferro Titanium.
  19. (i) Vintage Motor Cars and Motor Cycle and parts and components thereof i.e. motor cars and motor cycle of 1940 and earlier models.  
(ii) Second hand automobile spares components and accessories.
  20. Non-ferrous metals and alloys un-wrought, not shown elsewhere in the Schedule.
  21. Metal Scrap other than ferrous scrap containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent of molybdenum or 1.00 per cent tungsten or 0.20 per cent Vanadium or 1.00 per cent Cobalt and Mill Scale Scrap.
    - (i) Nichrome.
    - (ii) Scrap of other minerals.
  22. Fire arms and ammunition other than those mentioned under Entry B-2607 (i) and also excluding sharp edged weapons viz., Khukries, Kirpans, hunting knives and swords.
  23. Military Stores.
  24. Aircrafts & spares and accessories thereof excluding for repair/overhaul on returnable basis by the Air Lines both Indian and Foreign.
  25. Silver Coins (irrespective of Silver contents).
- Note :—Commemorative proof set coins (Uncirculated quality) issued from time to time will be permitted to be exported only by India Government Mint, Bombay and the Customs authorities will directly allow such exports.
26. (i) Raw Silk
    - (ii) Pure Silk Yarn including Silk Noil Yarn.
    - (iii) Silk Waste, the following :—
      - (a) Throwster and hard silk waste ;

(b) Mulberry Silk Waste including cleaned and degummed Silk Waste ;

(c) Noils and Noil Droppings ;

(d) Other varieties of Silk Waste viz.

(i) Boiled Cocoons ;

(ii) Basin refuse ;

(iii) Flaff|Floss ;

(iv) Flimsy Cocoons.

27. Silk worm seeds and silk worm cocoons including reeling cocoons.

28. Man-made fibres & Yarns, the following :—

(i) Nylon tyre yarn|cord|fabric ;

(ii) Viscose Staple Fibre ;

(iii) Acrylic Yarn|Acrylic Fibre.

29. Tent and Tent Cloth of O. G. Shade.

30. Shoddy|Woollen|Semi-worsted yarn..

**APPENDIX—4**  
**LIST OF ITEMS ALLOWED FOR EXPORT**  
**AGAINST LIMITED CEILING**

**LIST-I**

1. Khandsari Sugar.
2. Palmyrah Sugar Candy.
3. Jaggery (Gur).
4. Live Sheep and Goat (Adult).
5. (i) Meat of Buffalo (both Male and Female) including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs;
- (ii) Meat of Indian Sheep including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs;
- (iii) Meat of Indian Goat including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs.
6. Grains and Flour, the following :—
  - (i) Non-Baswati Rice.
  - (ii) Wheat.
  - (iii) Wheat Products, viz. Rawa, Resultant Atta, Wheat Bran.
  - (iv) Maida, Suji and Wholemeal Atta (Wheat flour of not less than 95 per cent Extraction).
  - (v) Barley.
  - (vi) Maize.
  - (vii) Bajra.
  - (viii) Jowar.
  - (ix) Ragi.
7. Hydrogenated Oil (Vanaspatti Ghee).
8. De-oiled Rice Bran. (Rice Bran Extraction).
9. De-oiled Groundnut Cake. (Extraction).
10. (i) Solvent Extracted Cotton Seeds Cakes (Decorticated and undecorticated).
- (ii) Cotton Seeds Expeller Cakes.
- (iii) Wheat Straw (Hay).
11. Chemicals, the following :—
  - (i) Calcium Carbide.
  - (ii) Butyl Alcohol.
  - (iii) Insoluble Sulphur.
12. Crushed Bones.
13. Iodised Salt (used for human consumption).
14. Mineral, ores, and concentrates the following :
  - (i) Magnesite with silica content between 4.5% to 7.5%.
  - (ii) Corundum other than Sapphires and Rubies.
15. Pyrophyllite.
16. (i) Polyester Staple fibre.
- (ii) Rayon Filament Yarn.
- (iii) Viscose Staple Fibre Spun Yarn.
- (iv) Nylon Filament Yarn.
17. Raw Wool upto 36s quality (indigenous) except Angora Goat hair or Mohair.
18. Textile Cloth and materials thereof of O.G. Shade excluding pure silk and artificial silk materials thereof (including hosiery).

**LIST-II**

1. Peacock Tail Feathers and articles/handicrafts manufactured therefrom.
2. All categories of Semi-processed hides and skins including EI tanned and wet blue hides and skins and crust leather.
3. Polyester Yarn (all types).

## APPENDIX—5

## LIST OF ITEMS, EXPORT OF WHICH IS CANALISED THROUGH SPECIFIED AGENCIES

Description of the item	Canalising Agency
1. Onions	National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Ltd., (NAFED)
2. Gum Karaya	
3. Sugar	State Trading Corporation of India Limited.
4. (i) Molasses	
(ii) Khandsari Molasses	
5. Ethyl Alcohol or rectified spirit of any proof degree, whether denatured or not.	
6. Benzene	
7. Jute Carpet Backing Cloth when exported to countries in North America. Note : Export to other destinations allowed on decontrolled basis.	
8. Castor Oil when exported to Rupee payment Areas	
9. Cement	(i) State Trading Corporation of India Limited. (ii) Engineering Projects (I) Limited, only for use in construction projects undertaken by them in Foreign countries.
10. Polythylene (LD)	Indian Petrochemicals Corporation Limited.
11. All Petroleum Products including lubricants, greases and crude oil.	Indian Oil Corporation.
12. Iron and steel, other than cast iron pipes and fittings the following:— Steel produced by integrated steel plants, alloy steel plants, Mini steel plants secondary producers and re-rollers.	Steel Authority of India Limited.
13. Railway Wagons, passenger coaches and locomotives	Projects & Equipments Corporation of India Ltd.,
14. Mineral Ores and Concentrates, the following:— (i) Rutile, Synthetic Rutile. (ii) Thorium Ores and Concentrates (iii) Some other minerals, containing the following substances as accessory ingredients including:— (a) Columbite (b) Monazite (c) Samerskite (d) Urani-ferrous allamite: (1) Radium Ores & concentrates (2) Thorium ores & concentrates, (3) Uranium Ores & concentrates, (4) Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold, (5) Zircon ores and concentrates (including semi-precious variety of Zircon stones) (iv) Granular Sillimanite produced by IREL, Indian Rare Earths Ltd., and Kerala Minerals and Metals Limited.	Indian Rare Earths Limited.
(v) Iron Ore except iron ore of Goa Origin when exported to Japan, South Korea, Taiwan and West Europe.	
(vi) Bimetal Ore (Black Iron Ore) with manganese contents from 3 % upto 10 % of Goa Origin.	Minerals & Metals Trading Corporation.
(vii) Chrome ores and concentrates the following :— (a) Chrome Ore lumps with Cr <sub>2</sub> O <sub>3</sub> not exceeding 41.99% (b) Chromite fines and friable ore	
(viii) Manganese Ores (excluding chemically processed Manganese Di-Oxide) (ix) All grades of Bauxite except Calcined Bauxite.	
15. Coal and coke	

Description of the item	Canalising Agency
16(i) Iron Ore concentrates prepared by Beneficiation and/or concentration of low grade ore containing 40% or less of Fe produced by Kudremukh Iron Ore Co. Limited.	Kudremukh Iron Ore Co. Limited (KIOCL)
16(ii) Iron Ore Pellets manufactured by Kudremukh Iron Ore Co. Ltd., (KIOCL) out of concentrates produced by it.	
17(i) Processed Mica including Mica Blocks, mica films and Splittings of all grades and varieties excluding manufactured and fabricated mica.	Mica Trading Corporation of India Limited.
17(ii) Mica Waste (including factory cuttings) and scrap which is obtained in processing mica and which because of size and colour is considered below the specification of processed mica.	
18. (i) Exposed Cinematographic films (feature films) including sale of video rights of Indian feature films excluding low budget feature films (produced at a cost not exceeding Rs. 20 lakhs).	National Film Development Corporation.
18. (ii) Video taped cinema films (including cassettes).	
19. Raw Jute, Mesta and Jute cuttings excluding caddies	Jute Corporation of India

## APPENDIX 6

ITEMS EXPORT OF WHICH IS ALLOWED  
UNDER OPEN GENERAL LICENCE SUBJECT  
TO PRESCRIBED CONDITIONS

1. Basmati Rice.
  2. Castor Oil (for General Currency Areas only).
  3. All Seeds of Trees, Hedge, Ornamental Plants, Vegetables, Flowers and Gloriosa Superba (Liliaceae).
  4. Flue-cured Virginia Tobacco, Sun-cured Virginia Tobacco, Natu (Country) Tobacco, and Sun-cured Jutty Tobacco.
  5. Wood and Timber, other than those mentioned in S. No. 0329 of Part 'A'.
  6. Processed Pulses made only out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100% Export Oriented Unit.
  7. Fish Meal with protein content 50 per cent or above.
  8. Micronutrient Fertilizers.
  9. Fruit Bats.
  10. Ivory Products made out of unmanufactured Ivory of African Origin imported under Advance/Imprest/REP Licences/UGL.
  11. Orchids, (except the categories covered by Appendix-2).
  12. Portion of Plants, the following :—
- | (a) Plants  | Portion of Plants to be allowed for export. |
|---|---|
| 1. Arundinaria Jaunsarensia Gamble                  | Whole Plant                                 |
| 2. Benthickia Coddapanna Berry                      | Whole Plant                                 |
| 3. Dalbergia Lalitola Roxb                          | Seeds                                       |
| 4. Dioscorea prazeri prain et.                      | Tuber                                       |
| 5. Gyathasa gagantea (wall ex-Hook)                 | whole Plant                                 |
| 6. Lavatera Kashmiriana Gamb                        | Fruit/Seeds                                 |
| 7. Mangolia Pterocarpa Roxb                         | Seeds                                       |
| 8. Paraquilegia grandiflora O.R. Drum and Hutchison | Roots Stocks/Seeds                          |
| 9. Pinanga Gracilis Bl.                             | Whole Plant                                 |
| 10. Pinus gerardiana wall                           | Seeds                                       |
| 11. Populus gambleidode                             | Cutting Seeds                               |
| 12. Pterocarpus delbergiodes Roxb                   | Seeds                                       |
| 13. Rauwolfia canescens                             | Roots and Seeds                             |
| 14. Santalum Album                                  | Seeds                                       |
| (b) Botanical plants                                |   |
| 1. Cycas beddolei Dyer                              | Plants                                      |
| 2. Dischidia reflexa R. Br.                         | Whole                                       |
13. Cinchona mixed alkaloids and cinchona salts after extraction of quinine and quinidine and salts thereof as certified by Director of Cinchona of Tamil Nadu/West Bengal.
  14. (i) Quinidine Sulphate.  
(ii) Quinine and Quinine Products.
  15. Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate Formulations manufactured out of imported bulk drug (Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate).
  16. Carbonised Lignite Briquettes (LECO).
  17. Rods and bars made out of imported billets.
  18. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slags, ashes, slims and flue dust (other than those of gold and silver) containing less than 15 per cent of free metal content.
  19. Nickel Cadmium battery scrap.
  20. Platinum scrap.
  21. Nickel scrap excluding nickel pellets.
  22. Acrylic Hand/Machine Knitting Yarn.
  23. Cotton Yarn including tyre cord yarn.
  24. Man-made fibres and yarns, the following :—
    - (i) (a) Rayon Tyre Yarn of 600 deniers and above.  
(b) Rayon Tyre cord of all deniers.  
(c) Rayon Tyre fabric.
    - (ii) Synthetic blended yarn containing 50% or more of synthetic fibre.
  25. Raw Cotton :—
    - (i) Bengal Deshi.
    - (ii) Assam Comillas
    - (iii) Staple Cotton.
    - (iv) Cotton decoloured by damages due to Fire/Water.
    - (v) Zodo and Sweepings.
    - (vi) Yellow pickings.

(vii) Others

26. Soft Cotton Waste|Cotton Waste.

27. (i) Export to EEC Member States of Textiles and Textiles products made from cotton, wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-EEC Textile Agreement.
- (ii) Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom.
- (iii) Export to USA of Textiles made from cotton and man-made fibres, (excluding jute, silk and flax) under the Indo-US Textile Agreement.
- (iv) Export to Austria of certain cotton textiles and textile products under the Memorandum of Understanding between India and Austria.
- (v) Export of certain Textile Products of cotton, wool and man-made fibre or blends thereof to Sweden under Indo-Swedish Textile Agreement.
- (vi) Export of Textile Products of cotton and man-made fibre to Finland under the

Memorandum of understanding between India and Finland.

- (vii) Export of certain Textile Products of Cotton, Wool and man-made Fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.

- (viii) Export to Norway of certain textile and textile products under the Agreement between India and Norway.

28. Knitwear (Acrylic & Mixed).

29. Silver jewellery and Silver Articles mentioned in Annexure VI & VII of Appendix 22 of Import & Export Policy, 1988—91 (Vol. 1).

30. Gold Jewellery and Articles.

31. Arms and ammunitions viz. Muzzle loading weapons and Breach loading or bolt action weapons such as shot-guns, revolvers, pistols and their ammunitions.

32. Replicas of Antique weapons.

33. Laterite.

## SECTION IV

1. Export of wood and timber, all species, in log and sawn sizes, cane and Bamboo is not allowed for export.

2. Sandal wood in the form of dust, chips, flakes and powder will be allowed freely under OGL-3. However, the chips shall be of irregular size and shape and of different sizes and with a weight not exceeding 200 grammes each.

3. Red Sanders Wood in the form of Chips will be allowed under OGL-3 on production of Certificate of Origin as follows, for acquiring Red Sanders Wood and accounting for the quantities consumed in the manufacture of chips at the time of export :—

- (a) In respect of Red Sanders Wood emanating from Andhra Pradesh, Certificate of Origin to be issued by the Chief Conservator of Forests, Andhra Pradesh. Certificate given by any other authority will not be accepted.
- (b) In respect of Red Sanders Wood emanating from Tamil Nadu, Certificate of Origin to be issued by the Chief Conservator of Forests, Tamil Nadu. Certificate given by any other authority will not be accepted.

4. Processed timber of all species, except Red Sanders Wood will be allowed under OGL-3 to all permissible destinations. However, processed timber made out of Red Sanders Wood will also be allowed under OGL-3 on production of a certificate of origin as follows, for acquiring Red Sanders Wood for manufacture of processed timber :—

- (a) In respect of Red Sanders Wood emanating from Andhra Pradesh, Certificate of Origin to be issued by the Chief Conservator of Forests, Andhra Pradesh. Certificate given by any other authority will not be accepted.
- (b) In respect of Red Sanders Wood emanating from Tamil Nadu, Certificate of Origin to be issued by the Chief Conservator of Forests, Tamil Nadu. Certificate given by any other authority will not be accepted.

5. In the case of export of handicrafts made of sandal wood the exporters shall be required to obtain a certificate from the Regional Officer of the All India Handicrafts Board to the effect that the value addition of Handicrafts made of sandal wood is a minimum of 300 percent of the average base price of sandal wood per M.T. announced by the Development Commissioner (Handicrafts) from time to time. Export of such sandal wood handicrafts shall be allowed, which are complete and have no scope further mutilation of raw material. These shall not be semi-finished rough carved or with superficial surface etching.

6. For the purposes of Export the following definitions will be adopted :—

- (i) "Timber" means, logs, rough squared or in the round including Stumps;
- (ii) "Stump" means the base of a tree or its roots left in the ground after felling;
- (iii) "Sawn timber" means beams, planks, rafters, fence posts or poles, blanks, sleepers or scantling fashioned from timber, whether seasoned or not, in the round or cross conditions, whatever be the manner of sawing as laid down in the Indian Standard Specification No. 1707-1776; and
- (iv) Processed timber means timber other than those in log and sawn sizes and include (a) Veneer (maximum thickness 5 mm), plywood, core-board, particle board and such other factory made products, (b) items of furniture, door and window frames, door handles, wooden parts of musical instruments and other consumer and industrial items in assembled or knocked down condition and knife handles of sandal wood of size not exceeding 3" in length with diameter not exceeding 1" (Note : Export of Tokobashira and Sandal wood veneer will not be allowed).

## SECTION-V

*Export Licensing Procedures :*

Items placed under Part A of Schedule I of the Exports (Control) Order, 1988 are not allowed for export.

Items figuring in Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988 are not allowed for export. These are listed in Appendix 3 to Appendix 6.

*Items export of which is placed "On Merits"—Appendix 3 :*

2. Applications complete in all respects for export of items falling in Appendix III i.e., list of items placed on merits should be addressed in the prescribed form AX to the CCI&E, Udyog Bhawan, New Delhi-11. Such applications will be considered on merits and on a case to case basis by a Committee known as Export Licensing Committee under the Chairmanship of the CCI&E. The Committee will consist of representatives drawn from various connected Government Departments. Export of such items will be permitted against specific licences to be issued by the regional licensing authorities concerned on the recommendations of the said Committee. The validity of these licences will be 6 months from date of issue and no request for revalidation will be entertained.

*Items placed under limited ceiling—Appendix 4 :*

3. The items which have been put under ceiling are those for which the permissible limits for exports will vary from year to year owing to either production constraints or constraints of processing capacities. These items have been divided into 2 lists viz. List I and List II. Items figuring under List I will be operated by the regional licensing authorities. Items placed under List II will be operated by the Office of CCI&E, New Delhi. The procedure for obtaining a licence for export of these items placed under ceiling is as follows : The entire year's ceiling will be released in two instalments on half yearly basis.

*Procedure to obtain List I items :*

4. The regional licensing authorities will issue a Trade Notice informing that a certain ceiling is available for allotment to prospective exporters. The exporters will be given 15 days time from the date of issue of the Trade Notice to submit their export applications. The exporters will be advised in the Trade Notices to be issued by the regional licensing authorities to submit their export applications in a sealed cover indicating therein the quantity applied for and the unit price at which they would like to export. Each exporter shall be allowed to submit only one application. With the export application, the exporter should file a declaration that he has not submitted any export application for the same commodity to

any other licensing authority during the same licensing period. In the Trade Notice, the regional licensing authority will clearly indicate what should be the unit of measurement like kg., tonne, metre etc., to enable the exporter to uniformly give the price in one common unit of measure. Along with the export application, the exporters will also be required to furnish a bank guarantee equivalent to 1 per cent of the FOB value of the ceiling items applied for. Applications not accompanied by the bank guarantee as specified will not be entertained. The bank guarantee will be redeemed as soon as the exporter furnishes evidence to the effect that he has completed the export of the ceiling allotted to him and/or realised the foreign exchange as quoted in the application. In the event of no ceiling being released to the applicant exporter, then the bank guarantee shall also be returned. After the last date for furnishing export applications is over, all these applications will be opened in the presence of the head of office and all applications will be considered in one lot and the ceiling will be allocated on pro rata basis. In the event of the applicants being large in number, then the licensing authorities will give credence to the price factor i.e., the ceiling will be allotted on the basis of highest unit value quoted in the application. In case the ceiling for some reason or other is not exhausted on the date of allotment due to less number of applications or on account of lack of demand, then a further trade notice will be issued by the licensing authorities and the same procedure will be repeated till the ceiling is exhausted.

5. Export licences so granted for the export of List I items shall be valid for a period of six months from the date of issue or till 31st March of the licensing year which ever is earlier. No further revalidation what-so-ever will be given. However, where the ceiling is linked to the grant of an advance licence/Pass Book, then the validity to be indicated in the export licence will be the validity as per the conditions of the advance licence/Pass Book for the export obligation period. In such cases, i.e. where the validity of the export licence is linked to the conditions of the advance licence/Pass Book, revalidation may be granted on the recommendations of the Regional Advance Licensing Committee or the Headquarters Advance Licensing Committee.

6. If the exporter surrenders the export licence prior to one month of the expiry of the export licence, in the event of his not being able to export, then the bank guarantee furnished by the exporter will be forfeited. If the exporter has exported 50 per cent and more of the ceiling allotted to him and for some reason or the other is unable to export the balance and surrenders the same within one month prior to expiry of the export licence, then the licensing authority will forfeit 50 per cent of the bank guarantee. If the exporter has exported less than 50 per cent surrenders the export licence within one month prior to the expiry of the export licence,

then the licensing authorities shall forfeit the full bank guarantee amount. However, if the exporter is unable to export and either surrenders the export licence after the expiry or does not surrender but the licensing authorities come to know that he has not exported or fails to realise the unit value promised then also the full bank guarantee will be forfeited.

7. In respect of List II items, these will be centralised in the Office of CCI&E, Udyog Bhavan, New Delhi. A Trade Notice will be issued by the Office of CCI&E inviting applications from prospective exporters and giving them 30 days time to submit their export applications. The Trade Notice will incorporate therein the unit of measure by way of price to enable the exporters to uniformly quote the price at which they would like to export. This is because issuance of export licence for List II items are invariably linked to highest unit value realisation as quoted in the application. The exporters will be advised to submit their export applications in duplicate in a sealed cover. After the last date is over, all such sealed covers shall be opened in the presence of Export Commissioner and on the basis of unit value realisation quoted in the application, the ceiling will be allocated. However, no exporter will be granted export licence for more than 10% of the total available ceiling. This limit of 10% may be waived in case there is still balance ceiling available after pro rata distribution among all the eligible applicants. The exporters will have to furnish a bank guarantee to the extent of 10 % of the FOB value of the ceiling released. The Office of CCI&E will intimate the exporter who has been allotted a ceiling that he should furnish a bank guarantee of 10 % of the FOB of the ceiling and only after the exporter furnishes the bank guarantee to the licensing Authority indicated by the exporter in his application will the ceiling be released to the exporter by the regional licensing authorities. The export licence for the ceiling will be issued by the regional licensing authority as indicated by the exporter in his application. The validity of the export licence shall be six months from the date of issue or till 31st March of the licensing year whichever is earlier. No revalidation for such licences will be granted. The penal provision for non-export as applicable to List I items will also be equally applicable to List II items. Any quantity allocated against the earlier licences which lapsed for the above reasons shall be available again to the Head Quarter office for re-allocation in the same manner as laid down above. The specimen of Indefinite-cum-Guarantee Bond to be executed by the exporters is given in Section VI.

#### Canalised exports :

8. Certain items of exports are canalised for export only by the canalising agencies designated. The list of such items and the agencies so nominated is given in Appendix 5 and OGL IV. For these items, the exports will be allowed only by the canalising agencies concerned. The quantum upto which export may be permitted in respect of these items and other details pertaining thereto are decided by the Government from time to time. The operations of the canalising agencies in this regard are therefore,

subject to such directions as may be given to them by the Government.

#### Open General Licence :

9. Items covered by an Open General Licence can as long as it is valid be exported freely without any licensing formalities to all destinations permitted therein.

At present, the following four OGL are operated.

- (a) OGL No. 1 applies to exports by land to any country adjacent to India and having no seaboard of its own of any goods included in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, which are consigned under a procedure prescribed for regulating transit traffic ;
- (b) OGL No. 2 applies to exports of free trade bonafide samples;
- (c) OGL No. 3 gives the list of items which can be exported on fulfilling all the conditions shown against each of the items;
- (d) OGL No. 4 includes list of items which can be exported only by the canalising agency mentioned against each item.

#### Pre-ban Commitment :

10. Unless otherwise provided, the following types of pre-ban (including pre-control) commitments may ordinarily be honoured for export control purposes :—

- (a) Where against a specific export order an irrevocable letter of credit in favour of the exporter/exporting firm has been opened by the foreign buyer covering 100% FOB value of the consignment and accepted by a scheduled bank in India prior to the date of ban/control;
- (b) where advance payment has been received provided that :
  - (i) the advance payment has been received against a specific export order and covers 100% fob value of the consignment; and
  - (ii) such advance payment has been received through an authorised dealer in foreign exchange on or prior to the date of the ban.

Notwithstanding the above, Government may for sufficient reasons treat any other claims, not covered by the above provisions as a pre-ban commitment.

11. Copies of pre-ban/pre-control commitments/export contracts etc., should be sent by the person concerned direct to the office of the CCI&E, New Delhi, for the fulfilment of preban commitments within a period of 30 days from the date of issue of the Public Notice.

12. The submission of such evidence shall not, however, confer any right on the person concerned to grant of any export licence or premission to export.

Note : A contract is deemed to be concluded after an offer is made and is accepted by the second party. It should be specific as to the mutually accepted terms and contents, i.e. it is binding on both, with reference to its enforceability.

13. Where such evidence, as is required is in the nature of a telegraphic/telex message detailing the offer or the acceptance of the contract in its material particulars, the evidence relied upon for substantiating the pre-ban commitment/export contract (or pre-ban commitment/contract) should include the (confirmatory) post copy of the said message sent immediately after, despatch, together with the connected envelope bearing the stamps of the Post Office.

14. In the Office of CCI&E, applications for pre-ban commitment will be considered by the Export Licensing Committee. Depending upon the decision of the Export Licensing committee, an export licence to the extent of pre-ban/precontrolled commitment or that may be decided by the said Committee, will be issued by the concerned regional licensing authority with a validity period of 90 days or less as may be decided upon. Such exporters shall complete export within the validity period as indicated in their export licence. No revalidation under any circumstances will be considered in such cases.

#### *Application forms :*

15. Application for export licences are to be made in the prescribed forms along with relevant documents as given in Section VI of this book. Applicants may use their own typed cyclostyled or printed forms.

#### *Persons authorised to sign applications :*

16. Every application for an export licence should be signed by the applicant himself or by a person duly/legally authorised by the applicant to do so. The position or nature of such legal authority held by the person signing the application/document/form should be clearly given therein along with the official stamp of his connected status. Otherwise, such application/document or form will receive no consideration by the licensing authority.

#### *Deficient applications :*

17. Applications which are not (i) in the prescribed form (ii) accompanied by necessary export documents (iii) accompanied by necessary particulars setting out the authority of the person signing it; or (iv) received after the last date prescribed, will stand summarily rejected. Applicants are expected to complete all the columns in the application form truly and properly. They may take the help of the Counter Assistance System to make sure that all their requirements are met.

#### *Amendments and Alterations to Licences :*

18. No change shall be made or effected by the licensee or any other person in the description of the

goods or the name of the consignor or the consignee and in the terms and conditions of the licence. Any unauthorised change would render the licence null and void, besides exposing the offender to the risk of being penalised. Applications for amendments and alterations should be submitted to the authority who issued the licence.

#### *Jurisdiction :*

19. Applications for the export of items figuring in Appendix III and Appendix IV List -II should be addressed to the CCI&E, Udyog Bhawan, New Delhi. Applications for items figuring in Appendix IV List-I should be made to the regional licensing authorities mentioned in Section VI depending on the port from which the export is to be made. In respect of commodities for which export ceilings are placed at the disposal of one or more specified licensing authorities, the intending exporter can apply for export to any one of such licensing authorities. With each export application in such case, the exporter should file a declaration that he has not made the export application for the same commodity to any other licensing authority in the same licensing period.

#### *Export of Free Trade Samples :*

20. The policy for export of free trade bona-fide samples is laid down in OGL-2. The intending exporters of samples are advised to go through the said OGL to know the policy as well the items allowed for export as samples and their value/quantity limits. The following procedure has been laid down for export of samples.

21. Export Promotion Councils and Commodity Boards have been nominated by the Government to monitor the annual ceiling/value limit for export of samples. A list of Export Promotion Councils/Commodity Boards together with their addresses is given in Section VI of this book. Intending exporters desirous of exporting bona-fide samples free of cost will have to apply to the respective Councils/Commodity Boards under whose jurisdiction the item/commodity falls. For this purpose it is necessary that the exporter will have to become a Member of the respective Council/Board. It is not necessary for the exporter to hold a registration-cum-membership certificate from the Council/Board for this purpose. Suffice, if he is only an ordinary member of the Council/Board. Only a member of the Council/Board is permitted to apply to the respective Council/Board for permission for export of trade samples. The form in which the exporter should apply to the Council is given in Section VI of this book. No fee shall be charged by the Council/Board for giving necessary permission for export of samples.

22. The Export Promotion Councils/Commodity Boards on receipt of the application for export of samples will verify the genuineness of the case and issue a Samples Export Card, to the exporter prescribing therein the details of the exporter, name of the samples to be exported, value of annual limit and destination where the samples are to be exported. A specimen Samples Export Card is given in Section VI of this Book.

23. The Export Promotion Council|Commodity Boards will issue Samples Export Cards only for the items|commodities with which that Council|Commodity Board is dealing with. However, in respect of Export Houses and Trading Houses, FIEO, will be the agency to monitor export of free trade samples. The FIEO will perform the same duties as that of an export promotion council or community board. Export Houses and Trading Houses are ineligible to approach the Export Promotion Council or Commodity Board. All their requirements upto the level as indicated in OGL 2 will be met by the FIEO only.

The Samples Export Card may be presented by the exporter to the Customs Authorities only at any of the Ports of Delhi, Calcutta, Madras, Bombay, Kandla, Visakhapatnam, Goa, Cochin, Bangalore and Hyderabad. When the samples Export Cards are presented by the Exporter to the Customs Authorities the Customs authorities will export of samples as contained in the Samples Export Card and make an endorsement in the Samples Export Card at the time of permitting export. The Customs Authorities will also ensure that the annual ceiling|value limit as allotted in the Samples Export Cards is not exceeded. Balance quantities|value of samples remaining at the end of the licensing period will not be permitted to be carried over to the next licensing period. The validity period of the Samples Export Card will be for one licensing year only.

24. If the intending exporter is desirous of exporting samples of items other than those contained in the Sample Export Card it will be incumbent on him to approach the other appropriate Export Promotion Council|Commodity Board which deals with the item. To illustrate, in respect of engineering items the exporter will have to approach Engineering Export Promotion Council. Similarly, for export of plastic items the exporter will have to approach the Plastics and Linoleum Export Promotion Council. It is once again reiterated that it is not obligatory on the part of the exporter to obtain a registration-cum-membership certificate from the Council|Board for export of samples. Mere membership with the Council|Board will qualify the exporter to obtain Samples Export Card from the Council|Commodity Board.

25. There is no last date prescribed for approaching the appropriate Export Promotion Council|Commodity Board, for issuance of Samples Export Card. However, the Samples Export Card will be valid from the date of issue upto the end of that licensing year.

26. If any exporter is desirous of exporting samples beyond the permissible limit as stipulated in OGL 2 then he should approach the Export Licensing Committee in the Office of Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi (Headquarters). However, no exporter will be allowed to approach the Export Licensing Committee at Headquarters before first exhausting the limit as laid down by the Export Promotion Councils|Commodity Boards. No application form as such has been devised for approaching the Export Licensing Committee at Headquarters. A formal letter setting forth details will suffice. It is left to the discretion of the Export Licensing Committee to grant necessary permission over and above

the limit laid down in OGL 2 on merits and on a case to case basis. Decision of the Export Licensing Committee is final and no appeal against the said Committee's decision shall be entertained.

27. Exporters of samples shall be required to furnish a pre-shipment inspection|Quality Control Certificate from the Export Inspection Agency, at the time of shipment, to the Customs Authorities for items which are covered under Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963.

*Export of samples of Indian origin for purposes of securing orders and their re-import :*

28. Imports (Control) Order, 1955 and the Customs Act, 1962, permit, subject to certain conditions and observance of certain formalities, re-import of samples sent or taken to foreign countries by Indian businessmen for the purpose of getting the buyer's approval. With a view to avoiding any difficulty which the Indian businessmen may have to face at the time of re-import the prospective exporters should contact the Customs|Import Trade Control authorities before exporting the samples to foreign countries and ensure that the various conditions laid down are fulfilled.

*Period of Shipment :*

29. An export licence will be valid for shipment of goods covered by it for a period of six months from the date of its issue, unless otherwise specified. An export licence issued under a limited ceiling provisions, will be valid for 6 months or as specified in the export licence. Shipment against a licence can be effected from any port in India but for documentation, etc., exporter will be required to report to the licensing authority who issued the export licence.

30. When a consignment is booked on a Through Shipping bills, the period of validity for shipment of goods will be one month, unless otherwise indicated therein.

*Critical Date of Export when the Consignment is booked by rail to any destination of neighbouring Countries with whom India has Rail Links :*

31. When a consignment is booked on a Through Railway Receipt for any destination outside India in the neighbouring countries with whom India has rail links, the date of Through R. R. will be taken as the date of export for Export Trade Control purposes, provided the export licence and the Letter of Credit are valid on the date of issue of Through R. R.. If the validity of the export licence and Letter of Credit expire during transit of the through consignments upto the last Indian customs checkpoint on the border of its clearance by Customs thereafter, clearance of the through consignments will not be refused on that ground. Any ban imposed on the export of such goods subsequent to the issue of the Through R. R. will also not apply to such consignments.

*Revalidation :*

32. No extension in the period of validity of shipment will be granted in the case of export licences. However, where export licences under limited ceiling have been given initial validity for more than 6 months, requests for revalidation of such export licences will be considered by the Licensing Authorities on merits and on the recommendation of the Regional Advance Licensing Committee or Headquarters Advance Licensing Committee and upto such period as the Licensing Authorities deem fit.

33. In respect of other export licences where exporter could not export within initial period of 6 months in case of genuine hardship or force majeure conditions, request for revalidation for a short period may be considered by the Export Licensing Committee at Headquarters. Extension where granted in such cases will under no circumstances exceed one month. Request for such revalidation should be made to Headquarters with a copy to the Licensing Authorities which issued the export licences. The Export Licensing Committee at Headquarters will consider such request on merits. The proviso will not, however, apply in cases where the export policy for the relevant licensing period has undergone any change in the period subsequent thereto.

*Exemption from Export Restrictions :*

34. No export licence is required for goods falling within the purview of Clause-15 of the Exports (Control) Order, 1988. Similarly, no export licence is required for goods covered by the Open General Licence(s) appearing in Export Policy 1988-91.

*Bona fide Personal Baggage :*

35. In order to save the travellers from the trouble of applying for export licences for items, export of which normally requires a licence and which they want to take out of India with them, either for their personal use or as souvenirs, certain concessions are provided.

36. The bona fide personal baggage of out-going passengers, either exported with the passengers, or if unaccompanied, exported within four months before or after the passengers' departure from India, is exempt from Export Trade Control restrictions. The time-limit in the above cases may be extended upto one year by the Collector of Customs in his discretion.

37. The concession is restricted only to the used or unused articles listed in Export Baggage Rules upto the limit prescribed therein, provided that the articles are meant for the personal use of the passenger or for the members of his family travelling with him and are not intended for sale or transfer to other parties. If a passenger wishes to take out with him any articles which falls outside the scope of the list in Export Baggage Rules he should apply to the Customs Authority at the port of embarkation or land frontier customs post or in the case of unaccompanied baggage, as the part of export. The Collector of Customs is authorised to permit export in his discretion. Applications for export hence in this connection will not ordinarily be entertained by the regional licensing

authorities except in respect of any controlled food articles such as grains, pulses, etc. if in excess of the quantities prescribed in Export Baggage Rules. Such applications are to be made to the regional licensing authorities who will consider such requests on merits at the level of Head Office.

*Ship-Stores :*

38. Indian foreign going vessels and foreign vessels having Indian shipping agents touching Indian ports in the course of their voyage may take controlled food stuffs and provisions like wheat, flour, rice, pulses, vegetables oils, etc. as ship-stores for the round voyage for the bona fide use of both crew and passengers on board the ship, on the scales notified vide Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) S. O. No. 2473 published in the Gazette of India on 2-8-1975 (Reproduced in Section VI). The export of items on the scales referred to above shall be allowed direct by the Customs authorities.

*Export by Post :*

39. Export of goods by post parcel, either as gift or for commercial purposes, is regulated in accordance with the provisions of Postal Notice No. 13, dated 3-12-1973 as amended from time to time. The Postal Notice is reproduced in Section VI.

40. With the exception of the items falling within the purview of the Postal Notice, all other items are permitted to be exported by post (except to the Union of South Africa and South-West Africa and Fizi) whether as gifts, or as commercial consignments, without export licences.

41. Parcels containing articles included in the Postal Notice are not allowed for export unless covered by export licence issued by the appropriate licensing authorities. Applications for licences should be made on Form B-X reproduced in Section VI.

42. Commercial samples sent by post parcel or otherwise by sea or air are covered by Open General Licence No. 2 reproduced in Section-II.

43. It is the responsibility of the sender to ensure that the parcel is covered by a proper export licence where such a licence is necessary, failing which the parcel is liable to be returned. The fact that a parcel is accepted by a post office in the first instance does not in itself constitute a guarantee that the requirements of export control have been fulfilled and also no claim for compensation or for refund on account of postage will be entertained.

*Export of Spares as Free Replacement during Warranty Performance Guarantee period :*

44. (1) Exporters of machinery and equipment will be allowed to export spares of the machinery/equipment exported as free replacement, if the following conditions are fulfilled :—

- (i) The spares in question are being supplied to foreign buyer of machinery and equipment during the warranty/performance Guarantee period;

- (ii) The total value of spares supplied free of charge does not exceed 2.5 per cent of the f.o.b. value of the machinery/equipment exported;
- (iii) Spares under this provision can be supplied either with the main equipment or subsequently; and
- (iv) If the spares are supplied along with the main equipment, the particulars of such spares should be indicated in the exporter's invoice, Shipping bill and GRI form. It will not be necessary to indicate the particulars of such spares in the bank certificate which is furnished by the exporter to the licensing authority for obtaining benefits.

(2) Where the spares under this provision are supplied at a time subsequent to the export of the main equipment/machinery, the exporter shall produce evidence to the Customs authorities to the effect that the spares are being supplied during the warranty/performance guarantee period. The exporter shall also furnish a declaration to the Customs authority at the time of exporting the spares that the total value of spares already supplied in free replacement in relation to the same machinery/equipment and the value of spares presently being supplied does not exceed 2.5 per cent of the f.o.b. value of the relative machinery/equipment.

(3) Where the value of spares supplied free of charge exceeds 2.5 per cent of the f.o.b. value of the main equipment, the exporter has to obtain prior permission of the Reserve Bank of India. In obtaining such permission of the Reserve Bank of India, the exporter should also indicate to the Reserve Bank the value of spares already supplied free of charge in relation to the same equipment/machinery and also the total f.o.b. value of the equipment/machinery exported.

(4) The exporter will not be required to obtain any prior permission from the licensing authority for export of such spares unless the spares are such as require an export licence under the Exports (Control) Order, 1988.

(5) Requests for export of spares not covered by the above provisions will also be considered on merits to enable exporters to meet their requirements of after sales service/warranty obligation or for execution of projects undertaken abroad. The permission for export granted in such cases shall be subject to the conditions as may be laid down.

#### 45. DUPLICATE COPIES OF EXPORT LICENCES

Where an export licence is lost or mis-placed an application for grant of duplicate copy thereof will be considered only if the licensing authority concerned is satisfied about the bona fides of the request. Such applications should be made to the licensing authority who issued the original export licence. Such application should be accompanied by Bank receipt

Demand Draft of Rs. 50/- towards application fee and an affidavit on a Stamp Paper duly sworn in before a judicial authority or Notary Public or Oath Commissioner.

The duplicate copy of the export licences will be marked "Duplicate", and endorsed by the issuing authority in block letters as follows :

"Export Licence has been issued in lieu of export Licence No.....dated..... since cancelled to the extent of full value or partly utilised value of Rs....."

Intimation about the issue of the duplicate copy of the licence will be sent by the Licensing Authority to the Customs Authority where the original licence has been registered. In cases, where the export licence has been lost before registering with the Customs Authority, intimation will be sent to all the Customs Authorities. The order of cancellation of the original licence will be published in the Gazette of India.

#### 46. REFUSAL OF EXPORT LICENCE

A Licensing Authority may refuse to grant an export licence :—

- (a) If the application does not conform to any provision of the Export (Control) Order, 1988 and as amended;
  - (b) If such application contains any false or fraudulent or misleading statement;
  - (c) If the applicant uses in support of the application any document which is false or fabricated or which has been tampered with;
  - (d) If the application for the export licence is defective or in-complete and does not conform to the prescribed rules and procedure;
  - (e) If the applicant is not eligible to the grant of export licence in accordance with the relevant export policy and procedure in force;
  - (f) If the applicant fails to produce any document that is called for by the licensing authority;
  - (g) If the applicant has failed to make up a deficiency in his application within the time in obtaining an export licence; and
  - (h) If the applicant has used any unfair means in obtaining an export licence; and
  - (i) Any other reason to be recorded in writing.
- A Licensing Authority will also refuse to grant an export licence under the provisions of clause 5 of Exports (Control) Order, dated 30th March, 1988 as amended from time to time.

**Export to Neighbouring Countries :**

47. In case of trade with Neighbouring Countries, special instructions will be issued by the Chief Controller of Imports and Exports from time to time.

**APPEAL, REVISION AND REVIEW**

48. Clause 12(2) of the Exports (Control) Order provides that where any person is aggrieved by any action taken under clause 7 or 8 or 11(1), he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government, may by notification in the official Gazette constitute for the purpose of hearing appeal, within 30 days from the date of communication of the action taken.

49. In exercise of the powers thus conferred by Sub-Clause (2) of Clause 12 of the Export (Control) Order, 1988, the Central Government has constituted the following authorities for the purpose of hearing and disposing of appeal against statutory orders under Clause 7, 8 and 11(1) of the Export (Control) Order.

- (a) Where the original order is passed by a Deputy Chief Controller|Joint Chief Controller then the first appeal shall lie with the Additional Chief Controller of Imports and Exports|Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Export, Udyog Bhavan, New Delhi;
- (b) Where an order has been passed by the Additional Chief Controller of Imports and Exports|Export Commissioner, the appeal shall lie with the Export Licensing Committee in the Office of CCI&E New Delhi.

50. The appeal made under the provisions of this Order should be accompanied by a proforma giving the following information :—

- (a) Authority against whose decision appeal is preferred;
- (b) A copy of the order appealed against;
- (c) Whether the appeal is against debarment or suspension from receiving licences (in the case of debarment, the periods for which appellant has been debarred from obtaining licences may also be indicated); and
- (d) The grounds of appeal (in brief).

51. A copy of the appeal should invariably be sent by the Appellant to the authority against whose decision the appeal is made.

52. However, the CCI&E may designate, from time to time, Appellate Authorities for deciding specific types of cases

**APPEAL AGAINST ORDERS OTHER THAN THOSE REFERRED TO IN THE PRECEDING PRAGRAPHS**

53.1 Where a person is not satisfied with the decision of a Licensing Authority|Appellate Authority, he may prefer an appeal against the said decision in accordance with the provisions hereinafter stated. Requests|Representations made to the Office of the Chief Controller of Imports and Exports outside the scope of these provisions are liable to be summarily rejected.

53.2 Appeal, will be entertained in the following types of cases;

- (a) In respect of an application for export licence;
- (b) In cases relating to Enforcement of Indemnity-cum-Guarantee Bonds executed by the exporters for fulfilment of conditions applicable to an export licence.

**54. FIRST APPEAL**

- (a) In respect of above matters where the original decision has been taken by the Asstt. CCI&E or Dy. CCI&E, the first appeal shall lie with the Jt. CCI&E exercising administrative control over the said licensing office;
- (b) Where the original decision has been taken by the Jt. CCI&E, the first appeal shall lie with the Committee of two Jt. CCI&E or officers of higher rank appointed for the purpose by the CCI&E in Headquarters;

**SECOND APPEAL**

If the appellant is not satisfied with the decision of the Appellate Authority on his first appeal, he may prefer a second appeal to the Additional CCI&E or an officer of equivalent rank appointed for the purpose by the CCI&E in Headquarters Office.

**TIME LIMIT FOR FILING APPEAL**

55.1 An Appeal should be filed with the Authority concerned within 45 days from the date of receipt of the order/decision appealed against. However, Appellate Authority may condone delay not exceeding 45 days in submission of Appeal, if it is satisfied that the same could not be filed within the stipulated period for adequate reasons;

55.2 While indicating the decision, the Licensing Authority|Appellate Authority shall indicate the Authority to whom Appeal may be preferred by the aggrieved person.

**OPPORTUNITY FOR PERSONAL HEARING**

56. If an appellant or a Petitioner desires to be heard in person in connection with the Appeal filed by him and he has filed a statement or has made specific mentioned as such in his appeal, an opportunity for personal hearing may be afforded to him. However, if the appellant/petitioner does not avail of the opportunity given to him, the Appeal shall be decided on merits on the basis of the material available on record.

**DOCUMENTS ACCOMPANYING APPEAL**

57.1 The following documents and particulars should be submitted with the Appeal in duplicate :

- (i) Name and Address of the Exporter;
- (ii) Licensing Period to which the application pertains;
- (iii) Brief description of goods to be exported;

(iv) Copy of the Original application and other documents furnished with it;

(v) A copy of the decision/order appealed against;

(vi) Grounds of Appeal

(vii) Any other documents/evidence on which appellant relies; and

(viii) Statement whether the appellant desires to be heard in person.

57.2 In the case of First and Second Appeal, a Bank receipt/Demand Draft of Rs. 50/- and Rs. 100/- respectively towards payment of fees should also be furnished.

57.3 All appellants should clearly indicate at the top whether it is first appeal or second appeal.

## EXPORT APPLICATION FORM

## FORM A X

*Form of Application for Export of controlled Commodities*

(I) IEC NUMBER \_\_\_\_\_

1. Name of the applicant \_\_\_\_\_

2. Address of the applicant \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Pin Code \_\_\_\_\_

3. Particulars of the items desired to be exported:

Sl. No.	Item name	ETC code	Unit of Measurement		Quantity	FOB value to Rs.	Value per unit	Port of Ship-ment		Ultimate destination to which export is desired	
			Name	Code				Name	Code	Name	Code

4. Particulars of the applicant \_\_\_\_\_

(a) Year of establishment \_\_\_\_\_

(b) Whether the Company is \_\_\_\_\_

1	Public Ltd. Co.
2	Private Ltd. Co.
3	Proprietary firm
4	Individual firm
5	Hindu undivided family
6	Body/Association of Individuals
7	Others (Pl. specify):

(c) Names of Directors/partners/proprietors

1. \_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_
3. \_\_\_\_\_
4. \_\_\_\_\_
5. \_\_\_\_\_

(d) If a private Co., a partnership concern or an individual firm, state whether any of the persons named in (c) above are directors, partners or proprietors of any other company or firm. Yes/No.

5. Name of Applicant's Bankers: \_\_\_\_\_

6. If export is desired against ceiling allotted to the applicant, selling slip allotment, letter to be furnished.

(i) Number/Files No \_\_\_\_\_

(ii) Date of issuing ceiling slip \_\_\_\_\_

(iii) Name of the Regional Licensing Authority from which the applicant wants the Export licence to be issued.

7. (i) Has the applicant exported in the past, the commodity now applied for? Yes/No.

(ii) Has he any previous suspension of export trade? Yes/No

If so, the name of the principal commodities exported by applicant in the preceding 2 months should be indicated. If the applicant has been connected with the commodity as a manufacturer or dealer, indicate the volume of production of business.

Sl. No.	Name of the exported item	Item code	Volume of production/business	Value in Rupees

8. Whether applicant is a member of any recognised chamber or trade Association ? Yes/No.

If yes, name of the Chamber/Association : \_\_\_\_\_

#### 9. LIST OF ENCLOSURES.

#### DECLARATION :

I/We declare that what has been stated above is correct.

- (i) Signature of the applicant : \_\_\_\_\_
- (ii) Name in block letters : \_\_\_\_\_
- (iii) Designation : \_\_\_\_\_
- (iv) Full Residential address : \_\_\_\_\_
- (v) Date : \_\_\_\_\_

N.B.:- (1) If the applicant is unable to provide an answer against any of the column they should give positive reason for it.

(2) Applicants supplying false or incorrect information will be debarred from receiving licences in future.

(3) Application should be signed by the Proprietor, Partner or Manager, Director of the firm or by any person duly authorised to sign any legal declaration on behalf of the firm. The position held by the person signing the application should be clearly stated.

## FORM B—X

*Application for Licence to Export A Controlled Article By Post*

(i) IEC NUMBER : \_\_\_\_\_

(1) Name of the Applicant : \_\_\_\_\_

(2) Postal Address : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

The undersigned hereby makes application for licence to export by post the undermentioned goods in respect of which the information herein is certified to be true and correct.

(3) Details of goods to be exported :

Sl. No.	Item Name	Item code	Unit of Measurement		Quantity	Value (in Rs.)
			Name	Code		

(4) Name and address of consignee :

(i) Name : \_\_\_\_\_

(ii) Address : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

(5) Whether the goods are for,

1	Trade purposes
2	Personal

6. Post office at which parcels will be placed : \_\_\_\_\_

Date: \_\_\_\_\_

(Signature of the applicant).

To

Joint/ Deputy Chief Controller of Imports and Exports. \_\_\_\_\_

(Entry below this line to be left blank by applicant)

## DECISION

Licence No. \_\_\_\_\_ granted for export of above noted articles (in Number ..... ) parcels.

For Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports valid for \_\_\_\_\_ months from the date of issue.

## INSTRUCTIONS TO APPLICANTS

1. The form should be presented in duplicate with the particulars fully filled in to the licensing authority and if a license is granted should be handed over with the parcel at the post office of despatch.

2. While giving the description/quantity and value of the goods against items 1, the number of parcels and the quantity in each should also be stated

3. All the parcels covered by a single licence should be posted in one instalment

**NOTE FOR EXECUTION OF THE INDENTITY-CUM-GUARANTEE BOND**

1. That, if the Exporter is a sole proprietary firm, the Guarantee Bond is to be executed by the Sole Proprietor of the said sole proprietary firm, along with his parentage and complete postal address.
2. That, if the Exporter is a partnership firm, the Guarantee Bond is to be executed in the name of the partnership firm, through all the partners to be specified, or the Managing Partner, if so, specified in the Partnership Deed, along with the address of the partners/Managing Partner, and the place where the Registered Office of the partnership firm is situated.
3. If the Exporter is a Limited Company, the Guarantee Bond should be executed by the Managing Director of the Company, along with the seal of the Company and also specifying the address of the Registered Office of the Company.
4. That on behalf of the Guaranteeing Bank, the same should be executed by the authorised officer of the Nationalized Scheduled Bank along with the official seal of the Guaranteeing Bank.

## FORM 1 Items of Appendix 4

## INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND

(To be executed by the exporters and the guaranteeing bank on a non-judicial stamped paper of the minimum value of Rs. 15/- if executed in the Union Territory of Delhi or any amount as may be prescribed by the Stamp Collector in the respective State where this bond is being executed.)

## 2. To

The President of India

through Joint Chief Controller of Imports  
and Exports Deputy Chief Controller  
of Imports & Exports, Full address.

This deed executed on \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_  
19\_\_\_\_

## By

(1) \_\_\_\_\_

(full name of the exporter/firm with complete postal address of Exporter), hereinafter referred to as "Exporter", which expression shall be deemed to include the heirs, successors, administrators, official liquidator and permitted assign (party of the first part) and

(2) \_\_\_\_\_

(full expanded description of the guaranteeing bank with the complete postal address of the office or the branch from which the guarantee bond has been executed) hereinafter referred to as "Guarantor", which expression shall be deemed to include successors, administrators and official liquidator party of the second part)

The above-named parties are jointly and severally held and firmly bound to the President of India acting through the Joint Chief Deputy Chief Controller of Imports and Exports, hereinafter referred to as the "Government"

Whereas the Government of India in the premises the Ministry of Commerce through the Chief Controller of Imports and Exports has framed a policy for exportation of the goods on the terms and conditions specified in the said Export Policy (for short hereinafter to as "Export Policy") and as also to be further elaborated in the export licence to be issued under the said Export Policy as also on the basis of any other notifications or executive instructions issued by the Government/Chief Controller of Imports & Exports

And whereas the above named exporter has applied for an export licence for the export of \_\_\_\_\_ under the aforesaid Export Policy

And Whereas the aforesaid exporter has agreed to furnish an Indemnity-cum-Guarantee Bond in consideration of the Government's agreeing to consider the exporter's application for grant of export licence.

And Whereas the above-named guarantor has agreed and undertaken to guarantee the payment of the guaranteed amount in consideration of the Government's agreeing to consider the grant of export licence under the Export Policy.

And Whereas the above-named exporter and the guarantor bank do hereby expressly and irrevocably undertake and agree to export the goods as indicated in the application for export licence and have also undertaken to abide by the terms and conditions and the procedure laid down in the Export Policy of the Government as also to abide by the terms and conditions to be specified in the export licence

## NOW THE CONDITIONS OF THE ABOVE BOND ARE AS FOLLOWS :

- (1) That, in the event of the exporter being granted an export licence for export of the items specified therein, the exporter shall faithfully comply with all the obligations and the terms and conditions incorporated in the export licence as also comply with all the conditions and obligations specified in the export policy and any other notification/executive instruction issued by the Government of India/Chief Controller of Imports & Exports regarding or incidental to the said export, and the exporter shall, within six months from the date of issue of the export licence or upto 31st March of the licensing year, whichever is earlier, completely export the commodity/commodities specified in the export licence
- 2) That, in the event of the exporter being granted an export licence which is linked to the export obligation as contained in the Advance Licence/Pass Book, the exporter undertakes to comply with the conditions stipulated in the said export licence or during the extended period of validity of the said licence.
- 3) That, in the event of the exporter not fulfilling the export obligations as per the export policy and as per the terms incorporated in the export licence to the full satisfaction of the government which shall be final, the exporter undertakes and agrees that a sum of Rs. \_\_\_\_\_ (equivalent to 1 per cent of the f.o.b. value of the exports undertaken to be exported as per the export obligation) would stand forfeited to the Government.

- (4) That the exporter further agrees and undertakes that, in the event of exporter's default in meeting the export obligation set out in the export licence to the full satisfaction of the Government, the exporter would also be liable to the Government instituting legal actions in accordance with the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947, and the Exports (Control) Order, 1988.
  - (5) That the above named guarantor do hereby expressly and irrevocably guarantee the payment of a sum of Rs. .... (Being equivalent to one per cent of the f.o.b. value of the exports undertaken to be exported by the exporter in the application for export licence), immediately on the written demand of the Government, in whole or in part, as may be communicated in the Demand Letter issued by the Government, or by any officer authorised by the Government, and the guarantor shall, without any demur or without reference to the above named exporter, pay to the Government, or to any officer so authorised by the Government any sum demanded by the Government from the above named exporter, and the guarantor also irrevocably and expressly undertake to indemnify and guarantee the payment by the guarantor upto the maximum of Rs. ...., as above.
  - (6) That, notwithstanding any right the Government may have directly against the above named exporter or notwithstanding any dispute raised by the exporter in any form, the Government's written demand to the guarantor shall state necessary details that the amount is demanded by the Government from the guarantor under the aforesaid terms and conditions and under the terms and conditions of the export policy and the export licence to be issued thereon, and such demand by the Government shall be final and binding upon the guarantor.
  - (7) That the Indemnity-Cum-Guarantee Bond and the obligations of the exporter and the guarantor therein shall remain in full force for a period of one year from the date of expiry of the export licence, and if all the obligations of the exporter are not duly fulfilled and discharged to the full and final satisfaction of the Government in the prescribed period, the guarantor and the exporter do hereby agree and undertake to renew and revive the period of validity of this Indemnity-Cum-Guarantee Bond for a further period as may be required by the Government.
  - (8) That the guarantor shall not be discharged or released from this undertaking and this guarantee by any arrangement, variation between the Government and the exporter, any indulgence to the exporter by the Government, with or without the consent or knowledge or any alteration in the obligation of the exporter, or any forbearance whether as to the payment, time, performance, or otherwise.
  - (9) That this Indemnity-Cum-Guarantee Bond shall remain valid and in full force until all the obligations of the exporter are duly complied with to the full satisfaction of the Government, which shall be final, and till the Government is fully satisfied about the accomplishment of the promises and obligations undertaken by the exporter under the export policy, etc. and as reported by the Government to the guarantor in writing.
  - (10) That the above named Indemnity-Cum-Guarantee Bond shall be a continuing indemnity and a continuing guarantee and shall not be discharged by any change in the constitution of the exporter or the guarantor. It is further indemnified by the above named parties that the payment by the guarantor to the Government under this bond shall be made forthwith on the receipt of the written demand of the Government, or by any officer authorised by the Government.
  - (11) That this Indemnity-Cum-Guarantee Bond is executed by the above named parties for the purpose involving public interest.
  - (12) That the above Indemnity-Cum-Guarantee Bond shall be void after all the obligations of the exporter and the guarantor are duly fulfilled to the full and final satisfaction of the Government, as specified above and such satisfaction has been communicated to the guarantor, in writing, by the authorised officer of the Government.
- In witness whereof, the above named exporter and the guarantor have hereby duly executed these Presents on the day, month and year specified above, signed, sealed and delivered in the presence of the following witnesses.
- WITNESSES :**
1. Full expanded description of the exporter to be authenticated and affirmed before a stipendiary 1st Class Magistrate, or a Notary Public.
  2. Full expanded description of the guarantor, to be executed for and on behalf of the nationalised/scheduled bank by the authorised officer of the bank along with the seal of the bank.

For List II items of Appendix 4  
**INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND**

(To be executed by the exporter and the guaranteeing bank on a non-judicial stamped Paper of the Minimum value of Rs. 15 if executed in the Union Territory of Delhi or any amount as may be prescribed by the Stamp Collector in the respective State where this bond is being executed.)

**2. To**

The President of India  
through : Joint Chief Controller of Imports and Exports|Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Full address.

This deed executed on—day of—19—

By

(1) —————  
(full name of the exporter|firm with complete postal address of Exporter), hereinafter referred to as "Exporter", which expression shall be deemed to include the heirs, successors, administrators, official liquidator and permitted assign (party of the first part) and

(2) —————  
(full expanded description of the guaranteeing bank with the complete postal address of the office or the branch from which the guarantee bond has been executed) hereinafter referred to as "Guarantor", which expression shall be deemed to include successors, administrators and official liquidator (party of the second part).

The above-named parties are jointly and severally held and firmly bound to the President of India, acting through the Joint Chief|Deputy Chief Controller of Imports and Exports hereinafter referred to as the "Government".

WHEREAS the Government of India in the premises of the Ministry of Commerce through the Chief Controller of Imports and Exports has framed a policy for exportation of the goods on the terms and conditions specified in the said Export Policy (for short, hereinafter referred to as "Export Policy") as also on the basis of any other notifications or executive instructions issued by the Government|Chief Controller of Imports & Exports,

AND WHEREAS the above-named exporter has applied for an export licence for the export of—under the aforesaid export policy.

AND WHEREAS the aforesaid exporter has agreed to furnish an Indemnity-Cum-Guarantee Bond in consideration of the Government granting the exporter an export licence.

AND WHEREAS the above-named guarantor has agreed and undertaken to guarantee the payment of the guaranteed amount in consideration of the Gov-

ernment's granting an export licence under the Export Policy.

AND WHEREAS the Government has agreed to issue the Export Licence No. .... dated . . . . . as per the terms and conditions specified therein;

AND WHEREAS the above-named exporter and the guarantor bank do hereby expressly and irrevocably undertake and agree to export the goods as indicated in the export licence and have also undertaken to abide by the terms and conditions and the procedure laid down in the Export Policy of the Government as also to abide by the terms and conditions specified in the export licence;

**NOW THE CONDITIONS OF THE ABOVE BOND ARE AS FOLLOWS :**

- (1) That the Exporter shall fully comply with all the obligations and the terms and conditions incorporated in the export licence as also comply with all the conditions and obligations specified in the Export Policy and any other notifications|executive instructions issued by the Government|Chief Controller of Imports & Exports regarding and|or incidental to the said export, and the said exporter shall within 6 months from the date of issue of the export licence or upto 31st March of the licensing year, whichever is earlier, completely export the commodity|commodities specified in the export licence.
- (2) That, in the event of the exporter being granted an export licence which is linked to the export obligation as contained in the advance licence|pass book the Exporter undertakes to comply with the conditions stipulated in the export licence during the extended period of validity of the said licence.
- (3) That, in the event of the Exporter not fulfilling the export obligations as per the Export Policy and as per the terms incorporated in the export licence to the full satisfaction of the Government which shall be final, the Exporter undertakes and agrees that a sum of Rs. ————— (equivalent to 10% of the FOB value of the exporters undertaken to be exported as per the export obligation) would stand fortified to the Government.
- (4) That, the exporter further agrees and undertakes that, in the event of exporter's default in meeting the export obligation set out in the export licence to the full satisfaction of the Government, the Exporter would also be liable to the Government instituting legal actions in accordance with the provisions of the Imports & Exports (Control) Act, 1947, and the Exports (Control) Order, 1988.

(5) That the above-named guarantor do hereby expressly and irrevocably guarantee the payment of a sum of Rs. .... (being equivalent to 10 per cent of the fob value of the exports undertaken to be exported by the exporter in the application for export licence), immediately on the written demand of the Government, in whole or in part, as may be communicated in the Demand Letter issued by the Government, or by any officer authorised by the Government, and the guarantor shall, without any demur or without reference to the above exporter pay to the Government, or to any officer so authorised by the Government, any sum demanded by the Government from the above named exporter and the guarantor also irrevocably and expressly undertake to indemnify and guarantee the payment by the guarantor upto the maximum of Rs. .... as above.

(6) That, notwithstanding any right the Government may have directly against the above named exporter or notwithstanding any dispute raised by the exporter in any form, the Government's written demand to the guarantor shall state necessary details that the amount is demanded by the Government from the guarantor under the aforesaid terms and conditions of the export policy and the export licence already granted and such demand by the Government shall be final and binding upon the guarantor.

(7) That the Indemnity-cum-Guarantee Bond and the obligations of the exporter and the guarantor therein shall remain in full force for a period of one year from the date of expiry of the export licence, and if all the obligations of the exporter are not duly fulfilled and discharged to the full and final satisfaction of the Government in the prescribed period, the guarantor and the exporter do hereby agree and undertake to renew and revive the period of validity of this Indemnity-cum-Guarantee Bond for a further period as may be required by the Government.

(8) That the guarantor shall not be discharged or released from this undertaking and this guarantee by any arrangement, variation between the Government and the exporter, any indulgence to the exporter by the Government, with or without the consent or

knowledge or any alteration in the obligation of the exporter, or any forbearance whether as to the payment, time, performance, or otherwise.

(9) That this Indemnity-cum-Guarantee Bond shall remain valid and in full force until all the obligations of the exporter are duly complied with to the full satisfaction of the Government, which shall be final, and till the Government is fully satisfied about the accomplishment of the promises and obligations undertaken by the exporter under the export policy, etc. and as reported by the Government to the guarantor in writing.

(10) That the above named Indemnity-cum-Guarantee Bond shall be a continuing indemnity and a continuing guarantee and shall not be discharged by any change in the constitution of the exporter or the guarantor. It is further indemnified by the above named parties that the payment by the guarantor to the Government under this bond shall be made forthwith on the receipt of the written demand of the Government, or by any officer authorised by the Government.

(11) That this Indemnity-cum-Guarantee Bond is executed by the above named parties for the purpose involving public interest.

(12) That the above Indemnity-cum-Guarantee Bond shall be void after all the obligations of the exporter and the guarantor are duly fulfilled to the full and final satisfaction of the Government, as specified above and such satisfaction has been communicated to the guarantor, in writing, by the authorised officer of the Government.

IN WITNESS WHEREOF, the above named exporter and the guarantor have hereby, duly executed these presents on the day, month and year specified above, signed, sealed and delivered in the presence of the following witnesses.

#### WITNESSES :

1.

1. Full expanded description of the exporter to be authenticated and affirmed before a stipendiary 1st Class Magistrate, or a Notary Public.

2.

2. Full expanded description of the guarantor, to be executed for and on behalf of the nationalised/scheduled bank by the authorised officer of the bank along-with the seal of the bank.

---

**Form of Application for Export of Samples**

---

To be made to concerned **Export Promotion Council/Commodity Board**.

1. Name & Address of the Applicant:
2. Name of branches, if any with their addresses :
3. Nature of concern:

whether (a) Proprietorship

(b) Partnership

(c) Private Limited Company

(d) Public Limited Company

4. Names and addresses of the Proprietors/partners/directors:
5. Exporter Code number allotted by the Reserve Bank of India:
6. Import Export Code Number allotted by the licensing authority:
7. Year of Establishment :
8. Name of applicant's banker/s.
9. Particulars of samples desired to be exported :—
  - (a) Description of item.
  - (b) ETC classification, if applicable.
  - (c) Quantity.
  - (d) FOB value.
10. The Country to which the Samples are sought to be exported.
11. The Customs Port from which the applicant desires to export the samples.
12. Has the applicant exported in the past.—the commodity now applied for, if not the reasons for now seeking permission for export.
13. Is the applicant enrolled with the Export Promotion Council/Commodity Board as a Member, or is the applicant holding a valid Registration-cum-membership Certificate from the Export Promotion Council/Commodity Board. If so, please state Number and date of issue of membership certificate or number and date of RCMC.

I/We hereby declare that what has been stated above is correct.

Date:

Signature of Applicant  
Name in Block Letters  
Full address

## NAME OF THE EXPORT PROMOTION COUNCIL/COMMODITY BOARD

## SAMPLES EXPORT CARD

Date of Issue:

1. Name and address of the Exporter.
2. Exporter Code No.
3. Import & Export Code No.
4. Particulars of samples allowed to be exported
  - (a) Description of item/s
  - (b) ETC Classification, if any
  - (c) Quantity
  - (d) FOB value
5. Country/ies to which allowed

Note : (a) The provisions as contained in OGL No. 2 of the Export Policy 1988-91 will apply in respect of the samples allowed for export.

(b) Balance quantity of samples remaining at the end of the Licensing period will not be permitted to be carried over to the next licensing period.

(c) The validity period of this Card will be one licensing year only. This Card automatically expires by the 31st March of the Licensing year.

Signature of Secretary/Executive Director.

Seal of the Council/Commodity Board

---

**JURISDICTION FOR THE PURPOSE OF EXPORT LICENSING**


---

- |  |  |
|--|--|
| Joint Chief Controller of Imports and Exports (Central Licensing Area) Indraprastha Bhavan, 'A' Wing, New Delhi-110002.                          | States of Himachal Pradesh, Haryana and Jammu Kashmir six districts of Uttar Pradesh namely Meerut, Ghaziabad, Bulandshahr, Muzaffarnagar, Sharanpur and Moradabad and Union Territories of Delhi and Chandigarh |
| 2. Joint Chief Controller of Imports & Exports, 4 Eplanade East, Calcutta- 700059.   | States of West Bengal, Bihar, Orissa and Sikkim and Union Territory of Andaman and Nicobar.  |
| 3. Joint Chief Controller of Imports & Exports, New Central Government Offices/Building, S.E. Wing, New Marine Lines, Churchgate, Bombay-400020. | States of Maharashtra and Goa and Union Territory of Daman and Diu, Dadra and Nagar Haveli.  |
| 4. Joint Chief Controller of Imports and Exports, 197, Peters Road, Royapetah, Madras-600014.  | State of Tamil Nadu (excluding Coimbatore District) and Union Territory of Pondicherry.  |
| 5. Joint Chief Controller of Imports and Exports, 'A' Block, Multistoreyed Building, Lal Darwaja, Ahmedabad.                                     | Gujarat.   |
| 6. Joint Chief Controller of Imports and Exports, B.W.S.S.B. Wing, 7th Floor, Caveri Bhavan, Bangalore.  | Karnataka State (excluding Mangalore District)   |
| 7. Joint Chief Controller of Imports and Exports, 117/L/444, Kakadeo, Kanpur-208025.   | Uttar Pradesh except those areas which are under the jurisdiction of JCCI&E (CLA) New Delhi and DCCI&E, Varanasi and Allahabad.  |
| 8. Deputy Chief Controller of Imports and Exports, 5-9-22/-1/16, Damayanthi Chambers, Adarsh Nagar, Hyderabad-500483.                            | Kerala State, Coimbatore District (Tamil Nadu State) Mangalore District of Karnataka State and Union Territory of Lakshadweep.   |
| 9. Deputy Chief Controller of Imports and Exports H.No. 36/862-A, Chittor Road, Ernakulam, Cochin-682011.  | Madhya Pradesh.  |
| 10. Deputy Chief Controller of Imports and Exports, IIIrd Floor, Guru Teg Bahadur Complex, New Market, Bhopal-462003.                            | Punjab.  |
| 11. Deputy Chief Controller of Imports and Exports, CBR Building, Hall Road, Amritsar.   | Rajasthan.   |
| 12. Deputy Chief Controller of Imports and Export, Udyog Bhavan, Tliak Marg, Jaipur-302005.  | Assam, Arunachal Pradesh, Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura and Meghalaya.   |
| 13. Deputy Chief Controller of Imports and Exports, R.C. Baruah Road, Gauhati-781024.  | Districts of Varanasi, Mirzapur, Ghazipur, Jaleshpur, Azamgarh, Ballia, Deori, Gorakhpur and Basti.  |
| 14. Deputy Chief Controller of Imports and Exports, SN-15/121, Rishiptan Marg, Sarnath Road, Sarnath, Varanasi-221007.                           |  |

## EXPORT BAGGAGE RULES

## BONAFIDE PERSONAL BAGGAGE OF A PASSENGER GOING OUT OF INDIA

For the purpose of exemption from export trade restrictions *bona fide* personal baggage shall not be subject to the provisions of the Customs Act, 1962, and the Customs Rules thereunder, provided that the articles are meant for the personal use of the passenger or for the members of his family travelling with him and are not intended for sale or transfer to other parties.

The Wild Life (dead or alive or part thereof or produces therefrom specified in part 'A' of Schedule to the Exports (Control) Order, 1988 shall not be treated as constituting such personal baggage.

Export of animal species included in any of the Appendices to the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES) shall be subject to regulation under CITES and special examination by the Regional Assistant Director, Wild Life Preservation Government of India

Articles —

## A. Wearing Apparel.

(i) Personal and household effects such as bed linen, blankets, towels, Household linen, used foot wear of all kinds, spectacles and sun glasses, cigarette cases and ash trays, Kashmir artware, papier mache articles, small walnut wood articles, e.g. stools, small wooden tables, a nest of table chairs, camp-cot etc. cushions, table covers, cushion covers, tea cosies, used kitchen utensils of brass, aluminium or copper. Indian curios "Not made of tiger, leopard, or panther or any wild animal's skins included in Part 'A' of schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, buttons and cufflinks, cutlery other than that made of silver, household crockery, earthenware and glassware, leather suit cases, hand bags, harness and saddlery, leather footwear of all sorts, musical instruments of all kinds including gramophones and records, pictures and photographs, framed and unframed postage stamps, printed books, toys, requisites for games, sports, perambulators, toilet requisites, woollen floors, carpets, floor rugs, pashmina shawls and woollen hosiery.

(ii) Cameras, watches, fountain-pens—2 of each per passenger.

(iv) Typewriter—one per adult passenger.

(v) Home cine-equipment, wireless reception sets, radios and sewing machine (Foreign or Indian)—one each per family.

(vi) Clocks or timepieces, binoculars, bicycles (Foreign or Indian)—one of each per adult passenger.

(vii) Minor electric appliances e.g. table fan, lamps, kettle, iron plugs, sockets, etc—within reasonable quantities.

(viii) Professional instruments, apparatus and appliances required by a passenger for his own use e.g. tools of a craftsman, any instruments of a physician or surgeon which they normally carry with them.

(ix) Domestic silverware and furniture : Normally persons going out of India for a holiday or a short trip will not be allowed to take out domestic silverware or furniture. In other cases, export will be allowed upto the limits or value indicated below :—

- (a) Passengers who have come to India from outside and are leaving the country for good after a prolonged stay, may take out silverware upto Rs. 3,000/-. The facility will also be allowed to foreigners who have been staying in India for a period of 2 to 3 years or more and thereafter go back to their countries.
- (b) Casual visitors going abroad for short trips, Rs. 200 per head subject to a limit on Rs. 400 per family provided the silverware is in actual use of the passengers.
- (c) Persons going out of the country after a prolonged stay will be allowed to take away the furniture use.
- (d) Persons going to live abroad for an indefinite length of time of not less than 6 months will be allowed to take furniture item for their own *bona fide* requirements.

Note :—

- (i) Indian National emigrating to foreign countries or going abroad for indefinite stay may be allowed to take out silverwares up to Rs. 2,000/- in value with the permission of the Reserve Bank of India.
- (ii) Gift article made of silver will not be allowed to be sent out by Indian Nationals to relatives or friends abroad, irrespective of the value of such gifts.
- (iii) Drugs and medicines Rs. 200/- per family.

## B. New Articles :

- (1) Sewing threads—1 kg. per passenger.
- (2) Dyes and colours, all sorts—500 gm per family.
- (3) Unexposed films—4 spools per passengers provided the passenger is taking out a camera.

Proposed	Limit	Per Passenger	Quantity
<b>Foodstuffs</b>			
Wheat	kg. per head	not exceeding 36 kg. per family	
Rice	kg.	-36-	
Mustard	kg.	-10-	
Edible oil	kg.	-36-	
Sugar	kg. per head	not exceeding 18 kg. per family	
Pepper and Chillies	kg. per head	not exceeding 4.5 kg. per family	
Tea and Coffee	1 kg. of Tea and 2 kg. of Coffee	per head.	
Butter and Ghee	4.5 kg. per passenger	not exceeding 18 kg. per family	
Cardamom	500 grammes per passenger	but subject to 2 kgs. per family of five or more members.	

- (6) Chocolates and Chocolate confectionary in reasonable quantities.
- (7) Processed fruit products such as Jams, Marmalades, Jellies and crystallised fruits, syrup and fruits, squashes—in reasonable quantities.
- (8) Other Food-stuffs such as sauces, condiments, curry powder, tamarind, multispices (other than pepper and chillies), cashew-nuts and walnuts—in reasonable quantities.
- (9) Indian sweets and home-made sweets preparations—in reasonable quantities.
- (10) Indian piggery products, viz., lard, bacon and ham—in reasonable quantities.
- (11) Textile and garments etc. of Indian manufacture only :—
  - (a) Cotton cloth or garments.
  - (b) Silk or art silk cloth or garments.
  - (c) Woollen cloth

There is no restriction on the export of the above-mentioned textile as bona fide baggage provided these are not intended for commercial purposes or safe.

- (d) Knitting wool 2.25 kg. per lady passenger only
- (12) Zari :—
  - (a) per passenger—2.25 kg.
  - (b) per family—4.5 kg.
- (13) Kashmir Artware in reasonable quantities
- (14) Curios of Indian make, "Not made of tiger, leopard or panther or any wild animal's

skins included in Part 'A' Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988.

To tourist without permit.

Rs. 500/- subject to the condition that goods do not fall under the purview of the Antiquities (Export Control) Act, 1947.

(15) New kitchen utensils.

Stainless steel and aluminium are decontrolled for export. In case any passenger desires to take the articles in excess of the prescribed limits, he should obtain permit from Assistant Collector, Preventive Department in respect of uncontrolled article or from the Export Trade Control authorities in respect of controlled articles.

(16) Electric bulbs (foreign or Indian)—1 dozen per family.

(17) Article made of peacock feathers—in reasonable quantity.

#### Arms and Ammunitions :—

(i) Personal arms and ammunition will be allowed to be taken out provided the passenger has either a valid possession licence thereof or is exempted from having such a licence under the Indian Arms Act.

(ii) A person who has purchased bona fide replicas of antique weapons which have been rendered innocuous in India intended for his personal use and desire to carry them upto four pieces only as part of his baggage while leaving India may be allowed to take these with him at the discretion of the customs authorities not below the rank of an Assistant Collector of Customs at the port of departure on production of the voucher/sale memorandum certifying that the replicas have been inspected by the competent authorities.

**2. Export Trade Control Restriction.**—Controlled articles not covered by the foregoing paragraphs require a licence from the Export Trade Control authorities for their legal export. The Customs Collector may, however, in his discretion relax the Export Trade Control restriction in respect of the categories of passengers mentioned below to the extent specified against each category provided he is satisfied that (a) the goods are for the bona fide requirements of the passengers and (b) the goods are mainly produced or manufactured in India :—

**I. Bona fide Foreign Tourists.**—Goods other than those specified in Part A of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, may be taken to their country of residence, without any monetary limit, on production of documentary evidence to the Customs authorities that the goods have been purchased against payment in foreign exchange. However, silverware will be allowed only upto Rs. 200/- per head subject to the limit of Rs. 400/- per family.

#### II. Passengers other than Foreign Tourists.—

Articles not exceeding Rs. 2000/- (two thousand only) in value may be taken out by passengers other

than foreign tourists. However, within the above limit, Silverware will be allowed only upto Rs. 200/- per head subject to a maximum of Rs. 400/- per family.

3. *Commercial Samples*.—Commercial travellers will be allowed to take out commercial samples in reasonable quantities even if they consist of controlled commodities.

#### 4. *Foreign Exchange Regulations*.—

##### (i) *Indian Currency*

Travellers going out of India have been prohibited from taking with them Indian currency notes and coins except to the limited extent as indicated below :

- For presentational purposes two pieces each of Rs. 50/- and Rs. 10/- coins with development oriented design in uncorrupted quality.
- Persons proceeding to Nepal—Without limit (excluding notes of the denominations of Rs. 100 or higher)
- Deck passengers to Burma, Malaysia, Singapore, Gulf Ports or East Africa—Not exceeding Rs. 20/- per person.
- Passengers to Bangladesh, Ceylon or Pakistan—Not exceeding Rs. 20/- per person.

##### (ii) *Foreign Exchange*

(a) Any person proceeding from India may take with him freely foreign exchange in the form of foreign currency notes, coins, drafts, travellers cheques or letter of credit obtained from an authorised dealer in foreign exchange provided necessary endorsement in support of the issue of such foreign exchange has been duly made on his passport by the concerned authorised dealer.

(b) General permission has also been granted by the Reserve Bank of India :

- to any person to take to Nepal currency notes or coins of Nepal without limit.
- to any person, not ordinarily resident in India to take out of India an amount of foreign currency not exceeding the amount brought in by him in foreign currency provided that the amount had been declared by him to the Customs authorities on arrival in India on the prescribed form.
- to any person proceeding outside India other than those proceeding to Bangladesh, Bhutan and Nepal to take out any foreign currency notes and coins upto the equivalent of Indian Rs. 200/- per person.
- to any person proceeding to Bangladesh to take out any foreign currency notes and coins upto the equivalent of Indian Rs. 100/- per person.

#### (ii) *Jewellery*

(a) *Non-gold jewellery*.—Any person may take out of India at any one time precious stones and jewellery, other than articles made wholly or mainly of gold as indicated below :—

- Travellers to Afghanistan, Iran or Gulf Countries in the Middle East—Rs. 2,000/- in value.
- Travellers to any other country or place Rs. 10,000/- in value.

*Exception*.—Any person other than a person domiciled in India may take out with him any precious stones or jewellery brought by him into India on his arrival in the country without limit and precious stones or jewellery other than articles made wholly or mainly of gold purchased by him in India upto a further Rs. 10,000/- in value.

(b) *Gold Jewellery*.—General permission has been granted by the Reserve Bank to any person ordinarily resident in India to take at any one time out of India personal jewellery made mainly or wholly of gold upto Rs. 10,000/- in value which is worn on his person or which form part of his personal baggage.

*Exception*.—Any person not ordinarily resident in India may take out from India, jewellery made mainly or wholly of gold, without limit provided that the jewellery was previously brought by him into India from abroad with the permission of the Customs authorities. Such a person may also take at any one time out of India, jewellery made mainly or wholly of gold upto Rs. 2,000/- in value purchased by him in India.

(c) *Gold and articles made of gold other than jewellery*.

The export of gold coins, bullion, ingots and articles (other than jewellery) made wholly or mainly of gold is prohibited unless specially permitted by the Reserve Bank of India.

*Export of securities*.—The taking or sending of any securities to any place outside India is prohibited except with the special permission of the Reserve Bank of India.

*Export Declaration Form*.—All passengers are required to file a Custom Export Declaration form which will be supplied to them free of charge at the time of embarkation by the Customs Officer on duty.

*Export Certificate*.—Passengers are advised to obtain export certificates for those articles of personal property which are intended to be reimported into India to ensure that they do not have to pay duty on their subsequent reimport.

## SHIP STORES

PUBLISHED IN THE PART II, SECTION 3, SUB-  
SECTION (ii) OF THE GAZETTE OF INDIA  
DATED 2-8-1975

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
(TRANSPORT WING)  
New Delhi, the 15th July, 1975  
NOTIFICATION  
(Merchant Shipping)

S.O. 2473.—In pursuance of clause (g) sub-section (2)  
of section 101 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of

1958), and in supersession of the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) published under S.O. No. 2169, dated the 21st June, 1967 the Central Government hereby, fixes the scales of provisions set out in the annexed schedule, to be the minimum scales which shall be supplied to the seamen engaged on ships on the Articles of Agreement approved by the Government of India, with effect from the 1st March, 1975.

## SCHEDULE

Revised Scale of Provisions for Seamen signing of Indian Articles of Agreement  
(Foreign Going)

1. Rice (a)	Daily	350 Grms.
2. Flour or Atta and bread (bread to be made available daily, when practicable (b))	Daily of which 80 grams shall be flour or atta.	160 "
3. Dal—Tur, Moong, Masoor or Split Peas (a)	Daily	80 "
4. Fresh Fish (whole) variety to be supplied, where available—six days a week (c)		110 "
5. Fresh Meat (with bones and normal fat—fat not to exceed 1/7th portion—Six days a week (d))	"	170 "
6. Vegetables (e)	"	345 "
7. Edible Oil (f)	"	25 "
8. Ghee (Agmark or other good quality)	"	45 Grms
9. Curry stuff(g)	"	25 "
10. Tamarind or Cocum	"	10"
11. Salt	"	25 "
12. Pickle or Chutney	"	15 "
13. Butter	"	20 "
14. Jam	"	10 "
15. Tea and/or coffee (h)	"	10 "
16. Sugar	"	40 "
17. Condensed Milk	"	135"
18. Chicken—once a week (eviscerated)	"	225"
19. Eggs	"	1 Number
20. Fruit (six days a week) (j)	"	One whole piece or 115 Grms.
21. Ice Cream—Once a week (when not supplied, fruit will be supplied)	"	115 Grms
22. Lime Juice.	"	15 "
23. Water	Weekly	28 Qrts.
For Tankers		
Fresh Milk (Homogenised or Ultra Heat treated milk)	"	1 Pint

## Notes :

When a seaman is ill and off duty, biscuits, tea or coffee and sugar shall be given to him with arrow-root or sago as needed.

(a) In bad weather, when unable to cook rice and Dal 185 Grams. of biscuits and additional 60 Grms. of sugar shall be substituted.

(b) When Bread is not supplied 160 Grams. of flour or atta shall be supplied.

(c) When fresh fish is not available tinned fish or pickled herrings shall be supplied in lieu of fresh fish in the proportion 1 : 2.

(d) Mutton shall be supplied to seamen who decline to take beef or pork.

(e) Out of 345 Grms, 115 Grms, shall be Potatoes, 115 Grms, shall be Onions; 115 Grms. Fresh vegetables like Beans, Brinjals, Brussels, Sprouts, Cabbage, Couli flower, Ladies Fingers, Capsicum or Peas or suitable available alternatives shall be supplied in order to provide variety.

As far as possible, Tomatoes should be supplied at least once a week. The same vegetables should not be repeated on more than two consecutive days. When fresh vegetables are not available, dehydrated vegetables can be supplied in the proportion 1 : 4.

(f) Til or Kardai oil for Bombay Seamen; Mustard oil for Calcutta seamen whenever available; coconut or Groundnut oil otherwise.

(g) Out of 25 Grms. of curry stuff, 18 Grms, should consist of red chillies, coriander seeds, turmeric, mustard, dry or green garlic, desicated or dry coconut, and 7 Grms. 'Garam Masala i.e. cinnamon, cloves, cardamom, cumin seeds, black papper, poppy seeds, nutmag and mace, when fresh coconut is available, it shall be supplied in place of dry or desicated coconut.

(h) When instant coffee is supplied instead of powder Coffee, it should be in the proportion of 1 : 2 : 4.

(i) When large fruit such as Papaya, Water Melon etc. is supplied, it shall be 115 Grms.

(j) Where fresh milk is not supplied, 100 Grms. of dried milk will be supplied weekly.

(k) During such periods as may be declared periods of foodgrains scarcity by the Director General of Shipping, if and when rice is not available in the quantities required, the daily scale of rice may be reduced in units of 25 grms, and as compensation therefor the scale of other items shall be increased per day as indicated below :—

10 Grams of fresh fish, or

5 grams of meat, or

50 grams of dry vegetables, or

25 grams of fresh vegetables.

(l) Whenever provisions are issued in tinned containers, the standard packings nearest to the grams weight as per above scale will be accepted by the seamen.

#### COLD WEATHER SCALE :

In the cold weather, an additional 10 gms of Tea and/or Coffee, 10 grms. of sugar and 5 grms. of condensed milk shall be supplied daily. No lime Juice will be supplied in cold weather.

The Scale for 'Cold Weather' shall apply—

(i) In the Northern Hemisphere during the months of October to March inclusive and North of 30°N in the Atlantic Ocean and elsewhere North of 24°N.

(ii) In the Southern Hemisphere during the months of May to September inclusive and South of 30°S [No. MSE(9)/75-MT].

Sd/- D. C. Ahir  
Under Secretary to the Govt. of India

1. REGULATION ON FOREIGN POSTS (PART I) 1970  
IMPORTS AND EXPORTS (CONTROL) ORDER, 1968

In supersession of instructions contained in paragraph 1 of Director General's Post Office Circular No. 21 dated the 30-12-1970 as amended from time to time, the following revised instruction, which take effect immediately, are published as the accompanying postal Notice for the information and guidance of all concerned.

2. Export of all articles, with the exception of those mentioned in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, should be allowed by post without licence to all permissible destinations.

Note.—By 'permissible destinations' is meant countries with which this Administration maintains mail service (letter and parcels) and those countries with which there is no trade ban.

### POSTAL NOTICE

No. 13 dated 3-12-1973.

In supersession of Postal Notice No. 18 dated December 1970 the following revised instructions are published for the information and guidance of all concerned.

2. Except for goods included in Schedule I to Exports (Control) Order 1968 export of other goods as gifts or for commercial purposes by post parcels will be allowed to all permissible destinations without production of licences under the Imports and Exports (control) Act, 1947.

3. With the exception of what is detailed in sub-para (i) to (x) below items shown in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 will not be allowed for despatch by post unless they are covered by licences issued by the Export Trade Control authorities.

- (i) Commercial samples, when covered under OGL No. 2 upto value indicated in Schedule IV to the Exports (Control) Order, 1968.
- (ii) Silver Zari goods, without any monetary limit, whether for commercial purpose or as gift.
- (iii) Hand woven woollen carpets and woollen Chain stitched Rugs shown against item No. 23 in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, when exported as gifts without monetary limit.
- (iv) Footwear, all types, shown against item No. 50 in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value when despatched as gifts.

(v) Handloom striped bed-spreads known as 'Batawah' shawls shown against item No. 21 (i) in Part (B) of Schedule I to Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel when despatched as gift.

(vi) Handloom cloth of lungi design of non-fast colour (including those having bleeding properties) and garments made there from shown against item No. 21(ii) in Part B of Schedule I to Export (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel, when despatched as gift.

(vii) Exports of Cotton manufactures to U.K., U.S.A., Austria, West Germany, France, Italy and Benelux countries shown against items Nos. 21 (iii), (iv), (vii), (ix), (x), (xi) and (xii) in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel when despatched as gift.

(viii) Cellulosic Art Silk Fabrics shown against item No. 21(vi) in Part B Schedule I to the Exports (Control) Order 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel when despatched as gift.

(ix) Nylon Fabrics shown against item No. 21(xii) in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel when despatched as gift.

(x) Silver coins where (i) export value is not less than the price of silver, contents, (ii) permission of the Reserve Bank of India has been obtained, (iii) antiquity clearance has been obtained from the Archaeological Department of the Ministry of Education for coins more than 100 years old; (iv) the relevant shipping bills are endorsed by competent Customs Officer.

4. Notwithstanding what has been stated above, exports by post will continue to be subject, where necessary, to the P.P. Form and other procedure laid down in the Postal Notice No. 12 dated the 25-5-1951 as amended from time to time regarding restrictions on the export of goods by post to countries outside India under the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (VI of 1947).

5. The provisions of this Postal Notice will also apply to the Exports of goods by air postal parcels provided the parcels do not exceed 5 (five) kg. in weight.

## LIST OF EXPORT PROMOTION COUNCILS/COMMODITY BOARDS TOGETHER WITH THEIR ADDRESSES

Sl. No.	Export Product	Registering Authority
1	2	3
1.	Engineering goods: Stainless Steel Products, Fabricated Mica, Mica based Engineering Products and Construction Services.	Engineering Export Promotion Council, "World Trade Centre 14/1B, Ezra Street (3rd Floor), : Calcutta-700 001 and its Regional Offices Commerce Centre (2nd Floor): Trade Road, Bombay-400 034: Kannammal Building (1st floor) 612 Anna-salai, Madras and Surya Kiran, 4th Floor, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.
1.A	Electronic goods, Computer Software and Related Services.	The Electronics and Computer Software Export Promotion council "Vandhana" 4th Floor, 11, Tolstoy Marg, New Delhi-110 001.
2.	Chemical and Allied Products namely, Glass and Glassware, Ceramics, Paints, Rubber Products including tyres and tubes Paper and paper products, including books journals and periodicals, Safety matches, Fireworks and explosives, Asbestos and, Cement products, Wood Products, Marble Chips, Adhesive Shallac Compound.	Chemicals and Allied Products Exports Promotion Council 14/1B, Ezra Street, 2nd Floor, Calcutta-700 001 and its Regional offices Sire Mansion, 103, Mount Road, Madras-600 006, and D-17, Commerce Centre, Tardeo Road, Bombay-400 034., Chemicals & Allied Products Export Promotion Council Northern (Lakshmi Niwas) 8, Shahzed Bhagat Singh Margh, New Delhi-110 001.
3.	Basic Chemicals, namely, Drugs, Pharmaceuticals and Fine Chemicals, Dyes, Intermediates, Alcohol and Coal Tar-Chemicals, Organic Chemical Agro Chemicals Glycerine, Soaps, Detergents, Cosmetics & Toiletries, Processed Talc, Agarbatti, Essential Oils Dehydrated Culture media and Crude Drugs.	Basic Chemical, Pharmaceuticals and Cosmetics Export Promotion Council, Jhansi Castle (4th Floor) 7, Cooparge Road, Bombay-400 001, and its regional offices, at 23/1&2 6th Main Road, 3rd Cross, Gandhi Nagar, Bangalore-560 009 and Kankarla Estate, 9th Floor, 6-Little Russel Street, Calcutta-700 0071.
4.	Plastics, Toys, Polyester Film & Allied Products, Human Hair Products,	Plastic and Linoleum Export Promotion Council, Tulsiani Chambers, 6th Floor, Plot No. 212, Block III, 612 & 615, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400021, and its Regional offices, at Size Mansion, 123, Mount Road, Madras-600006 and 14/1B Ezra Street, Calcutta-700 001.
5.	Finished leather and leather goods chrome tanned blue hides & skins, chrometanned hides and skins, chrome-tanned crust leather, E.I. tanned hides & skins and E.I. crust leather.	Council for Leather Exports, Marble Hall, 118, Vepery High Road, Periamet, Madras-600 003, and its regional offices a (i) 15/46, Civil Lines, Post Box No. 198, Kanpur-208 001 (ii) 220, "Niranjab" 2nd Floor, 99, Subhash Road, Bombay-400 002, (iii) 27, Mirza Ghalib Street formerly Free School St. 5th Floor, Calcutta-700 016, and (iv) 904, Nirmal Towers, 26, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.
6.	Sports Goods.	Sports Goods Export Promotion Council, IE/6, Jhandewalan Extension, New Delhi-110 001.
7.	Fish, Fish meal and Fish Products.	The Marine Products Export Development Authority, Collis-Estate. M.G. Road, PB No. 1708, Cochin-682 016 and its Regional Offices at :— 1. 6th Floor, Regent Chambers, Jammalal Bajaj Margh, Nariman Point, Bombay-400 021. 2. 4-B, Maruthi Building, 4th Floor 12, London Street, Calcutta-700 017. 3. Seafood Exporters Association of India Building, Near Perumanoor Jetty Willingdon Island, Cochin-682 003. 4. Indian Chamber Building, Esplanade, Madras-600 001. Sub-Regional Offices at:— 1. Adenwala Building, Subhash Road, Veraval-362 265 (Gujarat). 2. Opposite Central Market, Bright Shop Building, Mangalore-575 001. 3. Mira Flores, 1st Floor, Near Gomantak St. INEX, Panaji-403 001, GOA.

1	2	3
		<p>4. No. 15-13-3, Krishnanagar, Visakhapatnam-530 002.</p> <p>5. Thiruvavur, 24-Chidambaram Nagar, 2nd Street, Tuticorin 628 008.</p> <p>6. Jubilee Building, 1st Floor, Chinnakada, Quilon-691 001.</p> <p>7. Jayadev Nagar, Lewis Road, Bhubaneswar-751 002.</p> <p>And its Trade Promotion Offices at:—</p> <p>1. 101, Nirmal Tower, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.</p>
8. Processed foods		Agricultural & Processed Food Products Exports Development Authority 105 New Delhi House-27 Barakhamba Rd., New Delhi-110001.
9. Curry powder & other Spices, Oil & Oleoresin Spices whole or ground in consumer packs of 1 Kg or less under brand names & spices whole or ground in bulk.		Spices Exports Promotion Council World Trade Centre, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam-6.
10. Handicrafts		Export Promotion Councils for Handicrafts, 6 Community Centre, Basant lok, Vasant Vihar, New Delhi-110057.
11. Handmade Woolen carpets, rugs, drapes, druggists and Namadhas including handmade silk carpets.		Carpet Export Promotion Council Shop No. B-115, Sector XVIII Post Office Noida, Dist. Ghaziabad (U.P.).
12. Cashew Kernels		Cashew Export Promotion Council, World Trade Centre, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam-6.
13. Tobacco and Tobacco Products		Tobacco Board, Guntur, Andhra Pradesh.
14. Woolen textiles, hosiery knitwear, mixed fabrics and Machine made Woolen Carpets, Rugs and Druggists		Wool & Woollen Export Promotion Council, 714, Ashoka Estate, 21, Barakhamba Road, New Delhi and its regional offices, at Churchgate Chamber, 7th Floor, 5, New Marine Line, Bombay. 400020 and 714/3, Gurdev Nagar Pakhowal Road Ludhiana.
15. Coir		Coir Board Post Box No. 1752 Ernakulam (Kerala).
16. Cotton Textiles		Cotton Textiles Promotion Council Engineering Centre 5th Floor- 9, Mathew Road, Bombay-400 004.
17. Ready-made garments including woolen knitwear and garments of leather silk jute and hemp.		Apparels Export Promotion Council Sahyog Building 4th Floor 58, Nehru Place New Delhi-19 and its regional office at Textiles Centre 1st Floor Poona Street P.D. Mellow Road Bombay-400 009.
18. All Natural Silk fabrics made up garments and machine made carpets		The Indian Silk Export Promotion Council, 62, Mittal Chambers Nariman Point, Bombay-400 021.
19. Gem and Jewellery		<p>Gem and Jewellery Export Promotion Council D-15 Commerce Centre 4th Floor Tardeo Road Bombay-400 034 and Its Regional Offices at:</p> <p>(i) Rajasthan Chambers Bhawan Mirza Ismail Road Jaipur-302 003.</p> <p>(ii) High Tower Nungambakkam High Road Jaganathan Street Madras-400 034.</p> <p>(iii) Nirmal Tower 10th Floor 26, Barakhamba Road, New Delhi-1.</p>
20. Cinematographic film (exposed) Feature film, Documentaries Advertising films, News Films and T.V. films.		National Film Development Corporation Bombay.
21. Natural fibre products (other than Coir products)		Jute Commissioner Calcutta.
22. Non-Cellulosic products		The Synthetic and Rayon Textile Export Promotion Council Resham Bhavan, 78, Veer Nariman Road, Bombay-400 001.—Block No. 3F, Resham Bhavan, Lal Darwaja, Surat; 3-m Diwan C. Mehra Road, Amritsar.

1	2	3
23. Cellulosic products		The Synthetic and Rayon Textile Export Promotion Council Resham Bhavan, 78, Veer Nariman Road, Bombay-400 001--Block No. 3E, Resham Bhavan, Lal Darwaja, Surat. 33 Hukam Singh Road Amritsar.
24. Blended products from mixtures of cotton/cellulosic fibre or yarn Nylon Polyester fibre or yarn.		The Synthetic and Rayon Textile Export Promotion Council Resham Bhavan, 78, Veer Nariman Road, Bombay-400001--Block No. 3E, Resham Bhavan, Lal Darwaja, Surat; 33 Hukam Singh Road, Amritsar.
25. Vanaspati		Director of Sugar and Vanaspati, Department of Food Ministry of Agriculture and Irrigation, New Delhi.
26. Khadi i.e. any cloth woven on Handlooms in India from Cotton Silk or Woollen yarn Hand-spun in India or from a mixture of any two or all of such Yarns (including Ready-made garments and other articles made of Khadi).		Khadi and Village Industries Commission, "Garmodaya" 3 Irla Road, Vile Parle (West), Bombay-400 056.
27. Phototype set Films and Micro Films.		Chemicals and Allied Products Export Promotion Council, 14/1B Ezra Street, 2nd Floor, Calcutta-1.
28. Dewaxed Decolourised Shellac.		Shellac Export Promotion Council, Calcutta.
29. Acrylic Knitwear.		Wool and Woollens Export Promotion Council, 714, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New Delhi and its Regional offices, at Churchgate Chamber, 7th Floor, 5, New Marine Line, Bombay-400 020, and 714/3, Gurdev Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana or the Synthetic and Rayon Textile Export Promotion Council, 78, Veer Nariman Road, Bombay-400 001,--Block No. 3E, Resham Bhavan, Lal Darwaja, Surat, 33 Hukam Singh Road, Amritsar.
30. Pocket Tea, Tea bags & instant tea.		Tea Board, 14, Biplabi Trailokya Maharaj Sarani (Barabourne Road), Calcutta-700 001.
31. Cardamom		Cardamom Board, Benerji Road, Cochin-682 018.
32. Overseas Construction and Civil Engineering Projects.		Overseas Construction Council of India, Commerce Centre, 7th Floor, J. Dadaji Road, Tardeo, Bombay-400 034.
33. Handlooms products, Jute Cotton Blended Handloom Fabrics/Made-ups.		Handloom Export Promotion Council, "Rishad Mansion", 622, Anna Salai, Post Bag 461, Madras-6000 06 and its regional office at XVI 784-785 D.B. Gupta Road, Karol-Bagh, New Delhi-110005.

AN ILLUSTRATIVE LIST OF OTHER ACTS &  
ENACTMENTS

(See Paragraph 4 o Section I)

S. No.	Name of the Act	1	2
1	2	7.	Tea Act, 1953.
1.	Indian Post Office Act, 1898.	8.	Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisement) Act, 1954.
2.	Ancient Monument Preservation Act, 1904.	9.	Dangerous Drugs (Import, Export and Transshipment Rules), 1957.
3.	Indian Coffee Act, 1942.	10.	Arms Act, 1959 and Arms Rules, 1962.
4.	Coir Industry Act, 1942.	11.	Antiquities and Art Treasures Act, 1972.
5.	Foreign Exchange Regulation Act, 1947.	12.	Motor Vehicles International Circulation Rules.
6.	Dangerous Drugs Act, 1953.		